महानगर नई दिल्ली रविवार 18 अगस्त, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

भारत-भूटान दोस्ती

भूटान के पारो हवाईअड्डे पर शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी को गुलदस्ता भेंट करती बच्ची।

बंदिशें घटीं, कल से खुलेंगे स्कूल

कश्मीर घाटी में 35 थानाक्षेत्रों में प्रतिबंधों में दी गई ढील

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

जम्मू के पांच जिलों में 2जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के साथ ही कश्मीर घाटी में 35 थानाक्षेत्रों में प्रतिबंधों में ढील दी गई है। हालांकि, इंटरनेट का किसी भी तरह दुरुपयोग किए जाने पर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। गृह मंत्रालय के मुताबिक, पुंछ, बनिहाल, किश्तवाड़ और भद्रवाह में छूट दिए जाने के साथ ही अब जम्मू के 10 जिलों में कोई प्रतिबंध नहीं है। सोमवार से कश्मीर घाटी में स्कूल खुल जाएंगे। केंद्र सरकार के जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधान हटाने के बाद पांच अगस्त से यहां मोबाइल फोन और लैंडलाइन फोन सेवाएं स्थगित कर दी थीं।

जम्मू-कश्मीर के प्रमुख सचिव रोहित कंसल ने बताया कि घाटी में प्राथमिक स्कूल सोमवार को फिर से खुलेंगे और उसी दिन से सरकारी कार्यालय भी पूरी तरह काम करना शुरू कर देंगे। अधिकारियों ने बताया कि सिविल लाइंस इलाके में कुछ दुकानें शनिवार सुबह खुली। निजी वाहनों की आवाजाही भी बढ़ रही है। कश्मीर के सिविल लाइंस, छावनी, एयरपोर्ट, राजबाग और जवाहर नगर जैसे कुछ इलाकों में लैंडलाइन सेवा बहाल कर दी गई लेकिन वाणिज्यिक केंद्र लाल चौक और प्रेस एनक्लेव सहित अधिकतर हिस्से में अभी सेवा बहाल नहीं हुई है। जल्द ही 20 और एक्सचेंज काम करने लगेंगे। एक्सचेंज चालू होने से मध्य कश्मीर के बडगाम, सोनमर्ग और मनिगाम में लैंडलाइन सेवाएं काम करने लगी है। उत्तरी कश्मीर में गुरेज, बाकी पेज 8 पर

पाक गोलाबारी में लांस नायक शहीद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। नौशेरा सेक्टर में सीमा पर शनिवार सुबह 6.30 बजे से गोलाबारी शुरू हुई। पाकिस्तान की गोलाबारी में सेना के लांस नायक संदीप थापा (35) शहीद हो गए।

'जवाबी कार्रवाई में कई पाकिस्तानी सैनिक ढेर'

शहीद लांस नायक संदीप थापा

इसके बाद भारतीय सेना ने माकूल जवाब देते हुए पाक की बाकी पेज 8 पर

थिंपू में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत

रक्षा सहयोग सहित दस समझौतों पर दस्तखत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो दिन के दौरे भूटान पहुंचे। वहां उन्होंने भूटान के अपने समकक्ष लोटे शेरिंग से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय भागीदारी को और प्रगाढ़ बनाने के कदमों पर चर्चा की। थिंपू में शब्दरूंग नामग्याल द्वारा 1629 में निर्मित सिमतोका जोंग में अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा सहयोग समेत दस समझौतों पर दस्तखत किए गए। सिमतोका जोंग भूटान में सबसे पुराने स्थलों में एक है और यह मठ और प्रशासनिक मामलों का केंद्र है।

मोदी ने कहा, पड़ोसी देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध

भारत और भूटान के बीच हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट, नॉलेज नेटवर्क, मल्टी बाकी पेज 8 पर

कश्मीर से ध्यान हटाने के लिए हमला कर सकता है भारत : पाक

इस्लामाबाद, 17 अगस्त (भाषा)।

भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच पाक सेना ने शनिवार को कहा कि वह भारत की किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। पाक सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल आसिफ गफूर ने कहा कि हो सकता है भारत कश्मीर से दुनिया का ध्यान हटाने के लिए हमला करे। कश्मीर पर देश के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के बाद गफूर ने ये बातें कही। इस दौरान पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी मौजूद रहे।

प्रवक्ता ने कहा, कश्मीर मुद्दा परमाणु टकराव का कारण बन सकता है

आसिफ गफूर ने कहा, 'हमें आशंका है कि भारत ध्यान बंटाने के लिए हमला कर सकता है, लेकिन हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।' गफूर ने कहा कि ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए नियंत्रण रेखा के पास पर्याप्त सैन्य बल तैनात किया गया है।

अप्रत्याशित युद्ध की आशंका के प्रति चेताते हुए सेना प्रवक्ता ने कहा, 'कश्मीर मुद्दा परमाणु टकराव का कारण बन सकता है।' कुरैशी ने कहा कि देश के शीर्ष अधिकारियों ने विदेश मंत्रालय में विशेष बाकी पेज 8 पर

राष्ट्रपति ट्रंप ने दी इमरान को सलाह

भारत से द्विपक्षीय बातचीत के जरिए कम करें तनाव

वाशिंगटन, 17 अगस्त (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ शुक्रवार को फोन पर हुई बातचीत में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव द्विपक्षीय वार्ता के जरिए कम करने के महत्व पर बल दिया। ट्रंप और इमरान के बीच फोन पर बातचीत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों के बीच बंद दरवाजे में चर्चा से पहले हुई। इस बीच, इमरान खान ने बंद कमरे में हुई इस बाकी पेज 8 पर

ट्रंप और इमरान के बीच फोन पर बातचीत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों के बीच बंद दरवाजे में चर्चा से पहले हुई थी

एम्स में आग

एम्स परिसर में शनिवार को लगी आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मी। खबर पेज 4 पर

रविवारी
18 अगस्त, 2019

गदर की निशानियां

आजादी के लिए शुरू हुए संघर्ष में देश के विभिन्न वर्गों से लोगों ने हिस्सा लिया था। उसमें बहुत सारे लोग शहीद हुए थे। गदर से जुड़ी उन जगहों, शहीदों की निशानियों को सहेजने की जरूरत रेखांकित कर रहे हैं गजेंद्र सिंह।

• कहानी/ योगेश दीक्षित • ललित प्रसंग/ सुरेश सेठ • संस्कृति/ चंद्र त्रिखा • शख्सियत/ फिराक गोरखपुरी • दाना-पानी/ मानस मनोहर • सेहत/ रविवारी डेस्क

बागवानी का मौसम - रवि डे

• कविता/ सलीम खां फरीद • कहानी/ मोहम्मद अरशद खान

जेटली की सेहत पर एम्स की चुप्पी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली ,17 अगस्त ।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की हालत नाजुक बनी हुई है। हालांकि एम्स ने 10 अगस्त के बाद से उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई स्वास्थ्य बुलेटिन जारी नहीं किया है। शनिवार को एम्स में उन्हें देखने आने वाले नेताओं का तांता लगा बाकी पेज 8 पर

जेटली का हालचाल जानने पहुंचे अमित शाह सहित कई नेता

रक्षा खरीद नीति बदलने की तैयारी, समिति गठित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

रक्षा खरीद नीति बदलने की तैयारी की जा रही है। मौजूदा ढांचे की समीक्षा के लिए रक्षा मंत्री ने शनिवार को उच्च स्तरीय समिति बनाई, जो अगले छह महीने में रिपोर्ट देगी। यह समिति सैन्य खरीद के मौजूदा नीतिगत ढांचे की समीक्षा करेगी, ताकि निर्बाध गति से खरीद और संपत्तियों का रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

इस समिति को अपनी सिफारिशें पेश करने के लिए छह महीने का समय दिया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, रक्षा खरीद प्रक्रिया (डीपीपी) 2016 और रक्षा अधिप्राप्ति नियमावली (डीपीएम) 2009 की समीक्षा के लिए महानिदेशक (अधिग्रहण) की अध्यक्षता में एक समिति के गठन को मंजूरी दी है। यह समिति प्रक्रियाओं को संशोधित करेगी और निर्धारित लक्ष्य के साथ प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करेगी। इस समिति को अपनी सिफारिशें पेश करने के लिए छह महीने बाकी पेज 8 पर

किरकिरी पांच स्थाई देशों में से चार आए भारत के साथ, अस्थाई देशों में पांच का साथ मिला

सुरक्षा परिषद में पाक की फजीहत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान और चीन को कूटनीतिक पटखनी मिली। सुरक्षा परिषद के कुल 15 सदस्यों में से नौ को इस मुद्दे पर भारत साथ लेने में कामयाब रहा, जो पाकिस्तान की फजीहत का कारण बना, हालांकि यह कवायद आसान नहीं रही। ब्रिटेन ने चौंकाते हुए चीन की एक मांग का समर्थन किया। चीन का प्रस्ताव था कि अनौपचारिक बैठक में बनी राय का एलान संरा सुरक्षा परिषद अध्यक्ष करें। दूसरी तरफ, भारत का साथ दे रहे रूस ने कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र की प्रस्तावना की बात

चीन और ब्रिटेन का प्रस्ताव सुरक्षा परिषद अध्यक्ष ने ही किया खारिज

रूस ने कश्मीर पर 1965 के प्रस्ताव की बात उठाई, जो खारिज हुई

उठा दी। हालांकि, बैठक में दोनों ही सुझाव खारिज हो गए और पाकिस्तान की मंशा पर पानी फेरते हुए अधिकांश देशों ने भारत का पक्ष लेते हुए स्पष्ट कर दिया कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है और इसको लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच ही बातचीत होनी चाहिए।

अनौपचारिक बैठक में सदस्य देशों की राय भारत के पक्ष में बाकी पेज 8 पर

Jion @NewspapersToday

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

No-4001575A.Rank L/nk 3dogra Chandan Kumar,S/O-Ashok Kumar Singh,R/O-Village Banmankhi,Tehsil-Banmankhi, Dist.-Purina,Bihar,declare that my daughter name is wrongly mentioned in army record as ANSHIKHA Kumari but correct name is ANSHIKA Kumari.All concerned please note. 0040508409-9

It is for general information that I,Ved Parkash S/o Rameshwar Chand R/o-4/407 Street No.11 Bholanath Nagar, Shahdara Delhi-110032, inform that my name has-been wrongly written as Ved Prakash in my minor son Parish Popli (13-Years) & minor daughter Tishika Popli (16-Years) School Record. The actual name of mine is Ved Parkash which may be amended accordingly. 0040508428-2

It is for general information that I,TARUN KUMAR S/o-DHARAM PAL GUPTA,residing at-2908/217,Vishram Nagar,Tri Nagar,Delhi-110035,declares that name of mine has been wrongly written as TARUN KUMAR GUPTA in my minor daughter KHUSHI GUPTA, aged-15 and minor son BHAV aged-10years school records. The actual name of mine is TARUN KUMAR,which may be amended accordingly. 0040508409-1

It is for general information that I,RENU wife of,TARUN KUMAR,residing at-2908/217, Vishram Nagar,Tri Nagar, Delhi-110035,declares that name of mine has been wrongly written as RENU GUPTA in my minor daughter KHUSHI GUPTA aged-15 and minor son BHAV,aged-10years school records.The actual name of mine is RENU,which may be amended accordingly. 0040508409-2

I,Shri Devi W/o Om Prakash R/o-A-87, Street.No.4,Gamri Extn.,Bhajanpura,Delhi-53 inform,that Guddi Devi,Shri Devi and Guddi all are the one and same person and my correct name is Shri Devi for all future purposes. 0040508409-5

I,Shraddha Nand Verma S/o Late.Sh. Bed Ram @ Ved Ram R/o.House.No.166,Aali-Village, Sarita Vihar,New Delhi-110076,that Inadvertantly in my Some documents my name has been wrongly written/Mentioned as Sharda Nand,Shradha Nand Verma,Sarda Ram, Sharda instead of Shraddha Nand Verma. 0040508409-4

I,Ramwati D/o Late.Sh. Kanwar Sain Sharma W/o Late Sh.Hukam Chand Sharma R/o-Flat.No.C-56/209, Shalimar Apaartments,Masjid Moth, New Delhi-110049,that Inadvertantly in the sale deed of my aforesaid flat my name has been wrongly written/ mentioned as Rama Sharma instead of Ramwati. 0040508409-3

I,Nidhi Sharma W/o Rohit Bhardwaj R/o Flatno-104 Winner Hights,Near Kaach Wali-Factory,Sarfabad Sector-73 Noida Distt-Gautambudh Nagar UP Have changed my name to Rakhi Bhardwaj Permanently 0040508467-2

I, hitherto known as Radha Gupta W/o Amit Kumar Gupta, residing at J-101, First Floor, Ananda Aishwaryam Chetti, Thottam, Angeripalayam Road, Vengamedu, Tirupur-641602, have changed my name and shall hereafter be known as Radhika Gupta. It is certified that I have complied with other legal requirements in this concern. 0040508392-2

I, Vishal S/O Dev Sharan Mishra, R/O-T-31/4, Road.No-20, Bheel Basti, Baljeet-Nagar, Patel-Nagar, New Delhi-110008., changed My Name To Vishal Mishra. 0040508426-8

I, Vimal Kumar Raina S/O Rattan Lal Raina, R/O-9-C, Pocket-D, Sfs Flats, Mayur-Vihar Phase-3, Delhi-110096. Changed My Name To Vimal Raina. 0040508426-7

I, Swyeta Gupta W/o Amit Gupta R/o H.No-77, Sector-09, Judge Colony, Vaishali, Ghaziabad U.P-201010, have changed my name to Swyeta Jain Gupta. 0040508274-1

I, Sushil Yogeshwar S/o Amar Pal R/o-H.No.421, Gali.No-14B, Swaroop Nagar Kamalpur Majra, Delhi-110084,my name has been wrongly written as Sushil Kumar in my Secondary School Examination record, Actual name of mine is Sushil Yogeshwar 0040508375-1

I, Sonu s/o Bhola Shah r/o Plot No.-28B, Block-S, Sector-A, Vikas Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to SAM SHAH. 0040508378-1

I, B K Niresh Kumar S/o Balan R/o T-5, D-Block, Bharat-Vihar, Kakraula,Delhi have changed my name to Niresh Kumar Balan. 0040508471-5

I, Yuvraj Garg R/o 304 Saket Colony,Muzaffarnagar U.P. have changed my name to Yuvraj Nihit Garg for all purposes. 0040508245-1

व्यक्तिगत

I, Sarika Gill Vashishtha D/o T.R. Gill R/o-Flat.No.52, Vidyasagar Apartment, Plot.No.34, Sector-6, Dwarka, New Delhi-110075.have changed my name to Sarika Gill. 0040508429-5

I, Santosh Kumar Chowdhury S/O Ramkalyan Chawdhury R/O-3102, GaliNo.79, Block-B, Sant-Nagar, Burari, Delhi-84. Have Changed My Name To Santosh Choudhary. 0040508426-4

I, Ravinder Kumar @ Ravinder Verma S/o Ram Chander R/o-G-109, Ashok-Vihar Phase-1 Delhi-110052., Changed my name to Ravinder Kumar Verma 0040508429-1

I, Rajinder Kumar S/o Ram Chander R/o-G-109, Ashok-Vihar Phase-1 Delhi-110052 changed my name to Rajinder Kumar Verma. 0040508429-2

I, Rajender Kumar S/O Surender Lakhanpal R/O-2306, Near Rawalpindi Jewellers, Ghanta-Ghar, Subzi-Mandi, Delhi-110007, Changed my name to Rajender Sharma. 0040508426-3

I, Prerana Kashyap D/o Ashok Kumar R/o WZ-41/1 Street No.14, Krishna Puri, New Delhi- 110018 have changed my name to Prerna Kashyap. 0070670603-1

I, Prema Gulati W/o Sh. Ashwani Kumar Gulati R/o H.No. Belvedere Towers, Flat No. A-172, DLF Phase –II, Cyber City, Gurugram-122002 (Haryana), have change my name from Gulati Prema Ashwani Kumar to Prema Gulati for all future purposes. 0040508396-1

I, Preeti Kumari Sharma W/o Prasun Kumar R/o Flat No.101, Tower-S1, Supertech EcoVillage-1, Greater Noida West, Gautam Budh Nagar, UP-201306 have changed my name to Preeti Sharma. 0040508431-1

I, Pratap Singh Rautella S/o Lacham Singh, R/o Flat No.521, 3rd Floor, DDA Flats, Nasirpur, Pocket-7, Dwarka A-1, Palam Village, South West Delhi-110045 have changed my name from Pratap Singh Rautella to Pratap Singh for all future purposes. 0040508392-1

I, Pradeep Kumar Jain S/O Mam Chand Jain R/O-D-237-A, 2nd-Floor, Gali No-10, Laxminagar, Delhi-110092. Changed My Name To Pradeep Jain. 0040508426-9

I, Pooja Gulati D/o Sh. Ashwani Kumar Gulati R/o Belvedere Towers, Flat No. A-172, DLF Phase - II, Cyber City, Gurugram-122002 (Haryana), have change my name from Gulati Pooja Ashwani Kumar to Pooja Gulati for all future purposes. 0040508397-1

I, Petra Kumar D/o Peter Cihal, R/o C-121 SRS City, Sector-6, Palwal, Haryana-121102 have changed my name after marriage to Petra Kumar from Petra Cihal for all future purposes. 0040508399-1

I, Parneet Kaur W/o Harpal Singh R/o-Rz-B-11 nandram park, uttam-nagar, new delhi-59.,have changed my name from parneet kaur to Ritu Jhandu. 0040508426-1

I, Yogander Pal S/o Sukhan Lal R/o-D-120/3,Hari Nagar Part-2, Jaitpur, Delhi-110044 have changed my Name to Yogender Pal. 0040508409-6

I, Panchu Kumar Singh S/O Chanderdip Singh, H.No-40, Gali.No-4, Ajay-Nagar, Ismailpur, Amarnagar, Faridabad, Haryana-121003. Changed My Name To Panchanand Singh. 0040508426-6

I, Neelam Suri W/o Mr.Satish KumarSuri R/o-B-66-C, Shalimar Bagh Delhi-110088,have changed my name Neelam Suri to Neelima Suri for all purposes. 0040508471-4

I, Mitali D/o Sh. Mahender Kumar R/o 204, Pkt-B-6, Sector-5, Rohini, Delhi-85, have changed my name to Mitali Juneja for all purposes. 0040508403-1

I, Mira Karagwal W/o Narender Singh R/o C-92, Naraina Vihar, New Delhi-110028 have changed my name to Meera Karagwal permanently. 0040508471-6

I, Minakhsi W/o Yogender Pal R/o-D-120/3,Hari Nagar Part-2, Jaitpur, Delhi-110044 have changed my Name to Minakshi. 0040508409-7

I, Manorama Verma @Manorama Devi @Manju Verma W/o Ravinder Kumar Verma R/o G-109, Ashok Vihar Phase-1 Delhi-110052., changed my name to Manorama Devi Verma. 0040508426-10

I, Mahipal Singh S/o Sh.Sant Ram R/o-House No-120, Gali.No.7, Garhi Amritpuri-B, N.D.-65.Have changed my minor son's name from Jatin to Jatin Basoya for all purposes. 0040508471-10

I Niyatee Gupta @ Anandita Theraja D/o Sh.Prakash Chander Gupta W/o Sh.Yashpal Theraja R/o 6/9, First Floor, Old Rajinder Nagar, Near Water Tank, New Delhi-110060 have changed my name to Anandita Theraja for all purposes. 0040508381-5

I Mukesh kumar S/o Ashok Kumar R/o-WZ-49 2nd Floor Gali No-15 New Mahavir-Nagar Tilak-Nagar-110018.have changed my name to Mukesh Anand. 0040508471-9

I, Lalit Kumar S/o Late Sh. Ram Chander Sukhija R/o 44 F/F Shreshtha Vihar, Anand Vihar, Delhi-110092, have changed my Name as Lalit Kumar Sukhija for all purpose. 0040508394-1

I, Kalpeshwari W/O Mr. Manoj Pokhriyal R/O 357-C, Abhay Khand-3, Indirapuram, Ghaziabad UP-201014. Changed my Name from Kalpeshwari to Kalpeshwari Pokhriyal for all future purposes. 0040508410-1

I, Jitendra Kumar S/o Chunni Lal Purohit R/o-20/25 Gali No.3, East Azad Nagar Delhi-110051,have changed my name to Jeet Purohit for all purposes. 0040508428-1

I, Japnit Singh Sidhu, S/o Sh.Manjit Singh Sidhu R/o-H.No.360, AGCR Enclave, Opp.Karkardooma-Courts, Delhi-110092, inform that Japneet Singh Sidhu and Japnit Singh Sidhu both are same and one person and in future I will be known as Japnit Singh Sidhu. 0040508426-2

I, Imtiyaz Ali S/o Liyaqat Ali R/o-802 Gali Shishmahal Shivaji Road Azad Market Delhi-110006 have changed my name to Imtiyaz. 0040508471-2

I, Gulshan Kathuria/Gulshan Kumar Kathuria S/o Late Shri.Amar Nath R/o-38, Tarun-Enclave Pitampura Delhi-110034, have changed my name to Gulshan Kumar. 0040508429-3

I, Deepak Kumar Jain, Age 47, S/o Shri Devi Lal Jain R/o Flat no - 602, Wing Apartment, Sector-9, Gurgaon, have changed my name to Deepak Jain for all future purposes. 0040508430-1

I, Bimla Gupta W/O Ravinder Gupta, H.No- R-54, Flat No.L-6, Khirki-Extension, Malviya-Nagar, Delhi-110017. Have Changed My Name To Vimla Gupta. 0040508426-5

I, Bhupinder Singh Oberoi S/o,Late S. Surinder Singh Oberoi R/o 34/14, Old Rajindernagar, N.Delhi-110060,have changed my minor daughter's name Sukhaali Kaur to Sukhali Kaur Oberoi. 0040508471-3

I, Bhagwati Parsad S/o Shri Rai Singh R/o-KH.No.321/155, Gali No-3/9 A-Block Janta-Vihar Delhi-110042. changed my name to Bhagwati Prasad permanently. 0040508471-7

I, Avinash Kumar Tripathi, S/o Shri Ram Sewak Tripathi, R/o B-71, Gali No-8, New Modern Shahdara, Delhi-110032, have changed my name Avinash Kumar To Avinash Kumar Tripathi for all future purposes. 0040508391-1

I, Archana Goyal D/O Raj Kumar Goyal R/O B-6, 65/66, 2nd Floor, Sec-11, Rohini, Delhi-85 Have Change My Name To Archana Goel. 0040508429-4

I, Anju Bala W/o Manjit Singh Rana R/o,Ward No.13, Garhshankar Tehsil, Distt-Hoshiarpur, Punjab have changed my name to Anju Rana. 0040508471-8

I, Anita Lamba W/o Sh. Prashant Sharma, R/o B-1039, Shastri Nagar, Delhi-110052, have changed my name to Kirti Sharma for all purposes. Both are same person. 0040508408-1

I, Ajay S/o Late Sh. Balwant Singh R/o H. No. 2978, Kucha Mai Dass, Bazar Sita Ram, Delhi- 110006 Have Changed My Name To Ajay Verma. 0070670599-1

I, Aalind Kumar Virendra Singh & Singh Aalindkumar Virendra S/o LATE SH V K Singh R/oB-161 NTPC Colony,Sector-33 Distt-Gautambuddha Nagar(UP) Have changed my name to Aalind Kumar Singh.My correct Name is Aalind Kumar Singh S/o Virendra Kumar Singh. 0040508467-1

I Vijayalaxmi W/O, Natarajan Hariharan R/o EG-49, First Floor, Inderpuri, ND-110012 have changed my name to Vijayalaxmi Hariharan for all purposes. 0040508471-1

I Sonu S/o Sh.Ram Chander R/o 10219/E, East Park Road, Bhagat Singh Nagar, Karol Bagh, Delhi-110005 have changed my name to Amrit Kundra for all purposes. 0040508381-4

I Sonia Grover D/o Sh.Manohar Lal Grover W/o Sh.Jayanta Bhattacharjee R/o 8-B, Pocket-1, Astha Appartments, Mayur Vihar, Phase-III, Delhi-110096 have changed my name after marriage to Sonia Bhattacharjee for all purposes. 0040508381-2

I Ranjan Kumar Nagpal S/o Sh.Kanwal Nain Nagpal R/o 485, Ground Floor, Near Batra Cinema, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009 have changed my name to Ranjan Nagpal for all future purposes. 0040508381-3

I Pinki Devi W/o Rajesh Kumar R/o H.No. A-1554, Metro Vihar, Phase-2, Holambi Kalan, Delhi-110082 inform that Pinki Devi & Pinky Devi are the names of one & same person. In future, I shall be known as Pinki Devi. 0040508468-1

I Meghlata D/o Sh.Raj Kumar Sagar R/o 7, East Laxmi Market, Gali No.7, Near Radhu Palace, East Delhi, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Megha for all purposes. 0040508381-1

व्यक्तिगत

मै, सुनील कुमार जैन, पुत्र श्री हस राज जैन, निवासी B-112, तीसरा तल्ला, विवेक विहार फेज-I, दिल्ली-110095 ने सभी उद्देश्य हेतु अपना नाम सुनील कुमार फूलफगर उर्फ सुनील कुमार से बदलकर सुनील कुमार जैन रख लिया है।

I Rajbir Singh S/o Gyani Ram R/o Near Bus Stand, Salwan Assandh, Distt. Karnal, Haryana inform that Rajbir Singh & Rajbir are the names of one & same person. In future, I shall be known as Rajbir Singh. 0040508470-1

I Dharam Chand @ Dharmender Kumar @ Sunil S/o Late Sh.Tara Chand R/o A-1/233, Sector-17, Rohini, Delhi-110089 have changed my name to Sunil for all purposes. 0040508381-6

I, Gyarsi Devi W/o Mamraj Khanna R/o-H.No.C-251, Chandan Vihar,Nangloi, New Delhi-110041.My name is Sharda Khanna and Gyarsi Khanna. I have two names and both are same person. 0040503597-6

खोया+पाया

It is notified for the information that my Original-Certificate of Main-Senior-Secondary Exam-Year-2014, Roll-No.9687737 passout from CBSE-Delhi has been actually lost. Pooja, House No.120, Village & Post Office Ladpur, Delhi-110081. 0040508407-1

It is notified for the information that my original Qualifying Examination Certificate of Main All India Secondary School Examination of Year 1992 and Roll No. 4106093 issued by CBSE has been actually lost. Seeta Limbu, Flt No 705, Zodiac Apartment, Sector-2, Vrindavan Yojna 2, behind O.P Chandra Hospital, Lucknow 226025 (UP). 9432200690. 0040508379-2

It Is To Notified For The Information That My Original Qualifying Examination-Certificate Of Secondary Examination In The Year 2014-16 And Roll No.8150854 Issue By Central Board Of Education (C.B.S.E. Delhi) Has Been Actually Lost.Palak Sharma D/O Deepak Sharma, Address:C-9, Anand-Vihar, Delhi-110092. Mob:9999199959. 0040508429-8

I, Padma Srinivasan, D/o Late V Srinivasan I booked Flat No.Sat-4 Unit-No.212 Project Known as Blosoom situated at Plot.No.GH-02 Sector-143 Noida Lost this property Original-Documents Builder buyer Agreement, Allotment-letter, Original-payment receipts and all Original Documents finder Plz Contact-9810677021. 0040508471-11

I Subhash Chand S/o Sh.Dhanpat Rai R/o H.No.1/670, Old Gurmandi, Near Radha Kishan Mandir, Samalkha, Distt. Panipat, Haryana-132101 have lost Bank Passbook of OBC Bank, Branch SSI, Panipat, Haryana & Original Family Settlement dated 04-05-1992. Any person finding the same shall be suitably rewarded. 0040508381-7

LOST AND FOUND

To be known to all that my client, Sh. Amarjeet Raizada S/o (Late) Sh. Sham Behari Raizada R/o H.No. 1905, Near HUDDA Gym Khana Club, Sector-4, Gurgaon, Mahendragarh, Haryana-122001 has been lost original document i.e. Allotment letter, Possession Letter, Site Possession Slip and NOC for Electric connection regarding Built-up Shop No. 84-A&B, Cycle Market, Jhandewalan Phase-1, New Delhi-110055 which is in the name of "M/S NEW INDIA CYCLE INDUSTRIES SOLE PROP. SH. SHAM BEHARI RAIZADA", which was issued by the DDA. An FIR to this effect has been lodged with Station House Officer, Crime Branch, New Delhi vide LR No. 1201958/2019, dt. 29.06.2019 .

Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original Allotment letter dated 22.04.1974, Possession Letter, Site Possession Slip and NOC for Electric connection, may write/contract with the above named person at above Address/Mobile Na. 9810244619 within 30 days from the date of publication of the same. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to DDA's Dy. Director (CE) Branch, Vikas Sadan, INA, New Delhi-110023.

Sd/-
RAKESH BANSAL
Advocate
En No. D-586/02

PUBLIC NOTICE

I, Varinder Singh Dhiman, Advocate on behalf of my client Sdr Joginder Singh S/o Late Sdr Pratap Singh R/o C-8, Banglow Road, Adarsh Nagar, New Delhi-110033 hereby notify public at large that my client has snapped his relations and ties with his son namely Karamjeet Singh, due to his detrimental activities and misconduct towards his family and further debar his son from inheriting any immovable and movable property. My client shall not be responsible for any act of ommission and commission. Whosoever deals with him shall do at his/her own risk.

Varinder Singh Dhiman, Advocate
Ch. No.428A, Western Wing, Tis Hazari, Delhi

Public Notice

My clients **SHANTI** W/o-**LATE C HIRANJI LAL**,R/o-H.No. **H-221**, **NIHAL VIHAR**, **NANGLOI,DELHI-41** hereby remove their relationship and expel their two sons Namely **DEVINDER** his wife **CHANDA** and **BHARAT** his wife **BHARTI** from all their moveable and immoveable properties because they are out of their control.if anybody deals with them ,then he/she will do so on his/her own risk. **VIJAY LAXMI, Advocate (Delhi High Court)**,113,CLJ Lawyer Chambers,Tis-Hazari,Delhi-54.

PUBLIC NOTICE

My clients (1) SH. RATAN S/O SH. RAYAT & (2) SMT. ANITA W/O SH RATAN BOTH R/O F-1013, J.J. COLONY, BAWANA, DELHI-110039, has disowned their son MR. KAMAL alongwith his wife MRS. SANJU ALIAS SHANU and revoke all relationship from them due to their bad behavior and bad intentions. My clients have debarred them from all their rights, claims in any manner from their moveable and immovable properties and in near future they will have no concern with my clients in any manner with immediate effect.

Any Persons dealing with them shall be doing so at their own risk and responsibilities.

SANJEEV JAIN (ADVOCATE)
Enrl. No. D-226/1991

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री हरि शंकर व इनकी पत्नि श्रीमती रोमा देवी निवासी:-मकान नं०-ए/554, गली नं०-12, प्रताप नगर, सबोली, दिल्ली-110093 ने अपने दोनों पुत्रों कुंवर पाल व कृष्ण पाल को इनकी पत्नियों सुनिता व पूनम को इनके बच्चों सहित उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके किसी भी गलत कार्य के लिये मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।

Ashish Kumar Upadhyay (Advocate)
Off.: E-223, Main Road, E-Block,
Khajuri Khas, Delhi-110094

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री भरत भूषण तनेजा पुत्र स्वर्गीय नौबत राम तनेजा के मं० नं०-1 सी/21, न्यू रोहतक रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली-110005 की ओरिजनल लीज डीड दस्तावेज नंबर-807, अतिरिक्त बुक नंबर-1, वोलियम नंबर-192, पेज- 71 से 75 दिनांक 22/4/1953, तारीख 11/8/2019 को गुम हो गई हैं, जिसके गुम होने की रिपोर्ट थाना क्राईम ब्रांच, दिल्ली में 11/8/2019 को दर्ज हैं जिसका एल. आर.नंबर-1380092 है। अगर कोई व्यक्ति इस लीज डीड का किसी भी प्रकार से दुरूपयोग करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

Hemant Sharma (Advocate)
Ch./Seat No.: 7, K-Block, Near Police Lockup, Tis Hazari Court, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

My clientess Ms. Bimla Devi W/o Late Mahavir Singh, R/o House No.3, Police No.32, Najafgarh, South West, Delhi-110043 has severed/terminated all relations from her son Atul and his wife Smt. Renu & disinherited/disowned them from her all moveable and immovable properties due to their misbehaviour, cruelty and non-compliance. In future, if any person dealing with the aforesaid debarred persons, that shall be his/her own risks and costs and my clientess or her family will not be responsible for the same in any manner.

Rajesh Kumar (Advocate)
Ch.No.312, M.C. Setalvad Lawyers Chamber, Supreme Court of India, New Delhi-110001

PUBLIC NOTICE

That I undersigned by, for and on behalf of my clients Mr. Shiv Kumar S/o. Mr. Amar Nath and Mrs. Asha Rani W/o. Mr. Shiv Kumar, both R/o. Floor 1, K-514, Block G, Street No.9, Punjabi Colony, Narela, Delhi - 40, hereby affirm and declare that the conduct and deeds of Mr. Deepak Singla and Mrs. Poonam Yadav (particularly the son and daughter-in-law of my clients) are not mild, generous and benevolent to my clients, their family and rest of the society, ergo, my clients have now compelled to disowned Mr. Deepal Singla and Mrs. Poonam Yadav, from their all moveable and immoveable properties. Further my clients shall not answerable for any losses and damages, if occurred caused due to Mr. Deepal Singla and Mrs. Poonam Yadav.

D.K. KAUSHIK-ADVOCATE
Ch. No. 528, Lawyer Chamber Block, Rohini Court, Delhi -110085

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT SANKAR LAL S/O LATE Sh. BHIKA R/O RZ-A-110, A-BLOCK, GALI NO. 1, DABRI EXT. MAIN NASHIRPUR DELHI- 45 SEVERE ALL RELATIONS AND DEBARRED HIS DAUGHTER SHWETA FROM ALL MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES AS HER CONDUCT IS HIGHLY IMMORAL AND UNRESPONSIBLE. MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS AND CONDUCTS. THE PERSON WHO DEALS WITH THEM WILL BE SOLE RESPONSIBLE FOR THAT.

Sd/-
AJAY KUMAR JHA (Advocate)
C-20 Kiran Garden
Uttam Nagar Delhi-59

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I SHEETAL D/O SUNDER SINGH, residing at B-1/318, Nand Nagri, Delhi-110093 declare that name of my father has been wrongly written as SUNDER LAL in my Educational Documents. The actual name of my father is SUNDER SINGH, which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirement in this connection.

PUBLIC NOTICE

Be It Known that my client Smt. Durga Devi W/o Shri Hari Kishan and Sh. Hari Kishan S/o Shri Bal Kishan both R/o Plot No.73. KH. No. 40/3-4. J. K. Farm Road Gautam Colony, Narela, Delhi-40 have been left/debar all relations, from their son Ajay Singh, Daughter in law Mansi and grand son Shubham due to his misbehaviour, from their all movable and immovable properties. Anybody dealing with him in civil and criminal matter shall be doing at his/her/their own risks, cost and responsibility

Sd/-
KAMAL SINGH (Advocate)
Regn. No. D-748/14
Chamber No. 512. Fifth Floor,
Distt. Court Rohini, Delhi-85

PUBLIC NOTICE

Notified that my clients **Sh. Jai Prakash S/o Hari Singh and his wife Kiran R/o B-33, Friends Enclave, Sector-6, Sultanpuri, Delhi-86**, have severed all their relations from their Daughter Geeta, due to her bad habits and she has marriage with Ajay without consent of my clients and living separately after her marriage. My clients have disowned debarred her from all their movable and immovable properties acquired and to be acquired, because she is not obedient of my client.

Any person dealing and having relation with her in any manner shall be at their own risk, cost & consequences and my clients shall not be responsible for any act and deed of the aforesaid.

SURENDER KUMAR (Advocate)
Enrl. No. D/152/88

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that my Clients Mr. Surinder Singh S/o Late Mr. Surmukh Singh and 2). Mrs. Kanchan Grover W/o Mr. Suriender Singh both R/o Flat No. 158, Mall Apartments, Gate No.1, Mall Road, Delhi-110054 declares that their Son Mr. Ramneek Singh their Daughter-in-Law Parmeet Kaur and their both Grandsons namely Kamalpreet Singh and Sahejveer Singh are not co-operating well and Showing selfish attitude towards my clients. They all keep on fighting with my clients and creating hurdles, mental tortures and agonies for my client and do not let them live peacefully. So my client hereby severe all their relations, ties and knots with their above named son, his wife and their children. They are therefore debarred and disentitled to claim any right or concern in any of movable or immovable properties of my clients. Any person dealing with them, will do so at his /her/their own risks and costs and my clients shall not be responsible for the same.

Sd/-
Pawan Narula (Advocate)
Chamber No. 9, GTC
Sec. 11, Rohini, Delhi-85
9811131770/ 9811161770

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Shri Chhote Lal, S/o Late Sh.Phool Chand, and, Smt.Surta Devi W/o Shri Chhote Lal; both R/o T-186/1, Gali No.3, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi 110053 have severed all their worldly relations with their elder Son namely Sh.Sunil Kumar, S/o Shri Chhote Lal, and, daughter-in-law namely Ms.Alka Devi, W/o Shri Sunil Kumar and their Children namely Master Dhawan Kumar, Kumari Anshu and Kumari Avantika, all residing at T-208-B, 1st Floor, Gali No.1, Gautam Puri, Delhi 110053, with immediate effects while strictly debarring them from claiming anything from all the estates of my clients, including properties bearing no. T-208-B, 1st Floor, Gali No.1, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi 110053; T-186/1, Gali No.3, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi 110053, and, T-219, (Ground Floor, Third & Fourth Floor), Gali No.1, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi 110053 (all owned by Sh.Chhote Lal), and, business of my client (Shri Chhote Lal) namely M/s.Meenakshi Silver. Shri Sunil Kumar and Ms. Alka Devi have committed lot of cruelties against my clients and their other family members and they have the malafide intentions to grab the above said properties of my client. My client has already revoked permission granted to Shri Sunil Kumar to reside on the First Floor and do his business at the portion of ground floor of property bearing No.T-208-B, 1st Floor, Gali No.1, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi110053. Shri Sunil Kumar is illegal and unauthorized occupant of the portion of the said property bearing No. T-208-B, 1st Floor, Gali No.1, Gautam Puri, New Seelam Pur, Delhi 110053. Shri Sunil Kumar or his wife or children have no right, title or interest of any nature in the above said properties of my client, Sh. Chhote Lal. Hence, anybody dealing with them shall be doing so entirely at his/her own risk and responsibility and none of those acts shall be binding on my clients in any manner.

Ajay Malhotra (Advocate)
Ch. No. 206-207-A, W. Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

मुद्दों का समाधान न करने वाले अधिकारियों को गडकरी ने चेताया

नागपुर, 17 अगस्त (भाषा)।

- केंद्रीय मंत्री एमएसएमइ सेक्टर में काम कर रहे संगठन लघु उद्योग भारती के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।
- सम्मेलन में शामिल उद्यमियों से गडकरी ने निडर होकर उनके कारोबार का विस्तार करने की बात की।

लाल फीताशाही पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कुछ अधिकारियों को शनिवार को आगाह किया कि अगर चंद मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो वह लोगों से कहेंगे कि 'धुलाई करो'। केंद्रीय मंत्री एमएसएमइ सेक्टर में काम कर रहे संघ से जुड़े संगठन लघु उद्योग भारती के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। गडकरी के पास सड़क परिवहन, सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की जिम्मेदारी है।

सम्मेलन में शामिल उद्यमियों से गडकरी ने निडर होकर उनके कारोबार का विस्तार करने की बात की। वह इस बात पर भी बोले कि किस तरह सरकारी अधिकारियों द्वारा कारोबारियों को परेशान किया जा रहा है। नागपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले गडकरी ने कहा कि हमारे यहां लाल फीताशाही क्यों है, क्यों ये निरीक्षक आते हैं और 'हफ्ता' लेते हैं। मैंने उन्हें उनके मुंह पर कहा, आप नौकर हैं, मैं लोगों द्वारा निर्वाचित हूं। मेरी जवाबदेही लोगों के प्रति है। अगर आप चोरी करेंगे, मैं कहूंगा कि आप चोर हैं। उन्होंने कहा कि आज मैंने यहां आरटीओ दफ्तर में एक बैठक की, निदेशक और परिवहन आयुक्त ने इसमें हिस्सा लिया।

गडकरी ने कहा कि मैंने उन्हें बताया, आप इस समस्या को आठ दिनों में सुलझाइए, अन्यथा मैं लोगों से कहूंगा कि धुलाई करो। मेरे गुरु में मुझे यह सिखाया- ऐसी व्यवस्था को परे हटाओ जो न्याय न देती हो। अपने मुखर बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले मंत्री ने यह नहीं बताया कि वह किस समस्या के संदर्भ में यह बात कह रहे थे।

अब भी बैंकों में जमा है शहीदों के लिए इकट्ठा की गई राशि

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 17 अगस्त।

उत्तराखंड में शहीदों के नाम पर उनके परिजनों को आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थाओं द्वारा एकत्रित किए गए रुपए उनके परिजनों को देने की बजाय बैंकों में जमा कर दिए गए हैं। पांच महीने पहले शहीदों के परिजनों की आर्थिक सहायता के लिए राज्य के वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा इकठ्ठा किए गए लाखों रुपए आज भी बैंक में जमा हैं। यह रकम सैनिक-अर्धसैनिक कल्याण अर्थ राहत कोष के जरिए पुलवामा शहीदों और घायलों के लिए एकत्रित की गई थी।

शहीदों के परिजनों तक यह आर्थिक सहायता पहुंचाने की जहमत शासन ने नहीं उठाई। पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों की आर्थिक सहायता के लिए प्रदेश के वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने 56 लाख 66 हजार की धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराई थी। पर शहीदों के नाम पर तमाम योजनाओं और दावों की पोल उस वक्त खुली जब एक आरटीआई कार्यकर्ता ओमप्रकाश सती ने सूचना के आधार पर इस रकम के बारे में जानकारी मांगी। तब यह खुलासा हुआ कि आज तक न तो किसी शहीद के परिजन को इस राशि से आर्थिक सहायता दी गई और न ही यह रकम किसी घायल जवान के इलाज में खर्च की गई।

सूचना के अधिकार के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी डीके लोहनी ने आरटीआई कार्यकर्ता ओमप्रकाश सती को जानकारी दी कि 10 अप्रैल को यह रकम मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की गई थी और तब से मुख्यमंत्री राहत कोष के इलाहाबाद बैंक गांधी रोड, देहरादून के खाता संख्या 50482918950 में ही जमा है। आज तक भी यह रकम शहीदों के परिवारों अथवा किसी भी घायल को नहीं दी गई।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी ने राज्य सरकार शहीदों के प्रति कितनी ज्यादा संवेदनशील है। इस बात का खुलासा सूचना के अधिकार से हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा शहीदों के नाम पर वोट तो मांगती है, पर उनके परिवार की मदद के नाम पर संवदेनहीन है।

महिलाओं के अपमानजनक पोस्टर पर अभिनेता, निर्माता और निर्देशक के खिलाफ शिकायत दर्ज

भुवनेश्वर, 17 अगस्त (भाषा) ।

उड़िया फिल्म के एक पोस्टर में महिलाओं को अपमानजनक रूप में दिखाने के आरोप में उड़िया फिल्मों के अभिनेता, निर्माता और निर्देशक के खिलाफ शनिवार को शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता लिंकन सुबुधि ने भुवनेश्वर के महिला पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। 'मिस्टर कन्हैया' फिल्म के अभिनेता, निर्माता और निर्देशक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने हाल में फिल्म का पोस्टर जारी किया है।

जानी मानी खिलाड़ी दुती चंद के फेसबुक पोस्ट में इस पोस्टर के खिलाफ प्रतिक्रिया जाहिर करने के कुछ घंटे बाद पुलिस थाने में यह शिकायत दर्ज कराई गई।

चंद ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'क्या महिलाएं कुत्ते की तरह हैं? निजी तौर पर मैं इस पोस्टर को बिल्कुल पसंद नहीं करती और निर्माता से अनुरोध करती हूं कि फिल्म के इस पोस्टर को वह तुरंत हटा लें।'

पोस्टर में अभिनेता तत्व प्रकाश सत्पति कई महिलाओं के गले में बंधी रस्सी की लगाम खींचते नजर आ रहे हैं। तत्व प्रकाश पप्पू पॉम पॉम के नाम से मशहूर हैं।

फिल्म पत्रकार दिलीप हाली ने कहा, 'फिल्म के पोस्टर में समूचे महिला समुदाय का अपमान किया गया है।' सस्ती लोकप्रियता के लिए महिलाओं को अपमानजनक तरीके से पेश करने के लिए हाली ने ओड़ीशा सरकार से भी फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अभिनेता के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया।

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT Smt. Munisha W/o Sh. Ikar Husain R/o G-12/388, Sangam Vihar, New Delhi-110062, has severed her relations with her daughter Ms. Sehreen and has disowned her from her entire moveable-immoveable properties due to her disobedience and disrespectful behaviour towards my client. My client and her other family members shall not be responsible for her acts in future.

Vasant Kumar (Advocate)
Ch. No. 181, Saket Court, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AMIT KUMAR son of Shri DILBAGH SINGH residing at House No.789-C, Main Bawana Road, Pooth Khurd, North West Delhi, Delhi-110039, declare that the name of my father has been wrongly written as DILBAG SINGH in my Secondary School Certificate. The actual name of my father is DILBAGH SINGH, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

AMIT KUMAR
[Signature]

सुचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमति पुष्पा देवी पत्नी स्व सुभाषचन्द, निवासी ग्राम चीरसी, थाना साईट ५, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर की रहने वाली है। मुवक्किल के पांच पुत्रगण कुलदीप, दीपक, अमित, अतुल व अनुज है। जिनमें चार पुत्रगण शादी शुदा है और अनुज अविवाहित है। प्रार्थी का पुत्र अतुल व उसकी पत्नी पुनम का व्यवहार मुवक्किल के प्रति क्रूर व अमानवीय है अत मुवक्किल अतुल व पुनम को अपनी चल व अचल संपति से बेदखल करती है इनकी बावत किसी के साथ किये गये लेन देन व लड़ाई झगडे आदि की जिम्मेदारी मुवक्किल की नहीं होगी।

ललित शर्मा (एडवोकेट)
UPC 09984/10
CH. No.: 716-717

कलबुर्गी मामले में आरोपपत्र दाखिल किया एसआइटी ने

बंगलुरु, 17 अगस्त (भाषा)।

पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या में कथित तौर पर संलिप्त पेशेवर हत्यारे गणेश मिस्किन ने अगस्त 2015 में डॉ एम एम कलबुर्गी की भी हत्या की थी। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने अपने आरोपपत्र में यह दावा किया है।

एसआइटी ने शनिवार को हुब्बली-धारवाड़ जिला अदालत में एक आरोपपत्र दाखिल किया। एसआइटी की एक विज्ञप्ति के मुताबिक मामले के अन्य आरोपियों में अमोल काले, प्रवीण प्रकाश चतुर, वासुदेव भगवान सूर्यवंशी, शरद कालस्कर और अमित रामचंद्र बद्दी भी शामिल हैं।

एसआइटी ने कहा कि यह गिरोह हिन्दु चरमपंथी संगठन सनातन संस्था द्वारा प्रकाशित क्षत्र धर्म साधना नाम की एक पुस्तक से कथित तौर पर प्रेरित था। एसआइटी ने कहा कि डॉ कलबुर्गी की हत्या की वजह नौ जून 2014 को अंधविश्वास मुक्त समाज पर एक परिचर्चा के दौरान उनके द्वारा की गई एक टिप्पणी थी। उनके संबोधन के आधार पर गिरोह ने उन्हें दुर्जन करार दिया।

एसआइटी के मुताबिक इन सभी लोगों ने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कलबुर्गी की हत्या की साजिश रची। गिरोह के सदस्यों ने अपनी योजना को अंजाम देने के लिए एक मोटरसाइकिल चुराई, रेकी की और दक्षिण कन्नड़ जिले के एक गांव में रबर के बागान में निशाना साधने का अभ्यास किया।

एसआइटी के मुताबिक गणेश मिस्किन ने कलबुर्गी पर दो गोलियां चलाई थी और उनकी हत्या कर दी। इसी गिरोह ने पांच सितंबर 2017 को गौरी लंकेश की हत्या की थी।

लंकेश हत्याकांड के वारदात स्थल से बरामद खाली कारतूसों से कथित तौर पर यह खुलासा हुआ था कि कलबुर्गी की हत्या में इसी पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया था। लंकेश के मामले में मिस्किन ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल चलाई थी और मामले के अन्य आरोपी परशुराम वाघमारे ने गोली चलाई थी।

लंकेश मामले की जांच के लिए गठित एसआइटी को सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में कलबुर्गी के मामले की भी जांच करने का आदेश दिया था।

'आप' विधायक के भाजपा में शामिल होने पर हंगामा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

आम आदमी पार्टी (आप) विधायक कपिल मिश्रा के भाजपा में आने के बाद शनिवार को हंगामा भी शुरू हो गया है। कपिल मिश्रा के पार्टी में शामिल होने के बाद खजूरी पुस्ता पर उनका पुतला फूंका गया और जमकर नारेबाजी भी की गई। प्रदर्शन कर रहे लोग तख्तियां लेकर मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि 'आप' में रहते हुए कई

बार कपिल मिश्रा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर जुबानी हमले किए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी की है। लोगों का कहना था कि इसके बाद कपिल को भाजपा में नहीं लिया जाना चाहिए। वहीं, 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज ने भी उनके भाजपा में जाने के बाद कहा कि कपिल मिश्रा ने 'आप' में रहते हुए जल बोर्ड में गड़बड़ी करके पार्टी को एमसीडी चुनाव में हरा दिया था। तभी 'आप' को पता चल गया था कि वे भाजपा के एजेंट हैं। अब तक वे सिर्फ भाजपा की राजनीति की वजह से 'आप' सरकार पर आरोप लगाते रहे हैं।

'केजरीवाल से दिल्ली की जनता का हुआ मोहभंग'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जनता का मोहभंग हो गया है। इस वजह से भाजपा के सदस्यता अभियान के आखिरी चरण में भी लोग जुड़ रहे हैं। इसका सीधा लाभ भाजपा को दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान को आम जनता से मिल रहे समर्थन के बाद ही इसकी आखिरी तारिख को पार्टी ने बढ़ाने का फैसला लिया था। वे कमला नगर व पहाड़गंज में पार्टी के सदस्यता अभियान में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

अनुच्छेद 370 पर लोगों का भ्रम करें दूर : जितेंद्र सिंह

जनसत्ता संवाददाता
नईदिल्ली, 17 अगस्त।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के मामले में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे पक्ष में सच्चाई है और इसलिए हमें पुरजोर तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। लोगों के बीच जाकर कश्मीर में फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ज्ञान फाउंडेशन की ओर से आयोजित अटल नीति–राष्ट्रनीति पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमने विपरीत परिस्थितियों के अंदर काम किया है और उसी संघर्ष से निकलकर हम यहां तक पहुंचे हैं। वहीं, दिल्ली भाजपा प्रभारी श्याम जाजू ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। ज्ञान फाउंडेशन के संस्थापक डॉ सुमित भसीन ने कहा कि युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए देशभर में यूथ फोर बीजेपी अभियान चलाया जा रहा है। इससे अधिक से अधिक लोग जुड़ें इसके लिए जल्द ही सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं और वृत्तिचित्र बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम का संयोजन वीरेंद्र सचदेवा ने किया।

'शिक्षा नीति पर मिले दो लाख से ज्यादा सुझाव'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि यह नीति देश को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। इस बाबत जारी प्रारूप को भारी समर्थन मिला है। अब तक दो लाख से ज्यादा सुझाव भी आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि हर कोई इस मसविदे वाली शिक्षा नीति को देश में लागू होता देखना चाहता है। मंत्रालय इस बाबत गहन मंथन में है और जल्द ही अंतिम फैसला होगा। निशंक शनिवार को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की अगुआई में शुरू हुए 'ज्ञानोत्सव–2076' के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

इस मौके पर सर संघचालक मोहन भागवत, पतंजलि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के प्रमुख आचार्य बालकृष्ण, इग्नू के कुलपति नागेशवर राव, शिक्षाविद् दीनानाथ बत्रा के अलावा देश के कई विश्वविद्यालय के कुलपति, केंद्रीय संस्थानों के निदेशक व राज्यों के शिक्षा मंत्री भी मौजूद थे।

शिक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय 'ज्ञानोत्सव–2076' राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन संघ प्रमुख मोहन भागवत व एचआरडी मंत्री रमेश पोखरियाल ने किया।

दिल्ली में शुरू होगी 'भाजपा लाओ, कॉलोनी नियमित कराओ' मुहिम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

कच्ची कॉलोनियों को नियमित कराने के लिए जल्द ही भाजपा लाओ, कॉलोनी नियमित कराओ मुहिम शुरू होगी। शनिवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय गोयल ने बताया कि यह अभियान कच्ची कॉलोनी महासंघ के बैनर तले होगा। उन्होंने कहा कि इन कॉलोनियों में रहने वाले 60 लाख लोगों को दिल्ली सरकार धोखा दे रही है, उसका पर्दाफाश महासंघ के माध्यम से किया जाएगा और दिल्ली की जनता को जागरूक किया जाएगा। वहीं, एक प्रतिनिधिमंडल में उपराज्यपाल से मुलाकात कर कॉलोनियों की स्थिति पर चर्चा की।

विजय गोयल ने बताया कि इससे पूर्व भी कच्ची कॉलोनी के लोगों को प्रोविजनल प्रमाणपत्र देकर उन्हें धोखा दिया गया था। आज वही धोखा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दे रहे हैं। इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक बड़े आंदोलन की आवश्कता है। इसके लिए तालकटोरा स्टेडियम में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पार्क चलो अभियान की जगह अनधिकृत कॉलोनी चलो अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में मंत्री कैलाश गहलोत ने कच्ची कॉलोनियों को लेकर झूठा बयान दिया है कि वे इन कॉलोनियों का पंजीकरण शुरू करेंगे जबकि हकीकत यह है कि जब तक केंद्र सरकार इन कॉलोनियों को नियमित करने के नियम जारी नहीं कर देती जब तक राजस्व विभाग इसका पंजीकरण शुरू करेगा।

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी–सह–बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1	16441200001595	जीतेन्दर	54	26 एवं 27 अगस्त, 2019 श्री सचिव शर्मा, टेलीफोन नं. 9034001045/48/68 डीसीबी बैंक लिमिटेड, ओरिएण्टल प्लाजा, 76–77, जी.टी. रोड, रेड लाइट क्रॉसिंग के निकट, पानीपत–132103
2	16453300000107	जोगिन्दर सैनी	19	
3	16441200001342	कपिल	18	
4	16441200000666	कुलदीप सिंह	27	
5	16442100000161	कुसुम कुसुम	23	
6	16442100000143	कुसुम कुसुम	21	
7	16442100000064	मोह. इदरीस	16	
8	16441200000639	नरेश कुमार	19	
9	16442100000170	रीतू रीतु	10	
10	16441200000222	संजय कुमार	14	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी–सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी कर्ता तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी–कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर–वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत–विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./–
तिथि: 18.8.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: पानीपत डीसीबी बैंक लिमिटेड

Kohinoor Foods Ltd.
Regd./Corporate Office: Pinnacle Business Tower, 10th Floor, Shooting Range Road, Suraj Kund, Faridabad, Haryana-121001, Ph. No. 0129-4242222, Fax No. 0129-4242233
E-Mail: info@kohinoorfoods.in, Visit us at: www.kohinoorfoods.in
CIN - L52110HR1989PLC070351

EXTRACT OF AUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULT FOR THE QUARTER/YEARENDED ON 30TH JUNE, 2019
(Rupees in Lakhs except earnings per Share Data)

S. No.	Particulars	Standalone				Consolidated		
		Quarter ended			Year ended	Quarter ended		Year ended
		30.06.2019 (Unaudited)	31.03.2019 (Audited)	30.06.2018 (Unaudited)	31.03.2019 (Audited)	30.06.2019 (Unaudited)	30.06.2018 (Unaudited)	31.03.2019 (Audited)
1	Total Income from Operations (net)	1031	5279	2516	40658	3949	8887	60258
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	(583)	(12467)	(3201)	(29139)	(628)	(3740)	(31201)
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(7832)	(12467)	(3201)	(29139)	(7877)	(3740)	(31201)
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(7832)	(21885)	(3201)	(38557)	(7877)	(3740)	(41740)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(7832)	(21873)	(3201)	(38545)	(7877)	(3740)	(40956)
6	Equity Share Capital (face value of Rs. 10/-each)	3707	3707	3524	3707	3707	3524	3707
7	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) 1. Basic: 2. Diluted:	-21.13 -21.13	-59.00 -59.00	-09.08 -09.08	-106.66 -106.66	-21.25 -21.25	-10.61 -10.61	-113.33 -113.33

Note: The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results ended on 30th June, 2019 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarter ended on 30th June, 2019 are available on the BSE Limited (BSE) website (www.bseindia.com), National Stock Exchange of India Limited (NSE) website (www.nseindia.com) and on the Company's website (www.kohinoorfoods.in).

For Kohinoor Foods Ltd.
Sd/-
(Satnam Arora)
Jt. Managing Director
DIN:00010667

Place: Faridabad
Date: 16th August, 2019

रविदास मंदिर मामला : 'आप' घेरेगी भाजपा कार्यालय

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

दक्षिणी दिल्ली में संत रविदास मंदिर गिराए जाने की वजह से जनता में रोष है। शनिवार को प्रेस वार्ता में आम आदमी पार्टी (आप) नेता व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि यह मंदिर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने गिराया है और इसके विरोध में लगातार देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मामले में 'आप' ने सीधे केंद्रीय भाजपा नेतृत्व को घेरा है और प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखा है। इस पत्र में मांग की गई है कि उसी जगह पर फिर से नया मंदिर बनाया जाए।

रविवार को डीडीए की इस तोड़फोड़ के विरोध में 'आप' का एससी–एसटी विंग भाजपा कार्यालय का घेराव करेगा। मंदिर गिराए जाने की इस कार्रवाई को 'आप' ने सीधे दलितों की राजनीति से जोड़ा है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल लोग पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 33/2 स्टेनली रोड इलाहाबाद उत्तर प्रदेश– 211001 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है– पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गये है–

सभापति/अध्यक्ष/महासचिव/ सचिव:– **डा0 स्मिता पाण्डेय**
पता:– **33/2, स्टेनली रोड इलाहाबाद उत्तर प्रदेश– 211001**
कोषाध्यक्ष:– **शिवनारायण सिंह**
पता:– **सी4/61, विशेष खण्ड गोमतीनगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश– 226010**

यदि किसी को लोग पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव, (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली– 110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

कार्पोरेशन बैंक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए) [Rule - 8(1)]
आंचलिक कार्यालय, आर.पी.जी. टॉवर, 495/1, मंगल पांडे नगर, मेरठ–250001

यद्यपि वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण व पुर्नसंचरण तथा प्रतिभूति ब्याज का प्रभावीकरण अधिनियम 2002 के अन्तर्गत तथा प्रतिभूति ब्याज (प्रभावीकरण) नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित धारा 13 (02) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कार्पोरेशन बैंक अधोहस्ताक्षरी ने विभिन्न बकायेदार ऋणियों एवं गारन्टरों को नोटिस में वर्णित राशि, नोटिस प्राप्ति के 60 (साठ) दिनों के अन्दर अदा करने हेतु मांग नोटिस जारी की थी। ऋणियों एवं गारन्टरों के द्वारा इस राशि की अदायगी में विफल रहने पर एतद्द्वारा आम जनता को एवं ऋणी व गारन्टरों को विशेष रूप से सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने नीचे वर्णित सम्पत्तियों का अधिपत्य उपरोक्त अधिनियम की धारा 13 (4) एवं नियमों के उपनियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित सम्पत्तियों का कब्जा उनके सम्मुख अंकित तिथि को कर लिया है। एतद्द्वारा ऋणियों/गारन्टरों को विशेषतः और जन साधारण को सामान्तः सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्तियों का अधिग्रहण कर लिया गया है अतः इस सम्बन्ध में किसी प्रकार का कोई सौदा/व्यवहार बैंक के अतिरिक्त अन्य किसी से न करें एवं ऐसा कोई भी सौदा/व्यवहार कार्पोरेशन बैंक को देय राशि व सम्बन्धित ब्याज हेतु जैसा कि नीचे खाते के सम्मुख उल्लेखित किया गया है के अध्याधीन होगा।

शाखा का नाम	ऋणी और जमानती के नाम	कब्जा नोटिस की तारीख	मांग नोटिस की तारीख	मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि
बरेली शाखा (0581)	ऋणी:– मैसर्स शाहिद खान जरी आर्ट प्रोप. सईद खान, पता बाकर नगर, सुनरासी, सीबी गंज, बरेली, और गारंटर – इंदाज खान पुत्र मोहम्मद यार खान, निवासी बाकर नगर, सुनारसी, सीबी गंज, बरेली	14.08.2019	29.04.2019	रूपये 10,20,873.75 (दस लाख बीस हजार आठ सौ तेहत्तर और पैसे पीचतर मात्र)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण – रिक्त भूखंड के सभी भाग और पार्सल, क्षेत्रफल 397 वर्गगज, स्थित सानिया रानी, मेवा कुंवर, जिला बरेली । सीमायें:–पूर्वः नन्हे खान का खेत पश्चिमः 18 फुट रास्ता उत्तरः विक्रेता की भूमि दक्षिण– शमशाद हाजी की भूमि ।				
बरेली शाखा (0581)	ऋणी :– मैसर्स आमना जरी फैशन प्रो0 इसरार खान, पता वार्ड नंबर 38, बाकर नगर, सुनरसी, सीबी गंज, बरेली, और गारन्टर : इन्दाज खान पुत्र मोहम्मद यार खान, निवासी बाकर नगर, सुनरसी, सीबी गंज, बरेली	14.08.2019	29.04.2019	रूपये 10,72,270.85 (दस लाख बहातर हजार दो सौ सतर और पैसे पीचासी मात्र)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण – आवासीय प्लॉट के सभी भाग और पार्सल क्षेत्रफल 165.38 वर्ग गज। स्थित बाकार नगर, सुंदरसी, पीओ सीबी गंज, जिला बरेली । सीमायें:– पूर्वः शब्बीर खान और रईस खान का मकान पश्चिमः वाहिद खान और सईद खान का मकान उत्तरः नौशी खान का मकान दक्षिणः आम रास्ता।				

दिनांक – 16.08.2019 स्थान– बरेली प्राधिकृत अधिकारी कार्पोरेशन बैंक

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स ई–नीलामी सूचना
(भारत सरकार का उपक्रम)
समूह कार्यालय – आर.आर.एल नोएडा, एसएच–12, प्रथम तल, गामा शॉपिन्ग सैन्टर, सैक्टर–गामा–।, ग्रेटर नोएडा –201308, जिला गौतम बुद्ध नगर, यू.पी., फोन : 0120-2322667, ई–मेलः rrl_7656@obc.co.in

परिशिष्ट IV-क, (नियम 8(6) का परन्तुक देखें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस,

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर्स को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का सांकेतिक/वास्तविक कब्जा (नीचे वर्णित अनुसार), प्रतिभूत लेनदार ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर दिनांक 02.09.2019 को बेचा जाएगा। बकाया राशि की वसूली, कर्जदार(रों) और गारंटर(रों), आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि का विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार

अचल सम्पत्तियों का विवरण

क्र. सं.	शाखा/कर्जदार/गारंटर का नाम	सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / प्रस्ताव में सुधार हेतु राशि	कब्जा सूचना की तारीख / बकाया राशि	ई एम डी प्रेषण खाते का विवरण	ई–नीलामी की तारीख/ समय
1	शाखा : एलायन्स स्कूल, सैक्टर–22 नोएडा, श्री अंकुर शर्मा पुत्र श्री विनोद कुमार शर्मा, श्री विनोद कुमार शर्मा और श्रीमती विनिता शर्मा	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्लैट नं. 291, भूतल, ब्लॉक–सी, सैक्टर ओमिक्रॉन–।।।, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर (यू.पी) में स्थित (भौतिक कब्जा)	₹ 6.27 लाख / ₹ 0.63 लाख / ₹ 0.10 लाख	₹ 14,12,055/- और दिनांक 31.05.2017 से अन्य प्रभार	E-Auction Notice A/c No: 08981181000046 IFSC Code : ORBC0100898 Circle Office Noida	02-09-2019 10.00 AM to 11.00 AM (5 मिनट प्रत्येक असीमित विस्तार की शर्त पर)

नियम एवं शर्तें
1. ई–नीलामी ''जो है जहाँ है'', ''जैसी है जो कुछ भी है'' एवं ''दायित्व रहित आधार पर'' आयोजित की जा रही है।
2. धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 31.08.2019 को सांय 5.00 बजे तक है।
3. सम्पत्ति(यों) का निरीक्षण सभी कार्य दिवस में पूर्वा. 11.00 से अपरा. 3.00 बजे के बीच किया जा सकता है।
4. इच्छुक बोलीदाता जिन्होने धरोहर राशि जमा किया है और लॉगईन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डाटा अपलोडिंग करने, बोली जमा करने, ई–बिडिंग प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में अपेक्षित सहायता के लिए अन्तरेस सिस्ट्म लि., व्यक्ति का नाम जिसे सम्पर्क किया जा सके श्री सचिन, मो. 9555926408, श्री कुशल बोस, मो. 7686913157, श्री पुष्पराज – मो. 7503347659, ईमेल : sachin@antaressystems.com, pushpraj@antaressystems.com और सम्पत्ति प्राधिकृत अधिकारी : श्री शरद खन्ना, मो.: 8059441166, 9319688633, ई–मेलः rrl_7656@obc.co.in से कार्यादिवस में सम्पर्क कर सकते है।
(विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु कृपया हमारी वेबसाईटः www.obcindia.co.in, www.eprocure.gov.in/epublish और www.bankeauctionwizard.com, www.ibapi.in देखें)

दिनांक 17.08.2019, स्थान : ग्रेटर नोएडा, यू.पी. हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी, ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

कार्यक्रम का आयोजन?

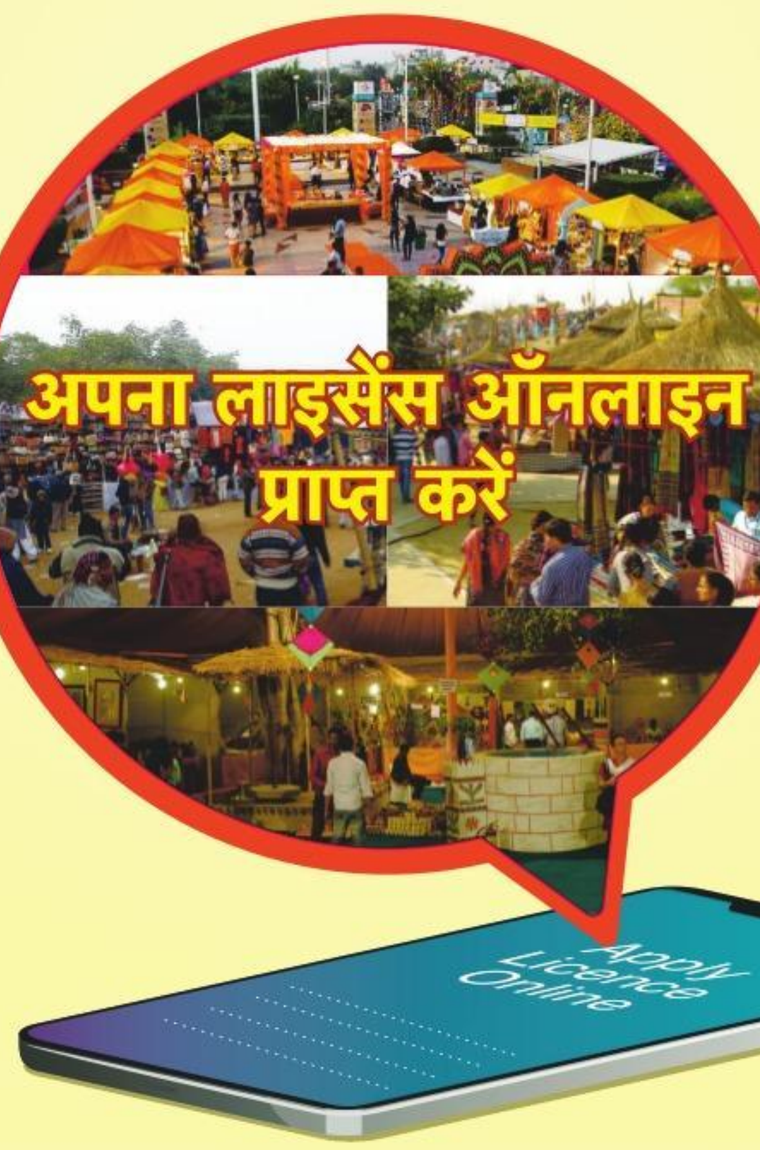

आपकी बेहतर सेवा के लिए, अब हमारी ऑनलाइन लाइसेंस सेवा खुले और बंद स्थलों में सभी सार्वजनिक प्रदर्शनों के लिए विस्तारित हो गई है।

आवेदन पत्र व अपेक्षित दस्तावेज हमारी वेबसाइट: www.delhipolicelicensing.gov.in पर पंजीकरण एवं आवेदन करके जमा किये जा सकते हैं।

इवेंट से कम से कम 15 दिन पहले आवेदन जमा करने होंगें।

अधिक जानकारी के लिए लाइसेंसिंग हेल्प डेस्क से 011–26251025 पर संपर्क करें अथवा ई–मेल करें: addlcp.lic@nic.in

DP/9142/19

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	29.0 डि.से.	29.0 डि.से.	27.4 डि.से.	27.8 डि.से.
न्यूनतम	25.2 डि.से.	25.2 डि.से.	24.9 डि.से.	25.0 डि.से.

एम्स शिक्षण खंड में लगी भीषण आग

जांच रिपोर्ट और शोध पर्चे खाक

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

एम्स में शनिवार शाम करीब पांच बजे टीचिंग ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया और इमारत की पांचवीं मंजिल तक धुंआ फैल गया। आग लगने की वजह से टीचिंग ब्लॉक में अफरा-तफरी मच गई।

आग लगने की सूचना दिल्ली अग्निशमन विभाग को शनिवार शाम करीब 4 बजकर 56 मिनट पर मिली थी। मौके पर पहुंचे 34 दमकल ने कड़ी मशक्कत बाद शाम करीब 6 बजकर 25 मिनट पर आग पर काबू पाया, लेकिन देर रात तक कूलिंग का काम चलता रहा। टीचिंग ब्लॉक में स्थित माइक्रो बॉयोलॉजी लैब पूरी तरह से जल कर खाक हो गई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दमकल विभाग ने समय पर आग पर काबू पा लिया गया।

एम्स में लगी आग में भले ही कोई मरीज हताहत नहीं हुआ लेकिन इस आग का मरीजों के इलाज पर दूरगामी असर पड़ेगा। आग सूक्ष्म जैविकी विभाग की प्रयोगशाला में लगी थी जिसमें बड़े पैमाने पर मरीजों की तमाम बीमारियों की जांच के लिए लिए गए नमूने जल कर राख हो गए हैं। काफी मरीजों के नमूने जांच की प्रक्रिया में थे तो काफी नमूनों के नतीजे आ चुके थे, वे सभी जल गए। इनका इंतजाम फिर से करना होगा। इसके साथ ही कई अन्य चुनौतियां हैं जिनसे निपटने के लिए एम्स को एक साल तक का समय लग सकता है। एम्स प्रशासन का कहना है कि आग पर काबू पा लिया गया है और मरीजों को एबी वार्ड से स्थानांतरित कर दिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन मामले पर नजर रखे हुए हैं और उन्होंने आपदा से निपटने और मरीजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचने पर एम्स की सराहना की।

एम्स के जानकारों के मुताबिक इसके लिए विकल्प आपदा वार्ड या मौसमी बीमारियों की स्थिति में किए जाने वाले इंतजाम ही हैं। इनमें तय वार्ड जैसी सुविधा नहीं है। इसके अलावा आरपी सेंटर, आइआरसीएच व जेरियाट्रिक वार्ड, रुमैटॉलॉजी विभाग के डे केयर के खाली बेड या कमरे हैं जहां अतिरिक्त बेड लगाए जा सके। एक डॉक्टर ने कहा कि दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में बिस्तर खाली नहीं होता। कुछ मरीजों को रात तक न्यू प्राइवेट वार्ड स्थानांतरित कर लिया गया था, कुछ के लिए इंतजाम किए जा रहे थे। सीएन सेंटर व जहां पैनल व अन्य सुविधाएं भी हों ऐसी जगहें तलाशी गईं। आइआरसीएच के डे केयर वार्ड में भी पैनल व बोर्ड वगैरह की जांच की गई। कुछ मरीज सफदरजंग अस्पताल भेजे गए। इमरजेंसी वार्ड बंद कर दिया गया है।

तीन घंटे लगे आग को बुझाने में

मामले की भीषणता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पांच बजे लगी आग को करीब सवा आठ बजे तक बुझाया नहीं जा सका था। एम्स व दमकल की ही नहीं आस-पास के मुहल्लों तक का पानी एम्स की आग बुझाने में लिया गया। आग की लपटें जितनी ऊंचाई तक जा रही थी वहां तक दमकल के पानी की बौछार भी नहीं पहुंच रही थी। प्रयोगशाला में जिस जगह आग लगी वहां से सटे हिस्से में दो वार्ड की आइसीयू भी है। यह गैस्ट्रोलॉजी विभाग का वार्ड व आइसीयू है। इसी तरह आर्थो वार्ड एबी एक और एबी तीन वार्ड भी है। जहां आग नहीं भी पहुंची वहां भी केंद्रीकृत एसी के डक्ट से धुआं पहुंच रहा था। इसके अलावा पानी की बौछार से इमारत के अंदरूनी हिस्से में नमी पहुंच गई है, जिससे मरीजों को स्थानांतरित किया जा रहा है।

मैं सदमे में हूं...

एक विभागाध्यक्ष ने कहा कि मेरा दफ्तर संभवत: जल गया है, मैं सदमे में हूं। मुझे नही पता कि क्या हो रहा है, क्या होगा। तमाम शोध व परचे भी जल कर खाक हुए हैं। चुनौती यह भी है कि मरीजों की जांच रपट को फिर तैयार करने की लंबी प्रक्रिया पूरी करनी होगी जिससें भर्ती व ओपीडी के हजारों मरीजों के इलाज पर महीनों का फर्क पड़ सकता है।

चिकित्सा प्रयोगशाला बंद

एम्स प्रशासन ने आपातकालीन चिकित्सा प्रयोगशाला को भी बंद कर दिया। साथ ही टीचिंग ब्लॉक की ओर जाने वाले लोगों को भी रोक दिया गया। इसके साथ ही वार्ड नंबर एबी-1, एबी-2 और एबी-3 को भी खाली करा लिया गया था। साथ ही इमारत के ऊपरी मंजिल में इलाजरत मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था।

मरीज होंगे प्रभावित

मरीजों को जांच की थकाऊ प्रक्रिया से फिर गुजरना पड़ेगा। इस आग के प्रभाव में बायोप्सी के नमूनों की रपट भी आएगी जो तमाम जटिल कैंसर रोगियों के इलाज के लिए अहम हैं। कैंसर के इलाज के लिए मरीजों का समय बचाना एक बड़ी चुनौती है। ऑपरेशन के लिए तय मरीजों का समय टलेगा। पहले इन मरीजों को ठीक करके बिस्तर उपलब्ध होने में समय लगेगा।

दिल्ली में घरेलू हिंसा के मामले बढ़े

महिलाओं से जुड़े अपराधों में 97 फीसद आरोपी 'अपने'

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

राजधानी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के मामले कम नहीं हो रहे हैं। अभी तक के पुलिस में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं से बलात्कार और छेड़छाड़ की घटनाओं में मामूली कमी आई है लेकिन घरेलू हिंसा के मामले बढ़े हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ देने वाली बात है कि पुलिस में दर्ज मामले और कार्रवाई में महिलाओं से अपराध के 97 फीसद मामलों में उनके जानने वाले ही आरोपी बनकर सामने आ रहे हैं, तीन फीसद अजनबी हैं।

दिल्ली पुलिस की ओर से 2019 के 15 जुलाई तक के महिलाओं के खिलाफ दर्ज आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि राजधानी में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में उनके जानने वाले लोग सामने आ रहे हैं। बलात्कार, छेड़छाड़ और फब्तियां कसने के मामले में काफी उतार चढ़ाव सामने आया है। बलात्कार के मामले साल 2018 में 1185 दर्ज किए गए थे वहीं इस साल यह अभी तक यह 1176 पर है। दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना के मामलों में थोड़ी कमी है। साथ ही इस साल महिला अपहरण के 2010, बंधक बनाने के 109, दहेज हत्या के 66 और महिलाओं के साथ गलत शब्दों के प्रयोग के 242 मामले सामने आए हैं।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त प्रवक्ता अनिल कुमार मित्तल ने इस बाबत बताया कि ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि 97 फीसद आरोपी पीड़ित के किसी ने किसी प्रकार से परिचित हैं जबकि तीन फीसद अजनबी होते हैं। स्कूलों में लगाए गए 'निर्भीक बॉक्स' और सोशल मीडिया पर 'हिम्मत प्लस एप' की जागरूकता का असर दिख रहा है। कामकाजी महिलाओं से लेकर स्कूल, कॉलेज तक में आत्मरक्षा प्रशिक्षण का असर यह हुआ है कि पीड़िता सामने आ रही हैं। छात्राओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस के जवान और महिला पुलिसकर्मियों को स्कूल और कॉलेज के पास गश्त के लिए लगाया गया है। स्कूलों में लगे निर्भीक बॉक्स में छात्राएं शिकायत कर रही हैं। प्रवक्ता का कहना है कि कई मामले ऐसे आते हैं जब घरेलू हिंसा की शिकायत पर दोनों पक्षों को समझाया (काउंसिलिंग) जाता है। सफलता न मिलने पर एफआइआर दर्ज की जाती है। हेल्पलाइन नंबर और मेट्रो में निर्देश है कि मामला कहीं का हो अगर दिल्ली में शिकायत होती है तो उसे दर्ज संबंधित थाने या जिले में भेजा जाए।

अपराध पर नजर

अपराध	2018	2019
बलात्कार	1185	1176
छेड़छाड़	1780	1589
घरेलू हिंसा	1471	1936
फब्तियां	349	242

"आंकड़े बता रहे हैं कि 97 फीसद आरोपी पीड़ित के किसी ने किसी प्रकार से परिचित हैं जबकि तीन फीसद अजनबी होते हैं। 'निर्भीक बॉक्स' और 'हिम्मत प्लस एप' की जागरूकता का असर दिख रहा है।"

अनिल कुमार मित्तल, अतिरिक्त प्रवक्ता, दिल्ली पुलिस

तंगी से परेशान युवक ने चौथी मंजिल से कूदकर जान दी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

गोविंदपुरी इलाके में बिल्डिंग की चौथी मंजिल से कूदकर एक युवक ने जान दे दी। 27 साल का विनोद मूलरूप से मध्य प्रदेश का निवासी था। उसने शनिवार सुबह छलांग लगाई। पुलिस को विनोद के पास से खुदकुशी से पहले लिखा कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। लेकिन शुरुआती जांच में पता चला है कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसने यह कदम उठाया। दो महीने का उसने मकान का किराया भी नहीं चुकाया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी विदेश न चली जाए इसलिए पति ने हवाईअड्डे पर फिदायीन हमले की दी झूठी जानकारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आरोपी को बवाना से किया गिरफ्तार
- आरोपी पत्नी को साउदी अरब जाने से किसी कीमत पर रोकना चाहता था

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डा पर फिदायीन हमला होने की झूठी जानकारी फोन करके देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हमले की जानकारी मिलने के बाद हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। आरोपी की पहचान सीतामढ़ी, बिहार निवासी नसरुद्दीन (28) के रूप में हुई है।

पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि उसकी पत्नी अधिक पैसे कमाने के लिए सऊदी अरब जाने वाली थी। पर वह नहीं चाहता था कि उसकी पत्नी भारत छोड़कर विदेश जाए। नसरुद्दीन ने पत्नी को विदेश जाने से रोकने के लिए बीती आठ अगस्त की रात करीब नौ बजे गुरुग्राम में स्थित दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे लिमिटेड (डायल) की कॉल सेंटर में फोन कर यह झूठी जानकारी दी थी। नसरुद्दीन दस साल से चेन्नई में एक बैग बनाने वाले कारखाने में काम कर रहा था।

स्पेशल सेल के उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि आठ अगस्त की रात करीब नौ बजे जानकारी मिली कि जबीना नामक महिला दिल्ली हवाई अड्डे पर फिदायीन हमला कर सकती है। फोन करने वाले ने महिला का मोबाइल नंबर भी दिया। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा में तैनात स्थानीय पुलिस, सीआइएसएफ के अधिकारी, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सुरक्षा एजंसियों ने कॉल करने वाले के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। छानबीन करने पर पता चला कि फोन चेन्नई से किया गया है। साथ ही महिला के फोन नंबर के आधार पर उसका लॉकेशन हवाई अड्डे के आसपास देखी गई। जानकारी के आधार पर गुरुग्राम के उद्योग विहार में एक मामला दर्ज किया गया। हवाई अड्डे पर चौकसी बढ़ा दी गई। इसी बीच एक टीम ने फोन नंबर के आधार पर महिला से संपर्क साधा। महिला ने बताया कि वह दिल्ली में है और विदेश जाने की तैयारी कर रही है। आगे की छानबीन में टीम को कुछ ऐसा संदिग्ध नहीं लगा।

मौसम दिल्ली में दिन भर मौसम बदलता रहा। यमुना बैंक के पास बादल घिरने के बाद नजारा।

'संरक्षिका' की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका : सोनल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

केंद्रीय ओद्योगिक सुरक्षा बल कर्मियों (सीआइएसएफ) के परिजनों ने शुक्रवार को सिरी फोर्ट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां सीआइएसएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन 'संरक्षिका' की ओर से छठा वार्षिक समारोह मनाया गया। 'संरक्षिका दिवस' समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह शामिल हुईं।

इस मौके पर उन्होंने संरक्षिका पत्रिका के 8वें संस्करण का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में संरक्षिका अपने स्तर पर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने संरक्षिका के कार्यों की सराहना की, जो कि सीआइएसएफ कर्मियों के परिजनों के लिए चलाए जा रहे हैं। इस मौके पर संरक्षिका की अध्यक्ष रंजीता रंजन ने कहा कि हम सीआइएसएफ कर्मियों के परिजनों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे वे देश के एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें। रंजीता रंजन ने कहा कि हमारा यह प्रयास रहा है कि सीआइएसएफ परिवार का प्रत्येक सदस्य स्वतंत्र और सक्षम बने, ताकि एक मजबूत परिवार और समाज का निर्माण हो सके।

हेड कांस्टेबल ने फांसी लगाकर दी जान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

हरिनगर थाना क्षेत्र में दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल ने अपने कमरे में पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रविंद्र मीणा (40) के रूप में हुई है।

पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। इस वजह से कारणों का पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम रविंद्र मीणा को फंदे से नीचे उतार कर पास के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में लेकर पहुंची थी, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

रविदास आश्रम को लेकर डीडीए की कार्रवाई द्वेषपूर्ण : बृंदा करात

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

माकपा की दिल्ली राज्य कमेटी और दलित शोषण मुक्ति मंच ने डीडीए की ओर से रविदास आश्रम पर की गई कार्रवाई की कड़ी भर्त्सना की है। माकपा नेता बृंदा करात के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। बृंदा करात ने कहा कि डीडीए की कार्रवाई दोषपूर्ण है।

इस दौरान दलित शोषण मुक्ति मंच के सचिव नत्थू प्रसाद, गुरु रविदास जयंती समारोह समिति के प्रधान ऋशिपाल और सामाजिक कार्यकर्ता हरीश कुमार, एमआर बाली एडवोकेट व स्थानीय लोग शामिल थे। घटनास्थल पर प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डीडीए द्वारा की गई कार्रवाई पूरी तरह से द्वेष की भावना से की गई है। मंदिर और संतों की समाधियों को तोड़ा गया तथा आश्रम की चारदीवारी को भी गिरा दिया गया। प्राचीन कुएं को भी नुकसान पहुंचाया गया। आश्रम के रास्ते में पेड़ जड़ से काट दिए गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गैर-कानूनी तरीके से वहां क्लब को जगह दी गई, जोकि दोहरेपन का नमूना है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि संत रविदास के तुगलकाबाद आगमन पर सिकंदर लोधी ने आश्रम को जमीन दान में दी थी।

रेहड़ीवालों से अवैध वसूली पर अदालत ने मांगी रिपोर्ट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

इंडिया गेट और उसके आसपास के इलाकों में रेहड़ी पटरी वालों से कथित तौर पर वसूली के मामले में आई शिकायत पर दिल्ली की एक अदालत ने संज्ञान लिया है। पटियाला हाउस कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट सुमित आनंद इलाके के पुलिस उपायुक्त से इस बाबत जांच कर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने को कहा है। वकील सुरेंद्र कुमार के जरिए डाली गई एक याचिका पर अदालत ने यह निर्देश दिए हैं।

कुमार के मुताबिक इस इलाके में रेहड़ी लगाने वालों ने पुलिस की ओर से अवैध वसूली की शिकायत की थी। पुलिस ने इस पर जवाब नहीं दिया फिर एक शिकायतकर्ता राजू ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनका दावा है कि उनके पास इस इलाके में कुछ पुलिस वालों की ओर से की जा रही वसूली के पुख्ता सबूत हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने जारी निर्देश में कहा है कि इसकी जांच जल्द से जल्द पूरी की जाए और जो लोग भ्रष्टाचार फैला रहे हैं उनके खिलाफ अभी तक पुलिस ने क्या कार्रवाई की या नहीं की, इस बारे में तुरंत अवगत कराएं। पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) जांच करें और जल्द से जल्द एक्शन टेकन रिपोर्ट फाइल करें।

युवक ने मेट्रो के आगे कूदकर दी जान

नई दिल्ली। शुक्रवार रात करीब 11 बजे टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन ब्लू लाइन पर 27 साल के राहुल ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। जिससे इस व्यस्ततम मार्ग पर कुछ समय तक सेवाएं बाधित रहीं। शव को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया है। (जसं)

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : फिल्म उत्सव, सीडी देसमुख सभागार, 40-मैक्समूलर मार्ग, पूर्वाह्न 11 बजे से।
इंडिया हैबिटाट सेंटर : नाटक महोत्सव ,अमलतास सभागार, लोधी रोड, शाम पांच बजे।

केनरा बैंक Canara Bank
विषय : पीएसबी में सुधार को शाखा स्तर तक ले जाना
केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय मध्य दिल्ली द्वारा विचार मंथन और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संबंध में बैंकों के कार्यनिष्पादन की समीक्षा हेतु क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाली शाखाओं को समाहित करते हुए चिंतन प्रक्रिया के पहले चरण की बैठक क्षेत्रीय स्तर पर 17 अगस्त 2019 को आयोजित हुई। बैठक में श्री विक्रम दुग्गल, उप महा प्रबंधक, अंचल कार्यालय दिल्ली, श्री बी.पी. जाटव, उप महा प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय मध्य दिल्ली समेत अन्य कार्यपालकों द्वारा सक्रिय प्रतिभागिता की गयी।
इस बैठक में 44 शाखाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा इनको चार टीमों में बांटा गया। प्रत्येक समूह को सरकार द्वारा दिए गए विषयों में से दो-दो विषय अपना मंतव्य रखने के लिए दिए गए। टीम सदस्यों ने अपनी बात बहुत ही स्पष्ट व तार्किक ढंग से प्रस्तुत की। बैंकिंग क्षेत्र के सामने मौजूद विभिन्न चुनौतियों पर निम्नलिखित नौ विषयों पर विषय विशेषज्ञों के प्रपत्रों पर बैठक के दौरान चर्चा की गयी ताकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार पर सुझाव दिए जा सकें और भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त किया जा सके:
• डिजिटल भुगतान में वृद्धि
• पीएसबी में कॉर्पोरेट गवर्नेन्स
• भारतीय एमएसएमई हेतु ऋण
• पीएसबी में तकनीक का उपयोग
• खुदरा ऋण – एक बड़ा अवसर
• कृषि ऋण
• भारत में निर्यात ऋण
• वित्तीय ग्रिड स्थापित करने की आवश्यकता
• 5 खरब की अर्थव्यवस्था हेतु बैंक ऋण सक्षम करना

ऐसी परिचर्चा पहली बार हुई है जहां शाखाओं को उनके कार्यनिष्पादन की समीक्षा खुद करने और बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियों पर विचार-विमर्श कर भविष्य के लिए रणनीति तय करने को कहा गया। बैठक में अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्रों में ऋण सेवा में बढ़ोतरी, नवोन्मेष हेतु तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और डाटा विश्लेषण सक्षम करने तथा बैंकिंग को नागरिक-उन्मुख बनाने के साथ ही वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, छोटे उद्योगों, उद्यमियों, युवाओं, छात्रों और महिलाओं की आवश्यकताओं के प्रति अधिक क्रियाशील होने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
बैठक में बैंक के कार्यनिष्पादन और निम्नलिखित क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्राथमिकता के साथ इसके तालमेल की समीक्षा भी की गयी–
• आर्थिक वृद्धि हेतु ऋण सहायता
• अवसंरचना / उद्योग • कृषि क्षेत्र व नील अर्थव्यवस्था
• जल शक्ति • एमएसएमई क्षेत्र और मुद्रा ऋण
• शिक्षा ऋण • निर्यात ऋण
• हरित अर्थव्यवस्था • स्वच्छ भारत
• वित्तिय समावेशन व महिला सशक्तिकरण • प्रत्यक्ष लाभ अंतरण
• नकद रहित / डिजिटल अर्थव्यवस्था • सरल जीवनयापन
• स्थानीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखण, और • कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
विचार-विमर्श के फलस्वरूप, बहुत से नवोन्मेषी सुझाव प्राप्त हुए जिन्हें लागू कर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और विशेषकर हमारा बैंक अपने कार्यनिष्पादन में सुधार कर सकता है और भविष्य में क्या रणनीति अपनायी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शाखाओं के कार्यनिष्पादन के तुलनात्मक मूल्यांकन के साथ इन सुझावों को समेकित कर आंचलिक स्तर पर आगे एसएलबीसी/राज्य स्तरीय परिचर्चा हेतु भेजा गया है। एसएलबीसी स्तर के बाद राष्ट्र स्तरीय परिचर्चा की जाएगी जिसमें अंतरा और अंतर बैंक कार्यनिष्पादन की तुलना की जाएगी और सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लागू किए जाने योग्य सुझावों पर निर्णय लिया जाएगा।
विचार-विमर्श प्रक्रिया के निष्कर्ष स्वरूप शाखाओं में भागीदारी और उद्देश्य की भावना की एक नयी अनुभूति उत्पन्न हुई है और बैंक भविष्य के लिए रणनीति लागू करने के लिए तत्पर है ताकि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ चलते हुए अपने कार्यनिष्पादन में सुधार कर सके और भारत के विकास की कहानी में अपनी भागीदारी को पूरा कर सके।

भाजपा और कांग्रेस में खोई जमीन पाने की छटपटाहट

पूर्वांचल की राजनीति में अब 'आप' का दखल

मनोज मिश्र
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार एक के बाद एक घोषणाएं कर रही है। पहले मैथिली भाषा की पढ़ाई दिल्ली के स्कूलों में करवाने का फैसला लिया और भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा। साथ ही दिल्ली की दो हजार से ज्यादा अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों की रजिस्ट्री शुरू करवाने की घोषणा की। अब महिलाओं को मेट्रो रेल और डीटीसी में मुफ्त यात्रा के अलावा हर महीने दो सौ यूनिट से कम उपभोग करने वालों को बिजली मुफ्त देने की बात हो रही है। माना जा रहा है कि 'आप' ने अपना चुनावी एजंडा तय कर लिया है। इन घोषणाओं से भाजपा से ज्यादा छटपटाहट कांग्रेसी खेमे में हो रही है। बदलते राजनीतिक समीकरणों में दिल्ली की राजनीति में कुछ साल से निर्णायक माने जाने वाले पूर्वांचल के प्रवासी (बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश के मूल निवासी) सालों कांग्रेस के साथ रहे और वे इसी दम पर सालों राज करते रहे। उसी रास्ते पर चल रही 'आप' को जवाब देने के लिए भाजपा ने भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी को प्रदेश भाजपा की बागडोर सौंप दी लेकिन कांग्रेस कोई फैसला नहीं ले पा रही है। अस्सी के दशक से दिल्ली का हर चौथा या पांचवां मतदाता पूर्वांचल का प्रवासी माना जाने लगा है। महाबल मिश्र के 1998 में विधायक बनने के बाद प्रवासियों की राजनीतिक अहमियत लोगों के समझ में आई। नौकरी में रहते हुए ही अजीत दूबे ने भोजपुरी समाज बनाकर लोगों को संगठित करना शुरू कर दिया। महाबल मिश्र आदि के दबाव और पूर्वांचल के मतदाताओं की बढ़ती संख्या के चलते वर्ष 2000 में दिल्ली की कांग्रेस सरकार ने छठ के दिन एच्छिक अवकाश घोषित किया। जिसे 2014 में राष्ट्रपति शासन में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। शीला दीक्षित ने बिहार से बाहर पहली बार दिल्ली में मैथिली भोजपुरी अकादमी बनाया।

15 साल मुख्यमंत्री रहीं दिवंगत शीला दीक्षित खुद अपना चुनाव भी हार गईं। उनका कहना था कि इस चुनाव में विकास मुद्दा नहीं बना। चुनाव 'बिजली हाफ और पानी माफ' के नारे से 'आप' ने जीत लिया। लोकसभा चुनाव में दिल्ली में कोई सीट न जीतने के बाद 'आप' नेताओं ने फिर से वही तरीका अपनाया है और चर्चित अनधिकृत कॉलोनी मुद्दा उठा लिया है। कांग्रेस के नेताओं का दावा रहता है कि वे ही प्रवासियों के संरक्षक थे। प्रवासियों के बूते ही दिल्ली में लगातार तीसरी बार कांग्रेस की सरकार बनी। 2009 में महाबल मिश्र पश्चिमी दिल्ली से सांसद बने लेकिन कांग्रेस ने प्रवासियों की राजनीतिक भागीदारी नहीं बढ़ाई। यह काम 'आप' ने किया।

दिल्ली में भाजपा 1998 में सरकार से बाहर हुई, तब से वह कभी विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाई। भाजपा खास वर्ग की पार्टी मानी जाती है।

दुनिया का सबसे पुराना भाप इंजन दौड़ा पटरी पर

नई दिल्ली, 17 अगस्त।

भारतीय रेलवे ने दुनिया का सबसे पुराना स्टीम लोकोमोटिव इंजन रेल पटरियों पर दौड़ाकर हेरिटेज रन का आयोजन किया। यह हेरिटेज रन 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चेन्नई में आयोजित की गई थी। यह इंजन 'ईआर-21' दुनिया का सबसे पुराना भाप इंजन है जो 164 वर्ष पुराना है।

रेल मंत्रालय के मुताबिक इस हेरिटेज रन का आयोजन चेन्नई के इग्मोरे से कोडबक्कम स्टेशन के बीच किया गया। आम जनता को इससे जोड़ने के लिए ट्रेन में विशेषतौर पर एक तिरंगा डिब्बा लगाया गया था। इस पहल से भारतीय रेलवे ने रेल के हैरिटेज महत्व को समझाने की कोशिश की।

हैरिटेज इंजन ईआर-21 को शिपिंग के जरिए 1855 में इंग्लैंड से लाया गया था। करीब 54 साल तक यह रेलवे से जुड़ा रहा और 1909 में यह इंजन रिटायर कर दिया गया। इसके बाद इस इंजन को जमालपुर वर्कशॉप और हावड़ा स्टेशन पर प्रदर्शनी के लिए रखा गया था। **(जनसत्ता ब्यूरो)**

नन ने निष्कासित किए जाने पर वेटिकन में की अपील

कोच्चि, 17 अगस्त (भाषा)।

ईसाइयों की एक संस्था 'फ्रांसिस्कन क्लैरिस्ट कॉन्ग्रिगेशन' से निष्कासित किए जाने के फैसले के खिलाफ केरल की एक नन ने वेटिकन में अपील दायर की है। संस्था ने सिस्टर लूसी कलप्पुरा पर कविताएं छपवाने, कार खरीदने और जलंधर डायोसिज के एक पूर्व बिशप के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेने का आरोप लगाया है। यह पूर्व बिशप बलात्कार के आरोपी हैं।

संस्था ने नन की मां को एक पत्र भेज कर उन्हें वापस घर ले जाने को कहा है। नन के अपनी जीवनशैली के बारे में संतोषजनक सफाई देने में नाकाम रहने पर इस महीने की शुरुआत में संस्था ने निष्कासित कर दिया गया था।

कार्पोरेशन बैंक Corporation Bank

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना (ई-नीलामी द्वारा)

वित्तीय सम्पत्तियों के सुरक्षा और पुनर्निमाण और सुरक्षा ब्याज अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के तहत अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पढ़ा गया

इस प्रकार आम तौर पर जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटीकर्ता(ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति सुरक्षित बंधक को बंधक/चार्ज किया गया है, जिसका रचनात्मक कब्जा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है कार्पोरेशन बैंक (सुरक्षित लेनदार) के अधिकारी, नीचे बताए गए दिनांक पर ''जैसा है'' और ''जो कुछ भी है'' पर बेचा जाएगा, जैसा कि कार्पोरेशन बैंक से यहां उल्लिखित बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित उधारकर्ता(ओं) और गारंटीकर्ता(ओं)। रिजर्व प्राइस (न्यूनतम मूल्य) और कम से कम जमा किये जाने वाले अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट का भी यहां उल्लेख किया गया है।

क्र. सं0 1	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
बाजपुर शाखा (1632) A/c No 510101006593090 IFSC -CORP0001632	ऋणी : 1 (ए) मैसर्स अम्बे ब्रिक फील्ड पार्टनर्सः 1. संजय पाठक, 2. समीर पाठक, 3. विश्वामित्र पाठक पताः ग्राम मलखंदपुर, बाजपुर, उधम सिंह नगर –262401 गारंटरः 2 (ए) संजय पाठक पुत्र विश्वामित्र पाठक, पताः ग्राम मलखंदपुर, बाजपुर –262401 2 (बी) समीर पाठक पुत्र विश्वामित्र पाठक, पताः ग्राम मलखंदपुर, बाजपुर –262401 2 (सी) विश्वामित्र पुत्र विशम्भर नाथ, पताः मकान नंबर 1, मलखंदपुर, बाजपुर, उधम सिंह नगर –262401 2 (डी) आशा रानी पत्नी विश्वामित्र, पताः मकान नंबर 1, मलखंदपुर, बाजपुर, उधम सिंह नगर –262401 2 (ई) रमेश गर्ग पुत्र सत्यवान गर्ग, पताः 16 विद्यालय, वार्ड नंबर 09, संजय कॉलोनी, बाजपुर –262401	रुपये– 9,97,889/– (रुपये नौ लाख सतानवे हजार आठ सौ नवासी केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– भूमि संपत्ति के सभी भाग और पार्सल आशा रानी पत्नी विश्वामित्र के नाम स्थित खसरा नंबर 30/2 मिन क्षेत्रफल 0.607 हेक्ट. मलखंदपुर, बेरिया रोड, बाजपुर।
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः रुपये 48,51,000/- (रुपये अड़तालीस लाख इक्यावन हजार केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः रुपये 4,85,100 (रुपये चार लाख पिचासी हजार एक सौ केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/ambay_brick_field.pdf

क्र. सं0 2	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
हापुड़ शाखा (3282) A/c No 520101262823741 IFSC -CORP0003282	ऋणी : मैसर्स आनंद मेटल वर्क्स प्रो. उत्तम सिंह, पताः 233, मधुबन कॉलोनी, मेरठ रोड, हापुड़ –245101 गारंटरः अवतार सिंह पुत्र गोपाल सिंह, पताः 40, मधुबन कॉलोनी, हापुड़ –245101	रुपये– 67,08,646.80/- (रुपये सड़सठ लाख आठ हजार छह सौ छियालीस और अस्सी पैसे केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– संपत्ति के सभी भाग और पार्सल डबल मंजिला वाणिज्यिक सह आवासीय भवन स्थित मकान संख्या 233, वार्ड नंबर –12 प्लॉट नंबर 02, मौहल्ला मधुबन कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी के पास, मेरठ रोड, हापुड़, उत्तर प्रदेश संपत्ति स्वामित्व श्री उत्तम सिंह और श्री अवतार सिंह। संपत्ति का कुल क्षेत्रफल 292.62 वर्ग मीटर सीमायें–पूर्वः जोगा सिंह का निजी प्लॉट नंबर 01 पश्चिमः संजय कुमार जिंदल का निजी प्लॉट नंबर 03 उत्तरः दूसरों की आबादी दक्षिणः रोड 20' चौड़ा
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः रुपये 77,00,000/- (रुपये सत्तत्तर लाख केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः रुपये 7,70,000/- (रुपये सात लाख सत्तर हजार केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/anand_metal_works.pdf

क्र. सं0 3	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
रामपुर शाखा (1283) A/c No 510101006279996 IFSC- CORP0001283	ऋणी : श्रीमती अनीता यादव पत्नी श्री भूपेन्द्र पाल सिंह, पताः मकान नंबर 52, ईडब्ल्यूएस नूर महल, आवास विकास कॉलोनी, सिविल लाइंस, रामपुर –244901 1 (बी) – श्री भूपेंद्र पाल सिंह उर्फ भूपेंद्र यादव, पताः मकान नंबर 52, ईडब्ल्यूएस नूर महल, अवास विकास कॉलोनी, सिविल लाइंस, रामपुर –244901	रुपये– 15,00,627.05(रुपये पंद्रह लाख छः सौ सत्ताईस पैसे पाँच केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– संपत्ति 1:– संपत्ति के सभी भाग और पार्सल मकान नं.–52, आवास विकास नूर महल रामपुर तहसील सदर जिला–रामपुर सीमायें:– पूर्वः 6 मी. चौडी रोड, पश्चिमःमकान नं. ईडब्ल्यूएस 64, उत्तरः मकान नं. ईडब्ल्यूएस 51 दक्षिणः मकान नं. ईडब्ल्यूएस 53 संपत्ति श्रीमती अनीता यादव के नाम पर संपत्ति 2:– संपत्ति मकान के सभी भाग और पार्सल स्थित नया गाँव शाहबाद रोड तहसील सदर जिला रामपुर संपत्ति भूपेन्द्र लाल सिंह यादव के नाम पर सीमायें:– पूर्वः अन्य लोगों की संपत्ति पश्चिमः 12 फीट चौड़ी रोड, उत्तर–अन्य लोगों की संपत्ति दक्षिणः संदेश कुमार की संपत्ति
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः सम्पत्ति सं0 1 रुपये 13,80,000(रुपये तेरह लाख अस्सी हजार केवल), **सम्पत्ति सं0 2** रुपये 8,50,000 **(रुपये आठ लाख पचास हजार केवल)**
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः सम्पत्ति सं0 1 रुपये **1,38,000/-** (रुपये एक लाख अड़तीस हजार केवल), **सम्पत्ति सं0 2** रुपये **85,000/-** (रुपये पिचासी हजार केवल
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/anita_yadav.pdf

क्र. सं0 4	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
आगरा आवास विकास शाखा (1728) A/c No 510101003284304 IFSC -CORP0001728	ऋणी : 1 (ए) मैसर्स अटराक्टीव क्रटर्स ,पताः 305, भगवान लोक कॉम्पलेक्स, कारगिल पेट्रोल पंप के पास, सिकंदरा, बोदला, आगरा –282007 पार्टनर्सः 1 (बी) विजय भटनागर पुत्र आर बी एल भटनागर, पताः 16/230, आवास विकास, बोदला, सिकंदरा, आगरा –28007 1 (सी) पूनम भटनागर पत्नी विजय भटनागर, पताः 16/230, आवास विकास, बोदला, सिकंदरा, आगरा –28007 1 (डी) अर्पित चित्रांश पुत्र विजय भटनागर, पताः 305, भगवान लोक परिसर, कारगिल पेट्रोल पंप के पास, सिकंदरा, बोदला, आगरा –282007 पताः 38, मनीषा विहार, शास्त्रीपुरम, आगरा –282007	रुपये–10,51,631.50 (रुपये दस लाख इक्यावन हजार छः सौ इक्तीस और पचास पैसे केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– संपत्ति के सभी भाग और पार्सल दुकान नं. 305, भगवान लोक कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पश्चिम पुरी रोड, सिकंदरा, पुशपांजलि कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने आगरा। संपत्ति का क्षेत्रफल 12.13 वर्ग मीटर। संपत्ति स्वामिनी श्रीमती पूनम भटनागर पत्नी विजय भटनागर। संपत्ति की सीमासें–उत्तरःदुकान नं. 304, दक्षिणः दुकान नं. 206, पूर्वः आम रास्ता, पश्चिमः अन्य की संपत्ति। बिक्री विलेख का विवरण –संपत्ति बही संख्या 1, जिल्द नं. 5832, पृष्ठ सं. 211/236, क्रम नं. 5983, दिनांक 08.09.2008 में पंजीकृत है।
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः 15,25,000.00 (रुपये पंद्रह लाख पच्चीस हजार केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः 1,52,500.00 (रुपये एक लाख बावन हजार पांच सौ केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/attractive_creaters.pdf

क्र. सं0 5	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
आगरा आवास विकास शाखा (1728) A/c No 510101003284304 IFSC -CORP0001728	ऋणी : 1 (ए) मैसर्स सुरेश बाबू शू फैक्ट्री प्रोप. सुरेश बाबू, पताः 45/2 ई / 31, राम नगर, जगदीशपुरा, आगरा –282002 1 (बी) राम रति देवी पत्नी सुरेश बाबू , पताः 45/2 ई / 31, नगला अजीता, राम नगर, जगदीशपुरा, लोहामंडी वार्ड, आगरा –282002	रुपये–9,87,585/- (रुपये नौ लाख सत्तास्सी हजार पांच सौ पिचास्सी केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– आवासीय मकान के सभी भाग और पार्सल 45/2 ई/31 नगला अजैता राम नगर, जगदीशपुरा, लोहामंडी वार्ड, आगरा श्रीमती राम रति देवी के नाम पर। संपत्ति का क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर। संपत्ति का सीमायें:– उत्तरः धन्नी की संपत्ति, दक्षिणः दाता राम की संपत्ति, पूर्वः 3.05 मीटर चौड़ी सड़क, पश्चिमः 2.43 मीटर चौड़ी सड़क।
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः 18,00,000.00 (रुपये अठारह लाख केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः 1,80,000.00 (रुपये एक लाख अस्सी हजार केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/suresh_babu_shoe_factory.pdf

क्र. सं0 6	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
रामपुर शाखा (1283) A/c No 510101006279996 IFSC -CORP0001283	ऋणी : मैसर्स उरमान एसोसिएट्स कंपनी प्रो. अनीता यादव पताः मकान नंबर 52, ईडब्ल्यूएस नूर महल, आवास विकास कॉलोनी, सिविल लाइंस, रामपुर –244901 1 (बी) – भूपेंद्र पाल सिंह पुत्र उरनान सिंह पताः मकान नंबर 52, ईडब्ल्यूएस नूर महल, आवास विकास कॉलोनी, सिविल लाइंस, रामपुर	रुपये– 3,08,846 (रुपये तीन लाख आठ हजार आठ सौ छियालीस केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– आवासीय संपत्ति के सभी भाग और पार्सल मकान नंबर–52, आवास विकास नूर महल रामपुर तहसील सदर जिला–रामपुर संपत्ति की सीमायें:– पूर्वः 6 मी. चौडा रास्ता, पश्चिमः मकान नं. ईडब्ल्यूएस 64, उत्तरः ईडब्ल्यूएस 51, दक्षिणः मकान नं. ईडब्ल्यूएस 53, संपत्ति श्रीमती अनीता यादव के नाम पर
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः 13,80,000/- (रुपये तेरह लाख अस्सी हजार केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः 1,38,000/- (रुपये एक लाख अड़तीस हजार केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/urman_associates_co.pdf

क्र. सं0 7	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
मेरठ साकेत शाखा (2104) A/c No 520101006555949 IFSC Code-CORP0002104	ऋणी : मैसर्स वसीम एंटरप्राइजेज प्रो. मोहम्मद वसीम अकरम अंसारी पताः मकान नंबर 173, नरपत नगर, पुरवी इस्लामाबाद, हापुड़ रोड, मेरठ –250001 गारंटर : मो. असलम अंसारी पुत्र मो. शराफत, पताः मकान नंबर 173, नरपत नगर, पुरवी इस्लामाबाद, हापुड़ रोड, मेरठ –250001	रुपये– 18,92,575.00 (रुपये अठारह लाख बानवे हजार पांच सौ पिछत्तार केवल) प्लस अन्य खर्च और आगामी ब्याज।

सम्पत्ति का विवरण :– आवासीय संपत्ति के सभी भाग और पार्सल स्थित एमपीएल नंबर 31 (पुराना नंबर 20), खसरा नंबर 4408 एमआई का भाग, नौचंदी कंपाउंड, नरपत नगर, हापुड़ रोड, मेरठ। संपत्ति का क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर, संपत्ति मोहम्मद असलम अंसारी और श्री वसीम अकरम अंसारी पुत्र श्री शराफत हुसैन के नाम पर। **सीमायें**:– पूर्वः रास्ता 12' चौड़ा, पश्चिमः शराफत हुसैन का मकान, उत्तर– जाहिदीन का मकान, दक्षिण– अजहर का मकान।
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः 20,00,000/-(रुपये बीस लाख केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः 2,00,000/- (रुपये दो लाख केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/vaseem_enterprises.pdf

क्र. सं0 8	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
शाहजहांपुर शाखा (1150) A/c No 510101006279808 IFSC Code CORP0001150	ऋणीः मैसर्स साई ऑटो सेल्स प्रोपराइटर श्री राज किशोर सक्सेना, **पताः** बरेली मोर, कांठ रोड, शाहजहांपुर –242001 गारंटरः श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी राधेश्याम सक्सेना, **पताः** ग्राम नवादा इंदीयापुर, परगना जमौर, तहसील सदर, शाहजहाँपुर वर्तमान निवासीः मकान नं. 2/सी, रेलवे कॉलोनी, पोस्ट रोजा, शाजहांपुर –242001	रुपये– 28,28,010/- (रुपये अठाईस लाख अठाईस हजार दस केवल) प्लस ब्याज और अन्य खर्च

सम्पत्ति का विवरण :– संपत्ति के सभी भाग और पार्सल गैर कृषि भूमि का भाग गाटा संख्या 509, क्षेत्रफल 0.028 हेक्टर। स्थित ग्राम नवादा इंदीयापुर, परगना जमौर, एन.एच. 24, तहसील सदर, जिला– शाजहांपुर स्वामिनी श्रीमती मनोरमा देवी। सीमायें:–पूर्वःघुरई का खेत पश्चिमः विवके का खेत उत्तरः राष्ट्रीय राजमार्ग
ई–ऑक्शन की दिनांक और समयः 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
रिजर्व मूल्यः 23,06,000/- (रुपये तेईस लाख छः हजार केवल)
जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशिः 2,30,600/- (रुपये दो लाख तीस हजार छः सौ केवल)
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/sai_auto_sales_3.pdf

क्र.सं.–9	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
शाहजहानपुर (1150) A/C No. 510101006279808 IFSC CODE: CORP0001150	**उधारकता** : मै0 माधव एंटरप्राइजेज, जी सर्जीवियर के पास, हथोरा बुर्जुर्ग, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश –242001 **साझेदार** : 1. श्री माधव खन्ना पुत्र अशोक कुमार खन्ना, 2. श्रीमती सीमा खन्ना डब्ल्यू पत्नी अशोक कुमार खन्ना **पता** : जी सर्जीवियर के पास, हाथोरा बुर्जुर्ग, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश –242001 **गारंटर** : श्रीमती सीमा खन्ना डब्ल्यू पत्नी अशोक खन्ना पता : जी सर्जीवियर के पास, हाथोरा बुर्जुर्ग, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश –242001	राशि रू 6,00,000/–(रुपए छः लाख मात्र) ब्याज एवं अन्य समस्त खर्च

संपत्ति का विवरण :– संपत्ति सं. 1 गैर कृषि भूमि का एक हिस्सा है गाटा संख्या 773, क्षेत्र उपाय 135.44 वर्ग मीटर ग्राम हथोरा बुजर्ग, जिला– शाहजहांपुर में सीमा खन्ना के नाम पर स्थित है। उक्त संपत्ति इस प्रकार है पूर्व हाउस ऑफ सुरेश चंद्र दास, पश्चिम रस्ता, उत्तर सुमन लता की सभा, दक्षिण सुनील मोरिस की सभा।
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य रु 29,24,000/ – (रुपये उनत्तीस लाख चौबीस हजार केवल) रुपये जमा करने के लिए बयाना रू 2,92,400 /– (रुपए दो लाख बानवे हजार चार सौ केवल) ई–नीलामी वेबसाइट–**https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए दिए गए लिंक को देखें। https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/madhav_enterprises_1.pdf

क्र.सं.–10	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
शाहजहाँनपुर (1150) A/C No. 510101006279808 IFSC Code: CORP0001150	**उधारकर्ता** : मै0 शर्मा फरटीलाइर्जस, प्रो0 सूरज प्रकाश शर्मा पता मौहल्ला सैनिक कालोनी, निकट पंचपीर, निगोही रोड, शाहजहानपुर, उ0प्र0–242001, 2(अ) कमलेश रानी पत्नी स्व0 श्री सत्यपाल शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार, शाहजहानपुर–242001 2(ब) सुनीता शर्मा पुत्री स्व0 श्री सत्यपाल शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार, शाहजहानपुर–242001 2(स) संजय शर्मा पुत्र स्व0 श्री सत्यपाल शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार, शाहजहानपुर–242001 2(द) वेद प्रकाश रावल पुत्र श्री देशराज रावल, पता मकान नं0–126, रामनगर कालोनी, शाहजहानपुर–242001	रूपये 10,49,053/–(रुपए दस लाख उन्नचास हजार तरेपन रूपये मात्र) + ब्याज एवं अन्य समस्त खर्चे

संपत्ति का विवरण :– समपत्ति का समस्त भाग रिहाइशी प्लॉट ग्राम जलालनगर बाहर चुंगी, तहसील सदर, जिला शाहजहाँपुर, जिसका क्षेत्रफल पूरब व पश्चिम में 60 फुट व उत्तर दक्षिण में दोनो तरफ 30 फुट कुल क्षेत्रफल 167.22 वर्गमीटर है। सम्पत्ति की सीमाएं – पूरब में कच्चा रास्ता, पश्चिम में कच्ची जमीन, उत्तर में बेचने वाले की जमीन, दक्षिण में बेचने वाले की जमीन। सम्पत्ति की स्वामिनी श्रीमती कमलेश रानी, सूरज प्रकाश शर्मा, संजय शर्मा तथा सुनीता शर्मा है।
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य रु। 30,76,000/– (रुपए तीस लाख छियत्तर हजार केवल) रुपये जमा करने के लिए बयाना 3,07,600/ – (तीन लाख सात हजार छः सौ केवल) ई–नीलामी वेबसाइट **https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, दिए गए लिंक को देखें। https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/sharma_fertilizers_0.pdf

क्र.सं.11	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
बुलन्दशहर शाखा (0792) A/c No.: 520101208954968 IFSC : CORP0000792	**ऋणी** : (अ) अवन्तिका एन्टरप्राईजेज, प्रोपराइटर : श्री पुरुषोत्तम **पता** : हनुमान मन्दिर के सामने, चौक बाजार, बुलन्दशहर (उ0प्र0)-203001 (ब) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 श्री सहन्सरपाल, पता: 489/2, मौहल्ला साठा, परगना बरन, तहसील व जिला बुलन्दशहर।	रुपये 20,83,941/- (रुपये बीस लाख तिरासी हजार नौ सौ इकतालीस मात्र) + ब्याज एवं अन्य समस्त खर्चे

प्रोपर्टी नं0 1 : (1) आवासीय भवन, म0नं0 582 का सम्पूर्ण भाग, **सम्पत्ति का क्षेत्रफल** : 167.22 वर्गमीटर। **सम्पत्ति की सीमायें** : पूर्व–5 मीटर चौड़ा रास्ता, पश्चिम–श्री सतीश का मकान, उत्तर–श्री ज्ञानचन्द का मकान, दक्षिण–श्रीमती मुन्नीदेवी का मकान। (2) आवासीय भवन का सम्पूर्ण भाग, **सम्पत्ति का क्षेत्रफल** : 20 वर्ग गज। **सम्पत्ति की सीमायें** : पूर्व–पांच मीटर चौड़ा रास्ता, पश्चिम–मकान का शेष भाग व अन्य सम्पत्ति, उत्तर–गैलरी, दक्षिण–श्री अशोक का मकान। दोनों सम्पत्ति गड़रियों वाली गली, साठा रोड, परगना, तहसील व जिला बुलन्दशहर में स्थित, मालिक : श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 श्री सहन्सरपाल। **ई-ऑक्शन की दिनांक और समय** : 25.09.2019 , प्रात: 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (दस मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ)। **रिजर्व मूल्य** : रु0 22,72,000/- (रुपये बाईस लाख बाहत्तर हजार केवल) **जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि** : 2,27,200/- (रुपये दो लाख सत्ताईस हजार दो सौ)। ई-ऑक्शन वेबसाइट : https://www.corpbankauctiontiger.net
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/avantika_enterprises_4.pdf

क्र.सं. 12	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
बरेली शाखा (0581) A/c No.: 520101206086497 IFSC : CORP0000581	**ऋणी** : (1) मै0 फैयाज खान फ्रूट कम्पनी प्रोपराईटर श्री फरियाद खान **पता** : 39, गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सी0बी0 गंज, बरेली। (2) श्री फरियाद खान **पता** : 39, गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सी0बी0 गंज, बरेली। **गारन्टर** : (1) श्री असलम खान पता : गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सी0बी0 गंज, बरेली। (2) श्री दिलावर खान पुत्र श्री मुन्ना खान **पता** : गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सी0बी0 गंज, बरेली।	रुपये 11,72,361/- (रुपये ग्यारह लाख बहत्तर हजार तीन सौ इकसठ मात्र) +ब्याज एवं अन्य समस्त खर्चे

प्रोपर्टी नं0 1 : खसरा नं0 248, गोविन्दपुर, बरेली का सम्पूर्ण भाग **सम्पत्ति का क्षेत्रफल** : 86 वर्ग मीटर। नामे श्री दिलावर खान पुत्र श्री मुन्ना खान।**ई-ऑक्शन की दिनांक और समय** :25.09.2019, प्रात: 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (दस मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ)। **रिजर्व मूल्य : सम्पत्ति सं0 (1)** रु0 9,12,000/- (रुपये नौ लाख बारह हजार केवल) **जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि** : सम्पत्ति सं0 (1)रु0 91,200/- (रुपये इक्यानवे हजार दो सौ मात्र)। **ई-ऑक्शन वेबसाइट** : https://www.corpbankauctiontiger.net
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/fayyaz_khan_fruit_co_1.pdf
प्रोपर्टी नं0 2 : वार्ड नं0 22, खसरा नं0 248, गोविन्दपुर, बरेली। **सम्पत्ति का क्षेत्रफल** : 86 वर्ग मीटर। नामे श्री दिलावर खान पुत्र श्री मुन्ना खान। **ई-ऑक्शन की दिनांक और समय** :25.09.2019, प्रात: 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (दस मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ)। **रिजर्व मूल्य : सम्पत्ति सं0 (2)** रु0 4,76,000/- (रुपये चार लाख छियत्तर हजार केवल) **जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि** : सम्पत्ति सं0 (2) रु0 47,600/- (रुपये सैंतालीस हजार छ: सौ मात्र)। **ई-ऑक्शन वेबसाइट** : https://www.corpbankauctiontiger.net
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/fayyaz_khan_fruit_co_1.pdf

क्र.सं.–13	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
मेरठ शाखा (0505) A/C No. 520101244217137 IFSC Code CORP0000505	**उधारकताः** मै0 गोस्वामी भारत गैस प्रो0 श्रीमती ममता गोस्वामी पत्नी रविन्द्र कुमार गिरि मकान नं0 123, गली नं0 1 नेहरूनगर मेरठ–250001 **गारंटर** : श्री शिवराम गिरि पुत्र श्री कालू गिरि पता, मकान नं0 123 गली नं0 1 नेहरूनगर मेरठ–250001	राशि रू 24,95,400.61/–(रुपए चौबीस लाख पिचानवे हजार चार सौ इकसठ रूपये मात्र) प्लस ब्याज और अन्य खर्च

संपत्ति का विवरणः–सम्पत्ति सं. 1. संपत्ति के सभी भाग और पार्सल की माप 0.1485 हेक्टेयर (1485 वर्गमीटर) का हिस्सा खसरा नं 203/2 के ग्राम लोधीपुर सोवन मेन मेरठ गढमुक्तेश्वर रोड परगना व तहसील गढमुक्तेश्वर जिला हापुड जो कि श्री शिवराम गिरि पुत्र श्री कालू गिरि के नाम है। में स्थित है सम्पत्ति की सीमाएं इस प्रकार है:–पूर्व में श्री अनिल गिरि की भूमि पश्चिम में चक रोड, उत्तर में श्री कुंवर पाल गिरि की भूमि, दक्षिण में गढ मेरठ रोड
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ रिजर्व मूल्य रु **62,95,000** /– (रुपए बासठ लाख पिचानवे हजार केवल) बयाना जमा करने के लिए रू0 6,29,500/– (केवल छः लाख उन्नतीस हजार पांच सौ रुपये)
ई–नीलामी वेबसाइट–**https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/goswami_bharat_gas_0.pdf में दिए गए लिंक को देखें।

क्र.सं. 14	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
बरेली शाखा (0581) A/c No.: 520101206086497 IFSC : CORP0000581	**ऋणी** : (1) मैसर्स हिमाचल कशमीर एप्पल कम्पनी प्रोपराइटर मौ0 इशतयाक खान। **पता** : शेड नं0 13, न्यू फ्रूट मंडी, डेलापीर, बरेली- 243001 (2) प्रोपराइटर मौ0 इशतयाक खान पुत्र मौ0 मुश्तयाक खान। **पता** : मकान न0 150, गोविन्दापुर, बरेली -243502 **गारंटर** : (1) बुंदु खान पुत्र मौ0 मुन्ना खान। **पता** : 155, गोविन्दापुर, बरेली -243502 (2) **गारंटर** : इंदास खान पुत्र मौ0 यार खान पता: बरकारनगर, सी.बी. गंज, बरेली-243502	रूपये 20,35,554/- (रूपये बीस लाख पैंतीस हजार पांच सौ चौवन मात्र)+ब्याज एवं अन्य समस्त खर्च

सम्पत्ति का विवरण :- सम्पत्ति सं0 1 सम्पत्ति का समस्त भाग जिसके अन्तर्गत बन्धक सम्पत्ति एक रिहायशी प्लॉट/ मकान है जो कि खसरा न0 12, गांव गोवीन्दापुर, बरेली (उत्तर प्रदेश) मे स्थित है। सम्बन्धित **सम्पत्ति का क्षेत्रफल** 420.00 वर्गमीटर है। सम्बन्धित **सम्पत्ति की सीमायें** इस प्रकार है:- पूरब दिशा में बगिया हमीद खान, पश्चिम दिशा में रेलवे लाईन, उत्तर दिशा में चक रोड दक्षिण दिशा में चक रोड।
ई-ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) **रिजर्व मूल्य** : रूपये 35,70,000/- मात्र (रूपये पैंतीस लाख सत्तर हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि : रूपये 3,57,000/- (तीन लाख सतावन हजार मात्र) **ई-ऑक्शन वेबसाइट** : https://www.corpbankauctiontiger.net
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/himachal_kashmir_apple_company_1.pdf

क्र.सं. 15	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
बरेली शाखा (0581) A/c No.: 520101206086497 IFSC : CORP0000581	**ऋणी** : (1) मैसर्स जफर जरी आर्ट, प्रोपराइटर जफर आलम **पता** : 82, परतापुर चौधरी, इज्जत नगर, बरेली (उ0प्र0)-243001 (2) जफर आलम **पता** : 82, परतापुर चौधरी, इज्जत नगर, बरेली (उ0प्र0)-243001 **गारंटर** : चमन शाह पुत्र छोटे शाह **पता** : 82-ए, परतापुर चौधरी, इज्जत नगर, बरेली (उ0प्र0)-243001	रूपये 5,12,650.00 (रूपये पांच लाख बारह हजार छ: सौ पचास मात्र)+ब्याज एवं अन्य समस्त खर्च

सम्पत्ति का विवरण : सम्पत्ति सं0 1 सम्पत्ति का समस्त भाग जिसके अन्तर्गत बन्धक सम्पत्ति जो खसरा नं0 88, 89 एवं 90, गांव परतापुर चौधरी दो मिनार मस्जिद, बरेली मे स्थित है।
ई-ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) **रिजर्व मूल्य** : रूपये 10,71,000/- मात्र (रूपये दस लाख इकहत्तर हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि रूपये 1,07,100/- (रूपये एक लाख सात हजार एक सौ मात्र) **ई-ऑक्शन वेबसाइट** : https://www.corpbankauctiontiger.net
बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/jafar_zari_art_1.pdf

क्र.सं.–16	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
सहारनपुर (0665) Ac/ No. 520101208489653 IFSC CORP0000665	**ऋणीः** मै0 मुस्कान फर्नीचर प्रो0 मौ0 अकरम पता सेन्ट मैरी स्कूल के सामने, सहारनपुर **गारंटर** : श्रीमती मुसम्मत खादिजा बेगम पुत्री श्री मौ0 रफीक पता इब्राहिमनगर चिलाका रोड, सहारनपुर–247001	रूपये 10,34,485.90/–(रुपए दस लाख चौतीस हजार चार सौ पिचासी पैसे नब्बेह मात्र) + ब्याज एवं अन्य समस्त खर्चे

सम्पत्ति का विवरण :– सम्पत्ति का समस्त भाग प्लाट संख्या 1 के हिस्से और पार्सल गांव हलालपुर (रजवाह पुलिया से सेन्ट मेरी स्कूल तक) (राणा नगर), परगना और तहसील में श्रीमति मुस्मत खदीजा बेगम के नाम पर)। सम्पत्ति का क्षेत्रफल 184.68 वर्गमीटर है। सम्बन्धित सम्पत्ति की सीमायें इस प्रकार है:– पूरब दिशा में श्री इश्टकार की दुकान , पश्चिम दिशा में रास्ता 18 फुट चौडा, उत्तर दिशा में अन्य प्लाट , दक्षिण दिशा में चिलकाना रोड, उल्लेखित सम्पत्ति में एक भूखंड और एक भूमि जिसका क्षेत्रफल क्रमशः 142.97 वर्गमीटर और 41.71 वर्ग मीटर है।
ई–ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य : रूपये 21,17,000 मात्र (रूपये इक्कीस लाख सत्रह हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि रूपये 2,11,700.00 (रूपये दो लाख ग्यारह हजार सात सौ मात्र) ई ऑक्शन वेबसाईट **https://www.corpbank.auctiontiger.net**
बिकी की विस्तृत जानकारी नियम एवं शर्तो के लिये कृपया दिये गये लिंक का संदर्भ लें https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/muskan_furniture_2.pdf

क्र.सं.–17	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
सहारनपुर शाखा (0665) A/C No. 520101208489653 IFSC Code CORP0000665	**उधारकताः** मै0 नेशनल सैटरिंग स्टोर प्रो0 सायरा बानो मकान नं0 10/376 छतता जम्बू दास, टोली गेट, सहारनपुर–2470001 उ0प्र0 **गारंटर** : आजाद हसन पुत्र श्री नसीर अहमद म0नं0 10/376 छतता जम्बू दास, टोली गेट, सहारनपुर–2470001 उ0प्र0	राशि रू 19,43,863.00/–(रुपए उन्नीस लाख तिरालीस हजार आठ सौ तरेसठ रूपये मात्र) प्लस ब्याज और अन्य खर्च

संपति का विवरणः–सम्पत्ति सं. 1. आवासीय कम कार्मिशियल भवन 2/3 भवन निर्माण क्षेत्रफल 200 वर्गगज प्लाट नम्बर 32 व 33 खसरा नं0 823/2 स्थित धारा कोटला बेरोन जो कि श्रीमती सायरा बानो सहारनपुर दार अबासी कालोनी निकट गोल्डन कालोनी सहारनपुर उ0प्र0 के नाम पर है। सम्पत्ति की सीमाएं इस प्रकार है:– पूर्व में प्लाट नं0 34, पश्चिम में इरशाद का मकान उत्तरि में अन्य की जमीन दक्षिण में 15 फुट चौडा रास्ता
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ रिजर्व मूल्य रु 19,00,000 /– (रुपए उन्नीस लाख केवल) बयाना जमा करने के लिए रू0 1,90,000/– (केवल एक लाख नब्बे हजार रुपये)
ई–नीलामी वेबसाइट–**https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/national_satering_store_0.pdf में दिए गए लिंक को देखें।

क्र.सं.–18	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
सहारनपुर (0665) Ac/ No. 520101208489653 IFSC CORP0000665	**उधारकर्ताः** मैसर्स नेहा प्रोविजन स्टोर प्रोपराइटर श्री सुखबीर सिंह सेन्ट मेरी स्कूल के सामने, सहारनपुर पता : गांव एवं पोस्ट सरसावा वायुसेना स्टेशन के सामने, सहारनपूर, उ0प्र0– 247001 **गारंटरः** श्री तेजपाल सिंह पुत्र श्री फुल सिंह पता गांव एवं पोस्ट सरसावा वायुसेना स्टेशन के सामने, सहारनपुर, उ0प्र0– 247001	राशि रू 24,70,745.00/–(रुपए चौबीस लाख सत्तर हजार सात सौ पैंतालीस मात्र) समस्त ब्याज एवं अन्य खर्च

सम्पत्ति का विवरण :सम्पत्ति सं 1 सम्पत्ति का समस्त भाग खसरा संख्या 297 में स्थित एक मकान संख्या 17 दारा सोराना खुर्द ग्राम सोराना तहसील नाकुर जिला सहारनपुर श्री सुखबीर सिंह और श्री तेजपाल सिंह के नाम पर दर्ज है । सम्पत्ति का क्षेत्रफल 406.50 वर्गगज है। सम्बन्धित सम्पत्ति की सीमायें इस प्रकार है:– पूरब दिशा में श्रीमति फुलवती की सम्पत्ति , पश्चिम दिशा में श्री कंवर पाल की सम्पत्ति, उत्तर दिशा में श्री मांगे राम की सम्पत्ति , दक्षिण दिशा में अम्बाला रोड ।
ई–ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य : रूपये 57,00,000 मात्र (रूपये सतावन लाख मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि रूपये 5,70,000.00 (रूपये पांच लाख सत्तर हजार मात्र) ई ऑक्शन वेबसाईट **https://www.corpbank.auctiontiger.net**
बिकी की विस्तृत जानकारी नियम एवं शर्तो के लिये कृपया दिये गये लिंक का संदर्भ लें https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/neha_provision_store_2.pdf

क्र.सं.–19	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
पचपेरा (3452) Ac/ No. 510251000444428 IFSC CORP0003452	**ऋणी** : मैसर्स रीतू आभूषण केन्द्र प्रोपराइटर श्री संजय कुमार पता : मकान नं0 98, पचपेरा, मेरठ–250406	रूपये 6,39,715/– (रूपये छ लाख उनतालिस हजार सात सौ पन्द्रह मात्र)+ ब्याज एवं अन्य समस्त खर्चे

सम्पत्ति का विवरण : सम्पत्ति का समस्त भाग का क्षेत्रफल 70 वर्गगज गांव पचपेरा ,कॉपोरेशन बैंक के समीप पचपेरा ब्रांच मे स्थित है। सम्बन्धित सम्पत्ति की सीमायें इस प्रकार है:– पूरब दिशा में श्री राजेश का मकान, पश्चिम दिशा मे श्री राकेश का मकान , उत्तर दिशा मे श्री बुंदु का मकान , दक्षिण दिशा में सडक। सम्पत्ति का मालिक श्री संजय पुत्र श्री धरा सरन निवासी गांव पचपेरा, मेरठ **ई–ऑक्शन की दिनांक एवं समय** : 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य : रूपये 11,75,000 मात्र (रूपये ग्यारह लाख पिचहतर हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि रूपये 1,17,500.00 (रूपये एक लाख सतरह हजार पांच सौ मात्र) ई ऑक्शन वेबसाईट **https://www.corpbank.auctiontiger.net**
बिकी की विस्तृत जानकारी नियम एवं शर्तो के लिये कृपया दिये गये लिंक का संदर्भ लें https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/ritu_abhushan_kendra_0.pdf

क्र.सं.–20	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
सहारनपुर शाखा A/C No. 520101208489653 IFSC Code CORP0000665	**उधारकताः** 1(अ) मै0 टॉप कलैक्शन प्रो0 नवाब अली न्यू सम्राट विक्रम कालोनी निकट अग्रेजो का कब्रिस्तान जिला सहारनपुर उ0प्र0 247001 1(ब) श्री नवाब अली पुत्र श्री शमशाद अली न्यू सम्राट विक्रम कालोनी निकट अग्रेजो का कब्रिस्तान जिला सहारनपुर उ0प्र0 247001 **गारंटर** : (अ) मुसारत बेगम पत्नी श्री शमशाद अली न्यू सम्राट विक्रम कालोनी निकट अग्रेजो का कब्रिस्तान जिला सहारनपुर उ0प्र0 247001	राशि रू 10,36,436.00/–(रुपए दस लाख छत्तीस हजार चार सौ छततीस रूपये मात्र) प्लस ब्याज और अन्य खर्च

संपत्ति का विवरणः–सम्पत्ति सं. 1. सम्पत्ति का समस्त भाग मुसरत बेगम पत्नी श्री शमशाद न्यू सम्राट विक्रम कालोनी निकट अग्रेजो का कब्रिस्तान जिला सहारनपुर उ0प्र0 247001, प्लाट नं0 11, खसरा 1789/1म, वेकदारा कोट ताला, सम्राट कालोनी सहारनपुर सम्पत्ति का क्षेत्रफल 207 वर्गगज सम्पत्ति की सीमाएं इस प्रकार है पूर्व में प्लाट नं0 10 जो अब याकूब का है, पश्चिम मे प्लाट नं0 12 जो अब जब्बार का है, उत्तर में 20 फुट चौड रास्ता, दक्षिण में अन्य की सम्पत्ति
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ रिजर्व मूल्य रु 26,27,000 /– (रुपए छब्बीस लाख सत्ताईस हजार केवल) बयाना जमा करने के लिए रू0 2,62,700/– (केवल दो लाख बासठ हजार सात सौ रुपये) ई–नीलामी वेबसाइट–**https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/top_collection_2.pdf में दिए गए लिंक को देखें।

क्र.सं.–21	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रूपये
किच्छा शाखा (1735) A/C No. 510251000444480 IFSC Code CORP0001735	**उधारकताः** 1(अ) मै0 यूके आटा चक्की, पता गावं पटेरी निकट गुरूद्वारा, किच्छा उद्यमसिंहनगर उत्तराखंड–263148 1(ब) हरप्रीत सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह, पता 30, गांव वीरू नंगला किच्छा, उद्यमसिंहनगर उत्तराखंड–263148 (स) सुमित शुक्ला पुत्र श्री शैलेन्द्र शुक्ला, पता वार्ड नं0 9, गली नं0 4 निकट शिव मंदिर, सिंह कालोनी रूद्रपुर, उद्यमसिंहनगर 2631531 (द) देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुखवेन्द्र सिंह पता, 88 पटेरी उद्यमसिंह नगर–263148	राशि रू 19,07,043.00/–(रुपए उन्नीस लाख सात हजार तैतालीस रूपये मात्र) प्लस ब्याज और अन्य खर्च

संपत्ति का विवरणः–सम्पत्ति सं. 1. सम्पत्ति का समस्त भाग खाता सं0 00116, प्लॉट नं0 59म, सम्पत्ति का क्षेत्रफल 504 वर्गमीटर जो कि श्री हरप्रीत सिंह पुत्र श्री अमरीक सिंह के नाम है। सम्पत्ति की सीमाएं इस प्रकार है:–पूर्व में गुरूद्वारा, पश्चिम में पवन त्यागी का प्लॉट, उत्तर में रास्ता, दक्षिण में पोथीराम का प्लॉट सेल डीड रजिस्ट्रार बही नं0 01, जिल्द नं0 1301, पेज 280–299, सीरियल नम्बर 547 सब रजिस्ट्रार ऑफिस किच्छा
ई–नीलामी की तिथि और समय 25.09.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ रिजर्व मूल्य रु 16,60,000 /– (रुपए सोलह लाख सात हजार केवल) बयाना जमा करने के लिए रू0 1,66,000/– (केवल एक लाख छियासठ हजार रुपये) ई–नीलामी वेबसाइट–**https://www-corpbank-auctiontiger-net**
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/u_k_floor_mills_0.pdf में दिए गए लिंक को देखें।

दिनांक : 17.08.2019 | **स्थानः बाजपुर, हापुड़, रामनपुर, आगरा, बुलन्दशहर, बरेली, मेरठ, सहारनपुर, शाहजहांपुर, पचपेरा, किच्छा** | **प्राधिकृत अधिकारी, कार्पोरेशन बैंक**

नई दिल्ली

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

अर्थव्यवस्था से बेपरवाह सरकार

राष्ट्रपति भवन सरकारी सत्ता का प्रतीक है। संसद के एक किलोमीटर के दायरे में प्रधानमंत्री कार्यालय, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक हैं, जिनमें गृह, वित्त, रक्षा और विदेश मंत्रालय हैं। प्रधानमंत्री का सरकारी आवास भी इस एक किलोमीटर के दायरे में है जैसे कि उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, तीनों रक्षा प्रमुखों और ज्यादातर सांसदों के सरकारी आवास हैं।

कई तरह की चर्चाएं

सत्ता के इस घेरे में चर्चा क्या होती है? जम्मू-कश्मीर के विभाजन के बारे में, दोनों सदनों में विवादास्पद विधेयकों को पारित कराने, क्षेत्रीय सत्तारूढ़ दलों के हथियार डाल देने, नरेंद्र मोदी के दबदबे, कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व का मुश्किल से निपटा मुद्दा और सुषमा स्वराज का दुखद निधन। अर्थव्यवस्था को छोड़ कर बाकी हर तरह की बातें होती हैं।

केंद्र से अगर बमुश्किल पचास किलोमीटर दूर हर दिशा में निकल कर देखें तो हर गांव और पड़ोस के हर गरीब शहरी इलाके में होने वाली बातचीत और चर्चाएं एकदम अलग ही होंगी और ये मुख्यरूप से अर्थव्यवस्था को लेकर ही होंगी, जिसमें वास्तविक मजदूरी और आमद में ठहराव या गिरावट, कामगारों की छंटनी, रोजगार की तलाश, बाढ़ और सूखे से होने वाली मौतें और नुकसान, पानी और बिजली की कमी का संकट और असमानता व मुश्किल हालात वाली दुनिया में जीने के लिए संघर्ष जैसी समस्याएं हैं।

करीब साढ़े ग्यारह सौ किलोमीटर दूर मुंबई महानगर जो आरबीआइ, सेबी, शेयर बाजारों, कई सूचीबद्ध कंपनियों के कारपोरेट मुख्यालयों और बैंकों का शहर है, में सिर्फ एक बात को लेकर ही चर्चा होती है- पैसा या इसकी कमी के बारे में। ये चर्चाएं बीएसई और एनएसई के सूचकांकों में भारी गिरावट, रुपए के अवमूल्यन, बांड्स पर बढ़ते प्रतिफल, सरकारी क्षेत्रों के बैंकों के बढ़ते घाटे, कठोर करों (और भारी-भरकम अधिकारों वाले कर अफसरों), विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा हाथ खींचने और कैफे कॉफी डे के प्रमोटर वीजी सिद्धार्थ की आत्महत्या के बारे में होती हैं।

बेफिक्र सरकार

मेरे विचार से एक जिम्मेदार सरकार सबसे ज्यादा ध्यान कामकाजी लोगों और गरीबों के बीच होने वाली चर्चा पर देगी। कामकाजी तबके दूसरी चिंताओं को साझा कर सकते हैं और यहां तक कि वोट भी लोकप्रिय अवधारणाओं के मुताबिक ही देते हैं, लेकिन उनकी उम्मीद सिर्फ जिस एक चीज में होती है, वह है अर्थव्यवस्था। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है कि अर्थव्यवस्था सरकार की चिंताओं का सबसे आखिरी विषय है जिसे सरकार अपने जम्मू-कश्मीर अभियान की सफलता के बाद बमुश्किल छिपा पा रही है।

यहां अर्थव्यवस्था की एक झलक पेश है-

1- जीडीपी की वृद्धि दर लगातार गिर रही है। पूरे वर्ष के लिए 6.8 फीसद और 2018-19 की आखिरी तिमाही में 5.8 फीसद रहने के बाद 2019-20 की पहली तिमाही उम्मीदों से भरी नजर नहीं आती। आरबीआइ और अन्य 2019-20 के लिए अनुमान घटा कर 6.9 फीसद कर चुके हैं। इसलिए हम सौभाग्यशाली होंगे, अगर पहली तिमाही में भी 5.8 फीसद की वृद्धि दर देखने को मिल जाए।

2- प्रमुख क्षेत्र की वृद्धि दर पचास महीने में सबसे कम स्तर यानी 0.2 फीसद पर आ गई है। सभी विनिर्माण क्षेत्रों में क्षमता उपयोग औसत यानी सत्तर फीसद से कम है।

3- रुपया इस वक्त एशिया की सबसे खराब हालत वाली मुद्रा बन गया है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अगस्त में यह 3.4 फीसद तक गिर चुका है।

4- जून 2019 में समाप्त तिमाही में नई परियोजनाओं (निजी और सरकारी) में निवेश पिछले पंद्रह साल में सबसे कम यानी 71,337 करोड़ रुपए रहा। इस तिमाही में पूरी हुई परियोजनाओं का मूल्य गिर कर पांच साल के न्यूनतम स्तर यानी 64,494 करोड़ रुपए पर आ गया। अप्रैल-जून 2019 में रेलवे को कोयला, सीमेंट, पेट्रोलियम, उर्वरक, लौह अयस्क आदि की ढुलाई से जो कमाई हुई उसमें सिर्फ 2.7 फीसद का ही इजाफा हुआ, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 6.4 फीसद कम है।

5- इस साल अप्रैल से जुलाई के बीच निर्यात (कारोबारी और सेवाएं) 3.13 फीसद ही बढ़ा है, जो पिछली अवधि में भी यही था, जबकि आयात में 0.45 फीसद की गिरावट आई है, जो अर्थव्यवस्था की निराशाजनक हालत को बताता है।

6- खपत में जैसी कमी आई है वैसी पहले कभी नहीं रही। 2019-20 की पहली तिमाही में कारों की बिक्री 23.3 फीसद, दुपहिया वाहनों की 11.7 फीसद, व्यावसायिक वाहनों की साढ़े नौ फीसद घट गई। ट्रैक्टरों की बिक्री में 14.1 फीसद की कमी आई है। जुलाई में हालत सबसे खराब रही। उद्योग संगठनों- सियाम और फाडा ने दो लाख तीस हजार नौकरियां जाने की बात कही है। इसके अलावा दो सौ छियासी डीलर अपना कारोबार बंद कर चुके हैं। मार्च 2019 के अंत तक निर्माण उद्योग में बारह लाख अस्सी हजार फ्लैट बिना बिके पड़े थे।

7- त्वरित उपभोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की खपत भी संतोषप्रद नहीं रही। हिंदुस्तान लीवर, डाबर, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स सहित कई कंपनियों की कुल कारोबारी वृद्धि इस साल की पहली तिमाही में आधी रह गई या पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले कम रही।

8- थोक मूल्य सूचकांक जुलाई में 1.08 फीसद था। इस सूचकांक में विनिर्माण क्षेत्र की मुद्रास्फीति 0.3 फीसद रही। ये अच्छे संकेत नहीं हैं। ये मांग में गिरावट को बताते हैं।

9- मौजूदा वित्त वर्ष (2019-20) की पहली तिमाही में केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व 1.4 फीसद ही बढ़ा है जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 22.1 फीसद रहा था। यह हमें बताता है कि कारपोरेट और वैयक्तिक आय में कमी आ रही है और खर्च में भी गिरावट आ रही है।

योजना है कहां?

हम अर्थव्यवस्था को चलाने वाले इन चार प्रमुख कारकों के मंत्र पर लौटते हैं- सरकारी खर्च, निजी निवेश, निजी खपत और निर्यात। स्पष्ट है, इनमें से कोई भी कारक गति नहीं पकड़ पा रहा है और इससे अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार नहीं मिल पा रही है। कई लोग (जिनमें मशहूर अर्थशास्त्री भी हैं) कई बार यह कह भी चुके हैं, लेकिन सरकार सुनने की इच्छुक ही नहीं है, न समझना चाहती है न कोई कदम उठाना चाहती है। अर्थव्यवस्था एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बाहुबल वाला राष्ट्रवाद काम नहीं करेगा। इसके उलट, यह अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का काम कर सकता है।

भाषायी हिंसा और समाज

ज्योति सिडाना

सूचना क्रांति के इस दौर में तेजी से बढ़ते सोशल मीडिया ने भाषा के मूल चरित्र को ही बदल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी लेख या विचार की प्रतिक्रिया में भद्दी-भद्दी गालियां लिखना, महिलाओं के विरुद्ध नकारात्मक और अश्लील टिप्पणी करना आम बात हो गई है। आक्रामक और अशोभन भाषा का प्रयोग बढ़ा है। पहले समाज में अगर दूसरों के दिलों को जीतना या उन्हें प्रभावित करना हो तो मीठी वाणी बोलने पर बल दिया जाता था। भाषा चिंतन और अभिव्यक्ति को दूसरों तक पहुंचाने का न केवल एक सशक्त माध्यम, बल्कि यह एक ऐसा शस्त्र है, जिससे किसी को भी अपना मित्र या शत्रु बनाया जा सकता है। यही गुण उसे पशु जगत से अलग करता और श्रेष्ठ बनाता है। किसी भी समाज की भाषा (लिखित/ मौखिक दोनों) उसकी सभ्यता, संस्कृति और विरासत का आईना होती है। भाषा की समृद्धि से संबंधित समाज की समृद्धि और विकास का पता चलता है। इसका स्पष्ट मतलब हुआ कि भाषिक स्तर में गिरावट समाज के सांस्कृतिक और मूल्यगत पतन की ओर इशारा करती है।

भाषा और समाज के अंतर्संबंधों को सामाजिक क्रियाओं के संदर्भ में परखने की कोशिश सभ्यता के प्रारंभ से ही होती रही है। शक्तिशाली लोग आक्रामक और भयभीत करने वाली भाषा का प्रयोग करते हैं, ताकि शक्तिहीन लोग उनके आर्थिक और सांस्कृतिक गुलाम बने और उनके निर्देशों पर कार्य करते रहें। भारतीय समाज में उच्च जातियों द्वारा निम्न जातियों और आदिवासियों के प्रति तथा परिवार में और उसके बाहर पुरुषों द्वारा महिलाओं के प्रति आक्रामक तथा भय उत्पन्न करने वाली भाषा प्रयुक्त होती रही है। छिपे तौर पर शोषण के प्रति आक्रोश व्यक्त करने के लिए शोषित तबका पारस्परिक संवाद में गाली-गलौच की भाषा इस्तेमाल करता है।

हाल के वर्षों में आक्रामक और भयादोहन करने वाली भाषा का चलन बढ़ा है। खासकर महिलाओं और दलितों के विरुद्ध ऐसी भाषा का प्रयोग राजनीति में आम हो चली है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें महिला राजनेताओं पर अभद्र टिप्पणी समय-समय पर की जाती रही है। किसी के विचारों से सहमत-असहमत होना, उसे पसंद-नापसंद करना अलग बात है, पर सार्वजनिक रूप से किसी नागरिक के विरुद्ध अपशब्दों का प्रयोग करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग है। इसे लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा कहा जा सकता है। संविधान किसी भी नागरिक को यह अधिकार नहीं देता कि वह दूसरे नागरिक का अपमान करे या उसके लिए अश्लील/ अभद्र भाषा का प्रयोग करे। केंद्र और राज्यों में सम्मानित जन-प्रतिनिधि तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी सार्वजनिक रूप में जिस भाषा का इस्तेमाल करने लगे हैं वह लोकतांत्रिक राजनीति को शर्मसार करती है। असभ्य शब्दों का प्रयोग इस तथ्य को सिद्ध करता है कि लोकतंत्र में शालीन भाषा सिकुड़ती जा रही है। फेसबुक और सोशल मीडिया पर अल्पसंख्यकों के प्रति घृणात्मक प्रचार इस भाषा को मीडिया में धीरे-धीरे स्वीकृति प्रदान करता नजर आता है।

भाषा का आविष्कार मानव सभ्यता की प्रमुख उपलब्धि है। पर भाषा से शक्तिशाली लोगों का खिलवाड़ दर्शाता है कि संस्कृति और भाषा सिर्फ जन-सामान्य गढ़ता है और शक्ति संपन्न तबका उसका अपने हितों के लिए उपयोग कर शिष्टता और अशिष्टता का विभाजन उत्पन्न करता है। कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर शिष्ट भाषा का इस्तेमाल करने वाले उच्च अधिकारी अपने अधीनस्थों के लिए अपमानजनक शब्दों का निस्संकोच प्रयोग करते हैं, जबकि अपने वरिष्ठों को 'सर' कहते नहीं अघाते। महिलाओं की अस्मिता को 'पब्लिक प्रॉपर्टी' के रूप में व्यक्त करने वाली गाली-गलौज की भाषा सार्वजनिक स्थलों पर कहीं भी सुनी जा सकती है। अब तो संसद भी इससे अछूती नहीं है। हमारे जन-प्रतिनिधि इसी परिवेश में समाजीकृत होते हैं और फिर शक्ति संपन्नता का दंभ उन्हें भाषायी हिंसा के लिए प्रेरित करता है। असल में भाषायी हिंसा एक किस्म की क्रूरता है, जो इस बात का संकेत देती है कि 'अगर तुझमें हिम्मत है तो मेरा कुछ भी बिगाड़ के देख ले, पर मैं तुझे समाप्त करने की क्षमता रखता हूं।' आश्चर्य की बात तो यह है कि जन-आंदोलनों में सामान्यतया ऐसी भाषा प्रयुक्त नहीं होती, क्योंकि जन संघर्षों में भाषायी शालीनता स्वाभाविक रूप से आंदोलन की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता बन जाती है।

एक और विसंगति सामने आई है। पहले माना जाता था कि गाली-गलौज अशिक्षित या अल्प शिक्षित लोगों का काम है, जबकि तथ्य यह है कि लोग जैसे-जैसे शिक्षित हो रहे हैं, अशोभन भाषा का प्रयोग भी बढ़ रहा है। तो क्या यह मान लिया जाए कि शैक्षणिक उपलब्धि एक ऐसी शक्ति है, जो व्यक्ति में दंभ भर देती है? विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों द्वारा अश्लील इशारे और शारीरिक हाव-भाव इस तथ्य को व्यक्त करते हैं कि जीत और हार की प्रस्तुति भाषायी दंभ पर आधारित होने लगी है। एक सीमा तक यह भी सच है कि धार्मिक लोग सर्वाधिक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। यहां अपशब्द का अभिप्राय केवल गाली से नहीं है। उन वाक्य विन्यासों से भी है, जिनमें घमंड और अक्खड़पन देखने को मिलता है।

मुद्दा

> क्या भाषायी हिंसा लोकतंत्र के समक्ष चुनौती नहीं है? अगर है तो गांधी के देश में इस हिंसा का मुकाबला करने के लिए क्या जन सामान्य के पास कोई लोकतांत्रिक हथियार बचा है?

जैस-जैसे मीडिया का व्यवसायीकरण हुआ है, अपशब्द भी एक वस्तु बन गए हैं। टेलीवीजन के रियलिटी शो 'बिग बॉस' की भाषा में एक गाली वाले शब्द का अनवरत प्रयोग (हालांकि उसके मौखिक वाचन को बंद रखा जाता है/ सेंसर कर दिया जाता है) इस तथ्य को दर्शाता है कि अंग्रेजी के अशोभन शब्द संभवतः हमें अशोभनीय नहीं लगते, क्योंकि इसमें औपनिवेशिक मानसिकता है। इन शब्दों का बुरा न लगना गुलामी को दर्शाता है। तो फिर हिंदी में गाली-गलौज की भाषा से परहेज क्यों? जैसा सवाल भी उठाया जा सकता है। कहीं ऐसा तो नहीं कि हिंदी की गाली-गलौज की भाषा औपनिवेशिक मानसिकता, जो अंग्रेजी के वर्चस्व से झलकती है, को चुनौती है। शायद जन-प्रतिनिधि गाली-गलौज की भाषा का सरेआम प्रयोग कर शक्ति संपन्न लोगों के बीच भाषा के उस लोकतंत्रीकरण का संकेत दे रहे हैं, जिसमें किसी भी भाषा में निहित अपशब्दों का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता है।

ऐसा नहीं कि अपशब्दों की यह भाषा केवल भारतीय यथार्थ है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने विभिन्न पश्चिमी देशों में अशोभन भाषा के प्रयोग का विस्तार किया है। चीन, अमेरिका, फ्रांस, उत्तर कोरिया आदि देशों में भी राजनेता गाली-गलौज की भाषा का प्रयोग करने लगे हैं।

दरअसल, आक्रामकता को लोकप्रिय नेतृत्व की विशेषता मान लिया गया है। पर गाली-गलौज की भाषा एक तरह का भाषायी फासीवाद है, जिसमें जनसामान्य को सांस्कृतिक परिदृश्य से हटाने की धमकी भी है। क्या भाषायी हिंसा लोकतंत्र के समक्ष चुनौती नहीं है? अगर है तो गांधी के देश में इस हिंसा का मुकाबला करने के लिए क्या जन सामान्य के पास कोई लोकतांत्रिक हथियार बचा है? आवश्यक है कि शारीरिक और मानसिक हिंसा के साथ-साथ भाषायी हिंसा पर भी विचार विमर्श किया जाए, क्योंकि भाषायी हिंसा भी लोकतंत्र के समक्ष अनेक प्रकार के 'जोखिमों' को उत्पन्न कर रही है, जिसकी कल्पना संभवतः हम आज नहीं कर पा रहे हों, पर भविष्य में समाज के समक्ष अनेक संकटों को उत्पन्न कर सकती है।

भारत की तरक्की से घबराता है पाकिस्तान

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

कहने को तो पाकिस्तान के साथ हमारी एक ही समस्या है और वह है कश्मीर। पिछले दिनों अगर आपने इमरान खान की तकरीरें सुनी होतीं या उनके ट्वीट पढ़े होते, तो आपको यकीन हो गया होता कि कश्मीर की समस्या न होती तो हमारे दोनों देशों के बीच दोस्ती ही दोस्ती होती। ऐसा बिल्कुल नहीं है। कश्मीर का मसला न भी होता तो दुश्मनी रहती हमारे बीच। इसलिए कि पाकिस्तान के जरनैलों के गले नहीं उतरता कि भारत उनके देश से आर्थिक तौर पर आगे निकल गया है, जबकि कभी पाकिस्तान हमसे कहीं ज्यादा आगे था।

याद है मुझे, जब पहली बार लाहौर गई थी 1980 में तो हैरान रह गई थी पाकिस्तान की तरक्की देख कर। सीमा के इस पार समाजवादी दौर उरूज पर था। सो, हमारी टूटी, पुरानी सड़कों पर चला करती थीं वे टूटी, पुरानी गाड़ियां, जो अब दिखती भी नहीं हैं। लाहौर की शानदार, आधुनिक सड़कों पर चलती थीं आलीशान विदेशी गाड़ियां, इसलिए कि पाकिस्तान के सैनिक शासक अयूब खान ने दूसरा आर्थिक रास्ता लिया था हमसे, जिसमें विदेशी निवेशकों का स्वागत था और निजी निवेशकों का भी। उस समय भारत की बागडोर पूरी तरह सरकारी अधिकारियों के हाथ में थी, सो दिल्ली की पहचान थी सरकारी दफ्तर और अफसरशाही। उधर लाहौर की पहचान थी एक अमीर, सभ्य, सुंदर पंजाबी शहर की। यहां तक कि लाहौर का एयरपोर्ट भी दिल्ली के एयरपोर्ट से कहीं ज्यादा आधुनिक था उन दिनों। सो, मुझे ऐसा लगा कि मैं किसी विकसित देश में आ पहुंची हूं किसी अति-पिछड़े देश से।

फिर दौर ऐसा बदला कि जब हमारी क्रिकेट टीम पाकिस्तान के दौरे पर गई थी 2003-04 में, तो यहां से हजारों क्रिकेट प्रेमी भी गए, जिनमें थे कई बड़े उद्योगपति, जो अपने निजी विमानों में गए। मेरी एक पाकिस्तानी दोस्त ने बाद में बताया कि जब ये निजी विमान उतरे लाहौर के हवाई अड्डे पर, तो उनको पहली बार अहसास हुआ कि भारत कितना आगे निकल चुका है पाकिस्तान से।

इसके बाद ही शायद पाकिस्तान के जरनैलों ने अपनी जिहादी संस्थाओं के साथ साजिश रची मुंबई पर हमला करने की। कोई इत्तेफाक नहीं था कि हाफिज सईद के जिहादी प्यादों को हुकुम था ताज होटल और ओबेराय होटल को खास निशाना बनाने का। कोई इत्तेफाक नहीं था कि उनको आदेश था कि ताज होटल में ऐसी आग लगनी चाहिए, जो दुनिया भर के लोग देख सकें टीवी पर। इस पूरे हमले का मकसद था भारत की अर्थव्यवस्था को ठप करना, ताकि विदेशी निवेशक यहां से भाग निकलें।

> जब तक निजी निवेशक अर्थव्यवस्था में फिर से निवेश करना शुरू नहीं करेंगे, तब तक मंदी के बादल मंडराते रहेंगे मुंबई के आसमानों में। भारत के लिए इन बादलों का खतरा उतना ही है, जितना युद्ध के बादलों का खतरा।

कहने का मतलब यह है कि पाकिस्तान के गले भारत की तरक्की कभी नहीं उतर सकती। सो, हमारा सबसे शक्तिशाली हथियार है हमारी अर्थव्यवस्था, जिसका पिछले कुछ सालों से हाल अच्छा नहीं है। मंदी के कारण कई हैं, लेकिन मेरी नजर में सबसे बड़ा कारण है काले धन की खोज, जिसके चलते आयकर अधिकारियों को ऐसे अधिकार दिए गए हैं कि वे गिरफ्तार भी कर सकते हैं उनको, जिनके पास काला धन मिलता है। मुंबई में रहती हूं, सो यकीन मानिए जब मैं कहती हूं कि ऐसा इन्स्पेक्टर राज चल रहा है अभी, जिसके चलते देसी निवेशक भी देश छोड़ कर भागने लगे हैं।

सो, जब प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से कहा कि हमको सम्मान करना चाहिए उन लोगों का, जो देश का धन पैदा करते हैं, मुझे बहुत अच्छा लगा। ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री के कानों तक खबर पहुंच गई है कि देश के सबसे बड़े उद्योगपति क्यों इतने दुखी हैं कि निवेश करने से डरते हैं। खुल कर बात कह नहीं सकते अपनी, क्योंकि दीवारों के भी कान होते हैं, जब इन्स्पेक्टर राज शुरू हो जाता है। चुप रहना पसंद करते हैं, इसलिए कि जानते हैं कि उनकी बातें अगर किसी टैक्स अधिकारी तक पहुंच जाती हैं, तो उनको निजी तौर पर खतरा है। जानते हैं कि ये लोग इतना तंग कर सकते हैं उनको कि बिजनेस करना मुश्किल हो जाता है। कैफे कॉफी डे के मालिक की आत्महत्या के बाद मुंबई में माहौल बद से बदतर हो गया है। सो, बहुत अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नया संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं अब।

चुनाव के बाद उन्होंने अपना पहला इंटरव्यू इकोनॉमिक टाइम्स को दिया, जिसमें उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में निजी निवेशकों को विश्वास रखना चाहिए। उनको यह भी कहा है कि उनकी सरकार की तरफ से कोई रुकावट नहीं पैदा होगी, उनके लिए जो ईमानदारी से कारोबार चला रहे हों। समस्या यह है प्रधानमंत्रीजी, कि ईमानदारी का फैसला कौन करेगा? क्या वे लोग करेंगे जो खुद रिश्वत खाने की आदत डाल चुके हैं? वे लोग करेंगे, जो जानते हैं कि किसी बड़े उद्योगपति के घर में जब छापा पड़ता है तो कुछ न कुछ तो मिल ही जाता है उन्हें, जिसको वे पैसा खाने का जरिया बना सकते हैं?

अब जब प्रधानमंत्री ने खुद संदेश दिया है कि धन पैदा करने वालों का सम्मान करना चाहिए, उम्मीद है कि यह संदेश जाएगा उन अधिकारियों को, जिन्होंने इन्स्पेक्टर राज शुरू किया है काला धन ढूंढ़ने के बहाने। जब तक निजी निवेशक अर्थव्यवस्था में फिर से निवेश करना शुरू नहीं करेंगे, तब तक मंदी के बादल मंडराते रहेंगे मुंबई के आसमानों में। भारत के लिए इन बादलों का खतरा उतना ही है, जितना युद्ध के बादलों का खतरा। दोनों किस्म के बादलों को हटाने का प्रयास करना होगा प्रधानमंत्री को, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पाकिस्तान को हराने के लिए हमारा सबसे बड़ा हथियार है हमारी अर्थव्यवस्था। भारत की आर्थिक कामयाबी युद्ध से भी ज्यादा डराती है पाकिस्तान के शासकों को।

विश्वसनीयता की हतक

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

एक दिन एक अंग्रेजी एंकर ताल ठोकते हुए चीखता है : मीडिया का सबसे बड़ा अभियान! सभी चैनल हमको फॉलो कर रहे हैं। इसके बाद चैनल पूरे स्क्रीन भर में लिख कर बताने लगता कि किस तरह पाक अपनी ट्विटर-फौज से झूठा 'प्रोपेगेंडा' फैला कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब करने में लगा है, ऐसे में हमने तय किया है कि हम चौबीस घंटे इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। अपना हैशटैग है : हैशटैग 'इंडियारिजेक्टप्रोपेगेंडा'!

स्पर्धी चैनल के ऐसी 'सेल्फ सेल' को देख दूसरा भक्त एंकर क्यों पीछे रहता? इसलिए एक शाम पहले ही उसने अपनी 'हैशटेग' वाली बहस में भाजपा के ही एक नामी प्रवक्ता को झाड़ दिया कि तुम जैसों से कुछ नहीं होने का। इधर तुम अपने ट्विटर में मगन रहो। उधर पाकिस्तान अपनी सोशल मीडिया फौज और टीवी के जरिए हमको ठोकता रहेगा।

इस ठोका-ठोकी के चक्कर में अपने चैनलों को पाकिस्तानी मीडिया के प्रचार के भी कुछ नमूने दिखाने पड़े। और वहां देखा, तो पाया कि अपनी ही कुछ तोपों के मुंह उन्होंने इधर मोड़ दिए हैं।

एक पाक सीनेटर कहे जाते थे कि हमारे साथ कई हिंदू हैं। अरुंधति राय हैं, चिदंबरम हैं, मणिशंकर हैं, ममता हैं... ये सब हमारे साथ हैं।

इसके बाद अपने वीर चैनल इन लोगों के बयान दिखाने लगते, ताकि इनको पाक के हाथों में खेलने वाला कह कर ठोक सकें।

कांग्रेस की लाइन दोचित्ता है, कुछ बड़े नेता तीन सौ सत्तर हटाने को सही मानते हैं, लेकिन गलत। एक ने कह दिया कि मुसलिम स्टेट (कश्मीर) को 'मेजोरिटी स्टेट' द्वारा दबा दिया गया। बाकी दल डर गए। एक और विवादप्रिय नेता लिख दिए कि उत्तरी सीमा पर 'पैलेस्टाइन' बना दिया गया है।...

ऐसी हारी हुई मानसिकता वाली टिप्पणियों के लिए इनको ठोकना आसान था, लेकिन 'पाक कुप्रचार' से लड़ने वाले चैनलों की एक बड़ी चुनौती जम्मू-कश्मीर के 'यथार्थ' को दिखाने की भी थी।

सुरक्षा सलाहकार डोभाल की 'विजिट' के फुटेज सब चैनलों में एक से दिखते रहे। ईद के रोज जम्मू में काफी लोग ईद मनाते दिखे। लद्दाख के बाजार भी खुले दिखे, लेकिन श्रीनगर में बहुत लोग नहीं दिखे। एक एंकर ने स्पष्ट किया कि शांति-सुरक्षा की खातिर, नमाज अता करने के लिए छोटी-छोटी मस्जिदों को ही खोला गया। बड़ी मस्जिदों को नहीं खोला गया। एक चैनल ने पुलवामा और गंदरबल जैसे संवेदनशील इलाकों में कुछ लोगों को नमाज अता करते और ईद मनाते दिखाया। फिर भी रिपोर्टर ने 'पीस टू कैमरा' यही कह कर किया कि हालात सामान्य हैं!

> इस विराट मीडिया युद्ध में एक कश्मीर वह है, जो चैनलों में दिखता है और एक वह है जो निंदक दिखाना चाहते हैं। यों दिखते तो दोनों हैं, फिर भी कुछ 'रह जाता-सा' लगता है, जो नहीं दिखता।

लेकिन ऐसे सभी फुटेजों में वही 'कमी' दिखी, जो एक नामी विदेशी चैनल के उस फुटेज में दिखी, जो कहता था कि दस हजार लोगों ने विरोध में प्रदर्शन किया है। 'कमी' यह कि इस फुटेज में कहीं भी 'डेट लाइन और टाइम लाइन' नहीं दिखी! इसमें कितना फुटेज 'फेक' था कितना नहीं, कोई नहीं कह सकता। बिना 'टाइम लाइन' का फुटेज और वह भी आज के 'डिजिटल कैमरों' के दिनों में, 'संदिग्ध' ही कहा जा सकता है।

डिजिटल 'डेट लाइन और टाइम लाइन' से रहित फुटेजों को असली मान कर अगर बहसें होंगी, तो तू-तू मैं-मैं होकर रहेंगी। यही हुआ। देश के दुश्मनों की खबर लेने के लिए ज्यों ही एक विश्लेषिका ने नाम लेकर दूसरों को लताड़ा कि ये और ये तो उस 'विदेशी मीडिया' से भी अधिक खतरनाक हैं। पहले पत्रकार ने तो जवाब में हंस कर 'धन्यवाद' देकर अपने को इस 'तू-तू मैं-मैं' से अलग किया, लेकिन एक अन्य पत्रकार ने 'खतरनाक' विशेषण को गंभीरता से ले लिया और खतरनाक कहने वाली पर बरस पडीं कि 'यू कम्युनल वूमन, गो टू हेल स्कम!' मुझे खतरनाक कहलाने पर गर्व है।...

पाकिस्तानी कुप्रचार से देश की हिफाजत करने निकला एंकर शरीफों की इस 'तू-तू मैं-मैं' से उखड़ गया और अपने 'हैशटेग' को दुहराने लगा, लेकिन अपने ही चैनल में दिखाए फुटेज में 'डेट लाइन और टाइम लाइन' के न होने पर एक भी टिप्पणी न की। ऐसे तो लड़ लिए आप 'कुप्रचार' से। 'कुप्रचार' का जवाब 'कुप्रचार' नहीं है।

बहरहाल, सरकार चेती। खबर आई कि सरकार ने चार 'ट्विटर हैंडिलों' को 'सस्पेंड' कर दिया है। एक दिन बाद फिर से खबर आई कि सरकार ने और भी कई ट्विटर हैंडिलों को नोटिस पर रखा है।

ऐसे गाढ़े वक्त में भी विघ्न-संतोषी एक्टिविस्ट चैनलों में आकर अपनी बात जम कर कहते हैं फिर भी कहते यही रहते हैं कि आजादी का गला घोंटा जा रहा है! यह कैसा 'गला' है जो 'घोटा जा रहा' बता रहा है, लेकिन बोल भी बराबर रहा है?

इस विराट मीडिया युद्ध में एक कश्मीर वह है, जो चैनलों में दिखता है और एक वह है जो निंदक दिखाना चाहते हैं। यों दिखते तो दोनों हैं, फिर भी कुछ 'रह जाता-सा' लगता है, जो नहीं दिखता। मीडिया युद्ध में आप जिसे छिपाते हैं वही लोगों को ज्यादा 'दिखता' है। इस युद्ध में सबसे बड़ी 'हतक' (केजुअलिटी) 'विश्वसनीयता' की ही है।

पंद्रह अगस्त पर हम सब इंतजार करते रहे कि दावे के अनुसार इस बार कश्मीर के गांव-गांव में तिरंगा फहरेगा, लेकिन इसका एक फुटेज न दिखा। राज्यपाल जी के तिरंगा लहराने की खबर अवश्य रही।

इसी तरह प्रधानमंत्री द्वारा लालकिले पर छठी बार तिरंगा लहराना और बानबे मिनट लंबा भाषण अपने आप में एक रिकार्ड रहा, जिसमें एक बार भी पाकिस्तान का जिक्र न आया। टिप्पणीकारों ने 'भारत का बढ़ता आत्मविश्वास' बताया!

किताबें मिलीं

थाने के नगाड़े

रमाकांत श्रीवास्तव की कहानियों को पढ़ना एक सुलझे हुए जानकार आत्मीय के साथ आसपास की घटनाओं, स्थितियों और व्यक्तियों को समझना है। रमाकांत श्रीवास्तव को जीवन आचरण के सौंदर्य की गहरी पहचान है। उनके पास संगीत और कलाओं के सौंदर्यबोध के संस्कार ही नहीं, वे घटनाओं और व्यक्तियों को देखने की अंतर्भेदी दृष्टि भी रखते हैं। वे घटना खंडों, चेष्टाओं को परस्पर मिला कर प्रवृत्तियों, चरित्रों का संधान करते हैं और उसे नाटकीयता में साक्षात कर सकते हैं। वे उन प्रगतिशील रचनाकारों में से नहीं हैं, जो सैद्धांतिक समीकरणों को लेखन में उतारने को इतने आतुर होते हैं कि रचनाएं इकहरी हो जाती हैं।

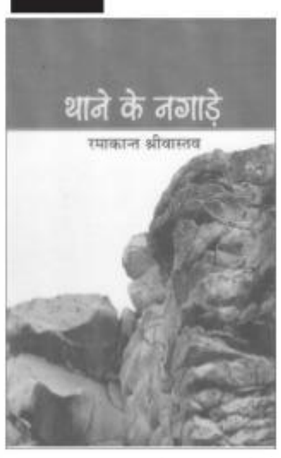

रमाकांत एक घटना-स्थिति को अगली घटना स्थिति से स्वाभाविक ढंग से सटाते हैं। इससे कहानी की गति स्वतंत्र होकर आगे बढ़ती है। रचना छोटे-छोटे विवरण, चित्रण खंडों (डिटेल्स) का पुंज होती है। इन विवरण चित्रण-खंडों में दरार नहीं होती। वे एक अखंड, समूची वस्तु लगते हैं। इसके लिए लाजिम है कि हर आगामी विवरण-चित्र या वक्तव्य पूर्ववर्ती का परिणाम लगे। रचना में गति स्थितियों के द्वंद्व से हो।

रमाकांत श्रीवास्तव के शिल्प में व्यंग्य-विनोद प्रायः सर्वत्र विद्यमान है। ऐसा व्यंग्य समझ का ही एक तेवर है। पाखंड, असामाजिकता, स्वार्थ, ओछापन बहुत प्रच्छन्न हैं। उदारता, सामाजिकता, देशभक्ति मानवता के छद्म ने उसे ढंक रखा है, लेकिन समझदार आदमी सब समझ लेता है। वह प्रायः कुछ कर नहीं सकता। पाखंड के प्रति उसका सारा तिरस्कार उसके विवरण-चित्रण के ढंग से आता है। यह लेखन का प्रतिष्ठान विरोध है।

थाने के नगाड़े : रमाकांत श्रीवास्तव; भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली; 170 रुपए।

रत्नकुमार सांभरिया की प्रतिनिधि कहानियां

रत्नकुमार सांभरिया की कहानियों के कथानक भिन्न हैं। एक ही पृष्ठभूमि में रची गई कहानियों के कथ्य में तो भिन्नता है ही, कहानीकार का विजन ऐसा लगता है जैसे आशा और उपेक्षा के अन्यान्य धरातलों को उकेरते हुए जनसंघर्ष और मुक्तिकामिता की प्रेरणा का भावबिंबन कराना है। भिन्न निम्न, उपेक्षित, वंचित सामाजिक-सांस्कृतिक स्थितियों को मानस पटल पर उकेरती कहानियां संभावनाओं के अनंत आकाश भेदती हैं। इनमें नवीन ऊर्जा से संपन्न रचाव है। विरासती वेदना को दरकिनार करती इन कहानियों में सामाजिक समरसता की अनुपम झांकी है। समरसता के तानेबाने से जातीय वैषम्यता की जकड़ दूर होती दिखाई दे रही है। वर्चस्व के समक्ष सामर्थ्य को रचने का प्रयास किया है। वर्चस्व का ओज रोज टूटता है और रोज के रोते हुओं की शक्ति आज के समाज को दिशा देती है। ये सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पटल पर अपनी कोमल अभिव्यक्ति में सामान्य व्यक्ति के स्वप्न और संघर्ष की रचना हैं। लोकतंत्र के संघर्ष की कथा हैं। यथार्थ और आदर्श के भिन्न नूतन मिलन है। पूर्व निर्धारित आदर्शों को तिलांजलि और नवीन आदर्शों को सामाजिक पटल पर लाकर यथार्थ का भिन्न बोध प्रदर्शित करती कथाएं हैं।

ये कहानियां कुरीतियों के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों को भी उकेरने में पीछे नहीं हटती हैं। आधुनिकता के दबाव में नैतिकता के टूटते स्तर स्पष्ट होते हैं। कह सकते हैं नैतिकताओं के पुराने प्रतिमान अब जायज नहीं हैं। लेखक व्यक्ति जिजीविषा के भाव में खुद्दारी को खूब उकेरता है। खुद्दारी चरित्रों में कूट-कूट कर भरता है। गलत, अनैतिक और लोलुपता को लेखक दुत्कारता है।

रत्नकुमार सांभरिया की प्रतिनिधि कहानियां : चयन- लोकेश कुमार गुप्ता;श्रीसाहित्य प्रकाशन, डी-580, अशोक नगर, गली नंबर-4, निकट वजीराबाद रोड, शाहदरा, दिल्ली; 250 रुपए।

अव्यक्त हम

किसी कवि के लिए यह मजेदार बात होगी, अगर वह पुस्तकालय में जाए और अपनी किताबों के पन्ने पलटते हुए देखे कि पाठकों ने उन पर क्या लिखा है। कौन-सी कविताओं पर निशान बनाया है, किन पन्नों को मोड़ा है, किन पर नाम लिखा है? जब हरिमोहन जी का संग्रह पुस्तकालय में उलट रहा था तो देखा कि तमाम कविताओं पर 'स्टार' बने हुए हैं। किसी पर एक 'स्टार', किसी पर दो, किसी पर तीन 'स्टार' बने हुए हैं। लगा इसे किसी छात्र, किसी युवा ने पढ़ा होगा। इसके तमाम पन्ने मोड़े गए थे। जगह-जगह पंक्तियों को घेरा गया था। तब लगा कि कविता का घर अभी आबाद है। कवि और कविता की खुशी इसी आतिथ्य में तो है। लगा कि कविता का यह घर तब तक आबाद रहेगा जब तक हमारे अंदर भावना और स्मृतियों का गाढ़ा खून रहेगा। इसलिए कविताओं को प्रोफाइल मैनेजर की जरूरत नहीं पड़ती। वह सप्तपर्णी मटियल गंध की तरह है, जो आपको चुंबक की तरह खींचता है।

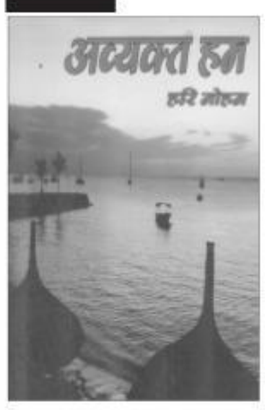

इस संग्रह में अधिकतर प्रेम कविताएं हैं। कविताएं छोटी हैं। इतनी सहज हैं कि आपको रोक लेती हैं। तमाम कविताएं याद हो जाती हैं। कुछ कविताएं पढ़ने में बहुत सहज हैं, पर उनमें अनुभवजन्य जीवन-दृष्टि है। इस हाहाकार में ये कविताएं बहुत धीरे, बहुत संकोच से बोलती हैं। जो लोग बड़बोली क्रांतिधर्मिता को ही कविता समझते हैं उन्हें समझना चाहिए कि यह काम माइक का है। कविता का काम तो मानवीय भावों का संस्कार करते हुए क्रांति की तरफ जाना है। अगर कविता का काम हथियार और बारूद बनाना है तो मानवीय भावों को बचाए रखना भी उसी का काम है। और इसके लिए हरिमोहन अपने समकाल में तो हैं ही, मूलतः वहीं हैं, पर वे स्मृति में भी लौटते हैं।

अव्यक्त हम : हरि मोहन; विश्व हिंदी साहित्य परिषद, एडी-94/डी, शालीमार बाग, दिल्ली; 200 रुपए।

नदी की उंगलियों के निशान

कथाकार कुसुम भट्ट के इस नए संग्रह में उनकी ग्यारह कहानी संकलित हैं। ये कहानियां मानवीय संवेदनाओं की कहानियां भर नहीं हैं, बल्कि नारी-मन का आख्यान हैं। एक ऐसा आख्यान जिसकी मौलिकता में प्राकृतिक सौंदर्य और उसकी निश्छलता को अपने भीतर पूरी तरह समेटे हुए है। अगर इन कहानियों के बारे में जरा खुल कर कहें, तो ये कस्बाई और अर्द्धशहरी स्त्री-मन के उस आख्यान का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिसने एक बनावटी नारी-विमर्श गढ़ लिया है। एकदम अछूते कथ्य, चमकते शिल्प और बहुआयामी भाषा की ठसक इन कहानियों की अपनी पहचान है। इस संग्रह की कई कहानियां पाठक की अंगुली पकड़, उसे रह-रह कर ऐसे भारतीय गांवों की ओर ले जाती हैं, जहां अपनत्व एक हद तक शोषण का रूप ले चुका है। बिना किसी नए प्रयोग का सहारा लिए कुसुम भट्ट ने अपना विश्वास पारंपरिक कथा शैली में बनाए रखा है। इन कहानियों को पढ़ते हुए बार-बार स्त्री, वह भी ग्रामीण स्त्री, की वह छवि नजर आती है, जिसमें वह अपने आप से संघर्ष करती है। लेखक के अवचेतन में कहीं न कहीं अपने मूल परिवेश का वह छीजता अपनापा और भरोसा साफ नजर आता है, जो आपसी विश्वास की धुरी होती है। कहना होगा कि ये विस्मृत और छूटे हुए अतीत की कहानियां नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और आगामी अतीत की ऐसी आहटें हैं, जो पाठक के अंतर्मन को देर तक थपथपाती रहती हैं। पहाड़ी धूप की धोती में नदी के साफ पानी-सी ये कहानियां पाठक की अंगुली पकड़ उसके साथ ठिठक-ठिठक करक दूर तक चलती हैं।

नदी की उंगलियों के निशान : कुसुम भट्ट; अमन प्रकाशन, 104 ए/80 सी, रामबाग, कानपुर; 125 रुपए।

समाज और महिलाएं

समाज में महिलाओं को सम्मान, स्वायत्तता और समानता न मिल पाने की बड़ी वजह समाज की संकीर्ण सोच है। हालांकि इसे बदलने के लिए अनेक जागरूकता अभियान चले, कानूनों में दंड के कड़े प्रावधान किए गए, मगर स्थिति में कोई उल्लेखनीय बदलाव नजर नहीं आता। आज भी कन्या भ्रूण हत्या और बलात्कार की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। माना जाता है कि जब समाज शिक्षित होता है, तो इस तरह की समस्याएं अपने आप हल होने लगती हैं, पर महिलाओं की सुरक्षा के मामले में अब यह मान्यता भी सही नहीं जान पड़ती। ऐसी स्थितियों से पार पाने का क्या रास्ता हो सकता है, इस बार की चर्चा इसी पर। - संपादक

अजन्मी बेटियों की हकीकत

मनीषा सिंह

देश के कई राज्यों में बिगड़ता लिंगानुपात समाज और सरकार के लिए चिंता का विषय है। इसकी अहम वजह कन्या भ्रूण हत्या है, यह तथ्य भी किसी से छिपा नहीं है। सोनोग्राफी यानी गर्भ की जांच करने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के अस्तित्व में आने और गांव-कस्बों तक में उनका इस्तेमाल बढ़ने से हमारे सामाजिक परिदृश्य से करीब 6.3 करोड़ बेटियां आजादी के बाद से गायब हो गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण 2017-18 में दिया जा चुका है। तमाम कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद यह सिलसिला जारी है। हाल ही में एक खबर उत्तराखंड से आई कि वहां उत्तरकाशी जिले के एक सौ तैंतीस गांवों में बीते तीन महीनों में दो सौ सोलह प्रसव हुए, जिनमें एक भी लड़की नहीं है। एक स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से तथ्य उजागर हुआ कि उत्तरकाशी के कुछ इलाकों में प्रसव पूर्व लिंग जांच कराने वालों का गिरोह काम कर रहा है, जो देहरादून और चंडीगढ़ से संचालित होता है। मोबाइल या छोटी अल्ट्रासाउंड (सोनोग्राफी) मशीनों के जरिए गर्भ में पल रहे बच्चे के लिंग की जानकारी कुछ हजार रुपयों में मिल जा रही है। हालांकि घोषित रूप से उत्तरकाशी जिले में तीन ही अल्ट्रासाउंड मशीनों की मौजूदगी स्वीकार की गई है। दावा है कि तीनों की सतत निगरानी की जाती है, ताकि उनका गलत इस्तेमाल न हो सके।

यह पहला मौका नहीं है जब देश में चीनी पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनों की पहुंच बढ़ने और उनके गलत इस्तेमाल से बेटियों की गर्भ में ही हत्या कराने का संदेह किया जा रहा है। दो वर्ष पहले भी ऐसी ही खबरें महाराष्ट्र के पुणे से आई थीं कि वहां गांव-कस्बों तक में क्लीनिक और नर्सिंग होम चला रहे लोग चीन में बनी छोटी अल्ट्रासाउंड मशीनों के जरिए धड़ल्ले से गर्भ में मौजूद भ्रूण के लिंग की जांच कर रहे हैं। कई मौकों पर पता चला है कि हमारा समाज कन्या भ्रूण हत्या के मकसद से आधुनिक मशीनों और तकनीकों का इस्तेमाल करने लगा है। उन मशीनों और तकनीकों पर नजर रखने वाला महकमा ज्यादातर मौकों पर सुस्त और लापरवाह ही रहा है।

तकनीक का आविष्कार तो मानवता की बेहतरी के लिए हुआ है, लेकिन जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, पता चलता है कि उसका इस्तेमाल कुछ नकारात्मक चीजों के लिए भी हो रहा है। बड़ी विडंबना है कि हमारे देश में भ्रूण परीक्षण पर कानूनन प्रतिबंध होने के बावजूद उसके कई चोर रास्ते लोगों और इस धंधे में लगे लोगों ने तलाश लिए हैं। एक ओर लोग इंटरनेट की विभिन्न वेबसाइटों की सहायता से यह जानकारी निकालते रहते हैं कि भ्रूण के लिंग की जानकारी कैसे हासिल की जाए, तो दूसरी ओर कन्या भ्रूण हत्या के धंधे में लगे लोग अपने लालच के लिए सस्ती अल्ट्रासाउंड तकनीकों और मशीनों को विदेशों से हासिल करते रहे हैं। इसमें भी इंटरनेट उनकी मदद करता है।

गर्भ की स्थिति और विकृतियों का पता लगाने के मकसद से अल्ट्रासाउंड मशीनों से लेकर इंटरनेट तक का जैसा इस्तेमाल हो रहा है, उनके बारे में तो शायद इनके आविष्कर्ताओं ने भी नहीं सोचा होगा। अल्ट्रासाउंड मशीनें इसलिए बनीं कि अजन्मे शिशु की विकृतियों की गर्भ में जांच हो सके, ताकि समय पर इलाज कर उन्हें दूर किया जाए, पर तकरीबन पूरे देश में वे कन्या भ्रूण हत्या के घृणित काम में सहायक बन गईं। सरकार ने देश में कन्या भ्रूण हत्या के बढ़ते मामलों को देखते हुए लिंग परीक्षण को अपराध घोषित कर रखा है, लेकिन अल्ट्रासाउंड जांच करने वाले क्लीनिकों ने गर्भ की विकृतियों की जांच की आड़ में चोरी-छिपे यह सच जानने और बताने का काम अब तक जारी रखा है। यह साबित हो चुका है कि अल्ट्रासाउंड सुविधा से लैस नर्सिंग होम जाने वाली गर्भवती महिलाओं में से करीब पैंसठ फीसद पैसे देकर भ्रूण के लिंग के बारे में जानना चाहती हैं। चाहे वे ऐसा परिजनों के दबाव में करती हों या स्वेच्छा से।

चर्चा

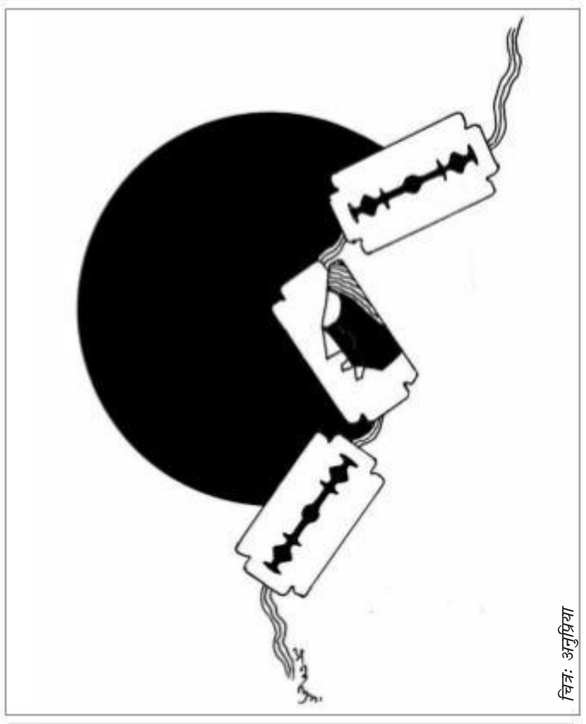

चित्र: अनुप्रिया

कन्या भ्रूण हत्याओं की करोड़ों घटनाओं के पीछे अहम कारण परिवारों का भीतरी दबाव ही है। तमाम सामाजिक कारणों से गर्भवती पर लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या का दबाव बनाता है। इसमें भी पुरुषों के बजाय घर की बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं और विशेष रूप से पति और उसकी मां यानी सास की अहम भूमिका होती है।

असल में, कन्या भ्रूण हत्याओं की करोड़ों घटनाओं के पीछे अहम कारण परिवारों का भीतरी दबाव ही है। तमाम सामाजिक कारणों से गर्भवती पर लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या का दबाव बनाता है। इसमें भी पुरुषों के बजाय घर की बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं और विशेष रूप से पति और उसकी मां यानी सास की अहम भूमिका होती है। इस संबंध में तीन साल पहले यानी 2016 की एक घटना का उल्लेख प्रासंगिक होगा। उस वर्ष महाराष्ट्र में भ्रूण के लिंग की जांच कराने के मामले में गर्भवती महिलाओं के पतियों को डॉक्टरों समेत गिरफ्तार किया गया था। पुणे के सोलापुर में सोनोग्राफी के मामले में दो डॉक्टरों के अलावा दो महिलाओं के पतियों को भी लिंग परीक्षण कराने से रोकने वाले कानून प्री-कन्सेप्शन ऐंड प्री-नैटल डायग्नॉस्टिक टेक्नीक (पीसीपीएनडीटी एक्ट, 1994) के तहत गिरफ्तार किया गया था। इनके पतियों के खिलाफ पीसीपीडीएनटी अधिकारी ने अदालत में मामला भी दर्ज कराया था। पीसीपीडीएनटी एक्ट में पतियों की गिरफ्तारी का यह देश में पहला मामला था। मगर यह बात काफी पहले स्पष्ट हो चुकी है कि भ्रूण की लिंग जांच और हत्या में महिलाओं के बजाय उनके पतियों या ससुराल वालों का दबाव ही काम कर रहा होता है।

अमूमन कोई महिला नहीं चाहती कि कई महीनों से उसकी कोख में पल रहे बच्चे को सिर्फ इसलिए मार दिया जाए कि वह लड़की है। मगर जब ससुराल वालों और पति की ओर से दबाव पड़ता है, तो वह समर्पण कर देती है। यह समर्पण उसकी मजबूरी है, अन्यथा उसे जीवन भर बेटी पैदा करने के लिए ताने सुनने पड़ते हैं। परिवार से बाहर समाज में उसकी हैसियत इसलिए दोयम दर्जे की मानी जाती है कि उसने एक या एक से ज्यादा बेटियां पैदा की हैं। यह सामाजिक दबाव सबसे पहले पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के जरिए उस पर आता है, जिसे देखते हुए वह राजी होती है कि 'समय रहते' भ्रूण के लिंग की जांच करा ली जाए। पर अफसोस की बात है कि अभी तक किए गए कानूनी प्रावधानों में परिवार की तरफ से आने वाले दबाव की अनदेखी की गई।

इसकी एक और बड़ी वजह कानून पर सख्ती के अमल का अभाव है। आंकड़े बताते हैं कि देश में लाखों बेटियों की बलि चढ़ने के बाद गर्भ में लिंग परीक्षण के दोषियों को सजा देने की शुरुआत पिछले चार-पांच वर्षों में ही हुई है। अनुमान है कि अब तक इस अपराध के लिए करीब ढाई-तीन सौ लोगों को जेल भेजा जा चुका है। इन सजाओं के बाद उम्मीद की गई है कि इससे हमारा समाज कुछ सबक लेगा और लैंगिक अनुपात में आते भयावह अंतर पर रोक लग सकेगी। लेकिन पकड़ में आने वाले मामले इतने कम हैं कि इसमें शायद ही कोई कमी आए।

अगर कन्या भ्रूण हत्या के आंकड़े में सतत बढ़ोतरी हो रही है, तो इसकी मुख्य वजह संबंधित लोगों का पकड़ा नहीं जाना, सबूतों का अभाव होना, न्यूनतम खतरे के साथ अत्यधिक लाभ की संभावना होना और दोनों पक्षों (भ्रूण की जांच कराने आए अभिभावक और चिकित्सा तंत्र) की मिलीभगत होना है। खासकर संपन्नता और बेटियों की गुमशुदगी के बीच बन गया प्रतिकूल रिश्ता बेहद चिंताजनक है। अगर सरकार कभी यह निष्पक्ष सर्वेक्षण कराए कि देश में डॉक्टरों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के घरों में पिछले एक दशक में कितने बेटों या बेटियों ने जन्म लिया है, तो यह साफ पता चल जाएगा कि कथित तौर पर पढ़े-लिखे और संपन्न समाज ने बेटियों से तकरीबन छुटकारा पा लिया है और उनकी जगह सिर्फ बेटे पैदा किए जा रहे हैं।

दंड नाकाफी है सोच बदलने में

बिभा त्रिपाठी

कठुवा और उन्नाव की घटनाओं ने न सिर्फ देश को शर्मसार किया, बल्कि एक व्यापक जन-आंदोलन का मार्ग भी प्रशस्त किया। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन, कैंडिल मार्च और राजनीतिक मोड़ लेती हुई रैलियों के मद्देनजर एक बार फिर से कानून में बदलाव हुए हैं। कानून चाहे राष्ट्रीय हों या अंतरराष्ट्रीय, उनमें लिखित रूप से इस बात का आश्वासन होता है कि महिलाओं के सम्मान, निजता और स्वायत्तता की सदा रक्षा की जाएगी। ऐसे में वे कौन-सी स्थितियां हैं जिनसे जूझती महिला शिकार होती है ऐसी घटनाओं की, जो तार-तार कर देती हैं उसकी गरिमा, मर्यादा और सम्मान को। फिर प्रश्न उठता है उनकी स्वायत्तता का।

निजता एक ऐसी अवधारणा है, जो सम्मान और स्वायत्तता से गहरे तक जुड़ी है और इसकी रीढ़ है। एक महिला को जीवन पर्यंत पितृसत्तात्मक व्यवस्था के तहत निगरानी में रखा जाता है। स्त्री का स्वयं उसके शरीर पर भी अधिकार संदिग्ध रहता है। अब जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दे दी है, तो स्त्रियों पर इसके प्रभाव और विस्तार पर चर्चा स्वाभाविक है। प्रमुख रूप से यह बात सामने आई है कि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत वर्णित प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आने वाले निजता के इस अधिकार का सीधा प्रभाव एक वयस्क महिला द्वारा अपनी इच्छा से विवाह करने, बच्चा पैदा करने या न करने और परिवार रखने के मामलों में देखा जा सकेगा। निजता का यह अधिकार किसी महिला के चरित्र या पेशे के आधार पर शिथिल नहीं पड़ेगा। किसी स्त्री की किसी पुरुष से मित्रता और साथ में शराब पीने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकेगा कि उसने अपने पुरुष मित्र को संभोग की भी इजाजत दे दी है।

किसी भी अधिकार को मौलिक अधिकार बना देने मात्र से उसको परिवर्तित नहीं कराया जा सकता जब तक कि उसके बाबत एक कानून न बना दिया गया हो। यहां कानून के समाजशास्त्र को समझने की आवश्यकता पड़ती है। भारतीय समाज कर्तव्योन्मुख समाज रहा है और यहां इस बात की अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति अपने अधिकारों की बात नहीं करेगा, अगर अपने कर्तव्य पूरे करेगा तो अधिकार उसे स्वयं मिल जाएंगे। अधिकार और कर्तव्य के मायाजाल से बाहर निकल कर स्त्रियों को प्रदत्त अधिकारों की विवेचना करने पर पता चलता है कि हिंदू विवाह अधिनियम में एक विवाह का होना तभी पूर्ण माना जाता है जब पति-पत्नी के बीच शारीरिक संबंध स्थापित हो गया है। पति को यह भी अधिकार है कि वह पत्नी से दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना की मांग कर सकता है। ऐसे में जब महिला अपनी निजता के अधिकार की मांग करेगी और पुरुष अपने दांपत्य अधिकार की मांग करेगा तब सामंजस्य कैसे स्थापित होगा? ऐसी ही कुछ परिस्थितियों के कारण अब तक वैवाहिक बलात्कार को मान्यता नहीं मिल पाई है।

इतना ही नहीं, अभी भारत में इस पर भी कानून नहीं बन पाया है कि अगर कोई वयस्क या अवयस्क महिला बलात्कार के परिणामस्वरूप गर्भवती हो जाती है, तब वह अपने गर्भ का समापन करवा पाएगी या नहीं। कई मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1973 के प्रावधानों से इतर भी समापन की अनुमति दी है, पर कई अवसरों पर इसे खारिज भी किया है। ऐसे में यह भी एक विचारणीय प्रश्न है कि जब एक बलात्कार पीड़िता को गर्भ समापन की अनुमति नहीं मिल पाती है, तो कैसे एक विवाहित महिला गर्भ समापन के अपने अधिकार को निजता के अधिकार के तहत प्राप्त कर पाएगी।

जब बात महिला के सम्मान और स्वायत्तता की आती है, तो महिलाओं के प्रति बढ़ती यौन हिंसा पर विमर्श भी जरूरी हो जाता है। चूंकि कानूनों के निर्माण की प्रक्रिया, उनके टूटने और टूटने पर समाज की प्रतिक्रिया के अध्ययन को अपराधशास्त्र कहते हैं। इसलिए बलात्कार जैसे मामले में निर्भया की घटना और उसके बाद हुए कानूनी बदलावों का अध्ययन आवश्यक हो जाता है ताकि यह जाना जा सके कि कानूनों में हुए परिवर्तन से हाशिए की औरतों की स्थिति में क्या बदलाव आ सका है? निर्भया कांड के बाद कानूनों में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया। जब किसी अपराध की गंभीरता उसकी प्रकृति से ज्यादा उस पर होने वाली सामाजिक प्रतिक्रिया पर निर्भर होती है, तब कानून जरूर बदलते हैं। मगर नहीं बदलता है तो अपराधों के घटने का क्रम। अब बलात्कार का दंश मृत्यु से भी गंभीर होता है जैसी उक्तियों को एक पितृसत्तात्मक समाज की टिप्पणी मान कर देखा जा रहा है। पर यह वर्ग पढ़े-लिखे लोगों के उस समूह का प्रतिनिधित्व करता है, जो स्त्री को एक स्वतंत्र व्यक्तित्व मानते हैं और उसकी निजता, उसके सम्मान की पहचान करते हैं, उसकी स्वायत्तता की वकालत करते हैं। पर समाज का एक बड़ा तबका है, जो बलत्कृता को कठघरे में रखने की कोशिश करता है।

चित्र: अनुप्रिया

क्यों आज तक समाज लड़कियों को 'वस्तु' ही मानता चला आ रहा है? क्यों नहीं बदल पा रही है समाज की सोच? क्यों नहीं दे पा रहे हैं स्त्रियों को हम समान होने का दर्जा? क्यों नहीं कर पा रहे हैं हम उनके स्वाभिमान की रक्षा? ऐसे प्रश्न अब तक अनुत्तरित ही रहे हैं।

ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि वस्तुस्थिति में परिवर्तन के लिए क्या किया जाए? क्योंकि निर्भया के बाद भले अपराध दंड संहिता संशोधन अधिनियम पारित हो गया और कतिपय परिस्थितियों में दुष्कर्मों में मृत्युदंड दिए जाने का प्रावधान भी कर दिया गया। पर निर्भया के परिजनों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति और अभियुक्तों का मिलने वाली सजा पर गौर करें तो अब तक सर्वोच्च न्यायालय अभियुक्तों द्वारा दायर उपचारात्मक याचिका पर सुनवाई कर अंतिम रूप से उनके मृत्युदंड पर मुहर नहीं लगा पाया है।

इसी पृष्ठभूमि में 'शक्ति मिल्स' मुम्बई में घटी बलात्कार की दो घटनाओं का जिक्र करना भी प्रासंगिक होगा जिसमें निर्भया की घटना के बाद किए गए संशोधित प्रावधानों को लागू करने का अवसर आया था। यानी अगर कोई अभियुक्त बलात्संग की घटना में दोबारा दोषी पाया जाएगा तो उसे मृत्युदंड ही दिया जाएगा। पर जब ट्रायल कोर्ट ने मृत्युदंड का निर्णय सुनाया तो सभी प्रमुख मीडिया चैनलों ने इस घटना को ऐसे दिखाया, बलत्कृताओं की वजह से ही अभियुक्तों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। ऐसे में उस कानून की चर्चा पुनः प्रासंगिक हो जाती है, जिसमें बारह वर्ष से कम उम्र की लड़की के साथ बलात्कार की दशा में अभियुक्त को मृत्युदंड दिए जाने की बात है।

प्रश्न है कि कठोर से कठोर दंड विधान लाने से हम किस लक्ष्य को प्राप्त कर पाते या कर पाने की इच्छा रखते हैं। इतिहास गवाह है कि जब भी विधायिका ने कठोर कानून बनाए, साक्ष्यों के अभाव में अपराध सिद्ध नहीं हो पाए और अभियोजन के आंकड़ों और दोषसिद्धि के आंकड़ों में भारी अंतराल दिखाई देने लगा। नतीजतन न्यायपालिका को यह कहना पड़ा कि महिलाओं और अनुसूचित जाति तथा जनजातियों के लिए बनाए गए कानूनों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है। न्यायालय के निर्णय का जितना विरोध अनुसूचित जाति के मामले में किया गया, उतना तीक्ष्ण विरोध महिलाओं के मामले में नहीं किया गया। कानूनों में परिवर्तन मात्र से उद्देश्य कभी पूरा नहीं हो सकता। मृत्युदंड तो जब से अस्तित्व में आया है तब से इसको बनाए रखने हटाने, प्रवर्तन के तरीके, विरल से विरलतम मामले की पहचाल, अपराध की गंभीरता को बढ़ाने और अपराधी को बचाने की परिस्थितियों पर लगातार विवाद और बहस किया जाता रहा है।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि हम क्यों पर कानून बनाते हैं? शायद जनमानस में उसका एक भयकारी प्रभाव पैदा करने के लिए। पर जो अपराध करता है वह इन भयकारी प्रावधानों से कितना भयाक्रांत होता है, यह अलग शोध का विषय है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि गहन शोध इस आशय से किए जाएं कि क्यों होती हैं ऐसी घटनाएं? क्यों आज तक समाज लड़कियों को 'वस्तु' ही मानता चला आ रहा है? क्यों नहीं बदल पा रही है समाज की सोच? क्यों नहीं दे पा रहे हैं स्त्रियों को हम समान होने का दर्जा? क्यों नहीं कर पा रहे हैं हम उनके स्वाभिमान की रक्षा? ऐसे प्रश्न अब तक अनुत्तरित ही रहे हैं। आगे कब इसका उत्तर मिलेगा, मिलेगा भी कि नहीं? यह भी विमर्श का विषय हो सकता है।

नई दिल्ली

विकास की राह में स्वास्थ्य बड़ी चुनौती : कोविंद

वर्धा, 17 अगस्त (भाषा)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य (क्षेत्र) भारत के विकास में एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है, लेकिन केंद्र अपने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए उससे निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। कोविंद ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कमी, कुपोषण और नजरंदाज किए गए ऊष्ण कटिबंधीय रोग देश पर गंभीर दबाव डालते हैं।

कोविंद यहां महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एमजीआइएमएस) के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया की कुल जनसंख्या के 18 फीसद आबादी वाले देश के रूप में, हम वैश्विक बीमारियों के प्रसार का 20 फीसद वहन करते हैं। हमारे समक्ष संचारी, गैर-संचारी और नए व उभरते रोगों के तिहरे बोझ की चुनौती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य (क्षेत्र) भारत के विकास की राह में प्रमुख चुनौती बना हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कमी, कुपोषण और नजरंदाज किए गए ऊष्ण कटिबंधीय रोग हम पर गंभीर दबाव डालते हैं। हमारी सरकार महत्त्वाकांक्षी आयुष्मान भारत कार्यक्रम और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के जरिए इन सबसे निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोविंद ने कहा कि हमारी समस्याएं जटिल और हमारे व्यापक सामाजिक आर्थिक चुनौतियों से उलझी हुई हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान ने पिछले 50 वर्षों में देश की प्रगति में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है व अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ ही लोगों की अपनी सेवा के लिए काफी प्रशंसा व सम्मान हासिल किया। उन्होंने कहा कि इस तरह से ऐसा ही संस्थान सफल हो सकता था, जो कि महात्मा गांधी के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित है। राष्ट्रपति ने इस मौके पर महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न हिस्सों में विनाशकारी बाढ़ में लोगों की मौतों पर संवेदना जताई।

वर्धा में शनिवार को सेवाग्राम स्थित बापू कुटी में सूत कातते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद।

इससे पहले राष्ट्रपति यहां सेवाग्राम आश्रम गए जहां महात्मा गांधी एक दशक से अधिक समय तक रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आश्रम की चार दीवारें हमें काफी कुछ सिखाती और प्रेरित करती हैं। जब मैं इसके आंगन से गुजर रहा था गांधीजी के संघर्ष और उनके बलिदान मेरे मस्तिष्क में उभरे और यह समझने का प्रयास किया कि एक राष्ट्र के तौर पर हम उनके कितने आभारी हैं। सेवाश्रम आश्रम उनके कई प्रयोगों का केंद्र था जिसमें सत्य, अहिंसा और मानवता का उद्धार शामिल है। उन्होंने कहा कि सेवाग्राम, वर्धा और विदर्भ का एक गौरवशाली अतीत रहा है। इन्हीं क्षेत्रों में आचार्य विनोबा भावे ने अपने भूदान आंदोलन की शुरुआत की। यहां से बहुत दूर नहीं है जहां बाबा आम्टे ने कुष्ठ रोगियों की देखभाल के लिए सामाजिक सुधार आंदोलन चलाया।

राष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक उपचार में विश्वास करते थे। स्वास्थ्य व समुदाय को जोड़ने के अपने प्रयासों में आपको प्रकृति और पारंपरिक ज्ञान से संवर्धित वैकल्पिक उपचारों पर भी ध्यान देना चाहिए और इसलिए भी क्योंकि आप ग्रामीण लोगों की सेवा करते हैं जो कि सांस्कृतिक रूप से ऐसे प्रथाओं से अभ्यस्त हैं। राष्ट्रपति ने फैकल्टी सदस्यों और छात्रों से विश्व स्वास्थ्य संगठन व अन्य वैश्विक एजंसियों के साथ अपना संपर्क बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि वे अधिक ज्ञान व अनुभव हासिल कर सकें।

दिल्ली में चेतावनी स्तर के नजदीक यमुना

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

यमुना का जलस्तर चेतावनी स्तर के नजदीक पहुंच गया है। दिल्ली सरकार का बाढ़ एवं नियंत्रण विभाग जलस्तर की लगातार निगरानी कर रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हरियाणा के हथिनिकुंड बैराज से छोड़े गए पानी के बाद दिल्ली में यमुना नदी चेतावनी स्तर के नजदीक हो गई है।

दिल्ली सरकार के बाढ़ एंव नियंत्रण विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार शाम करीब 6 बजे नदी का जल स्तर 203.27 मीटर था। यह चेतावनी के स्तर (204.5) से कुछ ही नीचे है जबकि खतरनाक स्तर 205.33 मीटर तय है। जल स्तर बढ़ने से खेतों में पानी पहुंच रहा है। 16 अगस्त को हरियाणा से करीब 1.43 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। अधिकारियों के मुताबिक हथिनी कुंड बैराज से देर शाम 6 बजे के करीब 16,268 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। सुबह करीब 10 बजे 21,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके दो घंटे बाद करीब 17,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह पानी दिल्ली तक पहुंचने में करीब 72 घंटे का समय लेता है। देश में लगातार बारिश हो रही है और दिल्ली में भी बारिश का दौर जारी है। इस वजह से दिल्ली सरकार अधिक सतर्क है।

बीते वर्ष जुलाई में भी दिल्ली में पानी के स्तर में बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। जल स्तर अधिक बढ़ जाने से यमुना नदी के पुराने पुल पर यातायात कुछ दिनों के लिए रोकने पड़ा था। तब नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर हो गया था। बीते वर्ष का नदी का जलस्तर 205.5 मीटर तक पहुंच गया था।

एनआइटी के सहायक प्राध्यापक, उनकी पत्नी मृत पाए गए

राउरकेला, 17 अगस्त (भाषा)।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी), राउरकेला के एक सहायक प्राध्यापक और उनकी पत्नी यहां संस्थान परिसर में शनिवार को मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु निवासी आर. जयबालन और उनकी पत्नी मालवी केसवन के शव उनके फ्लैट से मिले। पुलिस ने उनके फ्लैट का दरवाजा तोड़कर उनके शवों को निकाला पुलिस को संदेह है कि दंपती ने आत्महत्या की है क्योंकि निःसंतान दंपती के फ्लैट से अंग्रेजी और तमिल में लिखा एक सुसाइड नोट मिला है। उनकी नौ साल पहले शादी हुई थी।

जेटली की सेहत पर एम्स की चुप्पी

पेज 1 का बाकी

रहा। नेताओं ने जेटली के इलाज में लगे डॉक्टरों व उनके परिजनों से मिल कर उनका हाल जाना व उनकी हालत में सुधार की कामना की।

सूत्रों के मुताबिक जेटली की तबीयत इतनी खराब है कि पहले उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली(वेंटीलेटर) पर रखा गया था लेकिन शनिवार को उन्हें एक्स्ट्रा कार्पोरियल मेंब्रेन आक्सीजनेशन(ईसीएमओ)मशीन पर रखा गया है। कई विभागों के विशेषज्ञों का दल उनकी सेहत पर निगाह रखे हुए है। जेटली को गृह मंत्री अमित शाह दोबारा देखने आए। वे करीब एक घंटे तक एम्स में रुके रहे। शनिवार को एम्स आने वाले नेताओं में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन, रेल मंत्री पीयूष गोयल, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एसपी मलिक, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और बसपा सुप्रीमो मायावती शामिल रहीं।

जेटली को एम्स के सीएन टावर में भर्ती किया गया है। शनिवार को एम्स में जहां आग लगी, यह टावर वहां से कुछ दूरी पर है। साफ्ट टिश्यू मेंब्रेन के कैंसर से पीड़ित जेटली को सांस लेने में परेशानी और बेचैनी की शिकायत के बाद नौ अगस्त को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दस अगस्त को स्वास्थ्य बुलेटिन जारी करने के बाद से एम्स ने उनकी हालत को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

रक्षा खरीद नीति बदलने की तैयारी, समिति गठित

पेज 1 का बाकी

का समय दिया गया है। इस समिति में महानिदेशक (अधिग्रहण) के अलावा 11 सदस्य होंगे। इसके सदस्य संयुक्त सचिव अथवा सेना में मेजर जनरल या उसके समकक्ष से नीचे की रैंक वाले नहीं होंगे।

रक्षा मंत्रालय को सैन्य बलों के आधुनिकीकरण पर जोर देना है। ऐसे में रक्षा खरीद की प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत महसूस की जा रही है। तकनीकी कारणों से अत्याधुनिक हथियारों और अन्य सैन्य जरूरतों को पूरा करने में प्रक्रियागत खामी आड़े आ रही है। जो समिति गठित की गई है, वह नियमों और खरीद प्रक्रिया को सरल बनाएगी। साथ ही, देश में रक्षा उत्पादन और औद्योगिक जगत में तालमेल बढ़ाने के उपाय सुझाएगी।

कश्मीर से ध्यान हटाने के लिए हमला कर सकता है भारत : पाक

पेज 1 का बाकी

कश्मीर प्रकोष्ठ गठित करने का निर्णय किया है। पाक विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई अनौपचारिक बैठक को पाकिस्तान की बड़ी सफलता बताया है

दरअसल

सुरक्षा परिषद में पाक की फजीहत

पेज 1 का बाकी

रही। इसे भारत की कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, रणनीतिक साझीदार दो देशों का रवैया चिंता बढ़ाने वाला रहा, लेकिन संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष ने उनके दबाव में कोई ऐसा कदम नहीं उठाया, जिससे उलझन बढ़ती। एक तो ब्रिटेन ने चौंकाते हुए चीन के उस सुझाव का स्वागत किया कि अनौपचारिक बैठक में बनी राय की घोषणा संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष जोआना वेरोंका करें। कूटनीतिक शब्दावली में इसे स्पष्ट तौर पर सुरक्षा परिषद का अधिकारिक बयान जारी करना मान लिया जाता। लेकिन संयुक्त राष्ट्र में भी समानांतर तौर पर भारत की कवायद रंग लाई और वेरोंका ने चुप्पी साध ली।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, अगर वेरोंका ने बयान जारी किया होता तो अगला कदम संरा सुरक्षा परिषद की आकस्मिक बैठक बुलाने का होता और फिर स्थितियां 1965 की तरह हो जातीं, जब संरा सुरक्षा परिषद ने कश्मीर मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि, भारत-पाकिस्तान में 1971 के शिमला समझौते के बाद संरा के प्रस्ताव की अहमियत खत्म मान ली गई थी, क्योंकि इसमें कहा गया कि कश्मीर समेत सभी मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता ही होगी। तब से कश्मीर का मुद्दा संरा सुरक्षा परिषद में कभी नहीं उठा। चीन के दबाव में हुई अनौपचारिक बैठक में अमेरिका और रूस समेत नौ देशों ने भारत के रुख का समर्थन किया कि कश्मीर मुद्दा द्विपक्षीय मसला है। लेकिन रूस ने इस पर संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र की बात उठा दी। हालांकि, अन्य किसी देश ने इस पर आगे बात नहीं उठाई।

पांच स्थाई सदस्यों में से चार ने स्पष्ट राय रखी कि कश्मीर के मुद्दे को भारत और पाकिस्तान मिलकर ही सुलटाएं। पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ लेने की आखिरी कोशिश की। वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की और बैठक के लिए समर्थन मांगा। लेकिन ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के जरिए ही तनाव कम करना होगा। इस बात की घोषणा अमेरिकी प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर की।

इस बैठक से पहले गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने जिस तरीके से घाटी के हालात को लेकर तथ्य सामने रखे और बताया कि हालात सामान्य हो रहे हैं, उसका असर संरा की बैठक में हुआ।

कर्नाटक मंत्रिमंडल का विस्तार 20 अगस्त को

बंगलुरु, 17 अगस्त (भाषा)।

कर्नाटक में 22 दिनों से अकेले सरकार चला रहे मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को अंततः शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से 20 अगस्त को मंत्रिमंडल विस्तार करने की हरी झंडी मिल गई।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, 'भाजपा विधायक दल की बैठक मंगलवार को सुबह 10 बजे विधान सौध के सभागार में होगी। उसी दिन दोपहर को मंत्रिमंडल विस्तार होगा।'

> भाजपा विधायक दल की बैठक मंगलवार सुबह 10 बजे होगी।

येदियुरप्पा ने गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कहा था कि वह अमित शाह से बात कर लंबित मंत्रिमंडल विस्तार को अंतिम रूप देंगे। भाजपा सूत्रों ने कहा कि संभावना है कि 13 मंत्री मंगलवार को पद और गोपनीयता की शपथ लें। राज्य में मंत्रियों की अधिकतम संख्या 34 हो सकती है और ऐसे में बाकी मंत्रियों को बाद में मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार में देरी हुई, क्योंकि पार्टी संभावित मंत्रियों के नामों को तय नहीं कर पा रही थी। पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा के लिए येदियुरप्पा दिल्ली गए थे लेकिन अंतिम फैसला नहीं हो पाया। पार्टी सूत्रों ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती जातीय समीकरण है। पार्टी के कुल विधायकों में 39 लिंगायत समुदाय से आते हैं और स्वयं मुख्यमंत्री इसी समुदाय से हैं। लिंगायत भाजपा के सबसे बड़े समर्थक हैं।

लिंगायत के बाद वोक्कालिगा हैं। पार्टी को मंत्रिमंडल में दलित समुदाय, अनुसूचित जनजाति, ब्राह्मण और अन्य पिछड़ी जातियों को भी प्रतिनिधित्व देना होगा। पिछली कांग्रेस-जदस सरकार के अयोग्य करार दिए गए 17 विधायकों को भी सरकार में समायोजित किया जा सकता है।

भारत से द्विपक्षीय बातचीत के जरिए कम करें तनाव

पेज 1 का बाकी

चर्चा का शनिवार को स्वागत करते हुए कहा कि इस विवाद को हल करना विश्व निकाय की जिम्मेदारी है। ट्रंप और इमरान के बीच फोन पर बातचीत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों के बीच बंद दरवाजे में चर्चा से पहले हुई। व्हाइट हाउस की ओर से फोन कॉल के बारे में बयान न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बैठक समाप्त होने के बाद जारी किया गया। व्हाइट हाउस के उप प्रेस सचिव होगान गिडले ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर में स्थिति के संबंध में भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय वार्ता के जरिए तनाव कम करने का महत्व बताया।' व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप ने क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा करने और पिछले महीने खान की वाशिंगटन की यात्रा के बारे में चर्चा करने के लिए बातचीत की। गिडले ने कहा कि दोनों नेताओं ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संबंधों को आगे बढाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने इसके साथ ही व्हाइट हाउस में हाल में हुई बैठक के दौरान संबंधों को मिली गति के बारे में भी चर्चा की। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि पांच दशक में यह पहली बार है जब दुनिया के सर्वोच्च कूटनीतिक फोरम (संरा सुरक्षा परिषद) ने कश्मीर और वहां मौजूद गंभीर स्थिति के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का स्वागत करता हूं।' खान ने कहा कि इस मुद्दे पर परिषद के 11 प्रस्ताव हैं और यह बैठक इन प्रस्तावों की पुनः पुष्टि के लिए हुई।' उन्होंने कहा कि इस विवाद का समाधान निकालना इस विश्व निकाय की जिम्मेदारी है।

उधर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस्लामाबाद में कहा कि खान ने भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद सुरक्षा परिषद की बैठक के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति को विश्वास में लिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और दोनों नेता कश्मीर मुद्दे पर संपर्क में रहने पर सहमत हुए। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी देशों में से चार से संपर्क किया था और फ्रांसीसी राष्ट्रपति से भी संपर्क करने का प्रयास कर रहा है ताकि उनका देश हमारी स्थिति समझे।

कारोबारी सना सतीश बाबू की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली,17 अगस्त।

न्यायिक हिरासत में बंद हैदराबाद के कारोबारी सना सतीश बाबू की जमानत याचिका पर अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कारोबारी को मांस निर्यातक मोइन कुरैशी की संलिप्तता वाले धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। विशेष न्यायाधीश अनुराधा शुक्ला भारद्वाज ने मामले में बहस पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कुरैशी से जुड़ी कंपनी में बाबू द्वारा 50 लाख रुपए के शेयर कथित तौर पर खरीदे जाने की जांच कर रही है। ईडी ने जमानत याचिका का यह कह विरोध किया कि जांच अब भी चल रही है और मामले में आरोप-पत्र दायर नहीं हुआ है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि अगर जमानत मिलती है तो आरोपी सबूतों के साथ छेड़छाड़ या जांच को प्रभावित कर सकता है। साथ ही उसने कहा कि जमानत मिलने पर आरोपी फरार भी हो सकता है।

अपनी जमानत याचिका में सना सतीश बाबू ने कहा कि उसे हिरासत में लेकर पूछताछ पहले ही पूरी हो चुकी है और आगे की जांच में उसकी जरूरत नहीं है। बाबू की तरफ से पेश हुए वकील ने अदालत से कहा कि बाबू को शुरुआत में इस धनशोधन मामले में एक गवाह के तौर पर बुलाया गया था लेकिन बाद में उसे आरोपी बना दिया गया।

प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि सतीश बाबू को 26 जुलाई को धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। जांच एजंसी ने बताया कि उससे कुछ घंटे तक कड़ाई से पूछताछ की गई थी। बाद में उन्हें हिरासत में ले लिया गया क्योंकि वे सहयोग नहीं कर रहे थे ।

बलूचिस्तान के वरिष्ठ नेता और तीन अन्य की गोली मारकर हत्या

लाहौर, 17 अगस्त (भाषा)।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता, उनके किशोर पोते और दो सुरक्षाकर्मियों की शनिवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस उपायुक्त मेजर मुहम्मद ने कहा कि बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेनगल (बीएनपी-एम) नेता अमानुल्ला जेहरी तड़के अपने आवास पर लौट रहे थे। इस दौरान अज्ञात हमलावरों ने उनके काफिले पर हमला कर दिया। मुहम्मद ने कहा, 'जेहरी, उनके 14 वर्षीय पोते मर्दान जेहरी और दो सुरक्षाकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई।' उपायुक्त ने कहा कि पूरे तहसील की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है। बीएनपी-एम के प्रमुख नवाब अख्तर मेंगल ने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक व्यक्त किया है।

इससे पहले शुक्रवार को बलूचिस्तान प्रांत में जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद में हुए शक्तिशाली बम धमाके में पांच लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में अफगान तालिबान के एक नेता मुल्ला हैबतुल्ला के भाई भी शामिल थे।

रक्षा सहयोग सहित दस समझौतों पर दस्तखत

पेज 1 का बाकी

स्पेशलिएटी हॉस्पिटल, स्पेस सैटेलाइट, रूपे कार्ड के इस्तेमाल समेत दस समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, 'हमारे करीबी संबंधों में नई ऊर्जा और विश्वास कायम हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योनचेन डॉ. लोते शेरिंग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। विभिन्न क्षेत्रों में हमारी भागीदारी और बढ़ाने के कदमों पर चर्चा की गई।' मोदी दूसरी बार भूटान पहुंचे थे और इस साल मई में फिर से चुने जाने के बाद उनकी यह पहली यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ताशीचोजोंग पैलेस, भूटान में रस्मी स्वागत समारोह में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिले। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'मोदी जिंदाबाद' के नारे लगे। थिंफू के पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री लोते शेरिंग ने उनका स्वागत किया। मोदी को हवाई अड्डे पर ही गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी और शेरिंग ने इसरो के ग्राउंड स्टेशन, मेंगदेछू पनबिजली परियोजना समेत पांच परियोजनाओं का उद्घाटन किया। वहां प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम भूटान के विकास में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देश छोटे उपग्रह तैयार करेंगे। इसके अलावा भारत मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल तैयार करने में भूटान की मदद करेगा। रॉयल भूटान यूनिवर्सिटी और भारत के आइआइटी को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया कि भूटान नरेश के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पैलेस में पारंपरिक चिपड्रेल प्रदर्शन और स्वागत समारोह हुआ। भूटान के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए पारो से राजधानी थिंफू तक मार्ग के किनारे खड़े लोग भारतीय तिरंगा और भूटानी ध्वज लहरा रहे थे।

बंदिशें घटीं, कल से खुलेंगे स्कूल

पेज 1 का बाकी

तंगमार्ग, उरी, केरन, करनाह और तंगधार इलाके में सेवा बहाल कर दी गई है। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड और पहलगाम इलाके में लैंडलाइन सेवा चालू कर दी गई है। सिविल लाइंस इलाके और घाटी के अन्य जिला मुख्यालयों में निजी वाहनों की गतिविधियां बढ़ गई है। श्रीनगर के डलगेट इलाके में कुछ अंतर जिला कैब भी सड़कों पर दौड़ रही हैं। पेट्रोल पंप समेत ज्यादातर व्यावसायिक प्रतिष्ठान अब भी बंद हैं।

कंसल ने कहा, 'पाबंदियों में ढील दी जा रही है। घाटी में 35 पुलिस थाना इलाकों में छूट दी गई है और अभी तक किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। सार्वजनिक वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और हमारे पास आम लोगों के आवागमन की उत्साहजनक सूचना हैं। हमारी कोशिश शनिवार शाम तक घाटी में कम से कम आधे एक्सचेंजों की सेवाएं बहाल करने की है। केवल संवदेनशील इलाकों के एक्सचेंजों को छोड़कर कल शाम तक सभी एक्सचेंजों को बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं।' कश्मीर के सभी जिलों के कुछ इलाकों में लैंडलाइन फोन सेवाएं चालू हैं। जम्मू क्षेत्र में संचार सेवा भी बहाल है। पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह के मुताबिक, जम्मू क्षेत्र के पांच जिलों में कम स्पीड (2जी) की मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल की गई है और कश्मीर घाटी में 35 थाने के अंतर्गत आने वाले इलाके में पाबंदियों में ढील दी गई है।

दिल्ली हवाईअड्डे पर महिला गिरफ्तार

बटाला (पंजाब), 17 अगस्त (भाषा)।

दिल्ली हवाई अड्डे से एक महिला को कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक समूह के साथ संपर्क होने की वजह से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

> खालिस्तान समर्थक समूह से जुड़े होने का संदेह

मलेशिया से यहां पहुंचने पर आव्रजन अधिकारियों ने गुरुवार को आईजीआई हवाईअड्डे पर कुलबीर कौर को हिरासत में लिया था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को उसे पंजाब पुलिस को सौंप दिया गया था। यह महिला अमेरिका स्थित खालिस्तान समर्थक समूह - सिख्स फॉर जस्टिस(एसएफजे)- के साथ कथित संबंधों को लेकर कौर वांछित थी। पुलिस ने कहा कि यह संगठन अपने अलगाववादी एजेंडे के तहत 'रेफरेंडम 2020' के लिए दबाव बना रहा है।

बटाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ओ एस घूमन ने कहा कि कौर के खिलाफ कथित तौर पर बेरोजगार युवकों को कट्टरपंथ की राह पर झोंककर पंजाब में गड़बड़ी पैदा करने की साजिश के सिलसिले में लुकआउट नोटिस जारी किया गया था।

पुलिस ने कहा कि कौर 2008 में बरनाला से मलेशिया चली गई थी और एसएफजे की सक्रिय सदस्यों में से एक थी।

पाक गोलाबारी में लांस नायक शहीद

पेज 1 का बाकी

एक चौकी उड़ा दी। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई है। सटीक संख्या का पता किया जा रहा है। हालांकि, इस बारे में पाकिस्तान की ओर से कोई बयान नहीं आया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से गोलाबारी हो रही है। नौशेरा सेक्टर में अग्रिम चौकी को निशाना बनाकर मोर्टार दागे गए। गोलीबारी में शहीद लांस नायक संदीप थापा (35) देहरादून के राजावाला गांव के रहने वाले थे। उन्होंने बताया, 'नौशेरा सेक्टर पर पाकिस्तान की तरफ से संघर्षविराम के उल्लंघन के जवाब में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पूरी तरह तबाह कर दी और कई चौकियों को काफी नुकसान पहुंचाया है। कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं।'

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से बौखलाए पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा पर लगातार नापाक हरकतें जारी हैं। इसी क्रम में भारतीय सेना ने गुरुवार रात केरन सेक्टर में पाकिस्तान सीमा से घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया था। सीमा पर पाकिस्तान के दुस्साहस का भारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया, जिसमें उसके कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने अपने तीन जवानों के मारे जाने की बात कबूल की थी।29 जुलाई के बाद से पाकिस्तान छह बार संघर्ष विराम उल्लंघन कर चुका है। पाकिस्तानी सेना ने एक, पांच और सात अगस्त को राजौरी के सुंदरबनी और नौशेरा सेक्टर में गोलाबारी की थी। जुलाई में पाक ने पुंछ और राजौरी में फायरिंग की थी। इसमें 10 दिन के बच्चे की मौत हो गई थी। सेना के दो जवान शहीद हुए थे। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान ने आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश में संघर्ष विराम उल्लंघन करना तेज कर दिया है। भारत में आतंकियों को भेजने की मंशा से एलओसी पर कई जगहें तय की हैं। घुसपैठ के लिए पाकिस्तान ने पीओके में नीलम वैली के पास स्थित काली घाटी इलाके में एक बड़ा संचार तंत्र विकसित किया है।

थाईलैंड में लोगों का दिल जीतने वाली मरियम की मौत

प्लास्टिक खाने से बीमार हुई थी बेबी डुगोंग

बैंकाक, 17 अगस्त (एएफपी)।

थाईलैंड में बचावकर्ताओं से लिपट कर खुद को बचाने की गुहार लगाने वाली बेबी डुगोंग तमाम कोशिशों के बावजूद जिंदगी की जंग हार गई। प्लास्टिक खाने से बीमार पड़ी बेबी डुगोंग की मौत हो गई है। बीमारी से संघर्ष करने के उसके जुझारू जज्बे ने लोगों का दिल जीत लिया और समुद्र में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। डुगोंग एक मध्यम आकार का समुद्री स्तनधारी प्राणी है जो विश्व के कई भागों में तटीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

'मरियम' नाम की डुगोंग कुछ महीने पहले दक्षिण-पश्चिमी थाईलैंड के तट पर बह कर आई थी और उसकी बचावकर्ताओं से लिपटे जाने वाली तस्वीरें वायरल हो गई थीं।

मरियम के एक और अनाथ डुगोंग अब सुर्खियों में है। उसने थाईलैंड की राजकुमारी का ध्यान खींचा। राजकुमारी ने उसका नाम 'जमील' रखा और उसकी गतिविधियों का चौबीसों घंटे सीधा प्रसारण हो रहा है।

त्रांग प्रांत के समुद्री पार्क के प्रमुख चैयाप्रुक वेरावॉन्ग ने बताया कि मरियम को बचाने की काफी कोशिशें की गई लेकिन आधी रात को उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि उसकी मौत खून में संक्रमण से हो गई। उसकी आंत से प्लास्टिक का कचरा निकला।

एक पशु चिकित्सक नांतारिका चान्सू ने फेसबुक पर पोस्ट किया, 'उसने हमें सिखाया कि प्यार कैसे किया जाता है और फिर चली गई जैसे कह रही हो कि सबको बताओ कि हमारी देखभाल करें और हमारी प्रजाति का संरक्षण करें।' चान्सू ने कहा कि मरियम की मौत से सीख लेने की जरूरत है।

प्रदूषण का सबक

एक पशु चिकित्सक नांतारिका चान्सू ने फेसबुक पर पोस्ट किया, 'उसने हमें सिखाया कि प्यार कैसे किया जाता है और फिर चली गई जैसे कह रही हो कि सबको बताओ कि हमारी देखभाल करें और हमारी प्रजाति का संरक्षण करें।' चान्सू ने कहा कि मरियम की मौत से सीख लेने की जरूरत है।

थाईलैंड में सुर्खिया बटोरने वाले डुगोंग ताजा समुद्री प्राणी हैं। थाईलैंड के प्लास्टिक प्रदूषण से ग्रस्त समुद्र जीवों को लिए खतरा बन गए हैं। डुगोंग को समुद्री गाय भी कहा जाता है। दोनों डुगोंग दक्षिणी थाईलैंड में मिले। यहां करीब 250 समुद्री गाएं हैं।

जमील नाम का मतलब 'सुंदर समुद्री राजकुमार' है और उसकी फुकेत में अलग से देखभाल की जा रही है।

समुद्री और तटीय संसाधन विभाग के फेसबुक पन्ने पर भी मरियम की मौत की घोषणा की गई है। इस पोस्ट पर देखते ही देखते 11,000 से अधिक शेयर और हजारों टिप्पणियां की गई। लोगों ने उसकी मौत पर शोक जताया।

हांगकांग : प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन तेज किया

हांगकांग, 17 अगस्त (एएफपी)।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं ने आंदोलन को तेज करते हुए दो रैलियों की योजना बनाई है। इसके तहत शनिवार को रैली से पहले मार्च निकाला गया। साथ ही चीन के अगले कदम को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं।

पिछले 10 हफ्तों से चल रहे प्रदर्शनों ने कथित अंतरराष्ट्रीय आर्थिक केंद्र को संकट में डाल दिया है। क्योंकि चीन के वामपंथी शासन ने इसके प्रति कड़ा रुख अपनाया है। चीन ने हिंसक प्रदर्शनकारियों के कदम को 'आतंकवाद की तरह' करार दिया है।

प्रदर्शनकारी शनिवार और रविवार को दो रैलियों की योजना बना रहे हैं। इसका मकसद चीन और शहर के गैर निर्वाचित नेताओं के सामने शक्ति प्रदर्शन करना है।

मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने शहर के हवाई अड्डे पर यात्रियों को उड़ान में सवार होने से रोक दिया था। बाद में दो पुरुषों से चीन की जासूसी करने के आरोप में मारपीट भी हुई थी।

यूक्रेन में होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत

कीव, 17 अगस्त (एएफपी)।

यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा में शनिवार तड़के एक होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद अधिकारियों ने देश के सभी हॉलीडे रिजॉर्ट और होटलों में अग्नि सुरक्षा नियमनों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। दक्षिणी शहर के तोक्यो स्टार होटल में तड़के आग लग गई।

आपात सेवाओं ने शुरुआत में आठ लोगों की मौत और दस अन्य के घायल होने की जानकारी दी थी लेकिन बाद में मृतकों की संख्या नौ बताई। करीब 65 दमकल कर्मियों ने 13 आपात वाहनों की मदद से तीन घंटे में आग पर काबू पाया।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि घायलों में से चार की स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्राधिकारियों ने कहा कि 150 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने अग्नि सुरक्षा आवश्यकताओं के संभावित उल्लंघन को लेकर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की और आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
अधिग्रहण सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **बैंक ऑफ बड़ौदा** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (सरफेसी एक्ट) की धारा 13(12) के अन्तर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 की सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की गई थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लिखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है,का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणग्रहिता के द्वारा यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणग्रहिता/जमानतदार और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13 (4) के नियम 8 के साथ पठित प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में नीचे वर्णित बंधक अचल संपत्तियों को कब्जे में लिया गया है।

ऋणग्रहिता/जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय–विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति कोई क्रय–विक्रय और इन सम्पत्ति के बारे में किसी प्रकार का सौदा नीचे लिखी राशि के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रभारों के अधीन होगा।

उधारकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

उधारकर्ता/जमानतकर्ता का नाम व पता/ मांग सूचना/अधिग्रहण की तिथि	अचल सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति का सभी भाग व हिस्से निहित)	बकाया धनराशि (रू)
शाखा– आर.ओ.एस.ए.आर.बी, लखनऊ, बड़ौदा हाउस, प्रथम तल, V-23, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010, फोन: 0522–6677636		
मेसर्स बालाजी कंस्ट्रक्शन, प्रोपराईटर श्री राजेन्द्र शर्मा, एलआईजी 04/36, सेक्टर–एच, निकट सहारा स्टेट, जानकीपुरम, लखनऊ–226021 श्री राजेन्द्र शर्मा, एलआईजी 04/36, सेक्टर–एच, निकट सहारा स्टेट, जानकीपुरम, लखनऊ–226021 मांग सूचना की तिथि– 10.04.2018 अधिग्रहण सूचना– 13.08.2019	अचल सम्पत्ति का साम्यिक बंधक स्थित प्लॉट नं. 08, खसरा नं. 1009 का भाग क्षेत्रफल:–139.405 वर्ग मी. स्थित ग्राम–मड़ियावं, परगना–मोहान, तहसील बक्शी का तालाब व जिला लखनऊ, श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री जेड.आर. शर्मा के नाम पर चौहद्दी (सेल डीड के अनुसार)–: उत्तर: प्लॉट नं. 07, दक्षिण: प्लॉट नं. 09, पूर्व : 15 फीट चौड़ी रोड, पश्चिम: अन्य प्लॉट	रू0 18,64,443/– दिनांक 31.03.2018 तक + अग्रिम ब्याज सहित संविदात्मक दर पर + लागत, प्रभार व अन्य खर्चे

दिनांक: 18.08.2019 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank
विश्वसनीय. मैत्रीपूर्ण Faithful. Friendly.

सेक्टर–3 शाखा, फरीदाबाद, हरियाणा–122004
फोन: 0129–2212411, ई–मेल: br.9251@syndicatebank.co.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पति के लिये) [अधिनियम-नियम 8 (1) के अंतर्गत परिशिष्ट IV)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत सिंडिकेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना नीचे वर्णित तिथि को जारी कर ऋणधारक (कों) को इस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक/गारन्टर/सम्पत्ति के स्वामी इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/गारन्टर/सम्पत्ति के स्वामी तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 6 अगस्त, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय उस पर आगे के ब्याज, लागत आदि के साथ यहां नीचे वर्णित राशि के लिये सिंडिकेट बैंक (सेक्टर–3 शाखा, फरीदाबाद) के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक/स्युरिटी/ स्वामी का नाम	अचल सम्पत्तियों का विवरण	मांग सूचना के अनुसार राशि	मांग सूचना तिथि
ऋणधारकः श्री/श्रीमती मुकेश कुमार पाठक, रिशि पाल सिंह	श्री रिशि पाल सिंह के स्वामित्व में मकान सं. 2973ए, एलआईजी प्रथम तल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर–3, फरीदाबाद, हरियाणा। सम्पत्ति की चौहद्दीः **पूर्वः** रोड, पश्चिमः मकान सं. 3052ए एलआईजी प्रथम तल, उत्तरः मकान सं. 2972 ए, एलआईजी प्रथम तल, दक्षिणः मकान सं. 2974ए, एलआईजी प्रथम तल	रु. 9,34,299.65 (रुपये नौ लाख चौंतीस हजार दो सौ निन्यानवे एवं पैसे पैसठ मात्र) के साथ उस पर आगे की लागत, ब्याज तथा खर्चे आदि।	25.09.2019 **कब्जा सूचना की तिथि** 16.08.2019

तिथिः 18.08.2019 स्थानः फरीदाबाद प्राधिकृत अधिकारी, सिंडिकेट बैंक

VLS FINANCE LIMITED
Regd.Office: 2nd Floor, 13, Sant Nagar, East of Kailash, New Delhi-110065
CIN: L65910DL1986PLC023129 **E-Mail ID:** vls@vlsfinance.com
Website: www.vlsfinance.com **Ph. No.:** 011-46656666 **Fax:** 011-46656699

NOTICE OF 32nd ANNUAL GENERAL MEETING, E-VOTING AND BOOK CLOSURE INFORMATION

Notice is hereby given that:

1	Day and Date of 32nd Annual General Meeting ('AGM')	Thursday, September 12,2019
2	Venue of Annual General Meeting	The Auditorium, Sri Sathya Sai International Centre, Institutional Area, Lodhi Road, Pragati Vihar, New Delhi- 110003
3	Time of Annual General Meeting	3:30 P.M.
4	Day and Date of completion of dispatch of Notice	Saturday, August 17, 2019
5	Date and Time of commencement of Voting through electronic means	Monday, September 9, 2019 at 9:00 A.M.
6	Date and Time of end of Voting through electronic means	Wednesday, September 11, 2019 at 5:00 P.M.
7	Business to be transacted through electronic means	Ordinary and Special Businesses as set out in the Notice of 32nd Annual General Meeting ('AGM').
8	Voting through electronic means shall not be allowed beyond	5:00 P.M. on Wednesday, September 11, 2019
9	The Notice of 32nd AGM is available on	www.vlsfinance.com, https://www.evoting.nsdl.com, http://www.rcmcdelhi.com/dropbox/vls_agmnotice2019.pdf
10	Cut-off date	**Thursday, September 5, 2019**
11	Register of Members and Share Transfer Books will remain closed from	**5th September, 2019 to 12th September, 2019 (both days inclusive)**
12	Any person who acquires shares of the Company and becomes its member after dispatch of the AGM Notice and holding shares as of cut-off date may obtain the Login ID and Password by sending a request at e-voting@nsdl.co.in or to the RTA of the Company at email ID- investor.services@rcmcdelhi.com or at their registered office address.	
13	Only a person whose name is recorded in the Register of Members or in the Register of beneficial owners maintained by the Depositories as on the cutoff date shall be entitled to avail the facility of e-voting or voting at the AGM.	
14	A member may participate in the AGM even after exercising his/her right to vote through remote e-voting but shall not be allowed to vote again in the meeting.	
15	The facility for voting through ballot form will also be made available at the AGM and the members attending the meeting who have not cast their vote by remote e-voting shall be able to exercise their right to vote at the meeting through Ballot form.	
16	Contact details of the person responsible to address the grievances connected with voting process	H. Consul, Company Secretary and Compliance Officer, E-mail id: hconsul@vlsfinance.com, Ph. No.: 011-46656666
17	For electronic voting instructions, Shareholders may go through the instructions sent with Notice of 32nd AGM and in case of any queries/grievances connected with electronic voting; Shareholders may refer the Frequently Asked Questions and e-voting User Manual for Shareholders available at the Downloads section of NSDL's e-voting website www.evoting.nsdl.com.	

For **VLS Finance Limited**
Sd/-
H. Consul
Company Secretary
M.No. - A11183

Place: New Delhi
Date: August 17, 2019

प्रपत्र सं. आईएनसी–25ए
क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 41 के मामले में तथा
मै. बेस्ट ऑटो लिमिटेड (CIN: U34300DL2001PLC111894) जिसका पंजीकृत कार्यालयः सी–5/21, सफदरजंग विकास क्षेत्र, नई दिल्ली–110016 आईएन में है, के मामले में – आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह कम्पनी उपरोक्त नियमावली के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के अंतर्गत केंद्र सरकार के पास एक आवेदन करने के लिये इच्छुक है तथा ऐसे रूपांतरण को प्रभावी करने के लिये कम्पनी को सक्षम बनाने के लिए 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी को एक प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी में रूपांतरित करने के लिए इच्छुक है।

कंपनी की स्थिति में इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे उसके नीचे वर्णित पते पर पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति संबंधित क्षेत्रीय निदेशक के पते (बी–2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली–110003) में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें।

आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
सुरिन्दर कुमार जैन
DIN: 00033763
पंजीकृत कार्यालयः सी–5/21, सफदरजंग विकास क्षेत्र, नई दिल्ली–110016 आईएन
तिथिः 18–08–2019
स्थानः नई दिल्ली

प्रपत्र सं. आईएनसी–25ए
क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम, 2013, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 14 तथा कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 41 के मामले में तथा
मै. मधुसूदन ऑटो लिमिटेड (CIN: U74999DL1991PLC046091) जिसका पंजीकृत कार्यालय सी–5/21, सफदरजंग विकास क्षेत्र, नई दिल्ली–110016 आईएन में है, के मामले में
.... **आवेदक**

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह कम्पनी उपरोक्त नियमावली के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के अंतर्गत केन्द्र सरकार के पास एक आवेदन करने के लिये इच्छुक है तथा ऐसे रूपांतरण को प्रभावी करने के लिये कम्पनी को सक्षम बनाने के लिये 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कम्पनी को एक प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी में रूपांतरित करने के लिये इच्छुक है।

कंपनी की स्थिति में इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे उसके नीचे वर्णित पते पर पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति संबंधित क्षेत्रीय निदेशक, के पते (बी–2 विंग, 2रा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली–110003) में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें।

आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
सुरिन्दर कुमार जैन
DIN: 00033763
पंजीकृत कार्यालय सी–5/21, सफदरजंग विकास क्षेत्र, नई दिल्ली–110016 आईएन
तिथिः 18.08.2019
स्थानः नई दिल्ली

इंडियन बैंक Indian Bank
आपका अपना बैंक Your Own Bank
अंचल कार्यालयः नोएडा Zonal Office, Noida

शाखा:– इण्ड. रिटेल प्रोसेसिंग सैन्टर, गाजियाबाद, डी–37/2, सैक्टर–50, नोएडा– 201301, फोन: 0120 – 2502364

परिशिष्ट–IV (नियम–8(1) अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

जैसा कि अधोहस्ताक्षर कर्ता ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए तथा धारा 13(12) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 12.02.2018 को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उधारकर्ता मै0 बब्लू किराना स्टोर, (सोल प्रो0. श्री बब्लू पुत्र श्री राजपाल) गांव सुथियाना, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर– 201308 (यूपी) (उधारकर्ता) और श्रीमति प्रिया देवी पत्नि श्री बब्लू पताः गांव सुथियाना ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर– 201308 (यूपी) (गारण्टर और मोरटगर) जो हमारी सैक्टर–63, शाखा नोएडा में मांग नोटिस में वर्णित मियादी ऋण की राशि रू. 10,23,564/– (केवल दस लाख तेईस हजार पांच सौ चौंसठ) को मांग नोटिस की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर दिनांक 12.02.2018 से ब्याज सहित अदा करने को कहा गया था।

ऋणी द्वारा धनराशि अदा न करने पर ऋणी तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधेहस्ताक्षरी कर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 एवं 9 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 16.08.2019 को निम्नलिखित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से संपत्ति के मालिक (ऋणी) तथा आम तौर पर जनता को इस संपत्ति के संबंध में कोई भी लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती है। इस सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन–देन इंडियन बैंक को देय धनराशि रू. 1144665/– (केवल ग्यारह लाख चौबालिस हजार छः सौ पैंसठ) दिनांक 13.08.2019 तक एवं उस पर ब्याज तथा अन्य खर्चो आदि के अधीन होगा।

हम सरफेसी अधिनियम की धारा–13 (8) के प्रवधानों एवं नियमों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। जोकि प्रतिभूतियों पर आपके प्रतिदान के अधिकारों को बताता है।

अचल संपत्तियों का विवरण

आवासीय सम्पत्ति जिसकी माप 351 स्क्वेयर फिट गांव सुथियाना, परगना दादरी, गौतम बुद्ध नगर (यूपी) की सीमा निम्नानुसार हैः– चौहद्दीः उत्तरः रास्ता 7 फिट चौड़ा, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति, पूर्वः विक्रेता का प्लॉट, पश्चिमः किरेश की सम्पत्ति।

दिनांक: 16.08.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः नोएडा। (इंडियन बैंक)

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी–सह–बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना
डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई–400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी–सह–बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण संख्या	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	DGL755000543	अमरदीप कौर	56.5
2	DGL740001368	अशीमा चक्रवर्ती	41.8
3	09241200001045	देविन्दर कुमार	64
4	DGL755001260	दीपक प्रसाद	24.6
5	DGL755001261	दीपक प्रसाद	25.7
6	DGL735001540	दीपक शर्मा	329.5
7	DGL735001554	दीपक शर्मा	129
8	17941200000639	दीपक जैन	34
9	18341200002844	गुलिस्ता	91
10	18541200001526	हेमन्त गोयल	504
11	17941200000958	कन्हैया लाल	66
12	17941200002080	कन्हैया लाल	100
13	DGL737001184	करमवीर ए	16.5
14	DGL930002804	केवल सिंह	108.91
15	18541200000833	महेश सिंह	66
16	DGL737001200	मनोज कुमार चौहान	321.5
17	17941200000116	मोह. मुशीर अहमद	26
18	18541200000055	मोह. अंजुम	204
19	17941200003049	मोह. सलेम	51
20	15741200001090	मोह. कैसर आलम	250
21	18341200003087	श्रीमती लीनू	107
22	18341200002127	नरेन्द्र कुमार	28
23	18341200000806	नरेन्द्र कुमार	27
24	18341200001274	नवीन कुमार	105
25	18341200002561	नवीन कुमार	20
26	11941200007795	नीरज मेहरा	20
27	18341200003162	नीतू चौहान	61
28	18341200002264	नीतू चौहान	22
29	11941200005883	पंकज कुमार	35
30	11941200007757	प्रदीप प्रदीप	77
31	09241200001076	प्रेम प्रकाश	19
32	07041200004220	प्रमोद शर्मा	258
33	17941200004039	राजेश चौधरी	81
34	17941200004015	राकेश चौधरी	47
35	17941200001670	राकेश कुमार शर्मा	144
36	17941200001724	राकेश कुमार शर्मा	52
37	07041200002295	रमेश यादव	129
38	19141200000170	रविन्दर कुमार	18
39	19141200001953	रविन्दर कुमार	7
40	11941200008280	रिशी यादव	7
41	11941200006941	रोहित चौधरी	25
42	11941200006446	रोहित चौधरी	18
43	17941200003995	सचिन जैन	230
44	11941200006590	सबिता कुमार	17
45	11941200007153	सबिता कुमार	16
46	DGL735001426	शैलेश अभिमन्यु बाघमारे	69.4
47	17941200002592	शिव कुमार	42
48	18741200003438	सुखकीरत सिंह	190
49	18541200000860	सुमेश कुमार समैयार	86
50	11941200005500	सुनील सुनील	13
51	DGL756001568	सुरेश चन्द्र अग्रवाल	89.7
52	07041200001458	तेज सिंह	11
53	11941200003636	विकास चौहान	63
54	DGL2018001440	विनित विनित	18.39
55	30941200000240	विपिन कुमार जैन	51
56	19141200007115	जाकिर मलिक	181

नीलामी की तिथिः 26 एवं 27 अगस्त, 2019
सम्पर्क व्यक्तिः श्री अनुज कुमार शर्मा, टेलीफोन नं. 9711058550

पताः डीसीबी बैंक लिमिटेड, ए-सेट बिल्डिंग, प्रथम तल, प्लॉट नं. 7/56, देश बंधु गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज नीलामी–सह बिक्री की सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/ गिरवीकर्ताओं तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी–कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर–वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण, बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत–विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

तिथिः 18.8.2019 **हस्ता./–**
स्थानः दिल्ली **प्राधिकृत अधिकारी, डीसीबी बैंक लिमिटेड**

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
AU SMALL FINANCE BANK
(पूर्व में ए.यू. फाईनेंसियर्स (इण्डिया) लिमिटेड के नाम से ज्ञात)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19–A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर–302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी है।''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की''धारा 13(2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी ने ऋण खातों के गैर निष्पादनीय आस्तियों (एन.पी.ए.) होने पर नीचे दी गई तालिका के अनुसार ऋणीयों/सह-ऋणीयों/ गारण्टर बंधककर्ताओं (जिन्हें आगे ऋणी/ऋणीयों के नाम से सम्बोधित किया जायेगा) को 60 दिनों के नोटिस प्रेषित किये थे, नोटिस के अनुसार यदि ऋणी 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण ऋण राशि जमा नहीं करवाते है तो प्राधिकृत अधिकारी प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 उपधारा 4 व 14 के अन्तर्गत कदम उठाने हेतु स्वतंत्र होगा। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उसे प्रतिभूत आस्तियों का कब्जा लेने की शक्ति तथा उनका विक्रय करना सम्मिलित है। अत: आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि निम्न सूची में दी गई सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि भविष्य के ब्याज तथा खर्चो एवं लागतों इत्यादि के साथ 60 दिवस के भीतर जमा करवा दें। इसके अतिरिक्त आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 13(13) में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति के पश्चात प्रतिभूत लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना सूचना में निर्दिष्ट अपनी किन्ही प्रतिभूत आस्तियों को विक्रय द्वारा या पट्‌टे द्वारा अथवा किसी माध्यम से अन्तरित नहीं करेंगे। ऋणीयों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(8) सपठित नियम 3 (5) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अनुसार ऋणी अपनी बंधक सम्पत्ति को उसके द्वारा उपगत सभी खर्चो प्रभारों और व्ययों के सहित प्रतिभूत लेनदार द्वारा विक्रय या अन्तरण के लिये नीलामी सूचना के प्रकाशन से पूर्व किसी भी समय भुगतान करके मुक्त करवा सकते है।

ऋणी/सहऋणी/बन्धकर्ता/गारन्टर का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
ललीत सिंह, श्रीमती रीनू, दिव्या ज्योती पब्लिक स्कूल जरिये प्रबन्धक ललीत कसाना, बदन सिंह कसाना, रविकांत (खाता सं.) L9001060713782673 (L9001060713782673)	17 जून 2019 ₹₹3615101/- रु. छत्तीस लाख पद्रह हजार एक सौ एक मात्र 17 जून 2019 तक	प्लॉट नं. 3, खसरा नं. 629 (मिन), ग्राम टिला शाहबाजपुर, लोनी, गाजियाबाद, यूपी
नन्द लाल, राधे श्याम (खाता सं.) L9001060116003742 (L9001060116003742)	24 जून 2019 ₹1163384/- रु. ग्यारह लाख तिरेसठ हजार तीन सौ चोरासी मात्र 21 जून 2019 तक	शॉप नं. 12, बिना छत के अधिकार, सम्पत्ति बैरिंग नं. ए-5, खसरा नं. 2031 में से, रेवेन्यू भू-सम्पत्ति में ग्राम तिहार, कॉलोनी हरी नगर क्लॉक टॉवर (गांधी मार्केट) के नाम से जाना जाता है नई दिल्ली-110064
महेन्द्र सिंह, श्रीमती मधु (खाता सं.) LSRPD02715-160339000 (L9001060100989699)	24 जून 2019 ₹381014/- रु. तीन लाख इकासी हजार चौदह मात्र 21 जून 2019 तक	प्लॉट नं. 14-बी, खसरा नं. 1248, रजन विहार मे, बहेता हाजीपुर, परगना लोनी, गाजीयाबाद, युपी
रजत गोयल, वैध प्रकाश गोयल, श्रीमती रेखा गोयल (खाता सं.) LSRPD05716-170486407 (L9001060701018055)	24 जून 2019 ₹2645095/- रु. छब्बीस लाख पैतालीस हजार पचानवे मात्र 21 जून 2019 तक	प्लॉट नं. 15-ए/2, सम्पत्ति बैरिंग खसरा नं. 148 मिन, आबादी ग्राम देवली मे, तहसील-होज़खास, नई दिल्ली
जसवंत सिंह, हीरा लाल,श्रीमती गीतांजली सिंह, श्रीमती तारा देवी (खाता सं.) LSDEL02715-160345173 (L9001060100600739)	24 जून 2019 ₹467084/- रु. चार लाख सडसठ हजार चोरासी मात्र 21 जून 2019 तक	प्लॉट नं. 5-ए, खसरा नं. 587, अम्बेडकर पुरम, ग्राम टीला शाहबाज़पुर, परगना लोनी, तह. एवं जिला - गाज़ीयाबाद, युपी
राम बिलास, हरीश महेरा, श्रीमती अनिता,जगमोहन (खाता सं.) LSGUR02715-160356297 (L9001060100973102)	08 जुलाई 2019 ₹1206564/- रु. बारह लाख छः हजार पांच सौ चोसठ मात्र 05 जुलाई 2019 तक	मकान नं. 1257, प्लॉट नं. 62, अराजी नं. खसरा मु.नं. 30, किला नं. 7(7-9), 14/1, (2-8), नांगला एन्कलेव भाग-2, बल्लभगढ, फरीदाबाद, हरियाणा
नवीन कुमार, ओम प्रकाश, श्रीमती किरन (खाता सं.) L9001060114887621 (L9001060114887621)	16 जुलाई 2019 ₹2111812/- रु. इक्कीस लाख ग्यारह हजार आठ सौ बारह मात्र 16 जुलाई 2019 तक	सम्पत्ति (3219) तीसरे फ्लोर का भाग बिना छत अधिकार वार्ड नं. 6 गली चरण दास हौज़क्याज़ी दिल्ली
मनीष कुमार, श्रीमती भारती विज़, अमित कुमार (खाता सं.) L9001060714805951 (L9001060714805951)	16 जुलाई 2019 ₹1577246/- रु. पंद्रह लाख सततर हजार दो सौ छियालीस मात्र 16 जुलाई 2019 तक	सम्पत्ति नं. 54-ए, ग्राउण्ड एवं पहला फ्लोर, बिना छत अधिकार (दुसरा एवं तीसरे के सिवा), खसरा नं. 687 एवं 688 में से, ग्राम-नवाडा मे, आबादी ओम विहार फैस-1ए मे, नई दिल्ली
केशव प्रसाद, श्रीमती साहरीता देवी (खाता सं.) LSKRL02714-150292975 (L9001060100158152)	20 जुलाई 2019 ₹402961/- रु. चार लाख दो हजार नो सौ इकसठ मात्र 20 जुलाई 2019 तक	प्लॉट खसरा नं. 462, ग्राम-सदरपुर परगना मे, तहसील-दादरी, जिला-गाज़ियाबाद, युपी
तुषार गोयल, गजानंद गोयल (खाता सं.) L9001060814520439 (L9001060814520439)	20 जुलाई 2019 ₹443517/- रु. चार लाख तेतालीस हजार पांच सौ सतरह मात्र 19 जुलाई 2019 तक	मकान नं. 137/11, ब्लॉक-ई, खसरा नं. 1489, गीतांजली विहार, नवीन कुंज, रेजिडेंसल कॉलोनी इन्द्रपुरी के नाम से जानी जाती है, ईएफजीएच इंडस्ट्रीयल कॉलोनी, ग्राम लोनी परगना, तहसील-लोनी, जिला- गाज़ीयाबाद, युपी
शशी भुषन राय , श्रीमती डोली देवी (खाता सं.) L9001060115730745 (L9001060115730745)	26 जुलाई 2019 ₹2602339/- रु. छब्बीस लाख दो हजार तीन सौ उनचालीस मात्र 24 जुलाई 2019 तक	आवास प्लॉट नं. आरजेड/सी/37/1, खसरा नं. 15/2, ग्राम पालम कॉलोनी, महावीर एन्कलेव, नई दिल्ली, दिल्ली
राज कुमार गुप्ता, श्रीमती विमलेश देवी (खाता सं.) L9001060713241323 (L9001060713241323)	26 जुलाई 2019 ₹4012051/- रु. चालीस लाख बारह हजार इकावन मात्र 24 जुलाई 2019 तक	आवास प्लॉट खसरा नं. 315 अर्चना विहार, खोदा परगना लोनी तह. एवं जिला गाज़ियाबाद, युपी
श्रीमती सीमा बारद्वाज, उमा शंकर बारद्वाज (खाता सं.) LSRPD05615-160367944 (L9001060101009447)	31 जुलाई 2019 ₹1357416/- रु. तेरह लाख सतावन हजार चार सौ सोलह मात्र 24 जुलाई 2019 तक	एफ 107 प्लॉट नं. 23/1, सध नगर-2 पालम कॉलोनी, खसरा नं. 91/25, 93/21, ग्राम पालम, दिल्ली
दिलिप कुमार मिश्रा , श्रीमती रम्मी मिश्रा (खाता सं.) L9001060115517383 (L9001060115517383)	31 जुलाई 2019 ₹1653143/- रु. सोलह लाख तिरेपन हजार एक सौ तेंतालीस मात्र 24 जुलाई 2019 तक	सम्पत्ति नं. 90, सर्वे नं. खसरा नं. 23 11, ब्लॉक सी, मटीयाला, ग्राम मटीयाला श्री चंद पार्क, जिला - दिल्ली, राज्य - दिल्ली
राजु सिंह, श्रीमती अमरित पाल कौर (खाता सं.) L9001060714339204 (L9001060714339204)	31 जुलाई 2019 ₹1593405/- रु. पंद्रह लाख तिरानवे हजार चार सौ पांच मात्र 24 जुलाई 2019 तक	प्लॉट नं. डब्ल्युजेड 59, सर्वे नं. 14/2/2, संत गढ, ग्राम केशोपुर, राज्य -दिल्ली
शैलेन्द्र सिंह भादोरिया, श्रीमती गिरजा देवी (खाता सं.) LSNSP05615-160374059 (L9001060100508804)	31 जुलाई 2019 ₹912111/- रु. नो लाख बारह हजार एक सौ ग्यारह मात्र 24 जुलाई 2019 तक	फ्लेट सी-98, तीसरे फ्लोर पर, गणेश नगर, ग्राम शंकरपुर, जिला नई दिल्ली
सत्यवान, श्रीमती परमिला देवी (खाता सं.) L9001060113478281 (L9001060113478281)	31 जुलाई 2019 ₹1502298/- रु. पंद्रह लाख दो हजार दो सौ अठानवे मात्र 24 जुलाई 2019 तक	सम्पत्ति नं. 3, लक्ष्मी पुरी विपिन गार्डन, ग्राम नवाडा, टाउन उत्तम नगर, दिल्ली
महबूब हैदर ज़ैदी, श्रीमती खुशनुदा बैगम ज़ैदी (खाता सं.) L9001060113478491 (L9001060113478491)	31 जुलाई 2019 ₹1251888/- रु. बारह लाख इकावन हजार आठ सौ अठासी मात्र 24 जुलाई 2019 तक	फ्लेट नं. 471, ग्राउण्ड फ्लोर, रामेश्वरी नहेरू नगर, करोल बाघ, दिल्ली
भीम सिंह गौतम, श्रीमती रेखा (खाता सं.) LSEST05916-170549284 (L9001060700886599)	31 जुलाई 2019 ₹570310/- रु. पांच लाख सत्तर हजार तीन सौ दस मात्र 24 जुलाई 2019 तक	प्लॉट नं. 69ए, सर्वे नं. केएच नं. 435, ग्राम धारोती खुर्द, टॉउन लोनी, जिला गाज़ीयाबाद, युपी
दुश्यन्त कुमार, श्रीमती राजकुमारी (खाता सं.) L9001060713615838 (L9001060713615838)	31 जुलाई 2019 ₹1280561/- रु. बारह लाख अस्सी हजार पाच सौ इकसठ मात्र 24 जुलाई 2019 तक	स्थित सम्पत्ति, सर्वे नं. 104, गौतम बुद्ध नगर, राज्य युपी
जुनविर सिंह तोमर, श्रीमती रेनु तोमर (खाता सं.) LSRPD05716-170486613 (L9001060701018215)	31 जुलाई 2019 ₹1416338/- रु. चोदह लाख सौलह हजार तीन सौ अडतीस मात्र 31 जुलाई 2019 तक	शॉप नं. बी-1 एवं बी-2, एफटी प्लॉट नं. 44-ए, पुष्पा अपार्टमेन्ट-3, सेक्टर 5, रेजिडेंसियल कॉलोनी राजेन्द्र नगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश
बुपेन्द्र सिंह, श्रीमती रोसी पसरिचा, जसप्रीत सिंह (खाता सं.) LSKRL02714-150311840 (L9001060100159305)	31 जुलाई 2019 ₹1175286/- रु. ग्यारह लाख पचहत्तर हजार दो सौ छियासी मात्र 24 जुलाई 2019 तक	व्यवसायिक प्लॉट नं. 105, बालाजी स्वीट्स, रोशनी, नई दिल्ली, राज्य दिल्ली
मोहम्मद सागीर, श्रीमती रईसा बैगम, मोहम्मद इरफान (खाता सं.) LSDEL02716-170483549 (L9001060100606551)	31 जुलाई 2019 ₹933954/- रु. नो लाख तैतीस हजार नो सौ चोपन मात्र 24 जुलाई 2019 तक	प्लॉट नं. 66, गाज़ीयाबाद, राज्य युपी
इदरिस, मोहम्मद इरशाद, श्रीमती आमना (खाता सं.) LSRPD02716-170526272 (L9001060101005578)	31 जुलाई 2019 ₹791031/- रु. सात लाख इकानवे हजार इकत्तीस मात्र 24 जुलाई 2019 तक	व्यवसायिक प्लॉट नं. 120, ब्लॉक नं. खसरा नं. 1674, कंचन पार्क, परगना लोनी, ग्राम लकदपुर, जिला गाज़ियाबाद, युपी
पंकज भारद्वाज, नीरज भारद्वाज, श्रीमती माला शर्मा, ब्रहम स्वरूप शर्मा (खाता सं.) L9001060113481105 (L9001060113481105)	31 जुलाई 2019 ₹796849/- रु. सात लाख छियानवे हजार आठ सौ उनचास मात्र 24 जुलाई 2019 तक	स्थित सम्पत्ति, सर्वे नं. केएच नं. 414, संत नगर, ग्राम सदुल्लाबाद, टाउन लोनी, जिला गाज़ियाबाद, युपी
अतीक कुरैशी, बाबु कुरैशी, नदीम कुरैशी, वसीम (खाता सं.) L9001060715302215 (L9001060715302215)	31 जुलाई 2019 ₹1606429/- रु. सोलह लाख छः हजार चार सौ उनतीस मात्र 24 जुलाई 2019 तक	स्थित सम्पत्ति, सर्वे नं. केएच नं. 1696, ब्लॉक नं. मेवतिया दादरी, गौतम बुद्ध नगर, राज्य युपी
अनील कुमार, श्रीमती मनीषा (खाता सं.) LSGUR02715-160353296 (L9001060100972302)	18 जुलाई 2019 ₹1044850/- रु. दस लाख चवालीस हजार आठ सौ पचास मात्र 18 जुलाई 2019 तक	एच नं. ए 875 रेयट नं. 88 किल्ला नं. 13 (8-0) सुभाष कॉलोनी तहसील बल्लभगढ जिला-फरीदाबाद हरियाणा
केशव प्रसाद, सुनिल कुमार, श्रीमती साहरीता देवी (खाता सं.) LSFRB05815-160369459 (L9001060800909077)	18 जुलाई 2019 ₹529893/- रु. पांच लाख उनतीस हजार आठ सौ तेरानवे मात्र 18 जुलाई 2019 तक	सम्पत्ति बैरिंग ने. 189 खसरा नं. 462 के अधीन सेक्टर126 के पास ग्राम सदरपुर परगना तहसील दादरी जिला गाज़ियाबाद युपी

स्थान :दिल्ली दिनांक: 17–08–2019 प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

डीसीबी बैंक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1	DGL1432001768	अमित कुमार	51.35	26 एवं 27 अगस्त, 2019 श्री शोभित गोयल टेलीफोन नं. 9045000782/16/26/63 डीसीबी बैंक लिमिटेड, यूनिट नं. डीएफ-2, डीएफ-3, डीएफ-4, पीएलएस प्लाजा, 58 गांधी रोड, देहरादून, उत्तराखंड-248001
2	DGL1432000960	मोह. शमशाद	56	
3	DGL1432001295	नवीन सिंह पायल	179.5	
4	DGL1432000825	श्री कृष्ण तनेजा	78.5	
5	DGL1432001089	श्री कृष्ण तनेजा	33.6	
6	DGL1432001222	श्री कृष्ण तनेजा	57.5	
7	DGL1432001566	टेक करण थापा	22.1	
8	DGL1432001215	उजमा उजमा	37.2	
9	DGL1432000778	विशाल शर्मा	178.5	
10	DGL1432001179	वसीम अकरम	19.4	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवी कर्ता तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

तिथि: 18.8.2019
स्थान: देहरादून

प्राधिकृत अधिकारी
डीसीबी बैंक लिमिटेड

आम्रपाली की अटकी परियोजनाओं में बतौर सलाहकार काम करेगी एनबीसीसी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने शुक्रवार को कहा कि वह आम्रपाली की अटकी पड़ी परियोजनाओं को पूरा करने में अपनी तरफ से कोई धन नहीं लगाएगी। वह इन परियोजनाओं में बतौर सलाहकार के तौर पर काम करेगी। इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 8,500 करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत है।

पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने एनबीसीसी को आठ फीसद कमीशन पर आम्रपाली समूह की लंबित पड़ी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कहा था। एनबीसीसी के कार्यकारी निदेशक (वित्त) योगेश शर्मा ने इन अटकी परियोजनाओं की शेष निर्माण लागत और वित्तपोषण से जुड़े निवेशक के एक सवाल के जवाब में कहा कि इसके लिए करीब 8,500 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश की जरूरत है।

इसमें एनबीसीसी के लिए आठ फीसद पीएमसी (परियोजना प्रबंधन परामर्श) मार्जिन भी शामिल है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जताते हुए आदेश दिया है।

एनबीसीसी ने शेयर बाजारों के साथ निवेशकों के साथ बातचीत का पूरा ब्योरा साझा किया है। शर्मा ने कहा कि पूंजी की व्यवस्था के बारे में स्पष्ट रूप से हमारे प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है और शीर्ष न्यायालय ने भी इस पर अपनी सहमति जताई है।

इसमें साफतौर पर कहा गया है कि पूंजी की व्यवस्था शीर्ष न्यायालय अपने विभिन्न तंत्रों के माध्यम से करेगा, यह तंत्र आम्रपाली समूह की कंपनियों के जरिए काम कर रहा है। एनबीसीसी अपने स्तर पर परियोजना के निर्माण में एक भी पैसा निवेश नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि आम्रपाली की परियोजनाओं को पूरा करने में करीब चार से पांच साल का समय लग सकता है।

आइएलएंडएफएस मामला: ईडी ने दायर किया आरोपपत्र

निदेशालय 570 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही कर चुका है कुर्क

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आइएलएंडएफएस के ऋण भुगतान में चूक करने के मामले में पहला आरोपपत्र दायर किया है। ईडी पहले ही इस मामले में करीब 570 करोड़ रुपए की संपत्ति की कुर्की कर चुका है। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मनी लॉड्रिंग रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मुंबई में एक विशेष अदालत के समक्ष शुक्रवार को यह आरोपपत्र दायर किया गया। ईडी इसी अधिनियम के तहत कई संपत्तियों, बैंक खातों और दिल्ली, मुंबई, चेन्नई व ब्रसेल्स में स्थित कई अचल संपत्तियों को भी कुर्क करने के प्राथमिक आदेश जारी कर चुका है। ये अचल संपत्तियां वाणिज्यिक और आवासीय हैं और आइएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के निदेशकों रवि पार्थसारथी, रमेश बावा, हरि शंकरन, अरुण साहा और रामचंद करुणाकरन के पास हैं। एजेंसी साहा और करुणाकरन को जून में गिरफ्तार कर चुकी है।

अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने संस्थापक सी शिवशंकरन द्वारा अपने परिजनों और समूह की कंपनियों के नाम पर परोक्ष तौर पर रखी गई कुछ संपत्तियों को भी कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 570 करोड़ रुपए है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दायर प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने इस साल फरवरी में मनी लांड्रिंग का मामला दायर किया था।

ईडी ने आरोपपत्र में कहा कि आइएलएंडएफएस का प्रबंधन/अधिकारी कमिशनखोरी जैसे गैरकानूनी कृत्य में लिप्त था और कंपनी की लागत पर निजी फायदा कमाया। उसने कहा कि आपस में और विभिन्न निजी निकायों के प्रवर्तकों के साथ आपराधिक सांठगांठ के जरिए वे स्थापित नियमों के उल्लंघन में लिप्त रहे और पहले से कर्ज में फंसी कंपनियों को उन्होंने बड़े कर्ज दिए। ये कर्ज ऐसी कंपनियों को भी दिए गए जो पहले ही आइएफआइएन से लिए कर्ज के भुगतान में चूक कर चुकी थीं। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यही आपराधिक तरीका अपनाते हुए शिवशंकरन के साथ साजिश की और शिवा ग्रुप की कंपनियों को कथित तौर पर गलत तरीके से दिए गए कर्जों में से अभी 494 करोड़ रुपए की वसूली नहीं हो सकी है।

ईडी ने कहा कि 2015-16 से 2017-18 के दौरान आइएफआइएन का प्रदर्शन नकारात्मक रहा लेकिन इसके बाद भी प्रबंधन के वरिष्ठ लोगों को कंपनी के कार्य प्रदर्शन पर आधारित भुगतान, डेपुटेशन खर्च और कमीशन में भारी वृद्धि की गई। आने वाले समय में ईडी इस मामले में और आरोपपत्र दायर कर सकती है।

वाहन क्षेत्र में मंदी : मारुति ने 3,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

वाहन उद्योग में जारी सुस्ती को देखते हुए मारुति सुजुकी इंडिया के 3,000 से ज्यादा अस्थायी कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि वाहन उद्योग में नरमी को देखते हुए अस्थायी कर्मचारियों के अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है जबकि स्थायी कर्मचारियों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा है। भार्गव ने कुछ निजी टीवी चैनलों से बातचीत में कहा- यह कारोबार का हिस्सा है। जब मांग बढ़ती है तो अनुबंध पर ज्यादा कर्मचारियों की भर्ती की जाती है और जब मांग घटती है तो उनकी संख्या कम की जाती है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी से जुड़े करीब 3,000 अस्थायी कर्मचारियों की नौकरी चली गई है।

भार्गव ने दोहराया कि वाहन क्षेत्र अर्थव्यवस्था में बिक्री, सेवा, बीमा, लाइसेंस, वित्तपोषण, चालक, पेट्रोल पंप व परिवहन से जुड़ी नौकरियां सृजित करता है। उन्होंने चेताया कि वाहन बिक्री में थोड़ी सी गिरावट से नौकरियों पर बड़े पैमाने पर असर पड़ेगा।

अशोक लीलैंड ने पेश की वीआरएस योजना : अशोक लीलैंड ने भी कार्यकारी स्तर के कर्मचारियों के लिए कंपनी से अलग होने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने यह योजना ऐसे समय पेश की है जब पहले से ही उसके कर्मचारी बोनस बढ़ाने को लेकर शुक्रवार से हड़ताल पर हैं।

अशोक लीलैंड एम्प्लाइज यूनियन के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि हम अपनी हड़ताल जारी रख रहे हैं। प्रबंधन ने सोमवार तक कारखाने में काम बंद किया हुआ है। हम तब तक हड़ताल जारी रखेंगे जब तक प्रबंधन उपयुक्त समाधान लेकर नहीं आता है।

हिंदुजा समूह की कंपनी ने इस बीच कर्मचारियों के लिए एक नोटिस जारी किया है। नोटिस में कंपनी ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) और कर्मचारी अलगाव योजना (ईएसएस) की पेशकश की है। सूत्रों ने कहा कि जो कर्मचारी वीआरएस की पात्रता नहीं रखते हैं, उनके लिए ईएसएस की पेशकश की गई है।

पीएनबी ने कर्ज पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएनबी) ने विभिन्न अवधियों के कर्ज के लिए धन की सीमांत लागत पर आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) में 0.20 फीसद तक की कमी करने की शनिवार को घोषणा की। नई दरें 16 अगस्त से प्रभावी मानी जाएंगी।

सूचना के अनुसार बैंक की एमसीएलआर 8.70 फीसद से घटाकर 8.50 फीसद कर दी गई है। बैंक ने एक दिन, एक माह, तीन माह और छह माह की अवधि के ऋण पर ब्याज तय करने के लिए एमसीएलआर 0.15 फीसद घटा कर क्रम से 8.20 फीसद, 8.30 फीसद, 8.40 फीसद और 8.50 फीसद कर दिया है।

एक साल की अवधि के कर्ज पर एमसीएलआर 8.70 फीसद से कम कर 8.50 फीसद की गई है। बैंक के व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण और आवास ऋण समेत विभिन्न प्रकार के ऋण एक साल वाली एमसीएलआर पर आधारित होते हैं। इसी तरह तीन साल की अवधि के कर्ज पर ब्याज के लिए एमसीएलआर 0.5 फीसद कम कर 9.20 फीसद कर दिया है।

मांग और आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक ने इसी माह अपनी नीतिगत दर रेपो को 0.35 फीसद कर दिया। उसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) और कई अन्य बड़े बैंक अपनी एमसीएलआर घटा चुके हैं। रेपो दर (जिस पर आरबीआइ बैंकों को नकदी एक दिन के लिए उधार देता है) घटकर 5.40 फीसद पर आ गई है। यह रेपो का नौ साल का न्यूनतम स्तर है।

विदेशी मुद्रा भंडार 430.57 अरब डॉलर की रेकॉर्ड ऊंचाई पर

मुंबई, 17 अगस्त (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ अगस्त को समाप्त सप्ताह में 1.620 अरब डॉलर बढ़कर 430.572 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में वृद्धि के कारण यह तेजी दर्ज की गई है। इससे पहले दो अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 69.72 करोड़ डॉलर घटकर 428.952 अरब डॉलर रह गया था।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि आलोच्य अवधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 1.52 करोड़ डॉलर बढ़कर 398.739 अरब डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होती हैं। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 1.591 अरब डॉलर बढ़कर 26.754 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाला विशेष आहरण अधिकार इस दौरान 67 लाख डॉलर बढ़कर 1.441 अरब डॉलर हो गया। वहीं कोष के पास देश का मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 3.636 अरब डॉलर हो गया।

मल्टी-क्रू पायलट लाइसेंस व्यवस्था पर विचार कर रहा डीजीसीए

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

विमानन नियामक डीजीसीए पायलटों के प्रशिक्षण का नया कार्यक्रम लाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। नए कार्यक्रम में तय उड़ान के घंटों के बजाय प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन पर जोर रहेगा।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मल्टी-क्रू पायलट लाइसेंस (एमपीएल) कार्यक्रम एक वैकल्पिक माध्यम हो सकता है, जो अधिक प्रभावी होगा। यह कार्यक्रम कई यूरोपीय देशों में लागू है।

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड

मांग सूचना

पंजी. कार्या. पता: 11वां तल, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपत राव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई- 400013,

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 (नियमावली) के नियम 3 के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के अंतर्गत

जैसा कि अधिनियम के अंतर्गत टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड (टीसीएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा नियमावली के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने पूर्व में ही अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत नीचे वर्णित तिथि को मांग सूचनाएं जारी कर ऋणधारक (कों)/ सह-ऋणधारक/ कों/ गारन्टर (रों) (सभी व्यक्तिगत अथवा साथ- साथ ''देनदारों'' के रूप [illegible]

[illegible]

अथवा उगाही की तिथि तक वहन की गई, के साथ। यदि उक्त देनदार टीसीएचएफएल को उपरोक्त का भुगतान करने में विफल होते हैं तो लागतों एवं परिणामों के लिये उक्त देनदार (रों)/ सांविधिक उत्तराधिकारियों/ सांविधिक प्रतिनिधियों की सम्पूर्ण जोखिम पर टीसीएचएफएल उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) तथा लागू होने वाले नियमों के अंतर्गत उक्त प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/ अचल सम्पत्तियों के विरुद्ध आगे की कार्यवाही करेगा।

उक्त देनदार (रों)/ सांविधिक उत्तराधिकारियों/ सांविधिक प्रतिनिधियों को उक्त अधिनियम के अंतर्गत बिक्री, पट्टा अथवा अन्य रूप से टीसीएचएफएल की पूर्व लिखित अनुमति के बिना उपरोक्त प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/ अचल सम्पत्तियों को अंतरित करने से निषिद्ध किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अधिनियम अथवा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन या उल्लंघन का प्रयास करते हैं तो वे अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कैद एवं/ अथवा दंड के भागी बनेंगे।

तिथि: 18.08.2019
स्थान: कानपुर

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी

Parsvnath Developers Ltd.

Regd. & Corporate Office: Registered Office : Parsvnath Metro Tower, Near Shahdara Metro Station, Shahdara, Delhi – 110 032
CIN : L45201DL199OPLC040945: Tel. : 011 43010500, 011-43050100
E-mail :mail@parsvnath.com: website : www.parsvnath.com

PUBLICE NOTICE

Whereas, M/s Parsvnath Developers Ltd., is in the process of undertaking of development of a residential Township in Sector 33 & 33a Rohtak over an area measuring 104.038 Acres in the revenue estate of village kasba Bohar Rohtak in accordance with the provision of Licence No. 36 of 2010 granted by Director, Town & Country Planning Haryana, Chandigarh.

And whereas, several individuals have made booking/entered into purchase agreement for allotment of plot/property in the said colony (hereinafter referred as allottees).

And whereas the layout plan earlier approved at the time of grant of licence for the said colony is now proposed to be revised.

And whereas the office of Director, Town & Country Planning Haryana, Chandigarh has required seeking of objection against the revision of layout plan as a pre-condition for allowing such revision in the layout plan.

Accordingly, vide this public notice objections are hereby invited from any of the allottees in the said colony on the proposed revised of Layout Plan of the said Colony. A copy of the earlier approved layout plan bearing drawing No. DTCP-2080 dated 16.04.2010 & the layout plan now proposed to be revised bearing drawing No. DTCP 7057 dated 18.07.2019 is available for perusal on website **www.parsvnath.com** . The said Layout plan can also be perused at our office at Parsvnath Metro Tower, Near Shahdara Metro Station, Shahdara, Delhi – 110 032 as well as in the office of District Town Planner (Planning), Rohtak.

Any allottee having any objection on revised Layout Plan, may file his objection in the office of District Town Planner (Planning) Rohtak within 30 days of the publication of notice, failing which it shall be assumed that there are no objection to the proposed revision of the Layout Plan.

Place: Delhi
Date: 17 August, 2017

For Parsvnath Developers Ltd.
Sd/-

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

मै. श्री स्वास्तिक सैल्स कॉर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

	संबंधित विवरण	
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मै. श्री स्वास्तिक सैल्स कॉर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	15.9.2009
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U21091DL2009PTC194339
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालयः 4261/3, 1ला तल, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली सेन्ट्रल दिल्ली डीएल 110002 आईएन
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	16.8.2019 (आदेश तिथि 6.8.2019 को 16.8.2019 को अपलोड किया गया)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	12.2.2019 को या पूर्व
8.	इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	राकेश टकयार पंजी. सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00160/2017-18/10329
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	पंजीकृत कार्यालयः 301, सिटीजन्स राजेश सदन, 1/28, तिलक नगर, नई दिल्ली-110018 ईमेलः rakesh.rt@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पत्राचार का पताः सी/ओ योग क्षेम इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल्स एलएलपी, यूजीएफ 1/15, तिलक नगर, पीएनबी बैंक के निकट, नई दिल्ली-110018, फोनः 9868503531, ईमेलः cirp.shreeswastic@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	29.8.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	एन/ए
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	एन/ए
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	https://ibbi.gov.in/ एन/ए

1. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, ने 6.8.2019 को (आदेश 16.8.2019 को अपलोड की गई) श्री स्वास्तिक सैल्स कॉर्पोरेशन प्रा. लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।
2. एतद्द्वारा श्री स्वास्तिक सैल्स कॉर्पोरेशन प्रा. लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 29.8.2019 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
3. फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही सबूत के साथ अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सबूत के साथ अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
4. भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 7, 8, 8ए, 9 तथा 9ए के अनुसार दावे विनिर्दिष्ट प्रपत्रों, बी, सी, सीए, डी, ई तथा एफ में इस प्रकार जमा किये जा सकते हैंः प्रपत्र बीः ऑपरेशन क्रेडीटर्स (कर्मियों तथा कर्मचारियों को छोड़कर), द्वारा, प्रपत्र सीः वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा, प्रपत्र सीएः किसी वर्ग में वित्तीय क्रेडीटरों, प्रपत्र डीः किसी कर्मी या किसी कर्मचारी द्वारा, प्रपत्र ईः कर्मियों तथा कर्मचारियों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा तथा प्रपत्र एफः अन्य क्रेडीटरों द्वारा।
5. दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथिः 16.8.2019
स्थानः नई दिल्ली

हस्ता/-
राकेश टकयार
अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रॉफेशनल

प्रपत्र सं. आईएनसी-26

[कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 तथा कम्पनी (निगमन) द्वितीय संशोधन नियमावली, 2017 के अनुपालन में]

क्षेत्रीय निदेशक, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के समक्ष

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उप-धारा (4) तथा कंपनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 तथा कम्पनी (निगमन) द्वितीय संशोधन नियमावली, 2017 के अनुपालन में

तथा

मै. ऑरिएण्ट क्राफ्ट एक्सचैंज लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय एफ-8, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020 में है, के मामले में

--आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि **''राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली'' से ''हरियाणा राज्य''** में उसके पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिए कंपनी को सक्षम बनाने के लिए 17 जुलाई, 2019 को आयोजित असाधारण आमसभा में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि के लिए कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत यह कंपनी केन्द्र सरकार के पास आवेदन करने का प्रस्ताव करती है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, **वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें** अथवा उसके नीचे वर्णित पंजीकृत कार्यालय में आवेदक कंपनी को उसकी एक प्रति के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का उल्लेख करते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2 विंग, 2रा तल, दीनदयाल भवन, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, नई दिल्ली-110003 में जमा करें या जमा कराएं या पंजीकृत डाक से भेजें।

एफ-8, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, नई दिल्ली-110020

मै. ऑरिएण्ट क्राफ्ट एक्सचैंज लिमिटेड के लिए तथा उसकी ओर से

तिथिः 17.8.2019
स्थानः नई दिल्ली

(सुधीर धींगरा)
निदेशक
DIN: 00006048

पताः एफ-25, राधे मोहन ड्राइव, बांध रोड, गडईपुर, मेहरौली, नई दिल्ली-110030

जगत ट्रेडिंग एण्टरप्राईजेज लिमिटेड

CIN: U74999DL1982PLC014411
पंजी. कार्यालयः 208, मैग्नम हाउस-II, करमपुरा कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली-110015
www.jtel.co.in,
ई-मेलः jagattradingenterpriseslimited@gmail.com

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी के शेयरधारकों की छत्तीसवीं वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) **सोमवार,16 सितम्बर,** 2019 को 11.00 **बजे पूर्वा.** में कम्पनी के पंजीकृत कार्यालयः 208, मैग्नम हाउस-II, करमपुरा कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली-110015 में आयोजित की जाएगी जिसमें सूचना में शामिल विवरणों के अनुसार व्यवसायों को निष्पादित किया जायेगा जो 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष के लिये कम्पनी की अंकेक्षित लेखाओं के साथ उनके पंजीकृत पते/ईमेल आईडी पर सदस्यों को भेज दी गई है।

एजीएम के आमंत्रण की सूचना सहित वित्त वर्ष 2018-19 के समेकित वार्षिक रिपोर्ट डाक/कूरियर द्वारा उनके पंजीकृत पते पर तथा ऐसे सदस्यों जिन्होंने डिपॉजिटरी/कम्पनी के पास अपने ईमेल आईडी दर्ज कराये हैं, को ईमेल द्वारा भेज दी गई है।

उक्त समेकित वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाईट (www.jtel.co.in) तथा साथ ही निरीक्षण के लिये एजीएम की तिथि तक सभी कार्य दिवसों को व्यावसायिक अवधि के दौरान कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में उपलब्ध है।

कम्पनी इलेक्ट्रानिक माध्यमों (ई-वोटिंग) द्वारा सभा में पारित किये जाने वाले प्रस्तावों पर मतदान की सुविधा अपने सदस्यों को उपलब्ध करा रही है। सदस्य सभा के स्थल से किसी अन्यत्र स्थान से इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली (''रिमोट ई-वोटिंग'') का उपयोग कर अपना मतदान कर सकते हैं। ई-वोटिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिये एजेन्सी के रूप में कम्पनी ने सेन्ट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की सेवाएं प्राप्त की है।

अन्य बातों के अलावे एजीएम के आमंत्रण की सूचना के साथ यूजर आईडी तथा पास्वर्ड से शामिल रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित सूचना सदस्यों को प्रेषित कर दी गई है। एजीएम की सूचना तथा ई-वोटिंग के लिये पत्राचार का प्रारूप कम्पनी की वेबसाईट (www.jtel.co.in) पर उपलब्ध है।

रिमोट ई-वोटिंग सुविधा गुरूवार, 12 सितम्बर 2019 को 10 बजे पूर्वा. (आईएसटी) में शुरू होगी तथा शनिवार 15 सितम्बर, 2019 को 5.00 बजे अप. आईएसटी में बंद होगी। उपरोक्त तिथि एवं समय के बाद ई-वोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस व्यक्ति का नाम कट-ऑफ तिथि अर्थात रविवार, 1 सितम्बर, 2019 को सदस्यों के रजिस्टर में शामिल होगा, वे एजीएम में रिमोट ई-वोटिंग की सुविधा प्राप्त करने के लिए अधिकृत होंगे। रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान जिन सदस्यों ने कर दिए हों वे भी एजीएम में शामिल हो सकते हैं, लेकिन वे पुनः मतदान करने के लिए अधिकृत नहीं होंगे।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 91 तथा सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 42 के अनुपाल में सदस्यों के रजिस्टर तथा कंपनी की शेयर अंतरण पुस्तकें सोमवार, 9 सितम्बर, 2019 से सोमवार, 16 सितम्बर, 2019 (दोनों दिवस सहित) तक कम्पनी की 36वीं वार्षिक साधारण सभा के उद्देश्य से बंद रहेंगे।

बोर्ड के आदेश से
जगत ट्रेडिंग एण्टरप्राईजेज लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
पी.के. गोयल
निदेशक

तिथिः 16.8.2019
स्थानः नई दिल्ली

DIN: 00021153

सूचना

सीमित दायित्व अधिनियम, 2008 की धारा 13 तथा सीमित दायित्व भागीदारी नियमावली, 2009 के नियम 17 के अनुपालन में

एक राज्य से दूसरे राज्य में सीमित दायित्व पार्टनरशिप (एलएलपी) के पंजीकृत कार्यालय के परिवर्तन के लिये समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिये विज्ञापन

एसीजीडीआर इंस्टीच्यूट एलएलपी लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय मकान नं. 503, ब्लॉक-ए, सेक-9, सम्राट अशोका अपार्टमेन्ट्स, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 में है, के मामले में

...... आवेदक

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ''दिल्ली राज्य'' से ''उत्तर प्रदेश राज्य'' में पंजीकृत कार्यालय को परिवर्तित करने के लिये एलएलपी को सक्षम बनाने के लिये एलएलपी के अनुबंध में परिवर्तन की पुष्टि के लिये यह एलएलपी सीमित दायित्व भागीदारी नियमावली, 2009 की नियम 17 के साथ पठित सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 की धारा 13 के अंतर्गत एक आवेदन करने का प्रस्ताव करता है।

कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के इस प्रस्तावित परिवर्तन से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता हो, वे एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करें अथवा अपने हित की प्रकृति तथा आपत्ति के कारणों का विवरण देते हुए एक शपथ पत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्ति कम्पनी रजिस्ट्रार के पते, 4था तल, आईएफसीआई टावर, 61, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 में कम्पनी रजिस्ट्रार के पास इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के भीतर जमा करें या जमा कराऐं या पंजीकृत डाक से भेजें तथा उसकी एक प्रति मकान सं. 503, ब्लॉक ए, सेक-9, सम्राट अशोका अपार्टमेन्ट्स, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 में उसके पंजीकृत कार्यालय में आवेदक एलएलपी को उपलब्ध कराऐं।

आवेदक के लिये तथा उसकी ओर से
हस्ता./-
फौजदार महिमा
विनिर्दिष्ट पार्टनर
DIN:07727553
पताः एन-901, आम्रपाली सिलिकॉन सिटी, सेक्टर-76, नोएडा, जिला-गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश, पिन-201301

गुडलक इंडिया लि.

(पूर्व में गुडलक स्टील ट्यूब्स लि.)
पंजी. कार्या.: 509, अरुणाचल बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
www.goodluckindia.com
E-mail: goodluck@goodluckindia.com
CIN: L74899DL1986PLC050910

शुद्धि पत्र सूचना

यह शुद्धिपत्र कम्पनी के शेयरधारकों के लिये जारी पोस्टल बैलॅट की सूचना तिथि 13 अगस्त, 2019 (''सूचना'') के संदर्भ में कम्पनी द्वारा जारी की जा रही है। सूचना के व्याख्यात्मक विवरण के अंतर्गत दोनों निर्गम-पश्चात कॉलम में गैर प्रवर्त्तक द्वारा धारित शेयरों की संख्या के 'उप-योग' तथा 'कुल योग' में दिये गये आँकड़े क्रमशः 8699212 तथा 24504320 की जगह 8701142 तथा 24506250 पढ़ें।

इस शुद्धिपत्र में सूचना के अधिक्रम में पढ़ी जाये।

बोर्ड के आदेश से
गुडलक इंडिया लिमिटेड के लिये
(पूर्व में गुडलक स्टील ट्यूब्स लि.)
हस्ता./-

स्थानः गाजियाबाद
तिथिः 17.8.2019

(अभिशेक अग्रवाल)
कम्पनी सचिव

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

[illegible]

शुद्धिपत्र

एतद्द्वारा सर्व साधारण को अधिसूचित किया जाता है कि सरफासी ऐक्ट, 2002 के तहत अचल सम्पत्तियों की ई-नीलामी बिक्री के संबंध में हिन्दी समाचारपत्र ''जनसत्ता'' के 14.08.2019 के अंक में प्रकाशित बिक्री सूचना में लॉट सं. 3 (**एसआरएस रिट्रीट सर्विसेज लि.**) में कुल भूमि क्षेत्र 25 कनाल एवं 8 मारला के स्थान पर कुल भूमि क्षेत्र 28 कनाल एवं 8 मारला पढ़े

(मुकेश कुमार बब्बर)
प्राधिकृत अधिकारी
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
कनाट प्लेस शाखा
मोबाइल : 7533904845

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 17.08.2019

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

(भारत सरकार का उपक्रम)
जेड ओ एस ए आर बी, 13वाँ तल, बैंक ऑफ़ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23441330, मो.- 9584317482,
ई-मेल : armdel@bankofbaroda.com

शुद्धि पत्र

दिनांक 16.08.2019 को इस समाचार पत्र में छपे विज्ञापन ई-नीलामी सूचना के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि खाता **मैसर्स ए.एस. ट्रेडिंग कं.** के मामले में सम्पत्ति जोकि **प्लॉट नं. 335/7, रेलवे रोड, दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, यू.पी. में स्थित, का क्षेत्रफल 453 वर्ग गज है।**

शेष नियम व शर्तें पहले अनुसार ही रहेंगी।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 18-08-2019

प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ़ बड़ौदा

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER
SHRI MATA VAISHNO DEVI SHRINE BOARD, KATRA

EXPRESSION OF INTEREST

For and on behalf of the Chairman, Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board Katra. Expression of Interest is invites from eligible Principal Companies or their authorized Distributors/Franchisees for running of Refreshment Unit on leave & license basis from available platforms near Material Check Post of the Shrine Board (3 Km. from Banganga) & at Ardhkuwari Complex, both located on the old track leading to the Holy Shrine of Shri Mata Vaishno Devi Ji. The EOI should reach the office of the Chief Executive Officer, Katra upto **1500 hrs. on 30th of August, 2019.**

The detailed terms and conditions of the EOI can be downloaded from our official website (www.maavaishnodevi.org), free of cost.

Sd/-
(Dr. J.C. Mehra), KAS,
Dy. Chief Executive Officer.

No.: CO/Cat/337/619
Date: 17.08.2019

उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि.
अतिअल्पकालिक ई-निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित अतिअल्पकालिक ई-निविदा सूचना सं. ETC/MU/T-127/2019-20, जिसके खुलने की तिथि 22.08.2019 थी को अपरिहार्य कारणों के फलस्वरूप दिनांक 23.08.2019 किया गया है। कृपया www.etender.up.nic.in पर विस्तार से सभी सूचना, विवरण/डाउनलोड तथा अन्य किसी भी प्रकार के संशोधन/विस्तार हेतु निविदा खुलने की तिथि तक लॉग ऑन करें। शेष अन्य नियम व शर्तें यथावत रहेंगी। ''राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें''

पत्रांक/No. 1663/वि.पा.म. (ETC)/मु.नगर (MZN)/ दिनांक/DATED 17.08.2019

बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra

भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच
महाबैंक भवन, दूसरा तल, बी-29, कनॉट प्लेस
नई दिल्ली-110001, फोन नं. 011-2373 0887, 2373 0449,
ईमेलः bom1456@mahabank.co.in;, brmgr1456@mahabank.co.in

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)
(नियम-8 (1) सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002)

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी ने **बैंक ऑफ महाराष्ट्र** ओर से वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनगर्ठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का संख्यांक 54) के अन्तर्गत तथा नियम 13(12) के सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन), नियम 2002 के नियम 8 के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए **दिनांक 26.05.2017 (बैंक ऑफ महाराष्ट्र) एवं 08.09.2017 (ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स)** को एक मॉंग नोटिस जारी करके **श्री कालका देवी एजूकेशन ट्रस्ट एवं गारंटर** को पुनर्भुगतान करने के लिए **रु. 66800391/- (रु. छः करोड़ अड़सठ् लाख तीन सौ एक्यानवे मात्र) बैंक ऑफ महाराष्ट्र का प्लस @13.70% संविदात्मक दर से ब्याज एवं दंडात्मक ब्याज 2%** एवं **रु. 162675269.02/- (रु. सोलह करोड़ छब्बीस लाख पचहत्तर हजार दो सौ उनहत्तर एवं दो पैसे मात्र)** ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स के साथ उक्त नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए कहा गया था। (नोटिस स्पीड पोस्ट/कोरियर/ईमेल द्वारा भेजा गया था)

ऋणी द्वारा उक्त राशि की अदायगी न करने के कारण उधारकर्ता/गारंटर और जन साधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के सपठित नियमों के नियम 8 के अन्तर्गत दिये गये अधिकारों का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्तियों का सांकेतिक कब्जा दिनांक **16 अगस्त 2019** को ले लिया है।

उधारकर्ता/गारंटर एवं जन साधारण को इस नोटिस के द्वारा चेतावनी दी जाती है कि वे निम्नलिखित संपत्तियों से सम्बन्धित कोई लेन-देन न करें तथा संपत्तियों मे किया गया कोई भी लेन-देन उल्लेख की गई राशि के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स के प्रभार के अधीन किया जाएगा।

सुरक्षित सम्पत्ति के एवज में उपलब्ध समय के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिए उधारकर्ता का ध्यान आमन्त्रित किया जाता है।

बैंक को गिरवी रखी गई और बैंक द्वारा कब्जे में ली गई संपत्तियों का विवरण निम्नानुसार हैः डीडीए बिल्डींग फ्लैट, फ्लैट नं. 229, एसएफएस, पॉकेट-सी, शेख सराय, फैस-I, नई दिल्ली-110017

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के लिए
मुख्य प्रबंधक और
प्राधिकृत अधिकारी

दिनांकः 16.08.2019

इलाहाबाद बैंक ALLAHABAD BANK

विश्वास की परंपरा
(A Govt. of India Undertaking)
A tradition of trust

इलाहाबाद बैंक द्वारा
"विचार सृजन हेतु शाखा स्तरीय परामर्श" का आयोजन

भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने हमेशा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप उत्साहपूर्वक अपने व्यवसाय को संयोजित किया है। राष्ट्र के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, इलाहाबाद बैंक इस संबंध में हमेशा अग्रणी रहा है।

उक्त के अंश के रूप इलाहाबाद बैंक ने अखिल भारतीय आधार पर समस्त शाखाओं को सम्मिलित करते हुए समकक्ष समीक्षा के माध्यम से बैंक व्यवसाय को समन्वित करने और राष्ट्र स्तरीय मिशन मोड परियोजनाओं के लिए दो दिवसीय "शाखा स्तरीय परामर्श एवं विचार-मंथन" का सफलपूर्वक आयोजन किया है। बैंक के महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों को प्रत्येक मंडल में 17 अगस्त 2019 को 2 दिवसीय समग्र परामर्शी प्रक्रिया के संचालन और पर्यवेक्षण हेतु "परामर्शदाता" के रूप में नमोदिष्ट किया गया।

शाखा स्तरीय बैठक में उपर्युक्त उद्देश्यों को पूर्ण करने और बैंक के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए बुनियादी स्तर के शाखा प्रबंधकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। विगत पांच वर्षों के दौरान शाखाओं के कार्यनिष्पादन की समीक्षा, क्षेत्र विशिष्ट मुद्दों सहित व्यवसाय का समाकलन, क्षमता वृद्धि आदि भी विचार-विमर्श का हिस्सा थें।

मंडलीय कार्यालय, दिल्ली एन.सी.आर.
दिनांकः 17.08.2019

फार्म संख्या आईएनसी-26

कम्पनी को सार्वजनिक कम्पनी से प्राईवेट कम्पनी में बदलने के लिए समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए

क्षेत्रीय निदेशक, कारपोरेट कार्यकलाप मंत्रालय, दिल्ली क्षेत्र के समक्ष

कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 14 एवं कम्पनीज (निगमन) नियमन, 2014 के नियम 41 के मामले में

एवं

खूबसूरत फिनइन्वेस्ट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय एम-36, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली -110048 में स्थित है, के मामले में ...याचिकाकर्त्ता

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचना प्रदान की जाती है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 साथ में पठित उपरोक्त नियमन के अन्तर्गत एक प्राईवेट कम्पनी के रूप में रूपांतरण करने के लिए कम्पनी की 18 जुलाई, 2019 को सम्पन्न विशेष सामान्य असाधारण बैठक में पारित विशेष संकल्प के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार से आवेदन प्रस्तावित करने का इरादा रखती है ताकि कम्पनी का उक्त रूपांतरण किया जा सके।

किसी भी व्यक्ति का कम्पनी प्रस्तावित बदलाव/स्थिति से हित प्रभावित होता हो तो वह अपने विरोध के हित के आधारों को शपथ पत्र के साथ पंजीकृत डाक द्वारा क्षेत्रीय निदेशक बी-2 विंग, द्वितीय मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजाओ काम्पलैक्स, नई दिल्ली-110003 पर इस सूचना प्रकाशन के चौदह दिनों के भीतर प्रेषित कर साथ में उसकी एक प्रतिलिपि आवेदक कम्पनी को उसके निम्न वर्णित पंजीकृत कार्यालय पर भी भेजे।

आवेदक की ओर से उनके लिए
हस्ता०/-
कमल चावला
(निदेशक)
DIN: 00325045
कम्पनी का पताः एम-36, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली -110048
तिथि: 18.08.2019
स्थान: दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

(A Govt. of India Undertaking)
जेड ओ एस ए आर बी, 13वाँ तल, बैंक ऑफ़ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23441330, मो.- 9584317482, ई-मेल : armdel@bankofbaroda.com

शुद्धि पत्र

दिनांक 03.08.2019 को इस समाचार पत्र में छपे विज्ञापन ई-नीलामी सूचना के संदर्भ में आम जनता को सूचित किया जाता है कि **मैसर्स बूम बायिंग प्रा. लि., मैसर्स बूम एग्रो इंडिया प्रा. लि. और राकेश सिंह के खातें** की विभिन्न सम्पत्ति ई-नीलामी में लगी है।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि संपत्तियों की **ई-नीलामी की तिथि** 06-09-2019 के स्थान पर **21-09-2019 को अपराह्न 1.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक कर दिया गया है।**

और हम यह भी सूचित करते है कि पॉईंट नं. 3 में उल्लेखित सम्पत्ति जोकि मोहल्ला अस्लातपुर बुद्ध का चौराहा, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसे अब न्यू म्युनिसीपल वार्ड नं. 6, ब्लॉक-16, मकान नं. 91 (6/16/91) कहते है का क्षेत्रफल 23.62 वर्ग मी. और **पॉईंट नं. 4 में उल्लेखित सम्पत्ति** जोकि मोहल्ला अस्लातपुर बुद्ध का चौराहा, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसे अब न्यू म्युनिसीपल वार्ड नं. 6, ब्लॉक-16, मकान नं. 104 (6/16/104) कहते है का क्षेत्रफल 185.68 वर्ग मी. है।

शेष नियम व शर्तें पहले अनुसार ही रहेंगी।

स्थान : नई दिल्ली,
दिनांक : 18-08-2019

प्राधिकृत अधिकारी,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा

विधायक अनंत सिंह पर यूएपीए के तहत मामला दर्ज

पटना, 17 अगस्त (भाषा)।

पुलिस छापेमारी में विधायक के घर से एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, कुछ कारतूस और दो ग्रेनेड बरामद।

पटना जिले के मोकामा विधानसभा क्षेत्र से बाहुबली विधायक अनंत सिंह के घर से एक एके-47 राइफल और ग्रेनेड की बरामदगी होने पर पुलिस ने उनके खिलाफ आतंकवाद निरोधी कानून 'गैरकानूनी गतिविधियां (निरोधक) अधिनियम' (यूएपीए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कांतेश कुमार मिश्र ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के लदमा गांव स्थित सिंह के पैतृक आवास पर पुलिस ने छापेमारी कर एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, कुछ कारतूस और दो ग्रेनेड बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक हथियार और अग्नेयास्त्र बरामद होने के मद्देनजर उनके खिलाफ यूएपीए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। क्या विधायक अनंत सिंह को गिरफ्तार किया जाएगा, मिश्र ने कहा कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्य के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) लिपि सिंह ने बताया कि हम कानून और वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। हम प्राथमिकी और उनके खिलाफ वारंट जारी किए जाने की प्रार्थना के साथ सभी साक्ष्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। अपने पैतृक घर पर पुलिस छापेमारी और हथियार व अन्य अग्नेयास्त्र की बरामदगी को मुंगेर से जद (एकी) सांसद ललन सिंह की साजिश बताते हुए अनंत ने अपनी पुत्री लेसी सिंह पर भी दुर्भावना से ग्रसित होकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने और अपने घर पर उन्हें फंसाने के लिए हथियार व अन्य अग्नेयास्त्र रखे जाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि वे पिछले 14 साल से इस मकान में नहीं रह रहे हैं। उन्होंने अपने घर पर छापेमारी के दौरान पुलिस द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि छापेमारी की उन्हें सूचना नहीं दी गई और इसके बारे में उन्हें गांव के अन्य लोगों से जानकारी मिली।

अनंत ने इसको लेकर अपनी फरियाद करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से समय दिए जाने का आग्रह करने की बात करते हुए कहा कि अगर वे समय नहीं देते हैं तो अदालत की शरण में जाएंगे। पुलिस ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके घर में छापेमारी दंडाधिकारी की उपस्थिति में कानून के अनुसार किए जाने के साथ पूरी कवायद की वीडियोग्राफी करवाई गई है। उनकी पत्नी और कांग्रेस प्रत्याशी नीलम देवी ने ललन सिंह के खिलाफ मुंगेर लोकसभा सीट से हाल में लोकसभा चुनाव लड़ा था, पर पराजित रही थीं।

'छोटे सरकार' उपनाम से जाने जाने वाले सिंह का लंबा आपराधिक रिकार्ड है। एक ठेकेदार और उसके भाई की हत्या की साजिश रचने के सिलसिले में गिरफ्तार चार अपराधियों में से मोबाइल फोन से आडियो क्लीप में सिंह की आवाज का नमूना देने के लिए हाल ही में पटना स्थिति बिहार पुलिस मुख्यालय बुलाया गया था। अनंत ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 2005 में जद (एकी) के उम्मीदवार के तौर पर बाहुबली नेता सूरजभान सिंह के खिलाफ की थी। इससे पहले अनंत के बड़े भाई दिलीप सिंह मोकामा विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया था। वह राबड़ी देवी सरकार में मंत्री थे।

जद (एकी) से निष्कासित किए जाने पर अनंत ने 2015 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और विजयी रहे।

जांच समिति गठित, ऑपरेशन थिएटर सील

इंदौर में ऑपरेशन के बाद 11 लोगों को दिखना बंद

इंदौर/भोपाल, 17 अगस्त (भाषा)।

इंदौर नेत्र चिकित्सालय में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के दौरान कथित बैक्टीरिया संक्रमण से 11 मरीजों को दिखना बंद हो गया। इन मरीजों के आंखों की रोशनी जाने की आशंका है। मध्य प्रदेश सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को इस चिकित्सालय का पंजीयन निरस्त कर दिया। साथ ही अस्पताल का ऑपरेशन थिएटर भी सील कर दिया गया है और मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई है।

मालूम हो कि इसी चिकित्सालय में वर्ष 2010 में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसमें मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 18 मरीजों की आंखों की रोशनी पूरी तरह से चली गई थी। इसके बाद इस चिकित्सालय का पंजीयन भी निरस्त किया गया था, लेकिन बाद में फिर इस चिकित्सालय को अनुमति प्रदान कर दी गई थी।

इंदौर जिले के मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीण जड़िया ने बताया कि आठ अगस्त को राष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण कार्यक्रम के तहत इंदौर नेत्र चिकित्सालय में 13 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया था। इनमें से तीन मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन शेष 11 मरीजों ने आंखों की रोशनी जाने की शिकायत की। जड़िया ने कहा कि पहली नजर में लगता है कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के दौरान या बाद में कथित बैक्टीरियल संक्रमण से मरीजों की आंखों की हालत बिगड़ी। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि इन मरीजों को ऑपरेशन के दौरान संक्रमण हुआ या ऑपरेशन के बाद। संक्रमण के कारणों की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए इंदौर नेत्र चिकित्सालय का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। इस चिकित्सालय को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है और एक महीने के अंदर जवाब मांगा गया है।

जड़िया द्वारा इंदौर नेत्र चिकित्सालय को जारी आदेश में कहा गया है कि आपके चिकित्सालय में दिनांक 8 अगस्त, 2019 को किए गए मोतियाबिंद ऑपरेशन में 11 मरीजों की आंखों की रोशनी जाने के फलस्वरूप मध्य प्रदेश नर्सिंग होम अधिनियम के तहत अनुज्ञप्ति निरस्ती की सूचना दी जाती है। जड़िया ने बताया कि बेहतर इलाज के लिए सभी मरीजों को चोइथराम अस्पताल में भेजा गया है। उन्होंने कहा कि इन मरीजों को देखने के लिए चेन्नई के शंकरा नेत्रालय से डॉ राजीव रमण सहित दो डॉक्टर इंदौर आ रहे हैं। वे इन मरीजों की आंखों को ठीक करने का पूरा प्रयास करेंगे।

जड़िया ने बताया कि उम्मीद है कि उन्हें फिर से दिखाई देने लगेगा। ये मरीज स्यूडोमोनास संक्रमण की चपेट में आए हैं। हम बैक्टीरिया के संक्रमण के लिए उनका उपचार कर रहे हैं। बिगड़े मोतियाबिंद ऑपरेशनों के शिकार 11 मरीजों की उम्र 45 से 85 वर्ष के बीच है। इनमें शामिल रामी बाई (50) ने रुआंसे स्वर में कहा कि मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्विटर पर लिखा कि 9 वर्ष पूर्व इसी हॉस्पिटल में हुई घटना के बाद भी कैसे हॉस्पिटल को वापस अनुमति प्रदान की गई, जांच करके प्रबंधन व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। इन सभी मरीजों के उपचार का खर्च शासन द्वारा वाहन करने के साथ ही प्रभावित मरीज को 50-50 हजार रुपए की सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं।

केरल में जनजीवन सामान्य होना शुरू, अब तक 113 की मौत

तिरुवनंतपुरम, 17 अगस्त (भाषा)।

बारिश से बुरी तरह प्रभावित केरल में हालात धीरे धीरे सामान्य हो रहे हैं। लोग राहत शिविरों से अपने घरों की तरफ जाने लगे हैं। बहरहाल, शनिवार तक मृतकों की संख्या 113 हो गई।

सुबह नौ बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार मलप्पुरम में 50 और वायनाड में 12 लोगों की जान चली गई। वहां, 28 लोग अब भी लापता हैं।

मलप्पुरम में 50 और वायनाड में 12 लोगों की जान चली गई। वहां, 28 लोगों की अब भी तलाश जारी है।

वायनाड में पुतुमला और मलप्पुरम में कवलप्पारा में तलाशी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। दोनों क्षेत्र आठ अगस्त से दक्षिण पश्चिम मानसून के दूसरे चरण से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भूस्खलन ने वहां दो गांवों का सफाया कर दिया है।

ताजा जानकारी में बताया गया है कि मलप्पुरम में 21 लोग, वायनाड में 7 लोग और कोट्टायम में एक व्यक्ति लापता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोझिकोड में 17, कन्नूर और त्रिशूर में नौ और इडुक्की में पांच लोगों की मौत हुई है।

हैदराबाद से विशेषज्ञों के एक दल की शनिवार को कवलप्पारा पहुंचने की उम्मीद है। वे ग्राउंड पेनेट्राटिंग राडार (जीपीआर) की मदद से जमीन में दबे शवों का पता लगाएंगे।

आंध्र प्रदेश में 24 गांव पूरी तरह जलमग्न, दो मरे

अमरावती, 17 अगस्त (भाषा)।

कृष्णा नदी में आई बाढ़ कम होने के बावजूद आंध्र प्रदेश के कृष्णा और गुंटूर जिलों के कई गांव अब भी जलमग्न हैं। दोनों जिलों में 24 गांव बाढ़ के कारण पूरी तरह जलमग्न हैं।

ग्यारह वर्षीय एक बच्ची की मौत के साथ ही राज्य में बाढ़ की वजह से मरने वालों की संख्या दो हो गई है। वहीं गुंटूर जिले में एक किसान की भी शुक्रवार को डूबने से मौत हो गई।

स्टेट रीयल टाईम गवर्नेंस सेंटर के अनुसार तड़के जलस्तर अधिकतम 8.21 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया। इसके बाद विजयवाड़ा के प्रकाशम बैराज से पानी छोड़ा गया जिससे यह घटकर 7.99 लाख क्यूसेक रह गया।

जलाशयों से पानी के बहाव में कमी देखी गई है। बावजूद कृष्णा और गुंटूर जिलों के 87 गांवों के 17,500 लोगों की मुसीबतें अगले दो दिनों तक जारी रह सकती हैं। दोनों जिलों में 24 गांव बाढ़ के कारण पूरी तरह जलमग्न हैं।

कृष्णा और गुंटूर में 11,553 लोगों को 56 राहत शिविरों में ले जाया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार दोनों जिलों में कुल 4,352 घरों में पानी भरा हुआ है। इन जिलों में 5,311 हेक्टेयर कृषि फसलें और 1,400 हेक्टेयर की बागवानी फसलें बाढ़ में डूबी हैं।

इस बीच तडेपल्ली मंडल के तहसीलदार ने भारी बाढ़ के मद्देनजर विपक्ष के नेता एन चंद्रबाबू नायडू को नोटिस भेजकर उंडावल्ली में कृष्णानदी के तट पर बंगले को खाली करने कहा है।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कृष्णा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंत्रीगण विजयवाड़ा के जलमग्न क्षेत्रों में गए और उन्होंने राहत कार्यों का निरीक्षण किया।

राजस्थान में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित

जयपुर, 17 अगस्त (भाषा)।

राजस्थान में पिछले कई दिनों से जारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं बाढ़ प्रभावित कोटा और आसपास के इलाकों में हालात सामान्य हो रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के माउंट आबू में शुक्रवार से शनिवार सुबह तक 137 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जबकि अजमेर में इसी दौरान 104.5 मिलीमीटर बारिश हुई है।

इसी तरह जोधपुर, बीकानेर, वनस्थली, भीलवाड़ा और सीकर में क्रमशः 88.2 मिमी, 79 मिमी, 42.1 मिमी,41 मिमी और 37.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ प्रभावित कोटा में हालात धीरे- धीरे सामान्य हो रहे हैं। यहां सेना की मदद से बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी है।

बलात्कार के आरोप में एक गिरफ्तार

जाजपुर, 17 अगस्त (भाषा)।

ओड़ीशा के जाजपुर जिले के बारी इलाके में एक नाबालिग से बलात्कार करने के आरोप में 51 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी, पीड़ित नौ वर्षीय बच्ची का पड़ोसी है, जो उसे चॉकलेट देने के लालच में अपने घर ले गया था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भागलपुर समेत राज्य के चार पुलिस जोन खत्म

भागलपुर, 17 अगस्त (जनसत्ता)।

भागलपुर समेत राज्य के चार पुलिस जोन को राज्य सरकार ने खत्म कर दिया है। यह व्यवस्था राज्य में 1982 से लागू थी। इन जोन की कमान आइजी रैंक के अधिकारी के जिम्मे थी। जारी अधिसूचना के मुताबिक अपराध नियंत्रण के ख्याल से सरकार ने यह कदम उठाया है। साथ ही बेगूसराय में पुलिस रेंज का गठन किया गया है। अब यहां डीआइजी रैंक के अधिकारी होंगे। इनके तहत बेगूसराय और खगड़िया जिला होगा। पटना के डीआइजी राजेश कुमार बेगूसराय रेंज के पहले डीआइजी बनाए गए है।

भागलपुर जोन के आइजी विनोद कुमार अब पूर्णियां रेंज के आइजी होंगे। इनके भागलपुर वाले दफ्तर को बंद कर वहां के तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला बेगूसराय रेंज कर दिया गया है। बेगूसराय बनने से अब 12 पुलिस रेंज हो गए। जिन जगहों पर आइजी रैंक के अधिकारी तैनात किए गए है वे भी जोन के बजाए रेंज के अधिकार वाले बना दिए गए है।

भागलपुर पुलिस रेंज आजादी के पहले 1945 से कार्यरत है। राज्य सरकार ने पुलिस जोन खत्म करने की वजह आइजी और डीआइजी का कमोवेश एक जैसा काम होना बताया है। अब बिहार के पुलिस आइजी जिलों को रेंज पुलिस से सीधे जोड़ दिया गया है।

राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण
चंडीगढ़ पीठ, चंडीगढ़

सीपी (आईबी) नं. 203/सीएचडी/हरि./2019 तिथिः 13.08.2019

मामले मेंः

पंजाब नेशनल बैंक **वित्तीय क्रेडीटर**

बनाम

मै. आर.एस.इंडिया ग्लोबल एनर्जी, प्रा. लि.

सेवा में

कॉर्पोरेट ऋणधारक मै. आर.एस.इंडिया ग्लोबल एनर्जी, प्रा. लि.

CIN:U40300HR2008PLC049683

पंजीकृत कार्यालयः जीएल बिजनेस सेन्टर, पुराना गुड़गांव रोड, उद्योग विहार फेज-1 (डुण्डाहेरा) गुड़गांव-122016

जैसा कि ऊपर नामित ऑपरेशनल क्रेडीटर (पंजाब नेशनल बैंक) ने आपके विरूद्ध कॉर्पोरेट दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने के लिये दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 की धारा 7 के अंतर्गत एक याचिका संस्थापित किया है तथा जैसा कि इस अधिकरण की संतुष्टि के लिये यह सिद्ध हो चुका है कि आपको सामान्य तीरके से सर्व करना संभव नहीं है, अतएव विज्ञापन के माध्यम से इस सूचना द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि 19.09.2019 को 10.30 बजे पूर्वा. में इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित हों।

ध्यान रहे कि ऊपर वर्णित तिथि को आपकी उपस्थिति में चूक करने पर मामले की सुनवाई तथा निपटारा आप की अनुपस्थिति में हीं की जायेगी।

अधिकरण के आदेश से
पदनामित रजिस्ट्रार, एनसीएलटी, चंडीगढ़

राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण
चंडीगढ़ पीठ, चंडीगढ़

सीपी (आईबी) नं. 228/सीएचडी/हरि./2019 तिथिः 13.08.2019

मामले मेंः

पंजाब नेशनल बैंक **वित्तीय क्रेडीटर**

बनाम

मै. आर.एस.इंडिया विंड एनर्जी, प्रा. लि.

सेवा में

कॉर्पोरेट ऋणधारक मै. आर.एस.इंडिया विंड एनर्जी, प्रा. लि.

CIN:U40101HR2006PTC049781

पंजीकृत कार्यालयः जीएल बिजनेस सेन्टर, पुराना गुड़गांव रोड, उद्योग विहार फेज-1 (डुण्डाहेरा) गुड़गांव-122016

जैसा कि ऊपर नामित ऑपरेशनल क्रेडीटर (पंजाब नेशनल बैंक) ने आपके विरूद्ध कॉर्पोरेट दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने के लिये दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 की धारा 7 के अंतर्गत एक याचिका संस्थापित किया है तथा जैसा कि इस अधिकरण की संतुष्टि के लिये यह सिद्ध हो चुका है कि आपको सामान्य तीरके से सर्व करना संभव नहीं है, अतएव विज्ञापन के माध्यम से इस सूचना द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि 19.09.2019 को 10.30 बजे पूर्वा. में इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित हों।

ध्यान रहे कि ऊपर वर्णित तिथि को आपकी उपस्थिति में चूक करने पर मामले की सुनवाई तथा निपटारा आपकी अनुपस्थिति में हीं की जायेगी।

अधिकरण के आदेश से
पदनामित रजिस्ट्रार, एनसीएलटी, चंडीगढ़

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र
बागोर की हवेली, गणगौर घाट, उदयपुर (राज.)-313001
दूरभाष : 02094-2523858, 2422567
एफ- 10/प्रलेखन/2019-20/1164 दिनांक : 16 अगस्त 2019

निविदा सूचना संख्या- 05

इस कार्यालय द्वारा वीडियो प्रलेखन कार्य एवं डॉक्यूमेन्टरी निर्माण कार्य जिसमें फुल एच.डी. सोनी फॉर्मेट FX7 वीडियो शूटिंग, एडिटिंग, वॉइस ओवर इत्यादि कार्य हेतु मुहर बंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक निविदादाता निर्धारित प्रपत्र इस कार्यालय से दिनांक 4 सितम्बर 2019 को सायं 5.00 बजे तक राशि रू. 500/- अदा कर प्राप्त कर सकते हैं। भरी हुई निविदाएँ दिनांक 5 सितम्बर 2019 को अपरान्ह 1.00 बजे तक मय धरोहर राशि रूपये 3000/- के डिमांड ड्राफ्ट के जमा कराई जा सकेगी। निविदाएँ इसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेंगी। निविदा स्वीकृत, अस्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार केन्द्र निदेशक को होगा।

निदेशक

GOODLUCK गुडलक इंडिया लि.
पंजी. कार्या.: 509, अरुणाचल बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
कॉर्पोरेट कार्यालयः गुडलक हाउस, 11-एफ, 166-167, नेहरू नगर, अम्बेदकर रोड, गाजियाबाद-201001, टेली.: 91-120-4196600, फैक्सः 91-120-4196666
वेबसाईटः www.goodluckindia.com/ ई-मेलः goodluck@goodluckindia.com
CIN: L74899DL1986PLC050910

सूचना

एतद् द्वारा शेयरधारकों को कम्पनी (प्रबंध तथा प्रशासन) नियमावली, 2014 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 110 के अनुसार सूचित किया जाता है कि [illegible] मतदान सहित पोस्टल बैलॅट द्वारा कम्पनी के शेयरधारकों की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए है। i) 17 अगस्त, 2019 को ऐसे शेयरधारकों जिन्होंने [illegible] बैलॅट प्रपत्र तथा [illegible] लिया है, ii) 17 अगस्त, 2019 को [illegible] दिया है जिन्होंने [illegible]

मद सं.	प्रस्तावों का विवरण
1.	प्रेफरेंशियल आधार पर प्रवर्त्तक श्रेणी से संबंधित व्यक्तियों को समान संख्या के इक्विटी शेयरों में रुपांतरणीय 1500000 वारन्ट्स को जारी करने की स्वीकृति।

यह सूचना ऐसे सभी शेयरधारकों को भेजी गई है जिनके नाम नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड तथा सेन्ट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड से प्राप्त शुक्रवार, 9 अगस्त, 2019 को सदस्यों के रजिस्टर/ लाभभोगी स्वामियों की सूची में शामिल है। इस प्रकार, शेयरधारकों, के मताधिकार की गणना शुक्रवार, 9 अगस्त, 2019 को की जाएगी। स्वच्छ तथा पारदर्शी प्रक्रिया में पोस्टल बैलॅट प्रक्रिया का संचालन करने के लिए कम्पनी ने श्री प्रवीण कुमार भारती (एलएलबी, एसीएस), अधिवक्ता को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। कम्पनी (प्रबंध तथा प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 के साथ पठित अधिनियम की धारा 108 के अनुपालन में कम्पनी ने पोस्टल बैलॅट प्रपत्र प्रेषित करने की जगह इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने में शेयरधारकों को सक्षम बनाने के लिए एक विकल्प के रूप में नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरीज लिमिटेड (एनएसडीएल) के माध्यम से ई-वोटिंग सुविधा प्रदान की है। ई-वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया का उल्लेख पोस्टल बैलॅट सूचना/ प्रपत्र में किया गया है। शेयरधारक रविवार, 18 अगस्त, 2019 के 9.00 बजे पूर्वा. (आईएसटी) से सोमवार, 16 सितंबर, 2019 को 5.00 बजे अप. (आईएसटी) तक ऑन लाइन अपना मतदान कर सकते हैं। पोस्टल बैलॅट प्रपत्र द्वारा अपना मतदान करने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि पोस्टल बैलॅट प्रपत्र में मुद्रित निदेशों को सावधानी से पढ़ें तथा विधिवत पूर्ण तथा हस्ताक्षरित प्रपत्र संलग्न पूर्व-प्रदत्त स्व-पता लिखित लिफाफे में पर्यवेक्षक के पास इस तरह से भेजें ताकि वह सोमवार, 16 सितम्बर, 2019 के 5.00 बजे अप. तक पर्यवेक्षक के पास पहुंच जाये। सदस्य भौतिक बैलॅट अथवा ई-वोटिंग में से मतदान की केवल एक ही पद्धत्ति का चयन कर सकते हैं। यदि सदस्य दोनों ही पद्धत्तियों से अपना मतदान कर देते हैं तो ई-वोटिंग द्वारा किया गया मतदान लागू होगा तथा भौतिक पोस्टल बैलॅट प्रपत्र द्वारा किया गया मतदान अवैध होगा। सूचना तथा पोस्टल बैलॅट प्रपत्र कम्पनी की वेबसाईट 'www.goodluckindia.com' पर भी उपलब्ध है। जिन शेयरधारकों को पोस्टल बैलॅट सूचना प्राप्त नहीं हो अथवा जिन्होंने ई-मेल द्वारा पोस्टल बैलॅट सूचना प्राप्त किये हों तथा जो भौतिक पोस्टल बैलॅट प्रपत्र द्वारा मतदान करने के इच्छुक हों, वे कम्पनी की वेबसाईट से अथवा लिंक 'https://evoting.nsdl.com' से उसे डाउनलोड कर सकते हैं। शेयरधारक info@masserv.com पर हमारे आरटीए के पास भी डुप्लिकेट पोस्टल बैलॅट प्रपत्र के लिये अपना अनुरोध ई-मेल कर सकते हैं। विधिवत पूर्ण पोस्टल बैलॅट प्रपत्र अधिकतम् सोमवार, 16 सितम्बर, 2019 के 5.00 बजे अप. (आईएसटी) तक पर्यवेक्षक के पास पहुंच जाना चाहिये। ई-वोटिंग पद्धत्ति के लिये वोटिंग अवधि सोमवार, 16 सितम्बर, 2019 को 5.00 बजे अप. (आईएसटी) में समाप्त होगी। इस तिथि के बाद प्राप्त की गई प्रत्युत्तर के संदर्भ में यह माना जायेगा कि वह प्राप्त ही नहीं हुआ है। पोस्टल बैलॅट परिणाम की घोषणा मंगलवार, 17 सितम्बर, 2019 को कार्यावधि के दौरान कम्पनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में की जायेगी। पोस्टल बैलॅट परिणाम को कम्पनी की वेबसाईट www.goodluckindia.com पर प्रेषित किया जायेगा तथा जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, उन स्टॉक एक्सचैंजों के साथ-साथ हमारे रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेन्ट को अग्रसारित करने के अतिरिक्त उसे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में भी प्रदर्शित किया जायेगा। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से मतदान सहित पोस्टल बैलॅट द्वारा मतदान से संबंधित किसी भी समस्याओं प्रश्नों के लिये शेयरधारक investor@goodluckindia.com पर अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें अथवा कम्पनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में उन्हें लिखें।

बोर्ड के आदेश से
गुडलक इंडिया लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
(अभिशेक अग्रवाल)
कम्पनी सचिव
एसीएसः 20983

तिथिः 17 अगस्त, 2019
स्थानः गाजियाबाद

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना **डीसीबी बैंक**

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार "जैसा है जहां है आधार", "जो भी वहां है आधार", "जैसा भी वहां है आधार" तथा "कोई उपचार नहीं आधार" पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण खाता	ग्राहक का नाम	शुद्ध वजन (ग्राम में)
1	25741200000383	दिलदार हुसैन	40
2	10841200008341	मोहम्मद आफताब आलम	88
3	10841200008471	शबाना उस्मानी	14
4	10841200007832	शहजादा तौसीफ	129

नीलामी की तिथिः 26 एवं 27 अगस्त, 2019

सम्पर्क व्यक्तिः श्री अभिशेक मिश्रा-टेलीफोन नं. 9966317401/8090078251

नीलामी का स्थानः डीसीबी बैंक लिमिटेड, शालीमार टावर, जीएफ, टीसी-57/V, विभूति खंड, गोमतीनगर-226010

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों/गिरवीकर्ता तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

तिथिः 18.8.2019 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थानः लखनऊ **डीसीबी बैंक लिमिटेड**

PUSHPSONS INDUSTRIES LIMITED
Registered Office: B-40, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020
CIN: L74899DL1994PLC059950, Tel: 011-41610121 Fax: 011-41058461
E-mail: info@pushpsons.com Website: www.pushpsons.com

NOTICE OF 25TH ANNUAL GENERAL MEETING, REMOTE E-VOTING INFORMATION AND BOOK CLOSURE

NOTICE is hereby given that the 25th Annual General Meeting (AGM) of the Company will be held on Wednesday, September 11, 2019 at 11:00 A.M at The Executive Club, 439, Village Shahoorpur, P.O Fatepur Beri, New Delhi-110074 to transact the business as set out in the Notice sent to the members to their registered address and also by e-mail whose e-mail address is registered with the Company.

The Company has provided electronic voting facility for transacting all the business items as mentioned in Notice of 25th Annual General Meeting through e-voting facility on the platform of Central Depository Services (India) Limited (CDSL). The members may cast their votes using an electronic voting system from a place other than the venue of the meeting ("remote e-voting"). The remote e-voting facility shall commence on Sunday, 8th September, 2019 at 9.00 A.M. and will end on Tuesday, 10th September, 2019 at 5.00 P.M. No e-voting shall be allowed beyond the said date and time.

A person, whose name appears in the register of Members/Beneficial owners as on the cut-off date i.e. Wednesday 4th September, 2019 only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting as well as voting at the meeting. The members who have cast their vote by remote e-voting may attend the meeting but shall not be entitled to cast their vote again in the meeting.

Any person who have acquired shares and become members of the Company after dispatch of notice may obtain the user ID and password for remote e-voting from the Company's Registrar & Transfer agents, M/s. Beetal Financial & Computer Services Private Limited, Beetal House, 3rd Floor, 99, Madangir, BH- Local Shopping Complex, Near Dada Harsukhdas Mandir, New Delhi-110062. The detailed procedure for obtaining User ID and password is also provided in the Notice of the meeting which is available on CDSL's website www.cdslindia.com.

The facility for voting through ballot paper shall be made available at the Annual General Meeting and the members attending the meeting who have not cast their vote by remote e-voting shall be able to exercise their right at the meeting through Ballot paper.

The result of e-voting shall be announced on or after the Annual General Meeting of the Company. The result declared alongwith the Scrutinizer's Report shall be placed on the Company's website and on the website of CDSL for information of the members, besides being communicated to the Stock Exchange.

In case you have queries or issues regarding e-voting, you may refer the Frequently Asked Questions ("FAQs") and e-voting manual available at www.evotingindia.com under help section or write an email to helpdesk.evoting@cdslindia.com. The helpdesk can also be contacted on their toll free number: 1800-200-5533. In case of any grievances connected with the facility for voting by electronic means, please contact Mr. Wenceslaus Furtado, Deputy Manager, CDSL, 17th Floor Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai - 400001.

Further Notice is hereby given that pursuant to Section 91 of the Companies Act, 2013 the Register of Members and Share Transfer Books of the Company will remain closed from Thursday, September 5, 2019 to Wednesday, September 11, 2019 (both days inclusive).

For **Pushpsons Industries Limited**
Sd/-
PankajJain
Director
DIN: 00001923

Place: New Delhi
Date: 17th August 2019
Resi. Add.: E-16, Lane W-4, Sainik Farms, Delhi - 110062

GOODLUCK गुडलक इंडिया लि.
पंजी. कार्या.: 509, अरुणाचल बिल्डिंग, बाराखम्बा रोड कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
वेबसाईटः www.goodluckindia.com/ ई-मेलः goodluck@goodluckindia.com
CIN: L74899DL1986PLC050910

निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष (आईईपीएफ) प्राधिकरण में कंपनी की इक्विटी शेयरों के अंतरण के लिए सूचना

निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखा, ऑडिट, अंतरण तथा रिफंड) नियमावली, 2016 ("नियमावली") के नियम 6 (3) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 124(6) के अनुसार एतद्द्वारा गुडलक इंडिया लिमिटेड ("कंपनी") के शेयरधारकों को इस प्रकार से सूचना दी जा रही हैः

नियमावली के अनुसार यदि कोई शेयरधारक लगातार सात वर्षों या उससे अधिक की अवधि से लाभांश राशि का दावा नहीं करता है तो उनके द्वारा धारित शेयरों को नियमावली के अनुसार गठित निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण ("आईईपीएफ प्राधिकरण") की डीमैट खाता में अंतरित कर दिये जाने का प्रावधान है। वर्ष 2011-2012 के दौरान घोषित लाभांश जो सात वर्षों की अवधि से अप्रदत्त अथवा दावा-रहित रहा है, को आईईपीएफ में अंतरित किया जायेगा। तद्नुसार ऐसे सभी शेयरधारकों जिन्होंने लगातार पिछले सात वर्षों या उससे अधिक से अपने लाभांश का दावा नहीं किये हों, को अब आईईपीएफ प्राधिकरण की डीमैट खाता में अंतरण किया जाना नियत है।

नियमावली में निर्दिष्ट विभिन्न अपेक्षओं का अनुसरण करते हुए कम्पनी के उपयुक्त कार्यवाही करने के लिये उक्त नियमावली के अंतर्गत ऐसे सभी संबंधित शेयरधारकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित कर दिया है जिनकी शेयरों का आईईपीएफ प्राधिकरण में अंतरित किया जाना है। उनके नाम, फोलियो नं. अथवा डीपीआईडी एवं क्लाइन्ट आईडी तथा अंतरण के लिये नियत शेयर सहित ऐसे शेयरधारकों का सम्पूर्ण विवरण कम्पनी की वेबसाईट अर्थात् www.goodluckindia.com पर प्रेषित कर दी गई है। नियमावली के अनुसार आगे कोई भी सूचना दिए बिना आईईपीएफ में अंतरण के लिए नियत शेयरों के अंतरण के लिये कम्पनी द्वारा आवश्यक कदम उठाया जायेगा।

यदि आईईपीएफ में उसके अंतरण के बाद शेयरधारक अपनी शेयरों/ लाभांश (शों) का दावा करने के इच्छुक हों तो आईईपीएफ नियमावली में यथा निर्दिष्ट तथा वेबसाईट अर्थात् www.iepf.gov.in पर उपलब्ध प्रपत्र आईईपीएफ-5 में आईईपीएफ प्राधिकरण के पास अलग से एक आवेदन करना होगा तथा विधिवत हस्ताक्षरित उसकी एक भौतिक प्रति आईईपीएफ प्रपत्र-5 में वर्णित वांछित दस्तावेजों के साथ कम्पनी के पास भेजा जायेगा।

पुनः यदि इस विषय अथवा नियमावली पर शेयरधारक को किसी प्रकार का कोई प्रश्न हो तो वे एमएएस सर्विसेस लि., टी-34, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-II, नई दिल्ली-110020, टेली. 011-26387281, ईमेल-info@masserv.com पर कंपनी के आरटीए से संपर्क करें।

बोर्ड के आदेश से
गुडलक इंडिया लिमिटेड के लिए
हस्ता./-
(अभिशेक अग्रवाल)
कंपनी सचिव

स्थानः गाजियाबाद
तिथिः 16.08.2019

शिवालिक बाईमेटल कन्ट्रोल्स लि.
पंजी. कार्यालयः प्लॉट नं. 16-18, न्यू इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लैक्स, चम्बाघाट, जिला सोलन (हि.प्र.)-173213,
फोन +91-11-26027174, ईमेलः investor@shivalikbimetals.com,
वेबसाईटः www.shivalikbimetals.com, CIN: L2710HP1984PLC005862

35वीं वार्षिक साधारण सभा, रिमोट ई-वोटिंग जानकारी तथा पुस्तक बंद होने की सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है किः

1. कम्पनी के सदस्यों की 35वीं वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) बुधवार, 11 सितम्बर, 2019 को 10.30 पूर्वा. में 4था तल, होटल सिटी हाइट्स, सिटी सेन्टर प्लाजा, द माल (डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स के सामने) सोलन, हिमाचल प्रदेश-173212 में आयोजित की जायेगी जिसमें एजीएम की सूचना तिथि 12 अगस्त, 2019 में निर्दिष्ट साधारण तथा विशिष्ट व्यावसायिक मदों को निष्पादित किया जायेगा। सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के लागू होने वाले विनियमनों तथा कमनी अधिनियम, 2013 की धारा 91 तथा उसके अंतर्गत लागू होने वाले नियमों के अनुपालन में सदस्यों के रजिस्टर तथा कम्पनी की शेयर अतरण पुस्तकें 5.9.2019 से 11.9.2019 (दोनों दिवस सहित) तक वार्षिक साधारण सभा तथा एजीएम में यदि घोषित होता है, इक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश के लिये सदस्यों के नामों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बंद रहेंगे।
2. 35वीं एजीएम की सूचना तथा 2018-19 के लिये वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियाँ ऐसे सभी सदस्यों को भेज दी गई हैं जिनके ईमेल आईडी'ज कम्पनी/डिपॉजिटरीज के पास पंजीकृत हैं। वह कम्पनी की वेबसाईट **www.shivalikbimetals.com** तथा एनएसडीएल की वेबसाईट **www.evoting.nsdl.com** पर भी उपलब्ध है। एजीएम की सूचना तथा 2018-19 के वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रतियाँ अन्य सभी सदस्यों को भौतिक पद्धत्ति में उनके पंजीकृत पते पर भेज दी गई हैं। एजीएम की सूचना का प्रेषण 17 अगस्त, 2018 को पूरा कर लिया गया है।
3. कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा सेबी (सूचीयन दायित्व एवं उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के अनुपालन में कट-ऑफ तिथि 4 सितम्बर, 2019 को भौतिक पद्धत्ति अथवा डीमैटेरियलाइज्ड पद्धत्ति में शेयर धारित करने वाले सदस्य एजीएम स्थल के किसी अन्यत्र स्थान से नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली के माध्यम से 35वीं एजीएम की सूचना में निर्दिष्ट साधारण तथा विशिष्ट व्यवसाय पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना मतदान कर सकते हैं।
4. सदस्यों को सूचित किया जाता है किः क) रिमोट ई-वोटिंग रविवार, 8 सितम्बर, 2019 (9.00 बजे पूर्वा. आईएसटी) में शुरू होगी तथा मंगलवार, 10 सितम्बर, 2019 (5.00 बजे अप. आईएसटी) में बंद होगी; ख) 10 सितम्बर, 2019 को 5.00 बजे अप-आईएसटी के बाद इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से मतदान की अनुमति नहीं दी जाएगी; ग) 35वीं एजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाईट www.shivalikbimetals.com पर उपलब्ध है तथा घ) जिन सदस्यों ने एजीएम से पूर्व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपना मतदान कर दिये हों वे एजीएम में शामिल हो सकते हैं लेकिन एजीएम में फिर से मतदान करने के लिये अधिकृत नहीं होंगे। ङ) जिस व्यक्ति का नाम कट-ऑफ तिथि को सदस्यों के रजिस्टर अथवा डिपॉजिटरीज द्वारा प्रबंधित लाभभोगी स्वामियों के रजिस्टर में शामिल होगा, वे रिमोट ई-वोटिंग के साथ ही साथ सभा में मत पत्र द्वारा मतदान करने के लिए अधिकृत होंगे। च) किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिये सदस्यों से अनुरोध है कि कम्पनी के उपरोक्त पते पर कम्पनी सचिव अथवा एमएएस सर्विसेस लि., टी-34, 2रा तल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-II, नई दिल्ली-110020, टेली. नं. 011-26387281/ 82/ 83, फैक्सः (91) (11) 26387384, ई-मेलः info@masserv.com पर रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेन्ट से सम्पर्क करें।
5. यदि कोई व्यक्ति सूचना के प्रेषण के बाद शेयर अर्जित करते हैं तथा कम्पनी का सदस्य बनते हैं तथा कट-ऑफ तिथि अर्थात 04 सितम्बर, 2019 को शेयर धारित करते हैं, वे evoting@nsdl.co.in पर अथवा आरटीए, एमएएस सर्विसेस लिमिटेड के पास अनुरोध भेजकर लागिन आईडी तथा पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन, यदि आप रिमोट ई-वोटिंग के लिए एनएसडीएल के पास पहले से ही पंजीकृत हैं तो अपना मतदान करने के लिए आप अपने वर्तमान यूजर आईडी तथा पासवर्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
6. किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिए आप evoting@nsdl.co.in के डाउनलोड खंड में उपलब्ध सदस्यों के लिए Frequently Asked Questions (FAQ's) तथा सदस्यों के लिए रिमोट ई-वोटिंग यूजर मैन्युअल देखें अथवा श्री अमित विशाल, वरिष्ठ प्रबंधक एनएसडीएल से evoting@nsdl.co.in/amitv@nsdl.co.in के माध्यम से अथवा टोल फ्री नं.: 1800-222/990/ टेलीफोन नं.: 022-24994360 पर अथवा श्री श्रवण मंगला, महाप्रबंधक, एमएएस सर्विसेस लिमिटेड से info@masserv.com अथवा टेलीफोन नं. 011-26387281/ 82/83 पर सम्पर्क करें।

शिवालिक बाईमेटल कन्ट्रोल्स लिमिटेड के लिए
हस्ता./- आरती जस्सल
कम्पनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 17.8.2019

खबर कोना

लाहिड़ी शीर्ष 10 में, शुभंकर कट से चूके

कोलंबस (ओहियो), 17 अगस्त (भाषा)।

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी दूसरे दौर में अच्छे कार्ड के बूते नेशनवाइड चिल्ड्रंस हॉस्पिटल चैंपियनशिप में कट में जगह बनाने में सफल रहे। वहीं शुभंकर शर्मा ऐसा करने से चूक गए। लाहिड़ी दो दौर में चार अंडर 138 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर चल रहे हैं। वह शीर्ष पर चल रहे केविन डाहर्टी (66) से चार शॉट पीछे हैं, जिन्होंने 134 के कुल सकोर से बढ़त बनाई हुई है। कट एक ओवर 143 का था, जिससे पहले दौर में 75 और दूसरे दौर में 79 का कार्ड खेलने के बाद शुभंकर शर्मा इसमें जगह बनाने से चूक गए। लाहिड़ी ने इवन पार 71 का कार्ड खेला जबकि पहले दौर में उन्होंने चार अंडर 67 का कार्ड बनाया था।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कोच बने डोमिंगो

ढाका, 17 अगस्त (एएफपी)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के रसेल डोमिंगो को राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया। वह इंग्लैंड के स्टीव रोड्स की जगह लेंगे। इस 44 वर्षीय कोच ने बीसीबी का दो साल का अनुबंध स्वीकार कर लिया है और उनके पद संभालने के लिए बुधवार को ढाका पहुंचने की संभावना है। बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा कि उनके पास अपार अनुभव है तथा उनके जुनून और कोचिंग सिद्धांतों से काफी प्रभावित हैं। बांग्लादेश की टीम पिछले एक महीने से कोच के बिना है। विश्व कप में टीम के आठवें स्थान पर रहने के कारण उसके बोर्ड ने रोड्स से नाता तोड़ दिया था।

एनएसएफ स्टाफ के लिए सोशल मीडिया कार्यशाला

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) फेसबुक के साथ मिलकर राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिए सोशल मीडिया कार्यशाला का आयोजन करेगा ताकि वह अगले साल तोक्यो ओलंपिक के दौरान और इसकी तैयारियों तक सूचनाएं साझा कर सकें। कार्यशाला का आयोजन आठ नवंबर को कराया जाएगा जब फेसबुक कार्यक्रम निदेशक पीटर हटन भारत दौरे पर आएंगे। आइओए ने एनएसएफ से अपने सोशल मीडिया स्टाफ या प्रतिनिधियों को चुनने को कहा है जो इस कार्यशाला में भाग लेंगे। आइओए ने एनएसएफ को लिखे पत्र में कहा कि पूरे दिन चलने वाली यह कार्यशाला फेसबुक के हरियाणा के गुरुग्राम कार्यालय में आयोजित होगी। इस कार्यशाला के दौरान फेसबुक प्रतियोगिताओं के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के तरीकों के बारे में बताएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराया

ओलंपिक टेस्ट प्रतियोगिता

10 मिनट में ही भारतीय टीम को कुछ मौके मिल गए, जिसका उन्होंने फायदा उठाया

16 खिलाड़ियों के साथ खेल रही थीं दोनों टीमें, ओलंपिक खेलों के दिशानिर्देशों के अनुसार

तोक्यो, 17 अगस्त (भाषा)।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को मेजबान जापान पर 2-1 की जीत से ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में अपना अभियान शुरू किया। भारत ने पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ गुरजीत कौर की मदद से नौंवे ही मिनट में बढ़त बना ली थी लेकिन मेजबान टीम ने 16वें मिनट में अकी मितसुहासी के मैदानी गोल से 1-1 से बराबरी हासिल की। हालांकि गुरजीत ने फिर 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया जो निर्णायक रहा।

भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और पहले 10 मिनट में ही उसे कुछ मौके मिल गए। दोनों टीमें ओलंपिक खेलों के दिशानिर्देशों के अनुसार 16 खिलाड़ियों के साथ खेल रही थीं। दोनों ने समय समय पर पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों को अंदर बाहर किया। जापान को स्थानापन्न खिलाड़ी का फायदा हुआ और 29 साल की मितसुहासी ने टीम को बराबरी दिलाई।

भारतीय टीम ज्यादा हमले बोल रही थी, हालांकि दोनों टीमें एक दूसरे की रणनीति को अच्छी तरह समझ रही थी क्योंकि दोनों पिछले दो वर्षों में आपस में काफी बार खेली हैं। इससे हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने शुरू में दबदबा बनाया और 35वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। 23 वर्षीय गुरजीत ने इस मौके का फायदा उठाकार गोल कर दिया। मेजबान टीम ने बचे हुए समय में बराबरी करने की कोशिश की लेकिन उसकी खिलाड़ी मौकों का फायदा नहीं उठा सकीं।

जापानी खिलाड़ी को मात देने की कोशिश में भारत की पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ गुरजीत कौर।

पुरुष टीम की मलेशिया पर 6-0 से जीत

मनदीप सिंह और गुरसाहिबजीत सिंह के दो-दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को अपने शुरुआती मुकाबले में मलेशिया को 6-0 से करारी शिकस्त दी। गुरिंदर सिंह और एसवी सुनील अन्य दो खिलाड़ी थे जिन्होंने गोल करने वालों में अपना नाम लिखवाया। भारत ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाए रखा। अनुभवी सुनील, मनदीप और गुरसाहिबजीत ने पहले दस मिनट में ही मौके बनाए। भारत को आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर मिला जिसे गुरिंदर ने गोल में बदला। दूसरे क्वार्टर में भारत ने लगातार दबाव बनाया और 18वें मिनट में गुरसाहिबजीत ने उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। इस बीच विश्व में 12वें नंबर के मलेशिया ने भी एक दो अच्छे हमले किए। भारत की तरफ से तीसरा गोल 33वें मिनट में उप कप्तान मनदीप ने किया।

कृष्णा खेतान स्मारक टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला आज

पंचकूला, 17 अगस्त (जनसत्ता)।

स्थानीय ताऊ देवीलाल स्टेडियम में खेले जा रहे बेहद प्रतिष्ठित योनेक्स सनराइज श्रीमती कृष्णा खेतान स्मारक 28वें अखिल भारतीय जूनियर प्राइज मनी सलेक्शन बैडमिंटन टूर्नामेंट-2019 में आज शनिवार को सेमिफाइनल मैच शानदार तरीके से संपन्न हुए। अंडर 19 के तहत खेले जा रहे इस मुकाबले में रविवार को अब विभिन्न श्रेणियों में अंतिम मुकाबला होगा।

गर्ल्स सिंगल्स के खिताब के लिए अदिति भट्ट और उन्नति बिष्ट के बीच मुकाबला होगा। जबकि ब्वायज सिंगल्स में सथीश कुमार के. और मायसनम मायरबा के बीच मुकाबला होगा। गर्ल्स डबल्स में अदिति भट्ट और तनीशा क्रैस्टो की जोड़ी टरीसा जॉली और वर्षनी वीएस से खिताब के लिए भिड़ेंगी। ब्वायज डब्ल्स में यश रायकंवार एवं इमान सोनोवाल फाइनल्स में मनजीत सिंह खवाएराकपाम और डिंगुकू सिंग कोंथाउजम का सामना करेंगे। मिक्स्ड डब्लस में शंकर प्रसाद उदयकुमार और नफीसा सारा सिराज का मुकाबला ध्रुव रावत और तनीशा हेगड़े से होगा।

शनिवार को खेले गए मुकाबलों में विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए फाइनल के लिए अपनी जगह बना ली। शनिवार को हुए अंडर 19 गर्ल्स सिंगल्स (सेमिफाइनल) मैच के दौरान पहले सेमिफाइनल में अदिति भट्ट ने दिल्ली की आशी रावत को 21-15, 14-21, 21-16 से हरा दिया। दूसरे सेममिफाइनल में उत्तराखंड की उन्नति बिष्ट (यूटीआर) ने गुजरात की तसनीम मीर को 18-21, 21-7, 21-10 से कड़ी शिकस्त दे फाइनल में जगह बनाई। जबकि लड़कों के

मायसनम मायरबा

डबल मुकाबले में यश रायकंवार एवं इमान सोनोवाल ने एडविन जॉय और अरविंद वी.सुरेश को 26-24 12-21 21-18 से हराया। लड़कियों के डबल मुकाबले में अदिति भट्ट और तनीशा क्रैस्टो की जोड़ी ने श्रुति मिश्रा और समृद्धि सिंह को 23-25 21-14 21-8 से हराया।

गर्ल्स डबल्स के एक दूसरे मुकाबले में टरीसा जॉली और वर्षनी वीएस की जोड़ी ने खुशी गुप्ता और दृथि यतीश को शिकस्त दी। वहीं मिक्सड डबल्स में शंकरप्रसाद उदयकुमार और नफीसा सारा सिराज की जोड़ी ने इशान भटनागर और तनीशा क्रैस्टो को हराया। लड़कों के सिंगल्स मुकाबले में सथीश कुमार के. ने शंकर मुथुसेमी एस. को 17-21 21-15 21-17 से हराया। जबकि लड़कों के डब्लस मुकाबले में मनजीत सिंह खवाएराकपाम और डिंगुकू सिंग कोंथाउजम ने नवनीथ बोक्का और कादिर मोइनूद्दीन मोहम्मद को 21-13 21-16 से हराया।

सेमी फाइनल में एश्ले बार्टी, ओसाका 'रिटायर्ड हर्ट'

सिनसिनाटी ओपन

सिनसिनाटी, 17 अगस्त (एएफपी)।

एश्ले बार्टी डब्लूटीए सिनसिनाटी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में पहुंचकर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के करीब पहुंच गईं। वहीं मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका घुटने की चोट के कारण रिटायर हो गईं। आस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीय ने दूसरे दिन वापसी करते हुए मारिया सकारी को 5-7, 6-2, 6-0 से शिकस्त दी। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए रूस की अनुभवी स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने तीसरी वरीय कैरोलिन प्लिस्कोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

वहीं ओसाका की अमेरिकी ओपन के लिए तैयारियां अच्छी नहीं चल रहीं। उन्हें सोफिया केनिन के खिलाफ मुकाबले में घुटने की चोट के कारण हटना पड़ा। वह 6-4, 1-6, 2-0 से आगे चल रही थीं। केनिन का सामना अब साथी अमेरिकी खिलाड़ी मेडिसन कीज से होगा जिन्होंने वीनस विलियम्स पर 6-2, 6-3 से जीत हासिल की। जापानी खिलाड़ी ने स्वीकार भी किया कि अमेरिकी ओपन खिताब को बचाने की उनकी उम्मीदों पर बादल छा गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल मैंने अमेरिकी ओपन जीता था और इस साल मैं अमेरिकी ओपन खेलने की कोशिश कर रही हूं। मैं जीतने के बारे में सोच भी नहीं सकती।

जोकोविच सेमी फाइनल में : सोलह बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने कोहनी में असहजता के बावजूद लुकास पाउली पर 7-6, 6-1 की जीत से एटीपी सिनसिनाटी ओपन के सेमी फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना रूस के दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने हमवतन आंद्रे रूबलेव को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी जिन्होंने इस हफ्ते रोजर फेडरर को हराया था। फ्रांस के रिचर्ड गास्केट ने छह साल में मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहली जीत हासिल की। उन्होंने 2013 में मियामी में मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इस तरह गास्केट ने रोबर्टो बतिस्ता अगुट को 7-6, 3-6, 6-2 से शिकस्त देकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। गास्केट अब फाइनल में जगह बनाने के लिए 16वें वरीय डेविड गोफिन से भिड़ेंगे।

लंच तक भारत ने बनाए तीन विकेट पर 89 रन

अभ्यास मैच

कूलिज (एंटीगा), 17 अगस्त (भाषा)।

केएल राहुल अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए जबकि कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे अंजिक्य रहाणे केवल छह गेंद तक ही क्रीज पर टिक सके। इससे भारत ने वेस्ट इंडीज 'ए' के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को लंच तक 89 रन पर तीन विकेट गंवा दिए।

राहुल ने 46 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाए और मयंक अग्रवाल (12) के साथ पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। भारत ने हालांकि 16 रन के अंदर इन दोनों के अलावा रहाणे (एक) का भी विकेट गंवाया। लंच के समय टैस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा 16 और वनडे में शानदार फॉर्म के कारण टैस्ट टीम में जगह बनाने वाले रोहित शर्मा 22 रन पर खेल रहे थे।

वेस्ट इंडीज की तरफ से तेज गेंदबाज जोनाथन कार्टर ने 24 रन देकर दो और कियोन हार्डिंग ने 32 रन देकर एक विकेट लिया है। इस मैच में सभी 16 खिलाड़ी भाग ले सकते हैं लेकिन केवल 11 ही बल्लेबाजी या गेंदबाजी कर सकते हैं। टीम की कप्तानी रहाणे संभाले रहे हैं और उन्होंने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

बजरंग के साथ दीपा मलिक भी खेल रत्न के लिए नामित

क्रिकेटर जडेजा सहित 19 को अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

रियो पैरालंपिक में रजत पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पहलवान बजरंग पूनिया के साथ शनिवार को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामित किया गया। रियो पैरालंपिक के गोला फेंक में एफ53 वर्ग में रजत पदक जीतने वाली 48 वर्षीय दीपा का नाम 12 सदस्यीय समिति ने दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन खेल रत्न पुरस्कार के लिए जोड़ा।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) मुकुंदकम शर्मा की अगुआई वाली समिति ने विश्व में 65 किग्रा में नंबर एक पूनिया को शुक्रवार को ही खेल रत्न के लिए चुन लिया था।

छह बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता एमसी मैरी कॉम ने हितों के टकराव से बचने के लिए बैठक में हिस्सा नहीं लिया। उनके निजी कोच छोटेलाल यादव द्रोणाचार्य पुरस्कार की दौड़ में शामिल थे। समिति ने 19 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए भी चुना है। इसमें क्रिकेटर रविंद्र जडेजा और पूनम यादव, ट्रैक एवं फील्ड के एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर, मोहम्मद अनस और स्वप्ना बर्मन, फुटबॉलर गुरप्रीत सिंह संधू, हॉकी खिलाड़ी चिंगलेनसना सिंह कांगुजाम और निशानेबाज अंजुम मुदगिल शामिल हैं।

दिशानिर्देशों के अनुसार पुरस्कार की पात्रता के लिए एक खिलाड़ी का पुरस्कार वाले वर्ष में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन होना जरूरी है। इसके साथ ही उसमें नेतृत्वक्षमता, खेल भावना और अनुशासन के गुण भी होने अनिवार्य हैं। पैनल ने तीन नामों को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए नामित किया है जिनमें पूर्व बैंडमिंटन स्टार विमल कुमार भी शामिल हैं। इसके अलावा तीन नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत) के लिए भेजे गए हैं।

दीपा मलिक ने रियो पैरालंपिक के गोला फेंक में एफ53 वर्ग में रजत पदक जीता था।

विश्व में 65 किग्रा में नंबर एक पूनिया को शुक्रवार को ही खेल रत्न के लिए चुन लिया था।

मैरी कॉम ने खेल पुरस्कार समिति की बैठक से खुद को अलग किया

नई दिल्ली, 17 अगस्त (भाषा)।

एमसी मैरी कॉम ने हितों के टकराव के कारण खुद को द्रोणाचार्य पुरस्कार चयन समिति की शनिवार को हुई बैठक से अलग कर लिया। उनके कोच छोटेलाल यादव इस पुरस्कार की दौड़ में हैं। चयन पैनल में छह बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता के शामिल होने से सवाल उठ रहे थे। क्योंकि, पुरस्कार के दावेदारों में उनके कोच भी शामिल थे। मैरी कॉम ने हालांकि खुद को चयन प्रक्रिया से अलग करने का फैसला किया।

इस चयनसमिति में मैरी कॉम के अलावा पूर्व फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया, लंबी कूद की पूर्व धावक अंजू बॉबी जॉर्ज, महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा और टेबल टेनिस टीम के कोच कमलेश मेहता शामिल थे।

छोटेलाल के अलावा भारतीय मुक्केबाजी संघ ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता गौरव बिधूड़ी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल के नामों की सिफारिश अर्जुन पुरस्कारों के लिए की है। संध्या गुरुंग और शिव सिंह के नामों को भी द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए भेजा था।

दोबारा मुख्य कोच चुने गए रवि शास्त्री | **संकल्प** | कपिल देव की अगुवाई वाली सीएसी ने चुना

टीम को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रहेगी : शास्त्री

कूलिज (एंटिगा), 17 अगस्त (भाषा)।

भारतीय टीम के दोबारा कोच बने रवि शास्त्री ने कहा कि उनकी कोशिश बदलाव के दौर से गुजर रही टीम को बेहतर बनाने की होगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान टीम प्रयोग करने से पीछे नहीं हटेगी। शास्त्री को शुक्रवार को कपिल देव की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने दूसरी बार टीम के मुख्य कोच के लिए चुना। शास्त्री की उम्र 57 साल है और बीसीसीआइ संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय टीम के कोच की उम्र 60 साल से कम होनी चाहिए। ऐसे में शास्त्री के पास टीम के साथ यह आखिरी मौका होगा।

2023 विश्व कप में अभी काफी समय है और 2021 टी-20 विश्व कप जीतना टीम के लिए आशावादी लक्ष्य हो सकता है। शास्त्री ने कहा कि अगले दो साल हमें यह देखना होगा कि बदलाव का दौर ठीक से गुजरे क्योंकि टीम में कई युवा खिलाड़ी आएंगे। खासकर एक दिवसीय प्रारूप में, इसके साथ टैस्ट टीम में भी कुछ युवा आएंगे। भारतीय टीम के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा कि आपको तीन-चार गेंदबाजों की पहचान करनी होगी ताकि उन्हें पूल में जोड़ा जा सके। यह एक चुनौती है। मैं चाहूंगा कि 26 महीने के अपने कार्यकाल के बाद ऐसी विरासत छोड़कर जाऊं जहां टीम खुश रहे।

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में यह टीम ऐसी विरासत बनाएगी जो काफी कम टीमों ने किया होगा। सिर्फ मौजूदा खेल के समय नहीं बल्कि खेल के बाद भी। भारतीय कोच ने कहा कि हम सब की ऐसी चाहत है और हम उसमें आगे बढ़ रहे हैं। सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है। टीम में जिस तरह के युवा आ रहे हैं मुझे लगता है कि आने वाला समय काफी रोचक होने वाला है। जब आप सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करते हैं तो आप हर दिन अपना स्तर ऊंचा करने की कोशिश करते हैं। आपको सभी बारीकियों पर ध्यान देना होता है। जब आप अच्छा नहीं करते हैं तब आपको उस बाधा को पार करने पर ध्यान देना होता है।

शास्त्री की उम्र 57 साल है और बीसीसीआइ संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय टीम के कोच की उम्र 60 साल से कम होनी चाहिए। ऐसे में शास्त्री के पास टीम के साथ यह आखिरी मौका होगा।

2023 विश्व कप में अभी काफी समय है और 2021 टी-20 विश्व कप जीतना टीम के लिए आशावादी लक्ष्य हो सकता है।

शास्त्री को भारत में 2021 में होने वाले टी-20 विश्व कप तक (लगभग दो साल) के लिए कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने पिछले दो साल के प्रदर्शन का आकलन करते हुए उसे शानदार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन साल टीम ने शानदार तरीके से निरंतर प्रदर्शन किया। लेकिन जैसा की मैंने कहा है उन्होंने एक स्तर बना लिया है और अब उस स्तर से ऊपर उठना होगा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई दूसरा तरीका नहीं है आपको पूरी कोशिश करनी होगी। इस कोशिश में कई बार नतीजे आपके अनुकूल नहीं होंगे, कई बार आपको नहीं पता होता है कि सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन क्या होगा। ऐसा भी समय होगा जब आप युवाओं को मौका देंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि टीम संयोजन सही बने, आपको हर चीज में सुधार करना होगा। शास्त्री ने मौजूदा टीम की क्षेत्ररक्षण में सुधार पर जोर दिया।

विश्व यूथ चेस चैंपियनशिप की मेजबानी मुंबई को

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 17 अगस्त।

भारत के उभरते हुए खिलाड़ी और विश्व के दूसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर प्रगानानांथा आर अक्तूबर में मुंबई में शुरू हो रही विश्व यूथ चेस चैंपियनशिप में आकर्षण का केंद्र होंगे। चेन्नई के रहने वाले 14 साल के प्रगानानांथा छह विश्व चैंपियनों से युक्त टीम की अगुआई करेंगे। विभिन्न आयु वर्ग में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट एक से 13 अक्तूबर के बीच आयोजित किया जाएगा। बालिकाओं में नागपुर की दिव्या देशमुख भारतीय चुनौती को संभालेंगी। विश्व भर की प्रतिभा इस चैंपियनशिप में तीन वर्गों अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-18 में भाग लेगी।

आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ परिणय फुके ने कहा कि भारत के लिए यह सम्मान की बात है। हम यहां अलग-अलग आयु वर्ग में कम से कम छह विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के आने की उम्मीद कर रहे हैं। हमारी कोशिश इस टूर्नामेंट को भारत का सबसे बड़ा शतरंज टूर्नामेंट बनाने की है।

ऑल मराठी चेस फेडरेशन द्वारा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के झंडे तले आयोजित की जाने वाली इस चैंपियनशिप में अभी तक 62 देशों ने हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। वहीं आने वाले कुछ सप्ताह में कुछ और देश इसमें शामिल हो सकते हैं। पवाई के रेनेसेंस होटल में आयोजित की जाने वाली इस शतरंज प्रतियोगिता में रूस, अमेरिका, फ्रांस, इटली और अजरबेजान जैसे शतरंज के दिग्गज देश हिस्सा ले रहे हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 273 , *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता रविवारी

Jion @NewspapersToday

• 18 अगस्त, 2019 •

गदर की निशानियां

अंग्रेजी हुकूमत के विरोध में शुरू हुए देश के पहले जन विद्रोह के गवाह बने स्थल और ऐतिहासिक इमारतें तो लगभग हर उस शहर में मिल जाएंगी, जहां आजादी के दीवानों ने अंग्रेजों से मोर्चा लिया, लेकिन उन सभी जगहों पर पहुंचना मुश्किल है। कुछ जगहों को पर्यटन विभाग ने सहेजा और कुछ को सुधारने का काम किया। बावजूद इसके कई ऐसे निशान सहेजने से छूट गए, जो आजादी की पहली लड़ाई की याद दिलाते हैं। चाहे वह किसी क्रांतिकारी की समाधि हो या फिर वह स्थल जहां क्रांतिकारी इकट्ठा होकर रणनीति बनाया करते थे। इसके अलावा उन जगहों को संजोना जरूरी है जहां किसानों और मजदूरों ने अपने-अपने इलाके और गांवों में विद्रोह की ज्वाला जलाई थी। इस गदर के गवाह रहे देश भर के स्थलों को एक गदर पर्यटन के नक्शे पर लाया जा सकता है। पेश है गदर के सफर पर गजेंद्र सिंह की रिपोर्ट।

मेरठ

क्रांतिकारी और अंग्रेजी शासन में सिपाही रहे मंगल पांडे को बगावत के जुर्म में 8 अप्रैल, 1857 को पश्चिम बंगाल की बैरकपुर छावनी में फांसी दी गई। इसके बाद देश भर में लोगों के अंदर गुस्सा उबलता रहा। उसके ठीक एक माह बाद 10 मई, 1857 को कारतूस को लेकर मेरठ में बगावत की शुरुआत हुई। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज मोदीनगर में इतिहास विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केके शर्मा बताते हैं कि अंग्रेजी शासन की तीसरी अश्वारोही सेना की टुकड़ी ने, जिसमें भारतीय शामिल थे, कारतूस को लेकर आपत्ति जताई। नब्बे सैनिक इस टुकड़ी में शामिल थे, जिसमें से पचासी ने अंग्रेजों की बात मानने से इनकार कर दिया। इनका कोर्ट मार्शल हुआ और मेरठ की उस समय की जेल 'सूरजकुंड' में नौ मई को बंद कर दिया गया। यह बात जब आग की तरह फैली तो विरोध शुरू हो गया। प्रोफेसर शर्मा बताते हैं कि इनको छुड़ाने के लिए कई भारतीय जेल तक पहुंच गए। वहां लड़ाई हुई और जेल को तोड़ दिया गया। मोटी-मोटी लोहे की बेड़ियों में जकड़े पचासी सैनिकों को लोगों ने आजाद कराया, जो असल मायने में आजादी थी। यह सूरजकुंड जेल 1857 की उस लड़ाई की शुरुआत की गवाह है, जो अब मेरठ विश्वविद्यालय के अधीन है और विक्टोरिया पार्क के नाम से जाना जाता है। यहां स्मारक बनाया गया है, लेकिन पर्यटन विभाग ने इसे नहीं संजोया है। शर्मा बताते हैं कि यह स्मारक केवल 1857 की क्रांति से नहीं, बल्कि स्वाधीनता आंदोलन के दौरान 1947 में कांग्रेस के अंतिम अधिवेशन का भी गवाह बना। जहां आजाद भारत का एजंडा पास किया गया। मौजूदा समय में यह एक बड़ा मैदान है, जहां खेलकूद होता है। मगर इसमें याद के तौर पर सिर्फ एक स्मारक दिखाई पड़ता है। दो पत्थर लगे हैं, जिन पर जेल संग्राम में मारे गए पचासी सैनिकों के नाम लिखे हैं। प्रोफेसर शर्मा बताते हैं कि उन पचासी लोगों में आधे हिंदू और आधे मुसलिम क्रांतिकारी थे।

इसी तरह मेरठ कैंट में स्थित सेंट जॉन चर्च उत्तर भारतीयों का पहला चर्च माना जाता है, जो 1819 में बना था। यहां रविवार को प्रार्थना सभा होती थी और उसी दिन क्रांतिकारियों ने हमला किया था। कई अंग्रेज मारे गए थे। प्रोफेसर शर्मा बताते हैं कि पहले चर्च में हथियार ले जाने का कोई आदेश नहीं था, लेकिन इस कांड के बाद चर्च में अंग्रेज अपने साथ बंदूक ले जाने लगे और वहां मेज में बंदूक रखने के लिए एक विशेष जगह भी बनाई गई गई। यह आज भी उस चर्च में मौजूद है।

बागपत

मेरठ से बागपत में भी आजादी की चिंगारी पहुंची और यहां के किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। उस समय किसानों के नेता शाहमल ने इस लड़ाई का नेतृत्व किया। प्रोफेसर केके शर्मा बताते हैं कि अंग्रेजों के दस्तावेजों से इस गांव का पता चलता है। बागपत के बसोद गांव में मुसलिम बहुल आबादी थी। यहां अंग्रेजों ने खाकी रिसाला फौज बनाई थी। गांव और अंग्रेजों के बीच हुई लड़ाई में एक सौ अस्सी गांव वाले मारे गए। इस गांव के इतिहास को समेटने में नाकाम रहे पर्यटन विभाग को 2008 में इसकी याद दिलाई गई। प्रोफेसर शर्मा बताते हैं कि लोगों के सहयोग से इस गांव को क्रांति ग्राम का नाम दिया गया और बड़ी लड़ाई के बाद शाहमल का पाठ एनसीईआरटी की किताब में शामिल कराया गया। उस समय के तत्कालीन पर्यटन मंत्री ने दिलचस्पी दिखाते हुए गांव में द्वार भी बनवाया। शर्मा

बताते हैं कि शाहमल और अंग्रेजी सेना के बीच लड़ाई बड़का गांव में हुई। यहां शाहमल शहीद हुए। उस स्थल को खोज कर लोगों की मदद से यहां पत्थर लगाया गया।

दिल्ली

12 मई, 1857 को दिल्ली में शुरू हुई लड़ाई 20 सितंबर को हुमायूं के किले में बहादुर शाह जफर के गिरफ्तार होने तक चली। इस दौरान दिल्ली में जगह-जगह सैकड़ों लोग मारे गए और खून ही खून दिखा। दिल्ली में वैसे तो लाल किला से लेकर जंतर मंतर और अन्य स्थल पर्यटन विभाग ने काफी संभाल कर रखे हैं लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिनको संवारने की बात कही गई है। दिल्ली में ही कश्मीरी गेट और हिंदू राव अस्पताल 1857 की लड़ाई के प्रमुख स्थल हैं। कश्मीरी गेट की हालत सही नहीं है और हिंदू राव अस्पताल को उत्तरी नगर निगम प्रशासन ने संभाल रहा है जो काफी बड़ा है। यहां कई ऐतिहासिक चीजें देखने को मिलती हैं लेकिन इनका रखरखाव सही नहीं है। दिल्ली विश्वविद्यालय में रग्बी स्टेडियम के पास ही खूनी खान झील नाम से एक स्थल है। यहां कई अंग्रेज सैनिकों के अलावा भारतीय महिलाएं और बच्चे मारे गए थे। इसे खूनी झील के नाम से जानते हैं, लेकिन दिल्ली के बाहर से आने वालों को इसके बारे में कम जानकारी है। दिल्ली सरकार ने काफी पहले इसे संवारने का काम शुरू किया था, लेकिन फिर भी चर्चित नहीं है। इसी तरह तीन राज्याभिषेक के गवाह रहे कॉरनेशन पार्क, म्यूटिनी मेमोरियल, बारादरी, भूली भटियारिन का महल और शालीमार बाग कुछ ऐसी विरासतें हैं, जिनके बारे में लोगों को कम पता है। लेकिन ये भी किसी न किसी रूप में 1857 की लड़ाई से जुड़े हुए हैं।

लखनऊ

ब्रिटिश राज में जो दुर्दांत सेनानायक माने जाते हैं उनमें जनरल नील, मेजर हडसन, हेनरी लारन्स और कोलिन कैंपवेल में से तीन लखनऊ में ही मार दिए गए थे। इनको मारा था लखनऊ की जनता ने। लखनऊ में स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई के साक्षी रेजीडेंसी (जिसे बेली गारद भी कहते हैं) से सभी वाकिफ हैं। वहां क्रांतिकारियों का पूरा कब्जा 30 जून, 1857 से 25 सितंबर, 1857 तक लगभग तीन महीने (86 दिनों) तक रहा। इसमें यूरोपीय परिवार एक पिंजरे की तरह बंद हो गए थे। 'आपका लखनऊ' किताब लिखने वाले इतिहासकार योगेश प्रवीण बताते हैं कि कोलिन कैंपिबेल की मददगार सेना ने कानपुर से लखनऊ आकर उन्हें कारागार से मुक्त कराया था। इस बीच बेली गारद में 20 जुलाई, 10 अगस्त, 8 सितंबर और 20 सितंबर 1857 को घमासान लड़ाइयां लड़ी गईं। रेजीडेंसी की आखिरी जंग 17 नवंबर को लड़ी गई। योगेश प्रवीण बताते हैं कि रेजीडेंसी को सरकार देखती है, लेकिन जितना उसका हक है उतना रखरखाव नहीं किया जाता। कामचलाऊ काम हो रहा है, जबकि यहां विदेशी पर्यटक आते हैं। इतिहासकार रवि भट्ट बताते हैं कि यह सभी को पता है कि रेजीडेंसी अंग्रेजों की अपनी टाउनशिप थी। वहां पड़े गोला बारूद के निशान ही उसे जीवंत बनाते हैं। इसके अलावा लखनऊ में ऐसी कई जगहें हैं जहां 1857 के सबूत मिलते हैं और यादें जुड़ी हुई हैं। रवि भट्ट बताते हैं कि भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, जो महात्मा गांधी मार्ग हजरतगंज में स्थित है, उसे तारे वाली कोठी के नाम से जाना जाता था। यहां फैजाबाद के मौलवी और तमाम लोग मोर्चे से जुड़ी रणनीति बनाते थे। हालांकि इस जगह को बैंक प्रशासन द्वारा रखरखाव किया जाता है, यहां इस याद में पत्थर भी लगा है। लखनऊ का लामाटिनियर गर्ल्स कॉलेज अंग्रेजों का अधिकारी मेस हुआ करता था। आज यह एक कॉलेज प्रशासन के अंतर्गत है, यहां फिल्मों की शूटिंग होती रहती है।

इसी तरह हजरतगंज का जनपथ मार्केट बेगमों की कोठी थी। 1977 में विलियम हडसन द्वारा गिरा कर इसे बाजार बनाया गया। यह वही हडसन था, जिसने बहादुर शाह जफर के लड़कों को मारा था। इतिहासकार योगेश प्रवीण बताते हैं कि लखनऊ के तमाम इलाके जैसे कोठी आलमबाग, चक्कर वाली कोठी, मारकीन कोठी, खुर्शीद मंजिल, मोती महल, दिलकुशा बाग, सिकंदर बाग और अन्य उस दौर में जैसे पानीपत बन गए थे। इन जगहों पर कब्र बनाई गई है। यह आज भी दर्शनीय स्थल है। योगेश बताते हैं कि 30 जून, 1857 में लखनऊ के चिनहट में इस्माइलगंज मस्जिद से युद्ध शुरू हुआ था, जिसमें अंग्रेजों को क्रांतिकारियों ने मात दी थी। हालांकि इसका कोई निशान अब इस्मालगंज में नहीं दिखता सिवाय कब्र के। बेगम हजरत महल के प्रमुख सेनापति राज जयलाल सिंह, नसरत जंग को कैप्टन आर. साहब की हत्या के जुर्म में फांसी दे दी गई थी। उनका शव सुपुर्द-ए-आतिश न करके अंग्रेजों ने वहीं जमीन में दबा दिया था, आज वहां स्मारक बनाया गया है और पार्क है।

कानपुर में जनरल नील ने निर्दोष जनता का कत्लेआम किया था। उसे 25 सितंबर 1857 में लखनऊ की जनता ने शेर दरवाजे के करीब मार गिराया। अंग्रेजों ने इसे नील गेट का नाम दिया, जबकि लखनऊ वाले इसे शेर दरवाजा कहते हैं। नील की कब्र रेजीडेंसी में है। मेजर हडसन को लखनऊ वालों ने 11 मार्च, 1858 को बेगम कोठी में जख्मी कर दिया और कोठी हयात बख्श, जो आज का राजभवन है, में उसे रखा गया था और वहीं उसने दम तोड़ा था। उसकी कब्र भी बेरी गारद में है। लखनऊ में स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से ही मौलवीगंज और दुर्गविजयगंज सरीखे मोहल्ले हैं।

बरेली

बरेली और इसके आसपास का क्षेत्र क्रांति की इस पहली लड़ाई में बराबर का हिस्सेदार रहा। यहां खान बहादुर खान ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। एक बारगी तो उन्होंने बरेली में सत्ता भी संभाल ली थी, लेकिन कुछ समय बाद ही गिरफ्तार कर लिए गए। खान साहब को बरेली कैंट में रखा गया था। कैंट से पैदल कोतवाली लाया गया और यहां फांसी दे दी गई। जिस जगह खान साहब को फांसी दी गई, वहां आज सबूत के नाम पर कुछ नहीं है। एक बाजार है और वहां बीच में एक पार्क बना दिया गया है, जिसमें बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा लगी है और लोग इसे आंबेडकर के नाम से ही जानते हैं। बेहद छोटे पार्क में कभी-कभी कोई सभा या सांस्कृतिक आयोजन हो जाता है। बरेली के इतिहास पर किताब लिखने वाले सुधीर विद्यार्थी बताते हैं कि यहां कमिश्नरी में बरगद के पेड़ पर ढाई सौ क्रांतिकारियों को एक साथ फांसी की सजा दी गई थी। इसके बावजूद न तो इसे विरासत घोषित किया गया और न ही संरक्षित किया गया। अब वह पेड़ भी नहीं रहा इसलिए नया पेड़ लगाया गया है। यहां एक कीर्ति स्तंभ जरूर क्रांति के दीवानों की याद दिलाता है। जिस जिला जेल में खान बहादुर खान की कब्र है उसे सुधीर विद्यार्थी और इनसे जुड़े लोगों के प्रयास से जेल के बाहर किया गया, ताकि लोग देख सकें। मगर सुधीर बताते हैं कि उस कब्र को लोगों ने मजार की शक्ल दे दी है, जो गलत है। खान बहादुर खान मेमोरियल सोसाइटी ने इसे हरा रंग कर दिया था, जिससे लोगों के जेहन में कब्र खान बहादुर खान की न होकर किसी आम की कब्र हो गई।

फतेहपुर

फतेहपुर में 28 अप्रैल, 1858 को ब्रिटिश सेना द्वारा बावन स्वतंत्रता सेनानियों को एक इमली के पेड़ पर फांसी दे दी गई थी। यह इमली का पेड़ अब भी मौजूद है। यह जगह बिंदकी उपखंड में खजुहा कस्बे के निकट है। रसूलपुर गांव के निवासी जोधा सिंह अटैया को उनके इक्यावन क्रांतिकारियों के साथ फांसी पर लटका दिया गया था। 1857 की क्रांति की याद संजोए इस स्थल को केवल स्थानीय लोगों की कोशिश और कुछ जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यहां यादों से जुड़े प्रतीक नजर आ जाते हैं। कुछ राशि भी खर्च की गई है, लेकिन वह नाकाफी है। इतिहासकारों के मुताबिक 4 फरवरी, 1858 को जोधा सिंह अटैया पर ब्रिगेडियर कार्थयु ने विफल आक्रमण किया। साहसी जोधा सिंह अटैया को सरकारी कार्यालय लूटने और जलाए जाने के कारण अंग्रेजों ने डकैत घोषित कर दिया था। जोधा सिंह ने 27 अक्तूबर, 1857 को महमूदपुर गांव में एक दरोगा और एक अंग्रेज सिपाही को मार डाला था। जोधा सिंह को 28 अप्रैल, 1858 को अपने साथियों के साथ लौटने की सूचना एक मुखबिर द्वारा कर्नल को मिली थी, जिसके आधार पर उन्हें पकड़ कर बंदी बना लिया और सभी को उस इमली के पेड़ पर फांसी दे दी थी। अंग्रेजों की दहशत इतनी थी कि इनके शव तक नहीं उतारे गए थे। चार जून की रात रामपुर निवासी ठाकुर महराज सिंह अपने सशस्त्र साथियों के साथ वहां आए और उन्होंने सभी को उतार कर शिवराजपुर गंगा घाट में अंतिम संस्कार किया। ■

शाहजहांपुर

बरेली से जुड़े जिले शाहजहांपुर में भी 1857 के कई साक्ष्य मौजूद हैं। सुधीर विद्यार्थी बताते हैं कि यहां सीतापुर अस्पताल के पास जली कोठी थी, जिसमें नाना साहेब आकर ठहरे थे। इसकी सूचना हामिद

यहां भी है कुछ गुमनाम इतिहास

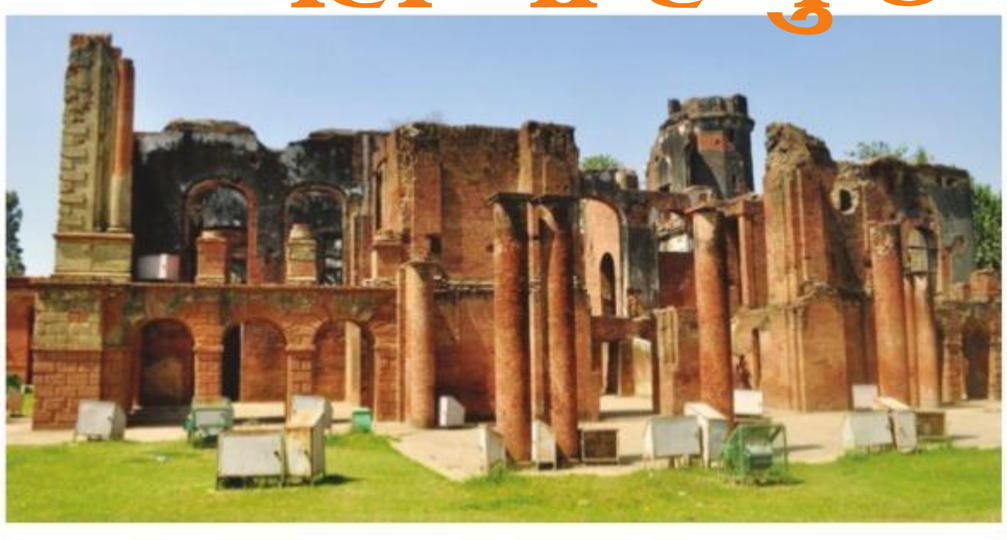

क्रांति की लड़ाई में झांसी की रानी, कानपुर के नाना साहेब, तात्यां टोपे, इलाहाबाद के लियाकत अली से लोग वाकिफ हैं। इनके योगदान को इन शहरों में काफी हद तक संजो कर रखा भी गया है। इसके अलावा 1857 में क्रांति की मशाल ब्रज में भी जली। विद्रोह में शामिल राया के राजा देवी सिंह ने मथुरा में अंग्रेज अफसरों को हिला कर रख दिया था। जिला मुख्यालय से करीब चौदह किमी दूर स्थित कस्बा राया है। यहां अचरू लधौरा के देवी सिंह ने साथियों के साथ मिल कर एक दल बनाया। अपने सैनिकों के साथ उन्होंने सरकारी दफ्तर, इमारत, पुलिस चौकियां, बंगलों को आग लगा दी थी। कलक्टर थॉर्नहिल जान बचा कर भरतपुर भाग गया। उनकी वीरता की बात बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली के राजा बहादुर शाह जफर को बताई। राजा ने लिखित सनद देकर उन्हें ब्रज क्षेत्र का राजा घोषित किया। इससे परेशान ब्रिटिश हुकूमत ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए कोटा और ग्वालियर से फौज बुलाई। कलक्टर हिल ने कोटा की फौज आने के बाद कैप्टन डेनिश के साथ मिलकर अभियान चलाया और स्वतंत्र शासक देवी सिंह को पकड़ लिया। 29 जून को उन्हें सहयोगी के साथ राया में थाने के पीछे एक वटवृक्ष से फंदे पर लटका दिया गया। कई पुस्तकों में इसका उल्लेख है लेकिन राजा की स्मृतियों का स्मारक बदहाल है। जहां उन्हें फांसी पर लटकाया गया था, वहां एक पार्क बना है, लेकिन वह उपेक्षित है।

शाहजहांपुर की पुवायां तहसील का किस्सा सुधीर विद्यार्थी बताते हैं: मोहम्मदी में पुवायां के राजा जगन्नाथ सिंह के घर अंग्रेज छिपे थे। मौलवी साहब, जिन्होंने लखनऊ की सत्ता संभालने से इनकार कर दिया था, हाथी पर चढ़ कर गए और अंग्रेजों को निकालने के लिए कहा। बाद में उन्होंने फाटक तुड़वा दिया। लेकिन अंगरक्षकों ने मौलवी को मार गिराया। उनका सिर काट कर राजा ने डीएम को भेंट किया था, उस समय डीएम ने रुहेलखंड के कमिश्नर को पत्र लिख कर पचास हजार रुपए इनाम दिलवाया था राजा को। मौलवी का सिर काट कर दहशत के लिए पेड़ पर लटका दिया गया। उनकी भी यहां केवल मजार बनाई गई है। इसके अलावा फर्रुखाबाद में नवाब तफज्जुल हुसैन को फांसी दी गई थी। जलालाबाद में भी लड़ाई से जुड़े साक्ष्य हैं। यहां के महल का कुछ हिस्सा नगरपालिका कार्यालय बना हुआ है। ■

शरणागत

चित्र: नरेंद्र नागदेव

कहानी

योगेश दीक्षित

हर आतंकवादी घटनाओं से आक्रांत था। जब तब घटनाएं घटती रहतीं। कभी पुलिस पर हमला होता, तो कभी निर्दोष नागरिकों पर। जीना मुश्किल हो गया था। शाम गहराते ही लोग घर में कैद हो जाते। रातें सहमते हुए गुजरतीं, पता नहीं कब कौन राइफल लेकर आ जाए।

वे श्रीनगर में पोस्टिंग पर अभी दो माह पूर्व आए थे। जम्मू में बड़े सुकून से थे, खतरा वहां बहुत कम था, हिंदू आबादी भी बहुत थी। अलगाववादी गतिविधियां कम थीं, लेकिन श्रीनगर की स्थिति बिल्कुल विपरीत थी। फिदायीन हमलों से शहर का कोना-कोना अशांत था। कोई दिन ऐसा न जाता जब दुर्घटना नहीं घटती। मासूम बच्चों और महिलाओं को भी ए नहीं छोड़ते। देश को आजाद हुए सत्तर वर्ष हो गए। कितनी सरकारें बनीं, कितनी गिरीं, कितना विकास हुआ, कितना विनाश, इसका लेखा-जोखा उनके दिमाग में था। फिर भी अपेक्षाकृत विकास ज्यादा हुआ था। सड़कों का जाल बिछा, रेल लाइनों की लंबाई बढ़ी, अस्पताल और शिक्षण संस्थाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई, आर्थिक प्रगति हुई, उत्पादन बढ़ा, लेकिन सांप्रदायिक दंगे नहीं रुके। धर्म-जाति और वैमनस्यता का जहर समाज में घुलता रहा। अलगावादी शक्तियां एकजुटता पर निशाना साधती रहीं।

विकास का रथ, जो नेताओं ने दौड़ाया वह बढ़ तो रहा है, लेकिन दहशतगर्दी कम नहीं कर सका। आगजनी, पत्थरबाजी पर लगाम नहीं लगी। दोस्ती के पैगामों पर भी वार हुए। इसे हम विफलता कहें या अकर्मण्यता... देश धधकती ज्वालाओं के कगार पर खड़ा है।

स्वाधीन भारत के मुकुट पर निर्दोषों के रक्त के छींटे उन्हें भाव विह्वल कर देते हैं। आदमी इतना निष्ठुर, दानव कैसे हो सकता है आदि विचार उनके मस्तिष्क में उमड़ रहे थे कि एकाएक दरवाजे की कुंडी बजी। वे आशंकित हो गए, इतनी रात गए कौन हो सकता है! पीछे कमरे में पत्नी और बेबी सो रही थीं। वे आहिस्ता से उठे कि देखें कौन हैं, लेकिन दरवाजा खोलने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। वे वापस बिस्तर पर बैठ गए... तभी दरवाजा जोर से भड़का। वे कंपकपा उठे... जरूर आतंकवादी है। अंदर से पत्नी की आवाज आई, देखो कौन है...।

'मैं नहीं देखता, तू देख...।'

दरवाजा पुनः भड़का। बेबी जाग गई, 'पापा कौन दरवाजा भड़का रहा है?'

'पता नहीं बेटा।' उनका दिल धड़क उठा।

तभी पहचानी-सी आवाज सुनाई दी, 'दरवाजा खोलो मम्मी...।'

'अरे, यह तो राहुल है!' उन्होंने निश्चिंतता की सांस ली और दरवाजा खोला।

'इतनी देर क्यों लगाई पापा... कब से कुंडी बजा रहा हूं।' अंदर आते हुए राहुल बोला।

'न कोई फोन, न चिट्ठी अचानक कैसे?'

'पापा दुकान में आग लग गई।'

'क्या! जम्मू में भी आतंकवादी?'

'आपको तो हर जगह आतंकवादी दिखते हैं पापा! आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। फायर बिग्रेड वाले जल्दी नहीं आते, तो बहुत बड़ा नुकसान हो जाता।... आग पर जल्दी काबू पा लिया गया, ऊपर नहीं फैल पाई।'

'तेरे को तो कुछ नहीं हुआ? बहू, बंटी कैसे हैं?' मां ने बेटे की बलैयां उतारते हुए पूछा।

'मां सब कुशल से हैं। आग बड़े सुबह लगी, जैसे ही दूकान खोली आग की लपटें देखी, तुरंत फायरबिग्रेड को फोन किया।

'नुकसान तो बहुत हो गया होगा?'

'इलेक्ट्रिक का सामान और शोकेस ही जला है। अलमारियां बच गईं।'

'चलो कोई बात नहीं, चल अंदर आराम कर, थक गया होगा... खाना खाया कि नहीं?'

'मैं खाकर आया हूं।' कह राहुल अंदर चला गया। वे दीवान पर लेट गए।

राहुल और बेबी उनकी दो संतानें थीं। बेबी को वे अपने साथ ले आए थे। उसका स्कूल में दाखिला करा दिया था। राहुल की जम्मू में इलेक्ट्रिक दुकान थी। उसके एक नन्ही-सी बच्ची थी, जिसकी चिंता उन्हें लगी रहती थी।

राहुल दो दिन रुक कर चला गया। उसकी बिल्कुल इच्छा नहीं थी कि पापा श्रीनगर में नौकरी करें। उसे मम्मी पापा की चिंता लगी रहती थी। उसने पापा को वीआरएस लेने की सलाह भी दी थी। मगर वे अपने फैसले पर अडिग रहे। नौकरी के दो वर्ष ही बचे थे, वे पूरी नौकरी कर रिटायर होना चाहते थे, इसलिए उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी। वे सजग, कर्तव्यनिष्ठ, शासकीय सेवा में लगे रहे। उन्होंने जम्मू हेडक्वार्टर में उच्च अधिकारी से आग्रह भी किया था कि उनकी सेवा के मात्र दो वर्ष शेष हैं, उन्हें जम्मू में रखा जाए। मगर उच्च अधिकारी ने इनकार कर दिया। बोले, राज्य शासन का आदेश है, वे कुछ नहीं कर सकते। विवश होकर उन्हें श्रीनगर आना पड़ा।

शहर के एक छोर पर उन्हें किराए का मकान मिला, जो उन्हें अशांत ही किए रहा। हनुमान चालीसा पढ़ते उनकी दिनचर्या शुरू होती और कालीमंत्र पढ़ते वे सोते।

सुबह का अखबार जब उनके हाथ लगता तो अंदर का दर्द छलक उठता, नजरें जम-सी जातीं। डकैती, अपहरण की खबरें उन्हें विचलित कर देतीं। वे सोचते, आतंकवादियों को क्या मिलता है निर्दोषों की हत्या करते, मासूमों को रौंदते, महिलाओं का अपहरण करते।

यह कैसा धर्म, यह कैसी इबादत है जो मनुष्य को मनुष्य न समझे। ऐसी बर्बरता तो उन्होंने इतिहास के पन्नों में भी नहीं पढ़ी थी। जो घट रहा था मनुष्यता से परे था, जानवरों से बदतर था। इसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए कम है, लेकिन उनकी सोच से क्या होता है। यह तो विनाश काले विपरीत बुद्धि...।

आज अट्ठावन वर्ष की अवस्था में वे जिस शांति और निर्भीकता से शासकीय सेवा करना चाहते थे, उसमें भी उन्हें भय दिख रहा था। असुरक्षा की भावना उन्हें जंजीरों से जकड़े थी; नौकरी के शेष दो वर्ष उन्हें काल-सर्प से लग रहे थे। पूरा कर पाते हैं कि नहीं, यह चिंता उन्हें सताती रहती।

किसी तरह असमंजस की स्थिति में एक वर्ष बीत गया। यह साल बीत जाए, यही उनकी प्रार्थना थी, लेकिन समय को कोई नहीं जानता। अकसमात वे विषम स्थिति में फंस गए। जो भय उन्हें सताता रहता था वह घटित हो ही गया।

वे खाना खाकर लेटे ही थे कि पीछे की खिड़की तोड़ कर तीन आतंकवादी घर में घुस आए। उनकी घिग्घी बंध गई। पत्नी बेहोश होकर गिर पड़ी, बेबी भय से कंपकपाती पलंग के नीचे छिप गई। तीनों आतंकवादियों ने चेहरे पर काला कपड़ा बांध रखा था। वे हथियारों से लैश थे। बड़े खूंखार लग रहे थे। एक आतंकवादी उनके सिर पर रिवाल्वर तान कर बोला, 'निकाल माल कहां छिपा कर रखा है।'

कुछ नहीं है, हम कर्मचारी है... भाई।'

'चुप, चाबी दे...।'

'अलमारी खुली है... ले लो जो लेना हो... हमारी जान बख्शो...।'

'चल निकाल कर दे', दूसरा उन्हें धकेलते हुए बोला। वे चारपाई पर गिरते-गिरते बचे।

तीसरा आतंकवादी स्टेनगन लिए उनके सामने आया। भय से वे कंपकपा गए... हाथ जोड़ते हुए उसके पैरों में गिर पड़े। उसने उन्हें उठाया, गौर से देख कर स्टेनगन नीचे कर साथियों से बोला, छोड़ो इसे चलो...।'

वे फर्राटे से खिड़की कूद कर भाग गए।

वे अवाक खड़े रह गए... उन्होंने अपने को टटोला, दुरुस्त हैं, सचमुच बच गए। मौत तो समक्ष खड़ी थी, यह सब कैसे हुआ। समझ नहीं पाए। पत्नी अब भी बेहोश पड़ी थी, उसे जगाया। बेबी भी पलंग के नीचे से बाहर आ गई। बोली, 'पापा आपको मारा क्या?'

'नहीं बेटा, मारने तो आए थे, चले गए। भगवान ने बचा लिया।'

अगले दिन एक आतंकवादी सैनिक के भेस में पुनः उनके घर आया, वे घबड़ा गए। हाथ जोड़ कर बोले, 'भाई हमारी जान बख्शो, कल ही हम लोग यह शहर छोड़ देंगे।'

'आप कहीं नहीं जाएंगे, यही रहेंगे।'

'नहीं, मैं नहीं रुक सकता। मुझे माफ करो भाई, सुबह ही मैं यह घर छोड़ दूंगा।'

' मैंने कहा न, कहीं जाने की जरूरत नहीं। आप यहां आराम से रहिए।'

'यह कैसी सजा दे रहे हो, मेरे छोटे बच्चे हैं, परिवार है, रहम करो...।'

'कुछ नहीं होगा... बाबू मुझे पहचाना नहीं', चेहरे से काला कपड़ा हटाते हुए, वह बोला, 'मैं समीर...।'

'तुम समीर हो?'

'हां बाबूजी मैं आपका अहसान कैसे भूल सकता हूं आपने मेरी अम्मी को बचाया, मेरी बीवी की नौकरी लगाई। मुझे अपना फर्ज तो निभाने दो।'

वे एक क्षण उसे देखते रह गए। यह वही समीर है, जो वर्षों पहले उनके घर काम करता था, बाजार-हाट से सामान लाता था।... यह आतंकवादी कैसे? बोले, 'बेटा तुम तो सीधे-सरल थे। यह रूप तुमने कैसे धारण कर लिया?'

'लंबी कहानी है, बताता हूं। पहले मुझे चाय तो पिलाओ... मां जी के हाथों की चाय बहुत दिनों से नहीं पी।'

'अभी लाई बेटा...।' पत्नी जल्दी किचन में घुस गई।

'बाबूजी, मैं इस रास्ते पर जबर्दश्ती ढकेल दिया गया। मेरा एक मित्र शहजादा, जिस पर मैं बहुत भरोसा करता था वह अपने दिल की बात भी मुझसे करता था। मुझे नहीं पता था उसके दिल में शैतान का जहर फैला है। उसके संबंध संदिग्ध लोगों से थे। मेरे घर के कमरे में रहते हुए उसने भयानक जाल बुना, किसी को कानोंकान खबर नहीं लगी। एक दिन उसने मुझे थैला देकर स्टेशन चलने को कहा। मुझे नहीं मालूम था उस थैले में क्या है। उसके आदेशानुसार वह थैला मैंने एक दुकान पर खड़े एक व्यक्ति को दिया और जैसे ही मुड़ कर मुख्य सड़क पर पहुंचा, जोरदार धमाका हुआ। पुलिस हमें पकड़ने दौड़ी। मैं छिपता हुआ शहजादे के पास पहुंचा। पुलिस को मुझ पर शक हो गया था। पकड़े जाने के डर से मैं गिरोह में शामिल हो गया। आप तो जानते ही हैं कि कालिख की कोठरी में जो एक बार गया, उसका साबुत निकलना कितना मुश्किल है। अब तो जुल्म के इतने दाग लग गए, जो साफ हो ही नहीं सकते।

उसकी कहानी सुन कर उनका हृदय द्रवित हो गया कि कैसे एक सीधा सच्चा इंसान जुर्म की दुनिया में चला गया। एक दीर्घ श्वास लेते हुए उन्होंने कहा, 'एक रास्ता है।'

'क्या'? उत्सुकता से उसने पूछा।

'तुम आत्मसमर्पण कर दो।'

'कैसे, वे मुझे देखते ही मार देंगे।'

'नहीं... मैं बात करता हूं। तुम्हें कुछ नहीं होगा, मुझ पर विश्वास है तो मुझे अपना मोबाइल नंबर दे दो।'

'आपके लिए मेरे प्राण समर्पित हैं। मेरा नंबर नोट कीजिए।...'

उन्होंने तुरंत नंबर नोट किया। वह उनके चरण स्पर्श कर चला गया।

उसके जाने के बाद पत्नी उन पर बरस पड़ी, 'यह क्या कर रहे हो... वह समीर नहीं रहा, आतंकवादी है। अगर किसी ने उसे यहां से निकलते देख लिया, तो हम सब जेल में होंगे।'

'नहीं भाग्यवान, उसकी मदद करनी चाहिए। वह जुर्म के दलदल में फंसा है, उसे सहारे की जरूरत है।'

'तुम्हें कौन सहारा देगा... पुलिस पकड़ के ले गई, तो हम बर्बाद हो जाएंगे। क्यों इस लफड़े में पड़ते हो। ये आतंकवादी कभी किसी के सगे नहीं होते। इनके सिर पर खून सवार रहता है।'

'नहीं, वह ऐसा नहीं है। अगर उसे मारना होता, तो उसी दिन ट्रिगर दबा देता।...'

'मुझे तनिक भरोसा नहीं। चलो, सामान बांधो, अपन सुबह ही जम्मू चलते हैं।'

'नहीं, तुम बेबी के साथ चली जाओ। मैंने उसे वचन दिया है, मैं उसका आत्मसमर्पण करा के आऊंगा।'

'सठिया गए तुम... करो जो करना हो।' पत्नी रोती हुई अंदर चली गई।

वे विचार में पड़ गए कि वचन तो उन्होंने दे दिया है... उसका आत्मसमर्पण कैसे कराएं। पुलिस कहीं उसका एन्काउंटर न कर दे। वे स्वयं शक के दायरे में आ सकते हैं। पत्नी सही कहती है, जोखिम तो है।... पीछे कैसे हटें। चिंताओं के बादल मस्तिष्क पर छा गए।

तभी उन्हें अपने मित्र रुस्तमसिंह का नाम याद आया। वह आर्मी बटालियन में मेजर था। जम्मू में ही उसकी पोस्टिंग थी; वह उनका लंगोटिया यार था, वह मदद कर सकता है। यह सोच कर उन्होंने डायरी निकाली और फोन पर उंगली रखी ही थी कि अंदर से पत्नी आई और फोन झपटते हुए बोली, पहले मेरा गला घोंट दो फिर फोन करना।

वे स्तब्ध रह गए, कि यहां कुछ नहीं कर सकते। जम्मू से ही कुछ हो सकता है। इसलिए पत्नी की बात मान ली और उससे जम्मू चलने को कहा। पत्नी ने राहत की सांस ली।

सुबह होते ही वे परिवार सहित जम्मू के लिए रवाना हो गए।

जम्मू में भी उन्हें चैन नहीं मिला। समीर का चेहरा सामने झूल जाता। कहता, बाबूजी आप ही कुछ कर सकते हैं। मुझे दलदल से बाहर निकाल दीजिए। ये विचार उन्हें जीने नहीं दे रहे थे। जितना ही दूर हटते, उतने ही विचलित होते। आखिर उन्होंने रुस्तम सिंह से मिलने का फैसला कर लिया।

सुबह-सुबह उनके बंगले पहुंच गए। मित्र को देख रुस्तम सिंह भावविह्वल हो गए। उन्हें गले लगाते ड्राइंग रूम में ले गए। बोले कैसे हो, बहुत दिन बाद आए।

'एक जरूरी काम से आया हूं।'

'हां हां बताओ।'

'कहां से शुरू करूं, कुछ समझ नहीं आ रहा।'

'बोलो, शुरू हो जाओ... तकल्लुफ कैसी?'

सहमते हुए उन्होंने श्रीनगर की घटना कह सुनाई। रुस्तम सिंह को विश्वास नहीं हुआ कि एक सिरफिरा आतंकवादी कैसे समर्पण की सोच सकता है। लेकिन जब उन्होंने उसके परिवार की निकटता के बारे में बताया, तो उन्हें संतोष हुआ।

रुस्तम सिंह की योजना के मुताबिक उन्होंने समीर को फोन लगाया।

समीर जैसे ही आया... सैनिकों ने राइफल तान कर उसे घेर लिया। उसकी तलाशी ली गई और बेड़ियों से उसे जकड़ दिया। वह बोला, बाबूजी आप तो बोले थे कि आजाद हो जाओगे?

'बेटा आजादी तुम्हें अवश्य मिलेगी कानूनी कार्यवाही तो पूरी होने दो।'

वह बैरक में चला गया। वे नम आंखों से घर आ गए। उन्हें संतोष था कि आतंकवादी शरणागत तो हुआ। ❑

सहमते हुए उन्होंने श्रीनगर की घटना कह सुनाई। रुस्तम सिंह को विश्वास नहीं हुआ कि एक सिरफिरा आतंकवादी कैसे समर्पण की सोच सकता है। लेकिन जब उन्होंने उसके परिवार की निकटता के बारे में बताया, तो उन्हें संतोष हुआ। रुस्तम सिंह की योजना के मुताबिक उन्होंने समीर को फोन लगाया। समीर जैसे ही आया... सैनिकों ने राइफल तान कर उसे घेर लिया। उसकी तलाशी ली गई और बेड़ियों से उसे जकड़ दिया। वह बोला, बाबूजी आप तो बोले थे कि आजाद हो जाओगे?

मौसम बदलने का इंतजार कब तक?

ललित प्रसंग

सुरेश सेठ

सत्ता पक्ष, विपक्ष से नाराज हो जाता है, क्योंकि विपक्ष उसके तले से कुर्सी खींचने की फिराक में लगा रहता है। कुर्सी नहीं खिंच पाती, तो सत्तारूढ़ दल के नेता विपक्षियों पर फिकरा कसते हैं कि 'उन्हें जुकाम हो गया था, हमने उतार दिया।' विपक्षी बहुत भन्नाते हैं और तब तक भन्नाते रहते हैं, जब तक कि जुकाम शर्मिंदा होकर उनसे रुख्सत नहीं ले लेता। राजनीति की छीछालेदर और एक-दूसरे पर कीचड़ फेंकने की यह आदत कोई नई बात नहीं। एक-दूसरे की टोपी उछालने के लिए ऐसे-ऐसे जुमले उछाले जाते हैं, बेबुनियाद बातों के कीचड़ से एक-दूसरे को रंगा जाता है कि अगर शिकार जाल में फंस जाए तो खुद ही परेशान होकर अपनी किस्मत का बिस्तर बांध लेता है। जमानत तो उसकी चुनाव परिणामों के बाद जब्त होती है। वह तो पहले ही महाप्रयाण के रास्ते पर चल दिया। जाते-जाते अपना कोई वंशज अवश्य कुर्सी की टोह में भिड़ा गया।

राजनीति में जिंदा रहना है, तो अपनी चमड़ी मोटी कर-के गैंडे जैसी बनानी होगी। जब चमड़ी का यों रूपांतरण हो जाए, तो नेता को हरदम सुमरिणी की माला पर एक ही सूत्र वेद वाक्य जैसा बार-बार जपना होगा कि 'हे तात, कोई मरे या जिए सुथरा घोल पतासा पिए।'

पूछिए, आज की राजनीति में अपने लिए कुर्सी की छीन-झपट में लगे हुए यह सुथरा साब कौन है? सुथरा यानी कि उजले झक्क सफेद कपड़े पहने हुए एक भद्र पुरुष, जिन्होंने एक मक्खी भी कभी नहीं मारी। अब अपनी राजनीति से अपनी उपलब्धियों के बखान से आम आदमी के लिए जन-कल्याण के लिए मक्खियों की ऐसी सौगात पेश कर रहे हैं कि जिनकी साफ-सफाई के लिए स्वच्छ भारत का कोई नारा पर्याप्त नहीं। इस स्वच्छ भारत ने उनकी टहनियों पर न जाने कितने फूल उगा दिए, लेकिन नतीजे में कूड़े के ढेर और बढ़ गए। बेशक इससे उनके भाषणों को मीडिया में शीर्षक मिल गए।

झाड़ू टोकरा लेकर अपने अनुयायियों के साथ स्वयं सफाई अभिनय पर वे निकले थे, तो प्रेस फोटोग्राफरों को अपने युग का मसीहा होने का एहसास देने के साथ पोज देने में थकते नहीं। ऐसे चित्र जब छपते, तो उनके साफ-सुथरा होने का एहसास देते। यह प्रशंसकों की करतल ध्वनि पर सवार होकर सत्ता का बताशा घोल कर पी जाता है। साल-दर-साल, चुनाव-दर-चुनाव, जब इस विजयश्री का सेहरा बांधने से उसकी उम्र अघा जाए, तो इसे अपने वंश की विरासत बना दीजिए। उनके भाई-भतीजे जब इन्हीं कुर्सियों पर अपने चमकते हुए चेहरे लेकर बैठ जाते हैं, तो उन्हें लगता है कि उन्होंने अनुदान और कल्याण के बताशे अपने परिवार तक सीमित करके परिवार की गरिमा को स्थापित करने का पुण्य कार्य कर दिया।

जनता का क्या है, वह पहले भी कूड़े के ढेर में पड़ी थी, आज भी उसी ढेर में पड़ी है। वह दिन-प्रतिदिन इतनी निश्चल होती जा रही है कि अब तो करवट भी नहीं बदलती। हां, जब उनकी रैली के नेतागण भाड़े की रैलियां आयोजित करते हैं, या अपने विजयश्री वरण की शोभायात्राएं निकालते हैं, तो उनके नारों या जयघोषों के स्वरों से ठहरा हुआ माहौल मिल जाता है। फिर जब कारवां निकल जाता है, तो उनके लिए बाकी रह जाता है, वही गर्दो-गुबार, जिसे फांकते हुए मौसम बदलने के साथ वह किसी और महामारी के फूटने का इंतजार करते हैं।

गर्मी थी, बारिश थी, तो उनको मिली थी डेंगू मच्छरों से फैलती डेंगू मलेरिया की ऐसी सौगात, जिसमें आदमी के प्लेटलैट्स कम हो जाने की घोषणा डॉक्टरों की दुकानदारी को असीम संतोष दे जाती है, और डेंगू मशीनों को बिगड़े रहने का संदेश। नगर पिता, जो हर बार अपनी जीत दुहरा सकने की ताकत के साथ नगर पितामह बन चुके हैं, तब दुहरा देते हैं कि इस बार हमने डेंगू का मुकाबला करने की पूरी तैयारी कर ली है। 'अब की बार न डेंगू रहेगा, और न उसका मलेरिया।' नारे से गदगद होने के बावजूद किसी निजी अस्पताल के भारी बिल से आक्रांत इलाज करवाने आया मरीज सोचता है कि यह बात उसने बारिश के दिनों में भी सुनी थी, जबकि उनके भद्र नेता जी ने फरमाया था कि इस बार सफाई, सीवरेज की व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है। बारिश थोड़ी देर हो या लगातार, अब कोई जल प्रलय नहीं होगा। सड़कें छप्पड़ों में तब्दील नहीं होंगी। अजी, होतीं भी कैसे, जब बरसात की पहली धमकी के साथ सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गईं। जब उनका वजूद ही नहीं रहा, तो क्या उनका छप्पड़ बनेगा और क्या उनमें डोंगी चलेगी। चलेगा, तो वही अनचाहे जल-थल का सिक्का, और उससे त्रहिमाम करता आम आदमी।

बारिश आई और डेंगू मलेरिया दे गई। मौसम पलटा, वह रुख्सत हुआ, तो स्वाइन फ्लू अयाचित मेहमान की तरह, हमारे घरों पर दस्तक दे रहा है। अब फिर मौसम बदलने और सर्दी घटने का इंतजार कीजिए, ताकि इस मृत्यु संदेश जैसी बीमारी से आपको निजात मिले। वाह साब, यह मौसम की परिक्रमा न हुई, घरेलू डॉक्टर हो गया, जिसके आने और जाने से भयावह महामारियां प्रवेश की इजाजत लेती हैं और विदा मांगती हैं।

इस बीच कोई महामना इनकी गिरफ्त में आ जाए, तो उनके प्रशंसक कह देते हैं, अहा! कितना त्याग। जनसेवा के लिए घोर परिश्रम किया तभी तो इसकी पकड़ में आ गए। उधर विपक्षी कहता है, क्यों घबराते हो। मात्र जुकाम है। आएगा और चला जाएगा। उनकी परिचर्चा के लिए डॉक्टर सिर के बल खड़े हैं, और दवाइयों या फलों से भरी सम्मान डालियां इंतजार करती रहती हैं।

बाहर कूड़े के ढेर के साथ बने खाली सरकारी अस्पताल में मरीजों की भीड़ मौसम बदलने का इंतजार करती है। मौसम बदले और रोग विदा हो। हर बार ऐसा ही होता है। खाली अस्पतालों में ताला झूलती सस्ती दवा की दुकानों के बीच संत्रस्त लोग मौसम बदलने और रोग की विदाई का इंतजार करते हैं। तकनीकी शब्दावली में इसे प्राकृतिक चिकित्सा कहते हैं। ❑

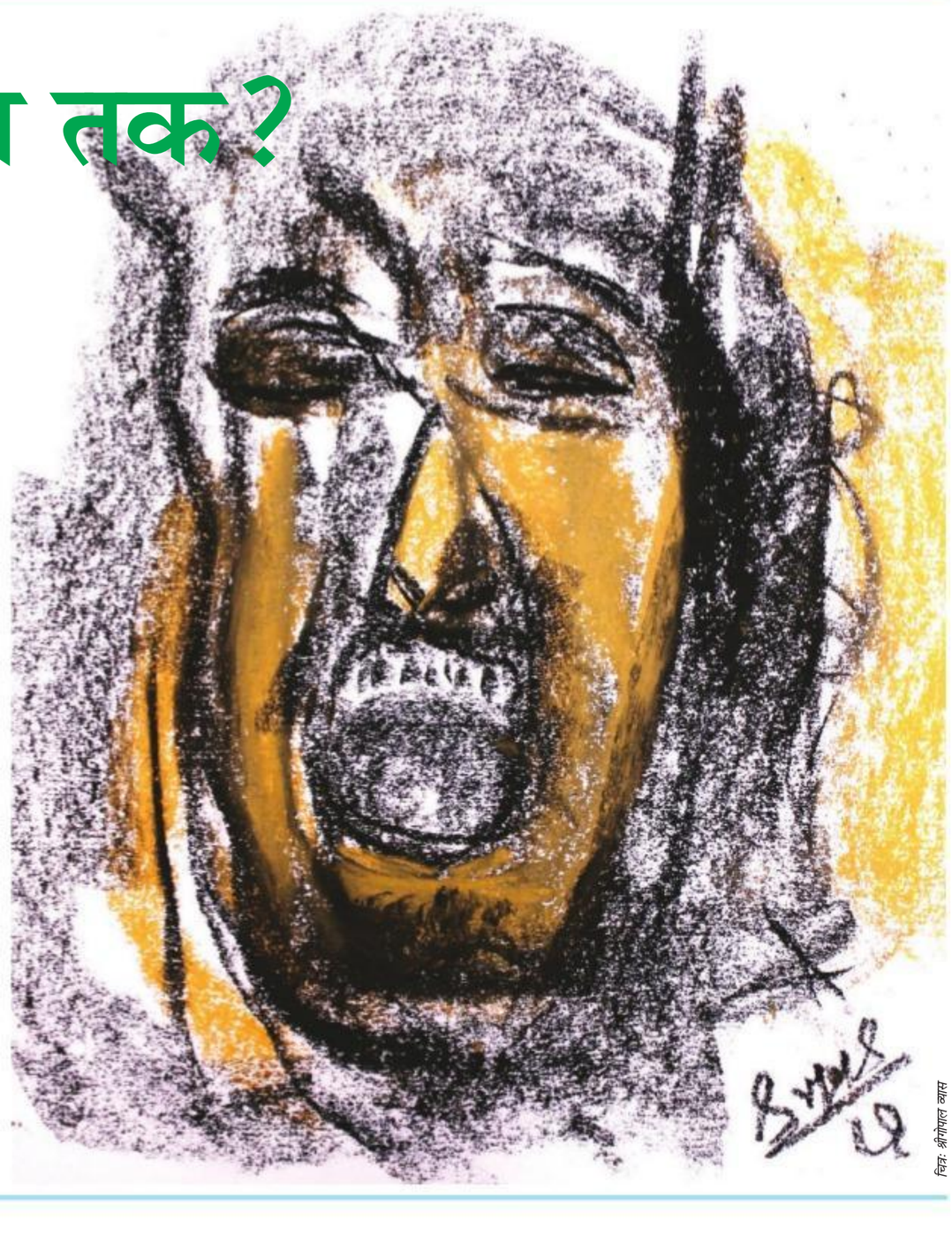
चित्र: श्रीगोपाल व्यास

कैसे तोड़ पाएंगे सांस्कृतिक रिश्ते?

चंद्र त्रिखा

संस्कृति

पाकिस्तान इस समय पूरी तरह दिशाहीन है। कश्मीर पर भारतीय फैसले उसके ख्वाबों में भी नहीं थे। विश्वपटल पर फिलहाल दुख बांटने के लिए कोई देश अपना कंधा भी देने को तैयार नहीं। बहरहाल, हमें ऐसी बातों से ज्यादा खुश भी नहीं होना चाहिए। पड़ोसी की ऐसी बेचारगी से हमें तकलीफ होनी चाहिए। ज्यादा तकलीफदेह यह है कि अब पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 'से नो टू इंडिया' यानी 'भारत को ना कहें' के नाम से एक नया अभियान चलाया है, जो संस्कृति, सभ्यता और साझी विरासत के किसी भी मानदंड पर उचित नहीं लगता। पाक अपने राजनीतिक, कूटनीतिक और सैनिक फैसले अपने स्तर पर ले, यह उसका हक है। मगर सांस्कृतिक और साभ्यतिक स्तर पर 'भारत को ना कहने' का कोई हक आपके पास नहीं है।

कारण स्पष्ट है। संस्कृति में साझेदारी की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उनसे छेड़छाड़ मुमकिन नहीं है। बाबा फरीद, गुरु नानक देव, मियां मीर, वारिस शाह, बुल्लेशाह और बाद में फैज, मंटो, कासमी, कतील शिफाई, हबीब जालिब, अहमद फराज और उसके बाद आबिदा, मेहदी हसन, गुलाम अली किस-किस की खुशबू को कैद कर पाएंगे वहां के हुक्मरान!

इमरान खान और उनके सभी साथियों और फौजी जुंडली को शायद इस बात का एहसास भी नहीं है कि सांस्कृतिक विरासत न तो विदेश नीति या कूटनीति का हिस्सा है और न ही चुनावी राजनीति से उसका कोई सरोकार होता है। यह खिड़की बंद नहीं हो सकती।

कल क्या करवट लेता है, मालूम नहीं। लेकिन बाबा फरीद का दर्शन, उनका कलाम, उनका काव्य किसी भी सीमित भौगोलिक इकाई की बौद्धिक संपदा नहीं बन सकता। बाबा की दरगाह पर आतंकी हमलों के बावजूद कहीं भी उस फकीर की वाणी पर कोई खरोंच नहीं आई।

अगर गुरुनानक वहां अब भी एक बड़े तबके के लिए 'नानक शाह फकीर' हैं या अब भी ननकाना साहब या करतारपुर में नित्य 'वॉक' निकालने की रस्म बदस्तूर जारी है, तो सिर्फ अंतरराष्ट्रीय सिख समुदाय की तुष्टि के लिए नहीं है। वहां अब भी हजारों की संख्या में मुसलिम जनसमुदाय की भी श्रद्धा है।

मियां मीर की दरगाह पर भी आतंकी हमले हुए हैं। मगर मियां के किस्से, किंवदंतियां और स्वर्ण मंदिर की नींव का पत्थर रखने वाली बातें आज भी याद की जाती हैं, दोहराई जाती हैं। यह वह शख्सियत थी, जिसकी एक निगाहे-करम के लिए उस समय के दिल्ली के शहंशाह भी तरसते थे। जामा मस्जिद मजहब का केंद्र हो सकती है, मगर मियां मीर की दरगाह सभी इमामबाड़ों से भी बढ़ कर मुसलिम समाज के एक बड़े तबके के लिए अकीदत का केंद्र है।

वारिस शाह पर जितने शोध प्रबंध भारतीय विश्वविद्यालयों में लिखे गए, उतने शायद वर्तमान पाकिस्तान के विश्वविद्यालयों में भी नहीं लिखे गए। बुल्लेशाह अब भी भारतीय गायकों, शोधार्थियों और बुद्धिजीवी समाज में प्रासंगिक भी हैं और पसंदीदा भी। फैज की पूरी जिंदगी और उनका पूरा कलाम पूरे उपमहाद्वीप में अब भी पढ़ा, सुना और जिया जाता है। उनकी एक तिहाई उम्र अपने मुल्क की जेलों में कटी और एक तिहाई भारत में। मंटो, हबीब जालिब, उस्ताग चिरागदीन दामन, अहमद फराज, कतील शिफाई अब भी लाखों भारतीयों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

वर्तमान पाक शासकों को इस बात का भी शायद एहसास नहीं कि अजमेर के गरीब नवाज ख्वाजा और दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से लाखों पाकिस्तानियों के दिलों की धडकनें जुड़ी हैं।

उन्हें शायद इस बात का भी इल्म नहीं है कि भारत का एक बड़ा बुद्धिजीवी वर्ग जिसमें 'सिविल सोसायटी' के अलावा अनेक ऐसी संस्थाएं हैं, जो इस पड़ोसी देश के लिए दुआ करती रही हैं कि यह पड़ोसी अपनी भीतरी विसंगतियों और अंतर्विरोधों से बाहर आए।

भारत के लाखों लोग कटासराज, शादानी दरबार हिंगलाज मंदिर, बाबा लालू-जसराय मंदिर-दीपालपुर आदि स्थलों में अपनी आस्था रखते हैं।

बहावलपुर और मुल्तान, डेरागाजी खान आदि पाकिस्तान की 'सरायकी' भाषा के मुख्य केंद्र हैं। वही सरायकी भारत में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों की मातृभाषा है। भारत में अब भी सरायकी भाषा में साहित्य रचा, पढ़ा और सुना जाता है। जब सीमा पार जाने के रास्ते बंद हुए, तो यहां भारत में 'सरायकी' का भाषागत स्वरूप निखरना शुरू हो गया। डॉ. राणा गन्नौरी सरीखे भारतीय अदीबों ने न केवल जम कर सरायकी में लिखा, बल्कि 'हिंदी-मुल्तानी विश्वकोष' का भी संकलन और प्रकाशन कर डाला, जो कि अब पाकिस्तान में भी मकबूल है और विश्व के कई अन्य देशों में भी प्रचलित है। जहां-जहां मुल्तानी, बहावलपुरी भाषा और बोली से जुड़े लोग हैं, वहां-वहां यही शब्दकोष पहुंचा है।

संगीत की दुनिया में अब भी राग भैरवी, राग जयजयवंती, राग मल्हार, राग यमन कल्याण आदि समान रूप से पाकिस्तानी संगीत की जान हैं। सरगम के सातों स्वर और सुर एक जैसे हैं। यही सिलसिला कला और स्थापत्य के क्षेत्र में है।

अब इन सांस्कृतिक रिश्तों पर न तो भारत 'नो टु पाकिस्तान' कह सकता है, न ही पाकिस्तान 'नो टु इंडिया' कह सकता है। आप किन्हीं अधिसूचनाओं के जरिए ऐसे ऐलान करेंगे, तो भी उन पर अमल मुमकिन नहीं है।

थोड़ा ध्यान मुअनजोदड़ो, तक्षशिला और हड़प्पा पर ही दे लेते। वर्ष 1981 में तक्षशिला को यूनेस्को ने विश्व धरोहर का दर्जा दिया था। अब भी वहां हर वर्ष दस लाख पर्यटक आते हैं। इसके खंडहरों की 'डेटिंग' बताती है कि इसकी स्थापना ईसा के लगभग एक हजार वर्ष पूर्व हुई थी। यहां चाणक्य के नीति उपदेशों की मौर्य कालीन गूंज अब भी जेहन से टकराती है, बशर्ते कि जेहन को खुला रखें। एक समय में यहां बौद्धों का भी प्रभामंडल दमकता था। कभी यह गांधार नरेशों का भी प्रमुख स्थान था। थोड़ा यह भी बता दूं कि यह स्थल जिला रावलपिंडी में है और इस्लामाबाद से इसकी दूरी लगभग बत्तीस किलोमीटर ही है।

अब इन रिश्तों को आप कौन-से पुराने संदूकों में कैद करेंगे? ■

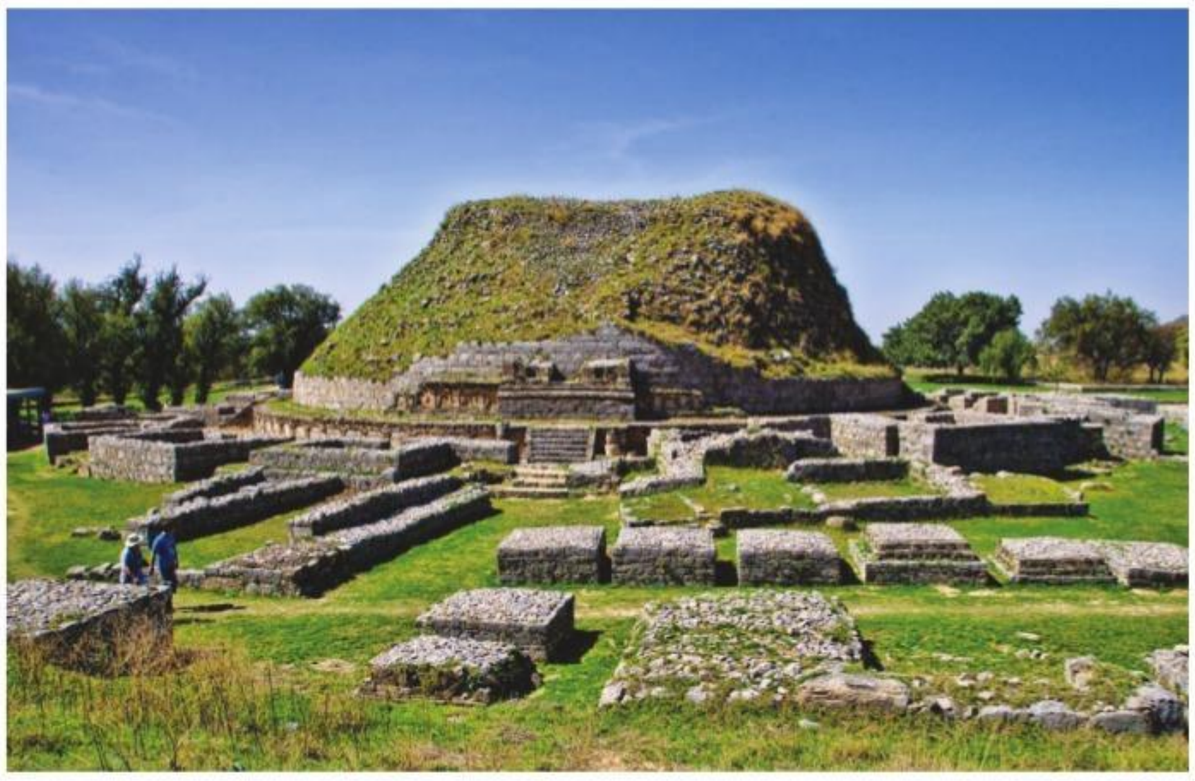

फिराक गोरखपुरी

जन्म : 28 अगस्त, 1896
निधन : 3 मार्च, 1982

शख्सियत

फिराक गोरखपुरी भारत के समकालीन उर्दू शायर थे। उनका जन्म गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनका मूल नाम रघुपति सहाय था।

प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने उर्दू, फारसी और अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री हासिल की। फिराक की रुचि शुरू से ही उर्दू शायरी में रही। उनके समकालीनों में अल्लामा इकबाल, फ़ैज़ अहमद फ़ैज़, कैफी आजमी और साहिर लुधियानवी जैसे प्रसिद्ध शायर शामिल थे। फिराक को उर्दू साहित्य जगत में अपने आप को स्थापित करने में बहुत जद्दोजहद करनी पड़ी। इसलिए कि उनकी शायरी रिवायत से थोड़ी हट कर थी। मगर उनका ढंग कुछ लोगों को पसंद आता था। इस तरह बेहद कम उम्र में वे उर्दू शायरी में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे। 29 जून, 1914 को उनका विवाह किशोरी देवी से हुआ।

सिविल सेवा से प्रोफेसर

वे प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) और भारतीय सिविल सेवा (ब्रिटिश भारत) (आईसीएस) के लिए चुने गए। मगर नौकरी छोड़ कर वे महात्मा गांधी के अहसयोग आंदोलन में कूद पड़े और अठारह महीने की जेल की सजा भी काटी। जेल से छूटने के बाद जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस के कार्यालय में अवर सचिव का पद दिला दिया था। नेहरू जी के यूरोप चले जाने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया। बाद में उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी साहित्य में व्याख्याता के रूप में नौकरी की। यही समय था जब उन्होंने ज्यादातर उर्दू शायरी लिखी। उसमें उनकी कृति 'गुल-ए-नगमा' शामिल थी, जिस पर उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार और 1960 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला। वे उर्दू साहित्य में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले रचनाकार थे।

मस्तमौला इंसान

फिराक गोरखपुरी बेहद मस्तमौला किस्म के इंसान थे। इसके अलावा उनके व्यक्तित्व में विद्रोही, अलग अंदाजे-गुफ्तगू, गुस्सा, अपार करुणा और दरियादिली का अद्भुत समन्वय था। हिंदी साहित्यकारों में सिर्फ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला से उनकी बनती थी।

प्रमुख रचनाएं

फिराक गोरखपुरी की प्रमुख रचनाएं हैं- 'गुल-ए-नगमा', 'मश्अल', 'रूह-ए-कायनात', 'नग्म-ए-साज', 'गजलिस्तान', 'शेरिस्तान', 'शबनमिस्तान', 'रूप', 'धरती की करवट', 'गुलबाग', 'रम्ज व कायनात', 'चिरागां', 'शोला व साज', 'हजार दास्तान', 'बज्मे जिन्दगी रंगे शायरी'। इनके अलावा उन्होंने 'हिंडोला', 'जुगनू', 'नकूश', 'आधी रात', 'परछाइयां' और 'तरान-ए-इश्क' जैसी खूबसूरत नज्में और 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' जैसी रुबाइयों की रचना की है। उन्होंने एक उपन्यास 'साधु और कुटिया' तथा कई कहानियां भी लिखी हैं। उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उनकी दस गद्य कृतियां प्रकाशित हैं।

सम्मान और पुरस्कार

'गुल-ए-नगमा' के लिए उन्हें साहित्य अकादेमी पुरस्कार और भारतीय ज्ञानपीठ सम्मान के अलावा सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था। फिराक गोरखपुरी को भारत सरकार ने साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए 1968 में पद्म भूषण से सम्मानित किया था। 1970 में उन्हें साहित्य अकादेमी फेलोशिप और 1981 में गालिब अकादमी पुरस्कार से विभूषित किया गया था। उनकी जीवनी, 'फिराक गोरखपुरी : द पोएट ऑफ पेन एंड एक्स्टसी', उनके भतीजे अजयमान सिंह ने लिखी, जो 2015 में प्रकाशित हुई। इस पुस्तक में उनके जीवन और उनके कुछ कार्यों के अनुवाद को शामिल किया गया था।

निधन : लंबी बीमारी के बाद नई दिल्ली में उनका निधन हो गया। ■

खिचड़ी

खिचड़ी का नाम सुनते ही कई लोग नाक-भौं सिकोड़ने लगते हैं। उनका मानना है कि यह बीमार लोगों का भोजन है। मगर खिचड़ी के स्वाद में जो विविधता और गुण हैं, वह दूसरे व्यंजन में नहीं। आयुर्वेद में भादों के महीने यानी जो महीना अभी चल रहा है, उसमें खिचड़ी और घी का सेवन स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम माना गया है। कई जगह मंदिरों में प्रसाद के रूप में खिचड़ी बांटी जाती है। देश का शायद ही कोई हिस्सा हो, जहां खिचड़ी न खाई जाती हो। इस तरह खिचड़ी पकाने के तरीके में भी विविधता है। इस बार खिचड़ी के बारे में।

दाना-पानी

मानस मनोहर

आमतौर पर खिचड़ी दाल और चावल को एक साथ मिला कर हल्दी, नमक, हींग डाल कर खूब सारा पानी के साथ पका ली जाती है। फिर इसमें जीरे का तड़का दे दिया जाता है। मगर इसके अलावा हर इलाके की खिचड़ी के अलग-अलग रंग-रूप-स्वाद हैं। कई जगह शादियों में भी खिचड़ी परोसी जाती है, जैसे मारवाड़ी विवाहों में खिचड़ी जरूर रखी जाती है। इसी तरह महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के राज्यों में रेस्तरां, होटल वगैरह में भी खिचड़ी व्यंजन के तौर पर शामिल होती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि के पारंपरिक घरों में तो शनिवार की रात को खिचड़ी खाने का रिवाज-सा है। गुजरात की खिचड़ी के अपने रंग हैं।

खिचड़ी का मतलब केवल आसानी के लिए चावल-दाल को एक साथ पका लेना नहीं होता। इसमें तरह-तरह की सब्जियां डाल कर भी पकाया जाता है। कई जगह इसे पुलाव की तरह सूखा पकाया जाता है, तो कई जगह खूब पानी डाल कर। इसके अलावा केवल चावल की खिचड़ी नहीं बनती। इसमें दलिया, साबूदाना वगैरह का भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस मौसम में चूंकि पाचनतंत्र मंद होता है, हल्का भोजन ही लेना चाहिए। इसीलिए इस मौसम में खिचड़ी खाने को कहा जाता है। खिचड़ी में जरूरी नहीं कि दाल का उपयोग करें ही। लौकी, गाजर, गोभी, साग आदि जो भी इस मौसम में सब्जी उपलब्ध है, उसके साथ चावल, नमक, हल्दी, हींग डाल कर प्रेशर कुकर में खूब गला लें और खाएं, यह पेट के लिए मुफीद है। यही प्रक्रिया दलिया और साबूदाने के साथ भी अपना सकते हैं।

मगर कुछ खास इलाकों की कुछ खास खिचड़ी बनानी हो, तो उसकी विधि जानना जरूरी है।

मारवाड़ी खिचड़ी

मारवाड़ी खिचड़ी को गट्टे का पुलाव भी कहते हैं। यह एक तरह से वेज पुलाव की तरह होता है। उत्तर प्रदेश की तहरी भी कुछ ऐसी ही होती है। इसमें खड़े मसालों और सब्जियों का उपयोग होता है। दाल नहीं इस्तेमाल की जाती।

मारवाड़ी खिचड़ी बनाने के लिए कुछ तैयारी करनी जरूरी होती है। इसके लिए चावल को आधा घंटा पहले भिगो कर रख दें। इसके लिए बासमती चावल लें, तो स्वाद बेहतर आएगा। फिर, इसमें चूंकि गट्टे का इस्तेमाल होता है, इसलिए पहले गट्टे बना लें। बेसन में नमक, चुटकी भर हल्दी, हींग, लाल मिर्च पाउडर, अजवाइन के दाने और भरपूर घी या तेल डाल कर ठीक से रगड़ कर मिला लें। पानी का छींटा देते हुए कड़ा गूंथ लें, जैसे गट्टा बनाने के लिए गूंथते हैं। इसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। इन गट्टों को कड़ाही में हल्का घी डाल कर आधा पकने तक धीमी आंच पर तल कर अलग रख लें। खिचड़ी में देसी घी का उपयोग करें, तभी स्वाद आता है।

अब इसमें डालने के लिए एक आलू छील कर छोटे टुकड़ों में काट लें। फूल गोभी के कुछ टुकड़े ले लें। इन्हें भी अलग-अलग आधा पकने तक तल लें। फिर हरी मटर के दाने और टुकड़ों में कटी शिमला मिर्च को भी अलग-अलग तल लें। सारी सब्जियों और गट्टे को एक साथ ठंडा होने के लिए रख दें।

अब एक कड़ाही में दो से तीन चम्मच घी गरम करें। उसमें जीरा, साबुत धनिया, दालचीनी का छोटा टुकड़ा, चकरी फूल, कुछ साबुत काली मिर्चें, दो साबुत लाल मिर्चें, दो तेजपत्ता, दो-चार छोटी इलाइची डाल कर तड़का लें। फिर इसमें कुछ काजू के दाने डालें और तल लें। अब चुटकी भर हल्दी, लाल मिर्च पाउडर डालें और सबको मिला लें। इस खिचड़ी में प्याज-लहसुन की जरूरत नहीं पड़ती, फिर भी अगर आपको पसंद है, तो डाल सकते हैं। फिर तड़का तैयार हो जाने के बाद भिगोया हुआ चावल डालें और उसमें चावल से दोगुनी मात्रा में पानी डाल कर ढक्कन लगा दें। उबाल आने के पांच मिनट बाद सब्जियां डाल कर मिलाएं। अगर लग रहा है कि पानी कम पड़ेगा, तो थोड़ा और गरम पानी डाल सकते हैं। फिर नमक डाल कर ढक्कन लगा दें और पकने दें। जब पानी सूख जाए, तो आंच बंद कर दें। अदरक और हरा धनिया काट कर ऊपर से डालें और खाने के लिए परोसें। खिचड़ी के साथ छाछ, रायता, दही, अचार, नीबू, पापड़ का मेल अच्छा होता है।

साबूदाने की खिचड़ी

साबूदाने की खिचड़ी दोनों तरह से बनती है। पानी वाली और सूखी। इसके लिए कम से कम चार घंटे तक साबूदाने को भिगो कर रखें। भिगोते समय पानी इतना ही डालें कि साबूदाने की सतह तक आए, तभी उसके दाने-दाने अलग रहेंगे। फिर अगर पानी वाली खिचड़ी बनानी है, तो कुकर में देसी घी का तड़का लगाएं और उसमें सब्जियों और साबूदाने को साथ डाल कर भरपूर पानी के साथ दो सीटी आने तक पका लें।

अगर सूखी खिचड़ी बनानी है, तो कुछ मूंगफली के दाने और कुछ मूंग की दाल को पहले घी में तल कर अलग रख लें। फिर कड़ाही में जीरा, राई और कढ़ी पत्ते का तड़का लगाएं और जो सब्जियां आप डालना चाहते हैं, जैसे उबले हुए आलू, गाजर, बीन्स वगैरह, डाल दें। सब्जियां नहीं भी डाल सकते हैं। फिर साबूदाने में नमक, लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच सब्जी मसाला डालें और उसे चलाते हुए पकाएं। ऊपर से तली हुई मूंगफली और मूंग दाल डालें। फिर अदरक और धनिया के कटे पत्ते डाल कर ठीक से मिला लें। आंच बंद करके थोड़ी देर ढंक कर रखें, फिर नीबू निचोड़ कर खाने को परोसें। ■

बरसात में खानपान

सेहत

बरसात में बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ा जाता है। मक्खी-मच्छरों से फैलने वाले रोगों के साथ इस मौसम में अधिकतर रोग दूषित खानपान से फैलते हैं। सड़कों के किनारे खुले में बिकने वाली ज्यादातर खाने-पीने की चीजें दूषित होती हैं। हालांकि इस मौसम में सावधानी न बरती जाए, तो पांच सितारा होटल या घर का खाना भी आपको बीमार कर सकता है। ऐसे में बरसात के दौरान भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है।

बाहर का खाना

इस मौसम में ठेले, ढाबों की चाट-पकौड़ी, भेल देख कर मुंह में पानी भर जाता है। लेकिन ऐसा खाना आपको बीमार कर सकता है। कारण कि सड़क किनारे या होटलों में खाना पकाने से परोसने तक साफ-सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता है। खाना पकाने से लेकर खिलाने तक की सारी प्रक्रिया खुले में होती है, जिसमें सड़कों की धूल-मिट्टी तो पड़ती ही है, मक्खी, मच्छर और कीड़े खानों पर बैठ कर दूषित कर देते हैं। भोजन देर तक रखा रहे, तो उसमें अपने आप हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। समोसे, पकौड़े या चाट वगैरह की सामग्री दुकान वाले सुबह ही तैयार कर लेते हैं, जिसका दिन भर उपयोग करते रहते हैं। इस तरह उसमें बैक्टीरिया के पैदा होने का खतरा अधिक रहता है। दूषित खाने से हैजा, फूड प्वाइजनिंग और पेट का संक्रमण, पीलिया और पेट खराब होने का डर होता है। इसलिए जितना हो सके इस मौसम में बाहर का बना भोजन खाने से बचना चाहिए।

साफ पानी पीएं

सबसे ज्यादा बीमारियां पानी से फैलती हैं। वहीं बरसात में दूषित पानी से बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लगातार बारिश के कारण भूजल का स्तर बढ़ जाता है, जो हैंडपंप आदि से मिलने वाले स्वच्छ पानी को भी प्रभावित करता है। वहीं जगह-जगह पानी के पाइप से रिसाव होने के कारण गंदगी पानी में घुल जाती है, जो लोगों को बीमार बनाती है। इसलिए बरसात में फिल्टर्ड पानी का प्रयोग करना चाहिए। अगर फिल्टर्ड नहीं हो तो पानी उबाल कर ठंडा कर पीएं। इस मौसम में किसी कारणवश बाहर का खाना खाना पड़े तो खाएं, लेकिन पानी हमेशा स्वच्छ पीएं। खुले पानी या ठेले पर मिलने वाले पानी के बजाय बोतल बंद पानी का इस्तेमाल करें।

फलों का रस न पीएं

इस मौसम में जितना हो सके बाहर का फलों का रस, गोला, कुल्फी और नींबू पानी से बचना चाहिए, क्योंकि इससे बीमार होने का खतरा होता है।

घर का खाना

बरसात में फूड पवॉइजनिंग या फूड इंफेक्शन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। वातावरण में बारिश और उमस भरी गर्मी या फिर अचानक ठंड होने से घर में पका खाना भी ज्यादा समय तक नहीं टिकता और चार से पांच घंटे में खराब हो जाता है। इसलिए इस मौसम में बासी भोजन खाने से बचना चाहिए। अगर सुबह बनी सब्जी, दाल या चावल का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले सूंघ कर खाने की जांच करें, फिर उसका इस्तेमाल करें।

हाथ की सफाई

इस मौसम में कुछ भी खाने से पहले हाथ को जरूर धोएं। दरअसल, हाथों में सूक्ष्म कीटाणु चिपके होते हैं, जो भोजन के साथ पेट में जाकर आपको बीमार कर सकते हैं। इसलिए खाना खाने से पहले हाथों को साबुन या हैंडवॉश से अच्छी तरह साफ करें।

साग-सब्जी

बरसात में हरा साग, फूल गोभी, पत्ता गोभी जैसी सब्जियां ज्यादा नहीं खानी चाहिए। दरअसल, बरसात में इन सब्जियों में छोटे-छोटे कीड़े चिपके होते हैं, जिससे पेट खराब हो सकता है।

इस मौसम में खुले में रखे कटे हुए फलों को भी नहीं खाना चाहिए। खुले में रखे फल-सब्जियों पर मक्खी-मच्छर बैठ कर उन्हें दूषित कर देते हैं, जिनसे उल्टी, दस्त, हैजा जैसी बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। बारिश के मौसम में आम में कीड़े हो सकते हैं, इसलिए आम संभल कर खाएं।

नुस्खे जो बरसात में रखें बीमारियों से दूर

- संतुलित और प्रोटीन युक्त आहार लें।
- ताजा फल और साफ पानी पीएं।
- खाना हमेशा ढंक कर रखें और केवल ढंका हुआ साफ-स्वच्छ और ताजा भोजन ही ग्रहण करें।
- घर में सफाई का खयाल रखें।
- बरसात में घर में पानी इकट्ठा न होने दें। बारिश की वजह से घर के कोनों और गमलों में पानी जमा हो जाता है। चिकनगुनियां और डेंगू के मच्छर इसी साफ पानी में पैदा होते हैं। इसलिए घर में एसी, गमले या कूलर में पानी को जमा न होने दें।
- किचन को भी साफ-सुथरा रखें। ■

Jion @NewspapersToday

बागवानी का मौसम

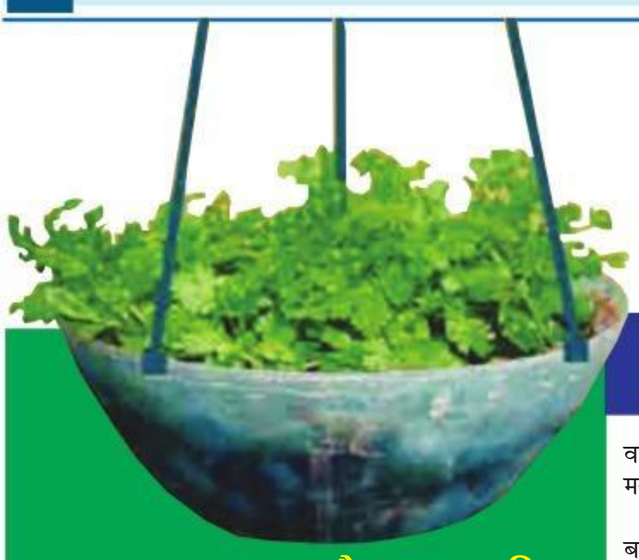

अब बरसात का मौसम समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। यही समय है, जब घर की बागवानी के लिए मिट्टी वगैरह की तैयारी कर लेनी चाहिए। सर्दी में उगने वाली कई सब्जियों के पौधे भी इसी मौसम में रोपे जाते हैं। गुलदाउदी, डेहलिया जैसे फूलों की पौध भी इसी मौसम में तैयार की जाती है। घर में सब्जियां उगाई जाएं, तो न सिर्फ कई चीजों के लिए बार-बार बाजार जाने से छुट्टी मिल जाती है, बल्कि इनसे घर की सजावट भी हो जाती है। घर में बागवानी की तैयारी के बारे में पेश हैं रवि डे के सुझाव।

शायद ही कोई होगा, जिसे घर में पौधे लगाना पसंद न हो। बहुत सारे लोग बाजार से फूलदार पौधे खरीद कर लाते हैं। उनकी देखभाल माली पर छोड़ देते हैं। मगर अगर खुद पौधों के बारे में जानकारी रखें और उन्हें उगाना, उनकी मिट्टी, पानी, खाद वगैरह का ध्यान रखना सीख जाएं, तो यह न सिर्फ घर की शोभा बढ़ाने में मददगार होगा, बल्कि आपके मन को भी बहुत अच्छा लगेगा।

यह मौसम बागवानी के लिए बहुत खास है। बरसात खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। इसी मौसम में सर्दी में उगने वाले बहुत सारे पौधों का रोपण किया जाता है। कई सब्जियों, जैसे बैगन, टमाटर, मिर्च, फूल गोभी वगैरह की पौध तैयार की जाती है। इसके अलावा बरसात की वजह से जिन पौधों की जड़ें फैल कर गमले को घेर लेती हैं, उनमें अतिरिक्त शाखाएं फूट आती हैं, उनकी कटाई-छंटाई और खाद-मिट्टी बदलने का भी मौसम होता है।

बनाएं घर में शाक उद्यान

घर में कुछ साग-सब्जियां जरूर उगानी चाहिए। इसके लिए ज्यादा जगह की जरूरत भी नहीं होती। रसोई की जगह में, बालकनी, खुली छत पर कुछ गमले रख कर शाक उद्यान यानी किचेन गार्डन बनाया जा सकता है। जरूरी नहीं कि शाक उद्यान में घर की हर जरूरत की सब्जी बोई जाए। पर कुछ चीजें ऐसी हैं, जो हर घर में आसानी से उगाई जा सकती हैं और उनका रोजमर्रा इस्तेमाल भी होता है। मसलन, पुदीना, धनिया, लहसुन, हरी मिर्च। इनके लिए एक या दो गमले रखना पर्याप्त होता है। पुदीना अगर दो गमलों में रोप दें, तो इससे रोजमर्रा की जरूरत पूरी हो सकती है। इसी तरह दो गमलों में बदल-बदल कर धनिया उगाई जा सकती है। एक या दो गमलों में लहसुन उगाया जा सकता है। जब एक गमला खाली होने लगे, तो दूसरे गमले में रोप दें। इसी तरह हरी मिर्च के दो पौधे रोजमर्रा की जरूरत पूरी कर सकते हैं। मिर्च में फल बहुत आते हैं।

शाक उद्यान बनाने के लिए बालकनी उपयुक्त जगह होती है। अगर आपका घर भूतल पर है, तो और जगह मिल सकती है। अगर आपकी छत खुली हुई है, तो वहां बड़ा हिस्सा मिल जाता है शाक उद्यान बनाने का। शाक उद्यान बनाने के लिए चौकोर गमलों का उपयोग किया जा सकता है। आजकल प्लास्टिक के हल्के गमले बनने लगे हैं, जिन्हें बालकनी में रखा जा सकता है। इसके लिए बालकनी की मुंडेर पर लोहे की रेलिंग बनवाई जा सकती है। इसी तरह छत पर लकड़ी या लोहे के फट्टों से सीढ़ीदार जगह बनाई जा सकती है, जिस पर गमले रख कर पौधे उगाए जा सकते हैं। इनमें आप बैगन, टमाटर, गोभी, लौकी जैसे पौधे भी उठा सकते हैं। ये कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जो बहुत फल देती हैं और घर की काफी जरूरत इनसे पूरी हो सकती है।

शाक उद्यान बनाने का फायदा यह है कि घर पर आर्गेनिक तरीके से सब्जियां उगाई जा सकती हैं, जो सेहत की दृष्टि से बहुत लाभदायक है।

फूलदार पौधे

इस मौसम में ही सर्दी में खिलने वाले फूलों जैसे गुलदाउदी और डेहलिया की पौध तैयार की जाती है। इसके लिए छत पर या भूतल पर खाली जगह में प्लास्टिक से ग्रीन हाउस तैयार कर पौधशाला बनाया जा सकता है। नर्सरी से खरीदने पर ये पौधे काफी महंगे मिलते हैं। इसलिए अगर आपको खूब सारे पौधे लगाने हैं, तो अपनी नर्सरी बनाना ज्यादा बेहतर रहता है। इसी मौसम में गुलदाउदी की टहनियां काट कर उनकी कलम तैयार करना शुरू कर दें। इसी तरह डेहलिया की पौध भी तैयार करें।

इस मौसम में इन फूलों की कलम रोपना इसलिए उपयुक्त होता है कि इस समय न तो बहुत तीखी धूप होती है और न अधिक छांह। इन पौधों की कलम तैयार होने के लिए मौसम में जितनी उमस चाहिए, वह पर्याप्त बनी रहती है।

इसी तरह बैगन, टमाटर, मिर्च और फूल गोभी की पौध तैयार करने के लिए भी यही उपयुक्त मौसम है। बरसात खत्म होने के बाद यानी सितंबर अंत तक इन पौधों को गमलों या क्यारियों में रोप देना चाहिए, ताकि इनकी बढ़वार शुरू हो जाए।

खाद-मिट्टी

घर में शाक उद्यान बनाना हो या फिर फूलों के गमले तैयार करने हों, उनमें रासायनिक खाद के बजाय कंपोस्ट और गोबर की खाद का ही इस्तेमाल करना चाहिए। कंपोस्ट घर में ही आसानी से बनाई जा सकती है। हरी सब्जियों और दूसरी सब्जियों के छिलके वगैरह को एक मिट्टी के मटके में डालते जाएं। उसमें थोड़ी सूखी पत्तियां और गुड़ की एक छोटी, डली, एक चम्मच हल्दी पाउडर डाल दें, इससे बदबू नहीं आएगी। इस मौसम में कंपोस्ट जल्दी बन कर तैयार हो जाती है। यों कंपोस्ट तैयार करने की बाल्टियां बाजार में भी मिलने लगी हैं।

गोबर की खाद बाजार यानी नर्सरियों में खूब मिलती है। वहां से खरीद लें। अभी जितनी मात्रा आपने गोबर की खाद और कंपोस्ट की ली है उतनी ही मात्रा आधा-आधा करके रेत और मिट्टी की लें और सब कुछ को मिला कर छोड़ दें। मिट्टी हमेशा खेत से ऊपर सतह की लेनी चाहिए। मगर शहरों में ऐसा करना संभव नहीं होता, इसलिए मिट्टी की मात्रा कम करके गोबर की खाद की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। इस मिश्रण को चाहें तो इसे गमलों में भर कर रख सकते हैं या फिर खाली जगह है, तो वहां छोड़ सकते हैं। कुछ दिनों तक पानी, धूप, उमस रहने से ये सारी चीजें आपस में घुल-मिल जाएंगी। फिर जब इनमें पौधे रोपने हों, तो मिट्टी को उलट-पलट कर कम से कम दो दिन खुला रख दें। फिर गमलों में भरें और पौधा रोप दें।

निरंतर बागवानी

शाक उद्यान में कुछ ऐसी चीजें भी उगाई जा सकती हैं, जो थोड़े-थोड़े अंतराल पर बोई और फिर खाई जाती हैं। इनमें मूली, शलजम, पालक, मेथी, हरा प्याज, आदि हैं। इसके लिए दो गमले तैयार करें। एक गमले में साग बो दें, जब वह उपयोग के लायक होने लगे, तो दूसरे गमले में वही साग बो दें। जैसे मेथी दाने एक गमले में बो दें, फिर पंद्रह दिन बाद दूसरे गमले में बो दें। इस तरह जब एक गमले का साग खत्म होगा, तब तक दूसरे गमले का तैयार हो जाएगा, फिर उसमें नई पौध लगाई जा सकती है। हरा प्याज, मूली आदि के साथ भी ऐसा ही कर सकते हैं, क्योंकि ये साग-भाजी जल्दी तैयार हो जाते हैं।

इसी तरह बालकनी में रस्सियों का जाल बना कर ऊपर तान सकते हैं और गमलों में करेला, लौकी जैसी बेल वाली सब्जियां उगा कर उन पर चढ़ाई जा सकती हैं। गमले में उगाए दो करेले की बेलें भी जरूरत भर का फल दे देती हैं। लौकी की एक बेल भी पर्याप्त फल दे सकती है। ❑

नन्ही दुनिया

कहानी

गिरा टूट कर डाली से

मोहम्मद अरशद खान

पीपल का एक पेड़ था। खूब घनेरा। उसकी लंबी और मोटी शाखाएं दूर तक फैली हुई थीं।

पतझर का मौसम आया तो उसके पत्ते पीले होकर झड़ने लगे। पत्तों से भरी घनी-घनी डालें तिनकों का जाल रह गईं।

सबसे ऊंची डाली पर एक पत्ता अभी लगा रह गया था। वह टूट कर गिरने से डर रहा था। जब हवा का झोंका आता तो वह थर-थर कांप उठता। उसके पैर उखड़ने लगते। डर के मारे वह पीला और कमजोर पड़ता जा रहा था। उसने हवा से विनती करते हुए कहा, 'बहन, जरा धीरे चलो। तुम्हारे झोंके मेरे पैर उखाड़े दे रहे हैं।'

हवा ने कहा, 'देखो पीले पत्ते, बसंत आने में समय कम बचा है और अभी बहुत काम बाकी पड़ा है। अगर मैंने डालों से पुराने पत्ते नहीं हटाए तो बसंत उनमें नई-नई कोपलें कैसे टांकेगा? और सूरज उन्हें भोर की किरणें पिला कर कैसे हरा-भरा कर सकेगा?'

पत्ते के बार-बार गिड़गिड़ाने पर हवा ने उसे उड़ा कर एक पुराने घर के झरोखे में बिठा दिया। उसने कहा, 'यहां तुम्हें छेड़ने कोई नहीं आएगा। तुम यहां अराम से बैठ कर दुनिया के नजारे ले सकते हो।'

मरता क्या न करता, पत्ते को मानना पड़ा।

पर अभी थोड़ा ही समय बीता था कि एक भूरी चींटी आकर उस पर चिल्लाने लगी। उसके पीछे दूर तक चींटियों की लंबी कतार बनी हुई थी।

'ओ पीले पत्ते, हमारा रास्ता छोड़ो। हम भोजन के लिए एक मरे हुए टिड्डे को लाने जा रहे हैं।'

'देखो, मैं अभी थका हूं। घबराहट से मेरा शरीर अब तक कांप रहा है। इसलिए मैं कहीं नहीं जाने वाला। तुम चाहो तो मेरे ऊपर से होकर जा सकती हो।' पत्ते ने कहा।

चींटियां राजी हो गईं। उनकी कतार उसके ऊपर से होकर उस पार जाने लगी। नन्हे पैरों से पत्ते को गुदगुदी हुई तो वह हंसने लगा।

'बेवजह हंसना बंद करो। और यहां से दफा हो जाओ। मुझे यहां अपना जाल बनाना है।' तभी छत से लटकती हुई एक गुस्सैल मकड़ी आई और उस पर चिल्लाने लगी।

'मकड़ी रानी, तुम तो कहीं भी अपना जाल लगा सकती हो। यह जगह मुझ बेचारे के लिए क्यों नहीं छोड़ देती?'

मकड़ी ने मुंह बना कर कहा, 'यहां जाल में फंसने के लिए कीट-पतंगे खूब मिलते हैं। अंदर के अंधेरे से जब वे रोशनी की तरफ भागते हैं तो मैं उन्हें अपने जाल में फंसा लेती हूं।'

पत्ते ने किसी तरह मकड़ी को फुसलाया। वह मान कर दूसरी जगह की तलाश में चली गई। पत्ते ने सुकून से एक बड़ी-सी जमुहाई ली और आंखें बंद कर लीं।

पर तभी भनभनाती हुई एक ततैया आ धमकी। उसके नन्हे पैरों में मिट्टी का लोंदा लटका हुआ था।

'अब तुम्हें क्या चाहिए?' पत्ते ने ऊब कर पूछा।

'मुझे यहां अपने लार्वों के लिए मिट्टी का घर बनाना है।' ततैया ने जवाब दिया।

'तुम कहीं और क्यों नहीं चली जातीं?'

'यह जगह धूप और पानी से दूर है। यहां मेरे लार्वे सुरक्षित रहेंगे।'

'देखो, मैं यह जगह नहीं छोड़ने वाला। तुम कोई और जगह तलाश लो,' पत्ते ने झुंझला कर कहा और उसकी तरफ से ध्यान हटा लिया।

ततैया निराश होकर दूसरी जगह की तलाश में चली गई।

पत्ता अभी चैन की सांस ले भी नहीं पाया था कि अचानक तेज हवा के झोंके से वह उड़ते-उड़ते बचा।

'ओए, छोटू! यहां से जल्दी निकलो।' कबूतरों का जोड़ा पंख फड़फड़ाते हुए मंडरा रहा था।

पत्ता उन्हें देख कर डर गया और गिड़गिड़ाता हुआ बोला, 'लेकिन मैं यहां से हटा तो सीधा नीचे गिरूंगा और लोगों के पैरों तले रौंद दिया जाऊंगा। हवा से शुष्क हो रहा मेरा शरीर चूर-चूर हो जाएगा।'

उसकी बात पर दोनों कबूतर 'गुटर-गूं' करके हंसने लगे।

कबूतरी बोली, 'तुम बेवजह डरते हो। तुमने देखा नहीं? तुम्हारे सारे साथी तितलियों की तरह हवा में तैर-तैर कर धरती पर कैसे उतर गए? अब सब मिल कर कैसी मस्ती कर रहे हैं। एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर नाच-गा रहे हैं। कोई कलाबाजियां खा रहा है, कोई दौड़ लगा रहा है। कोई उछल-कूद रहा है। कोई खिलखिला रहा है। तुम बेवजह डर रहे हो। बाहर निकलो, देखो हर तरफ खुशियां ही खुशियां बिखरी हुई हैं।'

पत्ते ने नीचे झांक कर देखा। सचमुच सारे पत्ते उछल-कूद कर मौज मना रहे थे। उन्हें खुश देख कर पत्ते के मन का डर खत्म हो गया।

उसने झरोखे से बाहर हल्की-सी छलांग लगाई और हवा में तैर गया। वह सीधे पेड़ की जड़ों के पास गिरा। वहां नमी थी। उसके सूख रहे तन को बहुत सुकून मिला। उसने अपना शरीर ढीला करके धरती से सटा दिया, ताकि वह ज्यादा से ज्यादा नमी सोख सके। अब पत्ते को बहुत अच्छा लग रहा था। ❑

कविता

सलीम खां फरीद

हर बोल मधुर मनभाता हो

रसना से बरबस रस बरसे
हर बोल मधुर मनभाता हो।
हम बोलें तो ऐसे बोलें
ज्यों चातक मेघ बुलाता हो।

मन मिले नहीं और गले मिलें
ऐसा मिलना भी क्या मिलना
मिलिए ऐसे ज्यों मरुथल में
मृग को पानी मिल जाता हो।

जीवन के दो साथी सुख-दुख
फिर दुख आए घबराना क्या
है कौन, जो दुख में तपे बिना
धन, वैभव और यश पाता हो।

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

स्वगत / स्वागत

अपने आप से बातें करना या कुछ कहना **स्वगत** कहलाता है। जैसे नाटकों में कई बार कोई पात्र अपने आप से कुछ कहता है, जैसे वहां कोई और हो ही न। इसे स्वगत कथन कहते हैं। जबकि **स्वागत** किसी अतिथि का आगे बढ़ कर आदरपूर्वक अभिनंदन करना, उसका अभिवादन करना होता है।

साध / साधु

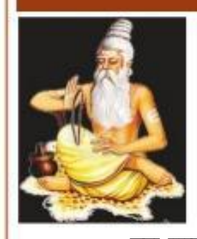

इच्छा, अभिलाषा, उत्कंठा के लिए **साध** शब्द का प्रयोग होता है। जब किसी की कोई इच्छा पूरी हो जाए, तो कहते हैं कि उसकी साध पूरी हो गई। जबकि **साधु** का अर्थ होता है संत, महात्मा, सज्जन व्यक्ति। इस शब्द से तो आप परिचित हैं।